CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHJK User: vivek.tyagi Time: 12-14-2025 22:38 Color:

नई दिल्ली > **सोमवार, 15 दिसंबर 2025** > मार्गशीर्ष 24 शक संवत 1947 पौष कृष्ण एकादशी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 79, संख्या 297 > पेज 16 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

*मासिक खरीद पर ही लागू

www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या **subscribe.timesofindia.com** पर जाएं।

BJP के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने नितिन नबीन

▶ देखें अंदर

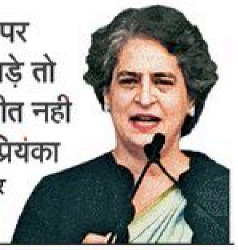

मत पत्र पर चुनाव लड़े तो BJP जीत नही पाएगीः प्रियंका

▶ देखें अंदर

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH08 User: cci Time: 12-14-2025 23:26 Color:

मेरी कॉलोनी मेरा शहर

हमे कई इलाको से सैकड़ो लोग अपने क्षेत्र की समस्याएं रोजाना भेज रहे है। उनमे से कुछ हम पब्लिश कर रहे है।

रोड किनारे फैला कचरा बना परेशानी

मुरारी सिंह पवार मार्ग, साउथ गणेश नगर में रोड किनारे रखे डस्टबिन के आसपास भी काफी कूड़ा पड़ा रहता है, जिससे राहगीरों और ट्रैफिक निकलने में दिक्कत होती है। साथ ही दिनभर धूल उड़ती है। **-एके गुप्ता, साउथ गणेश नगर**

पुलिया हुई डैमेज, हादसे का खतरा

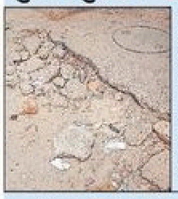

जहांगीरपुरी के ई ब्लॉक में पुलिया पूरी तरह डैमेज हो गई है। जिसकी वजह से कभी भी हादसा हो सकता है। साथ ही यहां से निकलने पर टूव्हीलर वालों को परेशानी उठानी पड़ती है। संबंधित विभाग इस समस्या पर ध्यान दे। **-तरुण, जहांगीरपुरी**

डियर पार्क की हालत हुई खराब

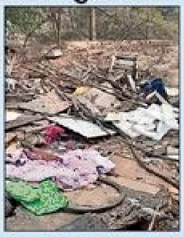

सफदरजंग एनक्लेव में ग्रीन पार्क के डीडीए के डियर पार्क का हाल काफी खराब हो चुका है। इन दिनों यह कूड़े का डंपिंग ग्राउंड बना जा रहा है। डीडीए के अधिकारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए, जिससे इसकी हालत में सुधार हो सके। **-अनिल टोकस, सफदरजंग एनक्लेव**

स्ट्रीट डॉग्स का बढ़ता खौफ

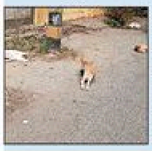

रोहिणी में स्ट्रीट डॉग्स का खौफ काफी बढ़ गया है। ये आए दिन किसी न किसी पर हमला कर देते है। जो काफी पीड़ादायक होता है। एमसीडी से अनुरोध है कि वह इस समस्या का समाधान करें। **-दिलवर सिंह नेगी, रोहिणी**

अपने फोटो और विडियो इस वट्सऐप नंबर 9220747220 पर भेज सकते हैं या इस QR कोड को स्कैन करें। मैसेज में अपना नाम जरूर लिखें।

खबर छपी तो बनने लगी मेन रोड और गलियां

■ NBT रिपोर्ट, आजाद नगर

10 साल से भी अधिक समय से जर्जर पड़ी वेस्ट आजाद नगर कॉलोनी की मेन रोड और कई गलियों के बनने का काम शुरू हो गया है। कुछ जगह सीवर मेन पाइपलाइन भी बदले जा रहे हैं। इससे लोग काफी राहत महसूस कर रहे हैं।

एनबीटी ने इस समस्या के संबंध में 26 नवंबर को प्रमुखता से खबर छापी थी। लोगों ने बताया की टूटी मेन रोड और गलियों के कारण कई साल से अनेक समस्याएं पैदा हो रही हैं। इनमें आर्य गीता स्कूल से सतनाम मार्ग में जाकर जुड़ने वाली सड़क, माधव डिस्पेंसरी से शहीद भगत सिंह पार्क की तरफ जा रही गली नंबर 1, 8 और इससे जुड़ी गलियों की हालत काफी खराब है। एनबीटी सुरक्षा कवच ग्रुप गांधीनगर से जुड़े RWA के प्रेसिडेंट रविंद्र सिंह छाबड़ा ने बताया कि सतनाम मार्केट जा रही मेन रोड और कई गलियों के टूटने के कारण वहां टूव्हीलर भी आसानी से नहीं चल पाते हैं।

वहां रहने वाली पूनम तिवारी ने बताया था के गलियों में इतने अधिक बड़े और गहरे गड्ढे हो गए हैं कि कई बार लोग चोटिल हो रहे थे। वेस्ट आजाद नगर की अनेक गलियों की हालत खूब खराब थी। ए ब्लॉक की गड्ढों में फंसकर गिरने के मामले सामने आते रहते हैं। एनबीटी में खबर छपने के बाद संबंधित विभाग में हरकतें तेज हो गई थी। लोगों ने बताया कि दिसंबर से मेन रोड गलियां और नालियां बनाने का काम शुरू हो गया।

काम शुरू होने से लोगों को मिली राहत

नंद नगरी: आवारा पशुओं के आगे MCD हुई बेबस

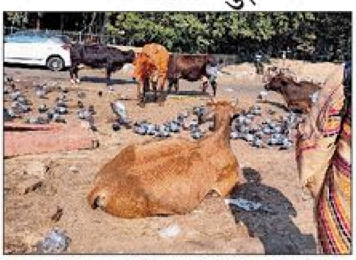

हिंसक पशुओं के कारण लोगों के चोटिल होने की शिकायतें आती रहती हैं

■ NBT रिपोर्ट, नंद नगरी

नंद नगरी (वॉर्ड 220) की सड़क, गलियों और पार्कों में घूम रहे खुले पशुओं की रोकथाम के लिए MCD में पार्षद की ही सुनवाई नहीं हो रही है। लोगों का आरोप है कि MCD की लापरवाही के कारण गलियों तक में लोगों का सुरक्षित चलना मुश्किल हो गया है। आए दिन हिंसक पशुओं के कारण लोगों के चोटिल होने की शिकायतें आती रहती हैं। ट्रैफिक भी बुरी तरह से प्रभावित रहता है। नंद नगरी के पार्षद रमेश कुमार बिसाईया का आरोप है कि आवारा पशुओं और क्षेत्र में अवैध रूप से चल रही डेयरियों के खिलाफ की जा रही लोगों की शिकायतों को अनसुना किया जा रहा है। उन्होंने खुद MCD कमिश्नर से लेकर स्थानीय स्तर पर कई बार लिखित शिकायतें की है, लेकिन आज तक किसी एक शिकायत का भी जवाब नहीं मिला है। MCD का पशु विभाग भविष्य में कोई कार्रवाई करेगा या नहीं। इसकी भी जानकारी नहीं मिल पा रही है। एनबीटी सुरक्षा कवच ग्रुप जीटीबी से जुड़े अरुण शर्मा ने बताया कि जीटीबी एन्क्लेव स्थित पेट्रोल पंप और रामलीला ग्राउंड के बीच वाली रोड नंबर-68 पर आवारा पशुओं का जमावड़ा सबसे अधिक रहता है। इसके कारण ट्रैफिक लगातार प्रभावित रहता है। ट्रैफिक के पीक समय में हालात और भी गंभीर हो जाते हैं।

सरकारी डिस्पेंसरी की हालत है खराब

राजेश पोद्दार, नरेला

नरेला की पंजाबी कॉलोनी में स्थित श्रीमती बुद्धो देवी हंस, आम आदमी पोलीक्लिनिक की हालत बेहद जर्जर हो चुकी है। जिस इमारत में यह डिस्पेंसरी चल रही है, वहां के कमरे बदहाल स्थिति में हैं। दीवारों से प्लास्टर गिर रहा है, जगह-जगह दरारें, टूटा हुआ सीलिंग फॉल्स और दीवारों पर पेंट की पपड़ी उतरती नजर आती है। ये हालत न सिर्फ इलाज कराने आने वाले मरीजों के लिए खतरा है, बल्कि डॉक्टर, नर्स और अन्य स्टाफ भी डर के साए में काम करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इमारत की मरम्मत की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन विभाग की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हुई।

इलाके में रहने वाले विष्णु दत्त भारद्वाज ने बताया कि सरकार किसी अनहोनी का इंतजार कर रही है, इस बिल्डिंग को नई सिरे से बनाने की जरूरत है। वहीं कर्मचारियों ने बताया कि इस इमारत को डैंजरस घोषित भी किया जा चुका है और कई बार इसे पास के कम्युनिटी सेंटर में शिफ्ट करने की मांग उठाई गई, लेकिन अब तक कोई फैसला नहीं हुआ। भोरगढ़ गांव की डिस्पेंसरी को विभाग ने जर्जर बता कर यहां शिफ्ट कर दिया गया, जिससे वहां के लोगों की परेशानी बढ़ी, यहां भी अव्यवस्था और बढ़ गई है। अब इस पोलीक्लिनिक में दो डिस्पेंसरी का स्टाफ बैठता है, लेकिन डॉक्टर सिर्फ एक है। हर दिन यहां ओपीडी में रोजाना 150- 200 मरीजों की भीड़ रहती है। इसके अलावा लगभग 2,500 से अधिक CGHS पैनल के वरिष्ठ नागरिक यहां रजिस्टर्ड हैं।

नरेला के क्लिनिक की छत की हालत खराब है, इससे प्लास्टर गिरता है

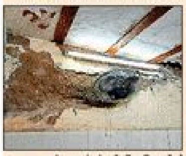

अंदर बने कमरों में भी स्थिति बुरी है, दिवारों से भी प्लास्टर निकल रहा है

भोरगढ़ के ग्रामीणों पर असर

डिस्पेंसरी के शिफ्ट होने से भोरगढ़ के लोग परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तीन–चार किलोमीटर दूर पंजाबी कॉलोनी तक पहुंचना मुश्किल है। मदन सैनी ने बताया कि डिस्पेंसरी हटने से जच्चा-बच्चा टीकाकरण अभियान प्रभावित हुआ है। कई महिलाएं समय पर टीकाकरण नहीं करा पा रही हैं और बुजुर्गों को बीपी-शुगर की दवाएं नहीं मिल पातीं। यहां कोई सरकारी अस्पताल की सुविधा नहीं है। ऐसे में ग्रामीणों ने अपनी मेन चौपाल घर की इमारत, जो की तीन मंजिल की है उसमें डिस्पेंसरी वापस शिफ्ट करने की मांग प्रशासन से की है।

रोहिणी: पौधे लगाने को लेकर लापरवाही

■ NBT रिपोर्ट, रोहिणी: रोहिणी सेक्टर-15 स्थित बाबाजी वाला पार्क में पौधे लगाने को लेकर भारी लापरवाही सामने आई है। लोगों का आरोप है कि करीब 20 दिनों से पौधे पार्क में रखे हुए हैं, लेकिन न तो कर्मचारी और न ही माली इन्हें जमीन में लगा रहे हैं। ऐसे में अब पौधे सूखने की कगार पर पहुंच गए है। लोगों का कहना है कि पिछले साल भी पार्क में नारियल, खजूर सहित कई अन्य पौधे लगाए गए थे, मगर देखभाल की कमी से ये सभी सूख गए। सुरक्षा कवच ग्रुप के सदस्य पवन कुमार यादव ने बताया इस बार भी नई खेप में आए दर्जनों पौधों का वही हाल होता नजर आ रहा है।

NBT सुरक्षा कवच — मिलकर बनाएं दिल्ली को आदर्श

नहीं हो रही मार्केट की सफाई, न नालियों की, कैसे दूर होगी गंदगी?

■ नवीन निश्चल, जनकपुरी

वेस्ट दिल्ली के जनकपुरी इलाके में स्थित 1976 में DDA के द्वारा बनाई गई छोटी सब्जी मंडी में 400 दुकानें हैं। यहां ज्यादातर सब्जियों के अलावा पनीर, मटर जैसे दूसरे प्रोडक्ट की भी शॉप हैं। लेकिन यहां मार्केट के दुकानदारों का कहना है कि DDA ने जब इस मार्केट को MCD के हवाले किया है, तब से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नालियां बंद पड़ी हुई है, सफाई पर डिपार्टमेंट का ध्यान नहीं है। दुकानों के आगे लोगों ने जो शेड, छज्जा अस्थाई रूप से ग्राहकों की सुविधा के लिए बना दिया था, उसको भी बुलडोजर से तोड़कर हटा दिया गया है। मार्केट असोसिएशन के प्रेसिडेंट महेंद्र कुमार पाहूजा का कहना है कि एमसीडी का सिर्फ बुलडोजर कार्रवाई पर ध्यान है। यहां की समस्याओं, साफ-सफाई, बंद पड़ी नालियों पर कब ध्यान दिया जाएगा। असोसिएशन के महासचिव अमित अरोड़ा ने कहा, कोई दुकान छोटी है तो कोई बड़ी लेकिन हक सबका है, मार्केट में तोड़फोड़ करके सब तहस नहस करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि यह मार्केट नहीं कोई खंडहर बन गया है।

DDA ने मार्केट को MCD के हवाले किया, तब से नहीं दे रहा कोई ध्यान

नहीं उठ रहा था कूड़ा, बदलेंगे ऑटो टिप्पर के पॉइंट्स

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: ऑटो टिप्पर्स ड्राइवर के लिए बनाए गए पिकअप पॉइंट्स की संख्या 15 से घटाकर पांच करने का फैसला लिया गया है। वॉर्डों में जिस पॉइंट पर सुबह के समय कर्मचारियों की हाजिरी होती है, उसी पॉइंट से ऑटो टिप्पर ड्राइवर कूड़ा कलेक्शन शुरू करेंगे। एमसीडी के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि ऑटो टिप्पर्स के रूट का निर्धारण करने का अधिकार जोनल चेयरमैन के अलावा डिप्टी कमिश्नर को दिया गया है। जिस जोन ने रूट का निर्धारण कर लिया है उसके आधार पर हेड क्वॉर्टर स्तर पर सॉफ्टवेयर में बदलाव किया जा रहा है।

एमसीडी ने अपने सभी 12 जोनों में कूड़ा उठाने का काम प्राइवेट कंपनियों को सौंपा हुआ है। लगभग सभी 12 जोनों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि ऑटो टिप्पर्स उनकी कॉलोनियों में नजर नहीं आते और आता भी है तो वह कूड़ा नहीं उठाता। इस वजह से कॉलोनियों में जगह जगह कूड़े के ढेर नजर आते हैं।

डेम्स कमिटी के चेयरमैन संदीप कपूर ने बताया कि जब हमने इन शिकायतों का बारीकी से अध्ययन कर यह पता लगाने का प्रयास किया कि जब ऑटो टिप्पर कॉलोनियों में घूमता है तो फिर वह कूड़ा क्यों नहीं उठा रहा है। कई ऑटो टिप्पर ड्राइवर्स से भी बात की गई।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी में स्टाफ का संकट, शुरू कई पदों पर भर्ती

NBT 2 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, फरीदाबाद

दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए बम ब्लास्ट के बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी एक बार फिर चर्चा में है। सुरक्षा और अस्थिर हालात के बीच यूनिवर्सिटी को गंभीर स्टाफ संकट का सामना करना पड़ रहा है। पढ़ाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए अल-फलाह स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर ने मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में कई पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। भर्ती प्रक्रिया के तहत प्रोफेसर, असोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर, जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर, टीचिंग स्टाफ और नर्सिंग स्टाफ के पद शामिल हैं। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि कुछ पदों पर तुरंत जॉइनिंग करने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया के अगले चरण में बुलाया जाएगा। अल-फलाह मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की लगभग 150 सीटें हैं, जिन पर दाखिला नीट यूजी स्कोर और काउंसलिंग के माध्यम से होता है। इसके अलावा यहां मेडिकल पीजी सहित कई अन्य पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं।

फैकल्टी की कमी से प्रभावित हुई पढ़ाई: दिल्ली ब्लास्ट की घटना के बाद यूनिवर्सिटी की शैक्षणिक व्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित हुई है। सूत्रों के अनुसार, अचानक कई फैकल्टी मेंबरों के नौकरी छोड़ने से पढ़ाई व्यवस्था चरमरा गई है। करियर को लेकर असमंजस के चलते अब तक 10 से अधिक असिस्टेंट प्रोफेसर यूनिवर्सिटी छोड़ चुके हैं, जिसके कारण छात्रों के लेक्चर नियमित रूप से नहीं हो पा रहे हैं। स्थिति को देखते हुए एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों को अस्थायी रूप से अवकाश पर भेज गया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्रों से कहा है कि वे किसी तरह का तनाव न लें और छुट्टियां घर पर बिताएं।

कई कर्मचारी अनुपस्थित: यूनिवर्सिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में कुल करीब 200 नर्सिंग स्टाफ तैनात है। इनमें लगभग 80 प्रतिशत मुस्लिम और 20 प्रतिशत हिंदू कर्मचारी हैं। बताया जा रहा है कि कुल स्टाफ में से करीब 35 प्रतिशत कश्मीरी मूल के हैं, जिनमें से लगभग 45 प्रतिशत कर्मचारी फिलहाल गैरहाजिर चल रहे हैं। इनमें डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ दोनों शामिल हैं।

सकते में कर्मचारी

■ दिल्ली ब्लास्ट से यूनिवर्सिटी का कनेक्शन जुड़ने पर 10 से अधिक असिस्टेंट प्रोफेसर छोड़ चुके हैं नौकरी

प्रबंधन का बयान

यूनिवर्सिटी प्रबंधन का कहना है कि जल्द से जल्द नए स्टाफ की भर्ती कर खाली पदों को भरा जाएगा, ताकि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो और शैक्षणिक गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित हो सकें।

रेप के बाद मर्डर कर शव सूटकेस में डालकर NH किनारे फेंका था

■ NBT न्यूज, हापुड़

नैशनल हाइवे-9 के थाना पिलखुवा एरिया में काले सूटकेस में मिले युवती के कंकाल का पुलिस ने खुलासा कर दिया। युवती झारखंड की रहने वाली थी और दिल्ली के कारोबारी के यहां मेड का काम करती थी। 28 अगस्त को रेप के बाद हत्या कर शव को ऑटो से फेंक दिया गया था। पुलिस ने हत्यारोपी दंपती को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से युवती का मोबाइल सहित तीन अन्य फोन और डंडा बरामद किया गया।

राम हास्पिटल के पास एक दिसंबर को पुलिस ने काले सूटकेस से एक युवती का कंकाल बरामद किया था। एसपी विनीत भटनागर ने बताया कि हापुड़ से लेकर दिल्ली तक 300 सीसीटीवी कैमरे व विभिन्न थानों में 200 गुमशुदगी की जांच की गई। जगह-जगह पोस्टर चिपकाए थे। इसी दौरान उन्हें पता चला कि दिल्ली के थाना विवेक विहार में एक व्यापारी ने अपनी मेड की मिसिंग रिपोर्ट लिखवाई थी। उन्होंने व्यापारी के घर जाकर उनसे व मेड से पूछताछ की। वहां काम करने वाली एक मेड ने बताया कि वह मूल रूप से झारखंड की रहने वाली है। हापुड़ स्थित एजेंसी के संचालक ने उसे यहां पर काम दिलाया। उसकी सहेली भी यहीं पर काम करती थी। एजेंसी संचालक अंकित ने मिसिंग मेड के साथ रेप किया और उसकी हत्या कर दी।

हत्यारोपी दंपती को गिरफ्तार

महानगर खेल

आप भी हमें अपनी खेल खबर और फोटो भेजिए nbtreader@timesofindia.com पर। सब्जेक्ट में लिखें Khel

यशस्वी, रेहान, मोहित चमके

यशस्वी | रेहान | मोहित

यशस्वी राज (5/49) की घातक गेंदबाजी के बाद रेहान आलम (125) और मोहित पाल (119) की दमदार शतकीय पारी की बदौलत गौतम क्रिकेट क्लब (312/4) ने एमआरएम क्रिकेट टूर्नामेंट में एएससीए (312/10) को सुपर ओवर तक चले मैच में शिकस्त दी।

गौतम-अभिषेक का धमाल

गौतम महेन्द्रू (110 रन, 81 बॉल, 8 फोर, 6 सिक्स) के शतक और अभिषेक सिंह (4/36) की घातक गेंदबाजी के अलावा आदित्य भारद्वाज (48) व दक्ष डाल (2/18) के अहम योगदान से विजय दहिया अकैडमी (276/4) ने पांचवें रोशन लाल सेठी मेमोरियल अंडर-19 टूर्नामेंट में शांति फ्रेंड्स क्लब (228/10) को 48 रन से हराया।

सिटी क्रिकेट क्लब को खिताब

दीपांशु (5/45) की धारदार गेंदबाजी और विराज श्रीवास्तव (28 रन, 2/21) व धीरशाह हेगड़े (52 रन) के आकर्षक खेल की बदौलत सिटी क्रिकेट विंग्स (175/10) ने प्रथम बुद्धराम धनी देवी अंडर-10 कप में स्टार क्रिकेट अकैडमी (168/10) को 7 रन से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया।

स्टार अकैडमी बनी चैंपियन

समीर खान (5/33) की घातक गेंदबाजी और आदित्य (41) व एक्स (34) की बदौलत स्टार क्रिकेट अकैडमी (188/9) ने प्रथम आरसी U-14 टूर्नामेंट के फाइनल में एयरलाइनर अकैडमी (142/10) को 46 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। पराजित टीम से अनंत ने 81 रन की पारी खेली।

अमन की घातक गेंदबाजी

अमन सैनी (6/33), पीयूष (56) और नमन (42) की बेहतरीन प्रदर्शन से उदय भान अकैडमी (162/3) ने प्रथम सोबो U-17 टी20 टूर्नामेंट में एमएस अकैडमी (95/10) को 67 रन से हराया।

अबीर का शतक

अबीर मानकताला (108 रन, 53 बॉल, 19 फोर, 4 सिक्स), बलराज सिंह (31) और एकम (30) की उम्दा बल्लेबाजी के दम पर ऐस क्रिकेट अकैडमी (212/4) ने पीआरएम अंडर-12 कप में स्टार बॉर्न अकैडमी (211/8) को 6 विकेट से हराया। पराजित टीम से जय ने 89 रन की पारी खेली।

तुषार-कुश का जलवा

तुषार भारद्वाज (90), कुश नागपाल (76), शिवांक वशिष्ट (3/26) और आदित्य नारंग (3/44) की बदौलत पीएमजी क्लब (231/3) ने डीडीसीए टी20 लीग में पूसा यंगस्टर्स (217/8) को 14 रन से हराया। पराजित टीम से शौर्य प्रताप सिंह ने 130 रन की जोरदार पारी खेली।

दीपक का दमदार खेल

दीपक पूनिया (7/13) की घातक गेंदबाजी और 13 गेंद पर 32 रन की धुआंधार पारी की बदौलत कोलाज ग्रुप (184/5) ने डीडीसीए टी20 लीग में किशनगंज जिमखाना (139/10) को 45 रन से हरा दिया।

शौर्य का शतक

शौर्य यादव (140) के शतक और कार्तिक महाजन (45), सिद्धार्थ अहिरवार (29 रन और 3 विकेट) की बदौलत द्रोणाचार्य सफायर क्रिकेट अकैडमी (278/10) ने नौवें एस क्रिकेट टूर्नामेंट अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट में बाल भवन द्वारका (154/10) को 124 रन से हराकर खिताब जीता। रनर अप रही टीम से दीक्षित चौहान ने 5 विकेट निकाले।

दिनेश राज क्रिकेट फाइनल में

देव भाटी (146* रन, और 2/33) के ऑलराउंड खेल और प्रणव डेढ़ा (46), कृष्णा डेढ़ा (4/22) के शानदार खेल की बदौलत दिनेश राज क्रिकेट अकैडमी (272/5) ने केआर शर्मा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में एसवी यूथ (168/10) को 104 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

उपलब्धि | अंतर्राष्ट्रीय मैगजीन में हाल ही में प्रकाशित हुई रिपोर्ट, IUCN के रेड जोन में शामिल है बिल्ली की यह प्रजाति

मांगरबनी में दिखी दुनिया की सबसे छोटी बिल्ली

■ दीपाली श्रीवास्तव, गुड़गांव

अरावली की हरियाली और चट्टानी ढलानों के बीच बसे मांगरबनी ने एक बार फिर अपनी अनोखी बायोडायवर्सिटी का असरदार प्रमाण दुनिया के सामने रखा है। अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'कैट न्यूज 82 में प्रकाशित रिसर्च में खुलासा हुआ है कि यहां दुनिया की सबसे छोटी जंगली बिल्ली 'रस्टी-स्पॉटेड कैट' की मौजूदगी है।

कैमरा ट्रैप में लगातार मिल रहे प्रमाण न सिर्फ इस दुर्लभ प्रजाति की बिल्ली के यहां होने की मौजूदगी की पुष्टि करते हैं बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि यह लंबे समय से मांगरबनी में रह रही है। रिसर्चर मानते है कि कैमरा ट्रैप में ऐसी रिकॉर्डिंग यह दर्शाती है कि मांगरबनी जैसे इलाके अरावली की सबसे महत्वपूर्ण बायोडायवर्सिटी शरणस्थलियों में से एक है।

कैमरा ट्रैप में रिकॉर्ड हुई रस्टी-स्पॉटेड कैट

कैमरे में अलग-अलग जगह आई नजर

रिसर्च के अनुसार, मांगरबनी में अगस्त–सितंबर 2023 के दौरान इस प्रजाति की बिल्ली की चार बार कैमरा ट्रैप में रिकॉर्डिंग हुई। एक बार तो यह बिल्ली अपने शिकार इंडियन जर्बिल के साथ भी कैमरे में कैद हुई। वहीं, फरवरी और अप्रैल 2024 में भी इसे अलग-अलग स्थानों पर रिकॉर्ड किया गया। बता दें कि यह रिसर्च मांगरबनी के रिसर्चर सुनील हरसाना और दिल्ली की नीलेश कौशिक ने की है। ये लोग पिछले कुछ वर्षों से इस एरिया में दुर्लभ और अनोखी प्रजातियों का अस्तित्व तलाश रहे हैं।

इस खास प्रजाति की बिल्ली पर अध्ययन की तैयारी

बिल्ली के लिए आदर्श आवास मौजूद : रिसर्च के अनुसार, मांगरबनी का पहाड़ी ढलान, पुराने पेड़-पौधे और बोल्डरों में बने प्राकृतिक क्रैक इस छोटी बिल्ली के लिए आदर्श आवास बनाते है।

इस प्रजाति के लिए बढ़े खतरे : रस्टी-स्पॉटेड कैट IUCN रेड लिस्ट में असुरक्षित श्रेणी में है। भारत, श्रीलंका और नेपाल में मिलने वाली इस बिल्ली पर प्राकृतिक घर खत्म होना, शिकार, तेजी से हो रहे शहरीकरण जैसे खतरे लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में मांगरबनी सेफ जोन बनकर उभरा है।

रिसर्चर करेंगे रेजिडेंसी का अध्ययन : हरियाणा वाइल्ड लाइफ के साथ मिलकर ये दोनों रिसर्चर यहां उनकी संख्या और उनके रेजिडेंट का पता लगाएंगे। जिससे ये पता लगे कि यह बिल्ली मांगरबनी में स्थायी रूप से रहती है और इसका विस्तार कहां तक है।

कई बड़े मांसाहारी भी है इस जगह : रिसर्च में बताया गया है कि इस बिल्ली के साथ ही यहां तेंदुआ, धारीदार लकड़बग्घा, पेरक्यूपाइन, वाइल्ड पिग जैसी प्रजातियां भी कैमरे में कैद हुई है। एक बार तो तेंदुए के गुजरने के 15 मिनट बाद यह बिल्ली कैमरे में देखी गई।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH09 User: brahmansh.yadav Time: 12-14-2025 22:44 Color:

विचार

ज्ञान और मेहनत के साथ हमेशा मुस्कान बनाए रखना सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। सकारात्मक दृष्टिकोण और धैर्य जीवन को पूरी तरह बदल सकते हैं।

– श्रीनिवास रामानुजन

कविता

अहंकार

अहंकार भरा यह मन ना मिलने दे तुझे खुद से,
अहंकार भरा यह मन करे दूर तुझे अपनों से।
अहंकार भरी राह ले जाए दूर तुझे किसी और पथ पर,
अहंकार भरी राह करे वंचित तुझे हर खुशी से।
मत पड़ने दे छाया इसकी जीवन में,
मत पड़ने दे यह साया इस जीवन में।
अहंकार है आज ना आज टूटेगा,
अहंकार है आज न आज बिखरेगा,
अपने रिश्तों को बटोर के रख,
अपने रिश्तों को समेट के रख।
मत जला इन्हें इस अहंकार की आग में
मत यूं ही बहा इन्हें इस झूठी शान में।
अहंकार भरा यह मन ना मिलने दे तुझे खुद से,
अहंकार भरा यह मन करे दूर तुझे अपनों से।

-प्रेरणा, NBT रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल nbtreader@timesofindia.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

प्लेन में अमेरिकी महिला अचानक हुई बेहोश, पूर्व MLA ने यूं बचाई जान...

डॉ. अंजलि निंबालकर ने महिला की नब्ज टटोली और बिना वक्त गंवाए उन्हें CPR देना किया शुरू

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

शनिवार की दोपहर गोवा से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट में सब कुछ सामान्य था, लेकिन टेकऑफ के महज 10 मिनट बाद ही केबिन में अफरा-तफरी मच गई। जमीन से हजारों फीट ऊपर एक अमेरिकी महिला की जिंदगी और मौत के बीच जंग शुरू हो चुकी थी। कैलिफोर्निया की रहने वाली 34 वर्षीय जेनी अपनी बहन के साथ दिल्ली में एक शादी अटेंड करने जा रही थी। अचानक उन्हें घबराहट हुई, शरीर कांपने लगा और वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। उनका शरीर पीला पड़ चुका था और मुट्ठियां भिंची हुई थीं, लक्षण दिल के दौरे जैसे लग रहे थे। तभी सीट से उठीं कर्नाटक की पूर्व कांग्रेस विधायक डॉ. अंजलि निंबालकर। राजनीति में आने से पहले एक प्रोफेशनल डॉक्टर (गायनेकोलॉजिस्ट) रहीं अंजलि ने केबिन क्रू की अनाउंसमेंट का भी इंतजार नहीं किया और तुरंत जेनी के पास पहुंच गईं। उन्होंने जेनी की नब्ज टटोली और बिना वक्त गंवाए उन्हें CPR (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) देना शुरू किया। डॉ. अंजलि की कोशिश रंग लाई और जेनी को होश आ गया। पता चला कि जेनी को पेट में इन्फेक्शन था और वह गंभीर रूप से डीहाइड्रेटेड थी। डॉक्टर ने तुरंत अपने पास से उन्हें ओरल इलेक्ट्रोलाइट सॉल्यूशन पिलाया।

> 'प्लीज, मुझे छोड़कर कहीं मत जाइए' बीमार हुई महिला ने डॉ. अंजलि से कहा, फ्लाइट लैंड होने तक उन्हें थामे रहीं अंजलि

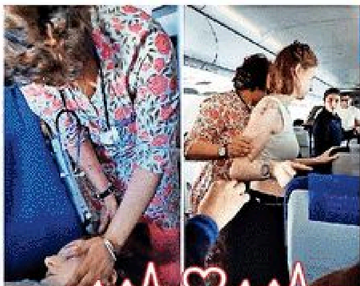

दो बार अमेरिकी महिला की बिगड़ी तबीयत

लेकिन, कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। हालात संभलते दिखे तो डॉ. अंजलि अपनी सीट पर लौटीं, लेकिन करीब 30 मिनट बाद जेनी फिर से बेहोश होकर गिर पड़ी। इस बार डॉ. अंजलि ने एक पल भी गंवाए बिना फिर मदद संभाली और महिला की हालत स्थिर रखी। जब उन्हें दोबारा होश आया, तो उन्होंने डरकर डॉ. अंजलि का हाथ कसकर पकड़ लिया और कमजोर आवाज में कहा, "प्लीज, मुझे छोड़कर कहीं मत जाइए।"

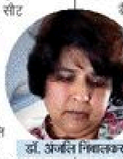

डॉ. अंजलि निंबालकर

फ्लाइट की प्रायोरिटी लैंडिंग, अस्पताल में कराया भर्ती

डॉ. अंजलि पूरी यात्रा के दौरान उनके साथ ही बैठी रहीं। केबिन क्रू ने चीफ पायलट को इमरजेंसी की सूचना दी, जिसके बाद दिल्ली में फ्लाइट की प्रायोरिटी लैंडिंग कराई गई और जेनी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर की सूझबूझ और तत्परता ने एक जान बचा ली। पायलट, क्रू और सह-यात्रियों ने खुले दिल से उनकी सराहना की। डॉ. अंजलि 2018 में कर्नाटक के खानापुर से विधायक चुनी गई थीं।

सजे सितारे

6 बार फेल, 7वीं कोशिश में सिपाही बना अफसर

Shivani.Azad@timesofindia.com

Sukanta Mukherjee

परिवार के साथ गुरमुख सिंह

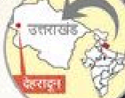

■ देहरादून: गुरमुख सिंह (32) के लिए असफलता कभी हार मानने की वजह नहीं बनी, बल्कि इसने उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति और ज्यादा दृढ़ बना दिया। 12वीं क्लास पूरी करने के बाद उन्होंने भारतीय सेना में सिपाही के रूप में भर्ती होकर एक दिन अफसर बनने का सपना देखा। बार-बार नाकामी के बावजूद वे अलग-अलग अफसर एंट्री परीक्षाओं में शामिल होते रहे और हर बार असफल होने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी। लद्दाख सहित कठिन तैनातियों में सेवा देते हुए भी गुरमुख सिंह ने अपनी पढ़ाई और योग्यता लगातार बढ़ाई। एक स्कूल ग्रैजुएट से आगे बढ़ते हुए उन्होंने पोस्टग्रैजुएट और बीएड की डिग्री भी हासिल की, ताकि अफसर बनने का सपना पूरा कर सकें।

शनिवार को उनकी मेहनत रंग लाई, जब देहरादून स्थित इंडियन मिलिट्री अकैडमी (IMA) में उनके परिवार ने गर्व के साथ उन्हें अफसर की वर्दी पहनते देखा। सातवें प्रयास में IMA की परीक्षा पास करने के बाद लेफ्टिनेंट गुरमुख सिंह को आर्मी एयर डिफेंस (AAD) कोर में कमीशन मिला। लेफ्टिनेंट सिंह ने कहा, हर बार जब मैं असफल हुआ, मैंने अपने पिता को बताया और उन्होंने कभी मुझ पर से भरोसा नहीं खोया। वे हमेशा मुझे लक्ष्य हासिल होने तक दोबारा कोशिश करने के लिए प्रोत्साहित करते रहे।

लेफ्टिनेंट गुरमुख सिंह

सैनिक अनुभव के आधार पर नेतृत्व करेंगे

गुरमुख सिंह ने आर्मी कैडेट कॉलेज की प्रवेश परीक्षा तीन बार दी, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने स्पेशल कमीशंड ऑफिसर्स एंट्री के जरिए दो बार प्रयास किया, लेकिन वहां भी असफल रहे। इसके बावजूद उन्होंने कोशिश जारी रखी और आखिरकार फाइनल मेरिट लिस्ट में जगह बना ली। अफसर बनने के बाद उन्होंने कहा कि वे अपने सैनिक अनुभव के आधार पर आगे बढ़कर नेतृत्व करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि सेना कैसे काम करती है और जवानों को कैसे संभालना होता है।

'अनुशासन ने मदद की'

उन्होंने अपने सफर को चुनौतीपूर्ण बताया, जिसमें ड्यूटी और तैयारी के बीच संतुलन बनाए रखना सबसे बड़ी परीक्षा थी। उन्होंने कहा, मैं कई सीमावर्ती इलाकों में तैनात रहा और कई दिन ऐसे होते थे जब अपने लक्ष्य पर ध्यान नहीं दे पाता था। जब भी समय मिलता, मैं उसकी भरपाई करता था। अनुशासन ने मुझे यह संतुलन बनाए रखने में मदद की।

'बेटे के अफसर बनने पर है गर्व'

समारोह के दौरान उनके माता-पिता, सूबेदार मेजर जसवंत सिंह (रिटायर्ड) और कुलवंत कौर भी मौजूद थे। उनके पिता ने कहा, सेना में शामिल होने के दिन से ही उसके मन में अपने जीवन को एक खास दिशा देने का जुनून था। आज उसे अफसर के रूप में देखना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। लेफ्टिनेंट सिंह ने कहा कि वे परिवार के साथ समय बिताना पसंद करते हैं और प्रेरणादायक किताबें पढ़ते हैं, जो उन्हें देश सेवा के अपने उद्देश्य पर केंद्रित रखती हैं।

जब कलाम ने 3 साल के बच्चे से कहा 'ये फौजी हाथ हैं'

Kalyan.Das@timesofindia.com

■ देहरादून: उन्नीस साल पहले इंडियन मिलिट्री अकैडमी की पासिंग आउट परेड में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने तीन साल के एक बच्चे का हाथ थामकर कहा था, 'ये फौजी हाथ हैं।' शनिवार को उसी परेड ग्राउंड पर वह पल इतिहास बन गया, जब वही बच्चा लेफ्टिनेंट हरमनमीत सिंह के रूप में भारतीय सेना में कमीशंड अफसर बना। कानपुर के 22 वर्षीय हरमनमीत अपने परिवार की चौथी पीढ़ी हैं जिन्होंने ऑलिव ग्रीन वर्दी पहनी। परदादा सूबेदार प्रताप सिंह, दादा सिपाही दलजीत सिंह, और परिवार के अन्य सदस्यों की सैन्य परंपरा अब आगे बढ़ी है। टेक्निकल एंट्री स्कीम (46वां कोर्स) के तहत उन्हें मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजिनियरिंग में सिल्वर मेडल मिला। वह 6 मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट में सेवा देंगे, जहां उनके पिता कर्नल हरमीत सिंह कमांडिंग ऑफिसर हैं।

> आज वही हाथ वर्दी में सलाम कर रहे हैं

जानवरों की जान बचाएगा यह 'रेड जोन'

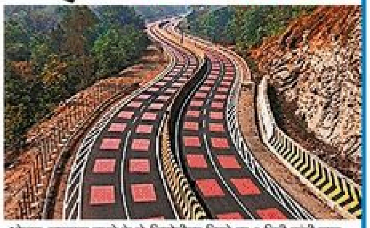

भोपाल-जबलपुर हाइवे के दो किलोमीटर हिस्से पर 5 मिमी ऊंची लाल रंग की मार्किंग लगाई है, इससे गाड़ियों की स्पीड कम हो जाएगी

Ramendra.Singh@timesofindia.com

■ भोपाल: ग्वालियर में एक चीते के बच्चे की सड़क दुर्घटना में मौत के एक हफ्ते बाद नैशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने (NHAI) ने भोपाल-जबलपुर हाइवे (NH-45) के दो किलोमीटर हिस्से पर 5 मिमी ऊंची लाल रंग की टेबल-टॉप मार्किंग लगाई है। इसका मकसद सड़क सुरक्षा बढ़ाना और वन्यजीवों की जान बचाना है। यह कदम 11.9 किमी लंबे हाइवे को दो लेन से बढ़ाकर चार लेन करने की बड़ी परियोजना का हिस्सा है। अधिकारियों ने बताया कि टेबल-टॉप रेड मार्किंग तकनीक का इस्तेमाल किसी भारतीय हाइवे पर पहली बार हो रहा है। यह इलाका वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व से होकर गुजरता है। जंगलों से गुजरने वाले हाइवे पर अक्सर जानवर सड़क पार करते हैं। तेज रफ्तार गाड़ियां उनकी मौत का कारण बनती हैं। इसे रोकने के लिए NHAI ने सड़क की सतह पर ऊंची (5 मिमी) लाल परत लगाई, जिससे यह जोन संवेदनशील वन क्षेत्र होने का संकेत देता है। साथ ही इसकी थोड़ी ऊंचाई गाड़ी की गति अपने आप कम कर देती है। अधिकारियों ने कहा कि चमकीला लाल रंग ड्राइवरों को सचेत करता है कि आगे जानवरों का मूवमेंट हो सकता है।

25 अंडरपास बनाए गए: वन्यजीवों की आवाजाही के महत्व को देखते हुए NHAI ने पूरे 11.9 किमी रूट पर करीब 25 अंडरपास भी बनाए हैं। इनसे जानवर बिना सड़क पर आए दूसरी तरफ जा सकते हैं। ये अंडरपास जानवरों की आवाजाही के पैटर्न देखकर तय किए गए।

उम्मीद का फैक्ट

UPI ट्रांजेक्शन में नवंबर में नया रेकॉर्ड

भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम UPI ने नवंबर में नया मुकाम हासिल किया है। इस महीने ट्रांजैक्शन की संख्या और पैसों के लेन-देन की टोटल वैल्यू दोनों अब तक का सबसे बड़ा मंथली रेकॉर्ड दर्ज किया गया है।

■ **कुल ट्रांजेक्शन:** नवंबर महीने में करीब 19 अरब (19 बिलियन) से ज्यादा बार UPI का इस्तेमाल हुआ। यह अब तक का किसी भी एक महीने का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

■ **रेकॉर्ड वैल्यू:** इन लेन-देन की कुल कीमत लगभग ₹24.8 लाख करोड़ रही, जो यह साबित करता है कि कैशलेस पेमेंट्स पर लोगों का भरोसा जबरदस्त तरीके से बढ़ा है।

■ **सालाना ग्रोथ:** पिछले साल नवंबर के मुकाबले इस बार 22 से 23% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो लगातार मजबूत होते ग्रोथ ट्रेंड को दिखाती है।

■ **रोज का इस्तेमाल:** भारत में हर दिन करीब 63 से 65 करोड़ पेमेंट्स UPI के जरिए हो रहे हैं।

■ **छोटे खर्चों में UPI बना नंबर-1:** आंकड़ों से पता चलता है कि ₹500 से कम के पेमेंट्स की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है। चाय, सब्जी, किराना और ऑटो जैसे रोजमर्रा के छोटे खर्चों के लिए लोग अब कैश के बजाय UPI को ही पहली पसंद मान रहे हैं।

■ **मजबूत नेटवर्क और ग्लोबल पहुंच:** मेड इन इंडिया का यह सिस्टम अब ग्लोबल पहचान बना चुका है और सिंगापुर, यूएई और फ्रांस समेत 7 से ज्यादा देशों में लिंक हो गया है।

सलाखों में भी संवार रहे कल, इन बैग में भरी उम्मीदें

सफारी सालाना उत्पादन का 10% वडोदरा सेंट्रल जेल में बनवा रही

Tushar.Tere@timesofindia.com

TOI

■ वडोदरा : जिन हाथों ने कभी अपराध किया था, वही हाथ अब लोगों की यात्रा को आसान बना रहे हैं। वडोदरा सेंट्रल जेल के कैदियों ने अब मजबूत और स्टाइलिश ट्रैवल बैग बनाना सीख लिया है। देश की जानी-मानी कंपनी सफारी इंडस्ट्रीज अपने सालाना उत्पादन का करीब 10 फीसदी हिस्सा वडोदरा सेंट्रल जेल में बनवा रही है। वडोदरा सेंट्रल जेल की एसपी उषा राडा ने बताया कि जेल में चल रही बैग बनाने की यूनिट अब पूरी क्षमता से काम कर रही है। पिछले दो साल में उत्पादन लगभग चार गुना बढ़ा है और आने वाले समय में यहां प्रोडक्शन लाइन बढ़ाने की भी योजना है। जेल अधिकारियों के मुताबिक, जब यह प्रोजेक्ट दो साल पहले शुरू हुआ था, तब हर महीने 10 से 12 हजार बैग बनाए जाते थे। अब यह संख्या बढ़कर करीब 55 हजार हो गई है। इस यूनिट में फिलहाल 210 से ज्यादा कैदी काम कर रहे हैं। सफारी इंडस्ट्रीज के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि वडोदरा सेंट्रल जेल में होने वाला उत्पादन कंपनी के कुल बैग उत्पादन का 9 फीसदी से ज्यादा है। यह मॉडल इतना सफल रहा कि कंपनी ने जयपुर सेंट्रल जेल में भी इसी तरह की यूनिट शुरू करने के लिए वहां के अधिकारियों से भी बातचीत की जा रही है।

कैदियों को हर महीने ₹10 हजार तक कमाई

वडोदरा सेंट्रल जेल के डिप्टी एसपी एम.ए. चौधरी ने बताया कि शुरुआत में कैदियों को कुछ हफ्तों की ट्रेनिंग दी गई। उन्होंने असेंबली लाइन पर किसी भी फैक्ट्री के कुशल मजदूरों की तरह काम करना शुरू कर दिया। जेल प्रशासन ने सफारी इंडस्ट्रीज के साथ 6 साल का करार किया है। कंपनी कच्चा माल देती है, कैदी बैग के रूप में तैयार करते हैं। कपड़े और स्ट्रैप सिलने से लेकर ट्रॉली और हैंडल लगाने तक का पूरा काम कैदी खुद करते हैं। यहां बने बैग पर 'CJ' टैग लगा होता है और इन्हें देशभर में बेचा जाता है। कैदी रोजाना सात घंटे काम करते हैं और उन्हें हर महीने 8 से 10 हजार रुपये तक की कमाई होती है।

नक्सलवाद को पीछे छोड़कर भविष्य की ओर दौड़

PTI

बस्तर ओलिंपिक्स में हौसलों का उत्सव... छत्तीसगढ़ के जगदलपुर का यह स्टेडियम गवाह है एक अनोखे बदलाव का। वीलचेयर रेस में हिस्सा ले रहे ये लोग कल तक नक्सल हिंसा के पीड़ित थे, आज ये अपनी तकदीर के विजेता हैं। बस्तर ओलिंपिक्स में नक्सली हिंसा से पीड़ित लोग और आत्मसमर्पित नक्सलियों समेत 761 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

आज़ादी के अनछुए पहलुओं को लिख रहे हैं ब्यूरोक्रेट दंपती : ग्रामोफोन को जमा करने का जुनून हुआ सवार, तो इस पर रिसर्च कर भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास को भी खंगाला

1 लाख रेकॉर्ड्स का खज़ाना, ग्रामोफोन पर फिर छेड़ा आज़ादी का सुरीला तराना

Roushan.Jha@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: भारत सरकार में बड़े पदों पर काम कर रहे ब्यूरोक्रेट दंपती अखिलेश झा और रश्मिता झा ग्रामोफोन रिकॉर्ड्स के सहारे आजादी के कई अनछुए पहलुओं को देश के सामने रखने में जुटे हुए हैं। अखिलेश और रश्मिता को पहले ग्रामोफोन को जमा करने का जुनून सवार हुआ। फिर उन्होंने जब इसपर शोध करना शुरू किया तो लगा कि इसमें तो ऐसे खजाने छुपे हुए हैं जिसे लोगों के सामने लाना चाहिए। दोनों इतिहास और साहित्य के छात्र रहे हैं। दोनों आज ग्रामोफोन पर शोध के लिए एक संस्था 'सेंटर फॉर ग्रामोफोन स्टडीज' बनाकर भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास को खंगालने में लगे हुए हैं। इनके पास सम्भवतः भारत का सबसे बड़ा ग्रामोफोन आर्काइव है। अखिलेश बताते हैं कि फरीदाबाद स्थित उनके घर में 55 हजार के करीब ग्रामोफोन रेकॉर्ड्स जमा हो चुके हैं। करीब इतने ही रेकॉर्ड्स देश के अलग-अलग हिस्सों में इन्होंने जमा किए हैं जिसे फरीदाबाद लाएंगे। करीब 30-35 सालों से ग्रामोफोन को जमा करने में जुटे हैं और करीब दो दशक से इसके जरिए भारतीय इतिहास को भी लिख रहे हैं।

अखिलेश और रश्मिता करीब 30-35 साल से ग्रामोफोन को जमा करने में जुटे हैं और दो दशक से इसके जरिए भारतीय इतिहास को भी लिख रहे हैं

सावरकर का ग्रामोफोन हासिल करने में लगे 20 साल

अखिलेश बताते हैं कि कई बार उन्हें कई ग्रामोफोन मुफ्त में मिल जाता है तो कई बार मुंह मांगा दाम देने के बाद भी नहीं मिलता। वह बताते हैं कि ऐसे ही उनको एक बार पता चला कि वीर सावरकर द्वारा बजाया गया और वंदे मातरम् का पहला ग्रामोफोन रेकॉर्ड इंग्लैंड में किसी के पास है। वह उसे हासिल करने के लिए करीब 20 सालों तक इंग्लैंड जाते रहे लेकिन वह शख्स उन्हें ग्रामोफोन देने के लिए तैयार नहीं होता था। अंत में उसे किसी तरह मनाया और बहुत मुश्किल से उससे ग्रामोफोन रेकॉर्ड हासिल किया।

यह 12 इंच का ग्रामोफोन रिकॉर्ड 1938 में भारत में जारी किया गया था। इसमें 'वंदे मातरम्' की खास प्रस्तुति दर्ज है।

वंदे मातरम् पर लिखी है किताब

अखिलेश और रश्मिता ने वंदे मातरम् के संगीत और संविधान से जुड़े इतिहास पर एक शोधपूर्ण किताब इस गीत के 140 साल पूरे होने पर 2016 में लिखी थी। शीर्षक है, 'वन्दे मातरम्- इन द हाउस, ऑन द रेकॉर्ड्स'। उस किताब में भारत की संविधान-सभा के एक-एक दिन की कार्यवाही के विश्लेषण के आधार पर यह सिद्ध किया गया कि तीन साल के कार्यकाल में दस मिनट की भी गंभीर चर्चा नहीं हुई थी संविधान-सभा में भारत के राष्ट्रगान के विषय पर। उनकी उस किताब से कई उद्धरण भारतीय संसद में अभी-अभी पूर्ण हुई चर्चा में सुनने को मिले। उसी किताब में वंदे मातरम् का सांगीतिक इतिहास भी है, जिसके स्रोत ग्रामोफोन रेकॉर्ड्स ही हैं।

वंदे मातरम् के 150 साल के मौके पर हो रहे कार्यक्रमों में अखिलेश और रश्मिता की अगुआई में हुई ग्रामोफोन रिकॉर्डिंग प्रदर्शनी में 7 नवंबर को PM ने ग्रामोफोन पर वंदे मातरम् की पहली रिकॉर्डिंग सुनी।

'नवभारत टाइम्स का रहा सहयोग'

अखिलेश बताते हैं कि ग्रामोफोन रिकॉर्ड्स के आधार पर इतिहास लेखन में नवभारत टाइम्स का बहुत बड़ा योगदान है। वह बताते हैं कि उन्हें उस रिकॉर्ड्स से जो कुछ भी मिलता है उसमें से कुछ अहम चीजों को वह देश के इस अग्रणी अखबार को छापने के लिए भेजते हैं जो एडिट पेज पर छपता रहता है। इससे लोगों तक वह जानकारी पहुंचती है। वह कहते हैं कि यह गर्व का विषय है कि आज लोग उनके शोध और अर्काइव से वन्दे मातरम् का इतिहास जानते हैं। दोनों अब वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर 150 अध्यायों की एक और किताब लिख रहे हैं जो जल्दी प्रकाशित होने वाली है।

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 15 दिसंबर 2025

> यदि राष्ट्र को आगे बढ़ना है, तो नेतृत्व की जिम्मेदारी युवाओं को संभालनी होगी।
> – ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

युवा हाथों में कमान

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार BJP संसदीय बोर्ड ने नितिन नबीन को पार्टी का नया राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। हालांकि कार्यकारी अध्यक्ष से ऐसा लग सकता है कि यह एक अस्थायी व्यवस्था है, लेकिन जिस तरह से इस फैसले की घोषणा हुई और पार्टी के अंदर जिस बड़े पैमाने पर उसका स्वागत हुआ, उससे साफ है कि यह सुविचारित फैसला है। अगर कोई अप्रत्याशित घटनाक्रम सामने नहीं आया तो पार्टी के अंदर चुनावी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें औपचारिक तौर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया जाएगा।

नए BJP अध्यक्ष

सरप्राइज एलीमेंट । पार्टी के अंदर और बाहर नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर काफी समय से चर्चा हो रही थी, लेकिन नितिन नबीन की ओर किसी का ध्यान नहीं गया था। इस लिहाज से देखें तो पार्टी ने इस चयन से फिर चौंकाया है। हालांकि BJP में नितिन नबीन कम उम्र में ही परफॉर्मेंस की बदौलत नाम बना चुके हैं। पांच बार के विधायक नितिन बिहार में मंत्री की भूमिका के अलावा भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव समेत संगठन में अलग-अलग जिम्मेदारियां भी निभा चुके हैं।

नई पीढ़ी को जिम्मा । जिस पद के लिए BJP के लगभग सभी वरिष्ठ नेताओं के नाम चर्चा में रहे हों, उसके लिए नितिन नबीन जैसे युवा नेता का चयन बताता है कि पार्टी भविष्य को देखते हुए नया नेतृत्व तैयार कर रही है। इस लिहाज से पिछले कुछ समय में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में सीएम के चयन पर नजर डालें तो यह सोच और स्पष्ट होकर उभरती है।

संघ से सामंजस्य । BJP अध्यक्ष का पद ऐसा है, जिससे संघ के साथ सामंजस्य का सवाल अपने आप जुड़ जाता है। नए अध्यक्ष के चयन में हो रही देरी को लेकर भी चर्चा थी कि इसके पीछे संघ के साथ सहमति न बन पाना वजह है। लेकिन कुछ समय पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्पष्ट किया था कि इससे संघ का कोई लेना-देना नहीं है।

आगामी चुनौतियां । नितिन ने भले ही अब तक प्रशासनिक और सांगठनिक कौशल का प्रदर्शन किया हो, लेकिन नई भूमिका में उनके सामने कई चुनौतियां हैं। बिहार चुनावों में BJP और उसके सहयोगियों को मिली शानदार जीत के बाद पश्चिम बंगाल समेत आने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन दोहराने का दबाव और बढ़ गया है। नए अध्यक्ष इस कठिन चुनौती से गुजर कर ही इस फैसले की सार्थकता साबित कर पाएंगे।

नश्तर

एयरपोर्ट पर जिन्न

फ्लाइट कब जाएगी, जाएगी भी या नहीं... इसी ऊहापोह में एयरपोर्ट पर भटक रहा था कि पैर से कुछ टकराया। पुराना चिराग था। घिसने पर जिन्न निकला, 'बताइए मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं?' मैंने कहा, 'तुम जिन्न हो या कस्टमर केयर के कर्मचारी? पूछो, क्या हुक्म है मेरे आका?' खैर...उसने पूछा। मैंने कहा, 'उड़ने वाले कालीन से मुझे मुंबई छोड़ आओ।' वह बोला, 'कालीन किराए पर गया है।' 'क्यों?' जिन्न ने खीसें निपोर दीं, 'आपदा में अवसर।' मुझे तेज गुस्सा आया। एयरपोर्ट पर हम थोड़ी देर साथ बैठे रहे। मेरा गुस्सा कुछ शांत हुआ। जिन्न बोला, 'मैं तुम्हारे चिराग घिसने से नहीं निकला। मैं काफी समय से यहीं टहल रहा था। तुम्हें चिराग लिए देखा तो सामने आ गया। एयरपोर्ट पर लगातार अनाउंसमेंट सुनने के कारण मैं अपनी लाइन भूल गया था।' मैंने पूछा, 'चिराग से बाहर क्यों टहल रहे थे?' 'हमारी दुनिया में भी SIR चल रहा है। मेरा नाम गायब है। भगा दिया गया हूं।' मैंने क्यों... की मुद्रा में भौंवें उचकाईं। जिन्न बोला, 'मैंने अपने यहां के सबसे बड़े नेता से पूछा था कि मैं वोट नहीं डाल सकता, पर हूं तो देश का नागरिक ही और नागरिक को वोट देने का अधिकार है। बड़े नेता ने कहा- तुम सवाल बहुत पूछते हो इसलिए निकल जाओ इस देश से। तब से मैं भटक रहा हूं। तुम लोगों के विमान नहीं उड़ रहे तो थोड़े पैसे भी कमा लिए, पर उसमें भी नुकसान ही हुआ।' मैंने पूछा, 'कैसे?' 'जादुई कालीन से कमाई रुपये में हुई, पर वह गिरता ही जा रहा है।' मुझे समझ आ गया। यह जिन्न घुमा-फिराकर हमारे हालात पर तंज कस रहा है। मन में आया कि जिन्न को वापस चिराग में बंद कर दूं। मैंने फिर चिराग घिसा। जिन्न ने हुक्म पूछा। मैंने कहा, 'अपने चिराग में वापस जाओ।' जिन्न ने ना में सिर हिलाते हुए कहा, 'तुम ठहरे आम आदमी, तुम्हारी बात सरकारी बाबू नहीं सुनता तो मैं क्यों सुनूं?' तब से जिन्न बाहर है और लोग उसे वापस भेजने की कोशिश में जुटे हैं।

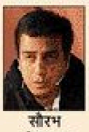
सौरभ श्रीवास्तव

एकदा संकलन : रिचल शर्मा

संकल्प से सफलता

कैथरीन जॉनसन उन विरल व्यक्तित्वों में से थीं, जिनकी प्रतिभा ने न केवल विज्ञान की दिशा बदली, बल्कि सामाजिक पूर्वाग्रहों को भी चुनौती दी। 26 अगस्त 1918 को अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया में जन्मी कैथरीन में बचपन से ही गणित की विलक्षण क्षमता थी। चार भाई-बहनों में सबसे छोटी कैथरीन पांचवीं कक्षा में ही हाईस्कूल स्तर के कठिन प्रश्न हल कर लेती थीं। ऐसे समय में, जब अश्वेत समुदाय के लिए उच्च शिक्षा लगभग सपना थी, उनके माता-पिता ने हर कठिनाई झेलते हुए उनकी पढ़ाई को प्राथमिकता दी। मात्र 14 वर्ष की उम्र में उन्होंने हाईस्कूल पूरा किया और आगे चलकर गणित व फ्रेंच में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। 1953 में कैथरीन को NACA में अवसर मिला, जो बाद में NASA बना। वहां उन्हें नस्लीय और लैंगिक भेदभाव का सामना करना पड़ा- अलग शौचालय, अलग कॉफी पॉट और अहम बैठकों से दूरी। लेकिन उन्होंने अपने ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाया। 1962 में अंतरिक्ष यात्री जॉन ग्लेन का यह कथन कि 'जब तक कैथरीन गणनाएं जांच नहीं लेंगी, मैं उड़ान नहीं भरूंगा', उनकी विश्वसनीयता का प्रमाण था। कैथरीन जॉनसन का जीवन बताता है कि आत्मविश्वास, ज्ञान और दृढ़ संकल्प से इतिहास रचा जा सकता है।

वायु प्रदूषण बस हवा से जुड़ी समस्या नहीं, सरकारी और सार्वजनिक जवाबदेही भी

मुंबई का भी हो रहा दिल्ली वाला हाल

दिल्ली-NCR में शनिवार को कई जगह AQI 450 के ऊपर चला गया, तो सीजन में पहली बार GRAP-4 लागू करना पड़ा। राजधानी के लिए बीता माह भी प्रदूषण के लिहाज से बेहद चिंताजनक रहा था। नवंबर के 24 दिनों में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 300 के ऊपर रहा यानी बहुत खराब और 3 दिन तो यह 400 के ऊपर चला गया मतलब गंभीर। दिल्ली-NCR के साथ-साथ इस बार चिंता मुंबई ने भी बढ़ाई है। नवंबर के मुकाबले अभी हालात भले कुछ सुधरे लग रहे हों, पर AQI कई जगहों पर 150 के आसपास है यानी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह।

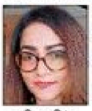
प्रतिमा सिंह

Adobe Stock

कमजोर सुरक्षा । मुंबई की समुद्री और तटीय हवा ने लंबे समय तक शहर के आसमान को साफ बनाए रखने में मदद की, लेकिन अब यह प्राकृतिक सुरक्षा धीरे-धीरे कमजोर पड़ रही है। पिछले कुछ वर्षों में मुंबई में धूल और सूक्ष्म कणों से होने वाला प्रदूषण बढ़ा है। कई बार AQI 'खराब' स्तर तक पहुंच रहा है। अब यह मानना सही नहीं रह गया कि उत्तर भारत के शहरों की तुलना में मुंबई वायु प्रदूषण से सुरक्षित है। अगर समय रहते ठोस नीतियां और सख्त प्रशासनिक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और खराब हो सकती है।

प्रदूषण के कारण । मुंबई की हवा खराब होने के तीन बड़े कारण हैं- वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक गतिविधियां और निर्माण व तोड़फोड़ से उड़ने वाली धूल। शहर में गाड़ियों की संख्या तेजी से बढ़ी है, ट्रैफिक जाम आम हो गया है और सार्वजनिक परिवहन की लास्ट-माइल कनेक्टिविटी कमजोर है। इसके अलावा नवी मुंबई और तलोजा जैसे इलाकों में छोटे और मध्यम उद्योग भी हवा को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जहां अब भी पुरानी तकनीक और ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले ईंधनों का इस्तेमाल होता है।

नियमों में सख्ती हो
- दिल्ली-NCR की तरह मुंबई में भी बिगड़े हालात
- मजबूत अथॉरिटी या टास्क फोर्स की जरूरत
- कानूनी जवाबदेही हो, नियम कठोर बनाए जाएं

निर्माण की कीमत । मुंबई के लिए सबसे गंभीर लेकिन कम समझा गया खतरा धूल प्रदूषण है, जो बड़े निर्माण और पुनर्विकास कार्यों से पैदा हो रहा है। मेट्रो, कोस्टल रोड, ट्रांस-हार्बर लिंक और अन्य बड़ी परियोजनाओं के कारण शहर में लगातार खुदाई और निर्माण चल रहा है। धूल नियंत्रण के ठोस इंतजाम न होने से PM10 स्तर तेजी से बढ़ रहा है और आसपास के इलाके प्रदूषण के हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं।

तालमेल की जरूरत । सर्दियों में हालात और बिगड़ जाते हैं, क्योंकि दूसरे राज्यों से आने वाला प्रदूषण भी इसमें जुड़ जाता है। मध्य प्रदेश और गुजरात में पराली जलाने से उठने वाला धुआं और धूल जब हवा के साथ मुंबई पहुंचते हैं, तो हालात बदतर हो जाते हैं। राज्यों के बीच बेहतर तालमेल और साझा एयरशेड प्रबंधन नहीं हुआ, तो यह मौसमी समस्या और गंभीर होगी। धूल प्रदूषण रोकने के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र की नगर पालिकाओं ने सड़क सफाई, पानी का छिड़काव, एंटी-स्मॉग गन और निर्माण सामग्री को ढक कर ले जाने जैसे कदम शुरू किए हैं। इनका पालन अक्सर ढंग से नहीं हो पाता।

सख्त नीति । मुंबई को तुरंत एक सख्त धूल नियंत्रण नीति की जरूरत है, जिसे सिटी गाइडलाइंस में शामिल किया जाए और इसकी रियल टाइम मॉनिटरिंग हो। इसके लिए नगर निगम, परिवहन, PWD, पुलिस और अन्य विभागों को मिलकर काम करना होगा। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत समिति मौजूद है, पर समर्पित धूल न्यूनीकरण सेल को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

जवाबदेही का मुद्दा । वायु प्रदूषण केवल हवा से जुड़ी समस्या नहीं है, यह शासन और सार्वजनिक जवाबदेही का मुद्दा है। मुंबई को एक ऐसी मजबूत अथॉरिटी या टास्क फोर्स की जरूरत है, जो सभी विभागों को एक साथ जोड़कर काम करे। इसमें राज्य सरकार, नगर निगम, वैज्ञानिक, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और नागरिक समूह शामिल हों।

विकास बनाम सेहत । दंड कठोर किए जाएं और AQI खराब होते ही निर्माण कार्य पर रोक, कचरा व पत्तियां जलाने पर प्रतिबंध और उद्योगों की कड़ी निगरानी जैसे नियम सख्ती से लागू हों। सवाल विकास बनाम साफ हवा का नहीं, बल्कि ऐसे विकास का है जो लोगों की सेहत को नुकसान न पहुंचाए। सही योजना, कड़ाई से अमल और तकनीक से जल्दी सुधार संभव है। साफ हवा का मतलब है स्वस्थ लोग, इलाज का कम खर्च और रहने के लिए बेहतर शहर।

(लेखिका iFOREST में एयर पलूशन की डायरेक्टर हैं)

नई दुनिया का रास्ता दिखाता QR कोड

भारत में हर दिन करोड़ों लोग अपने फोन से एक छोटे से कोड को स्कैन करते हैं और पलभर में उनकी दुनिया बदल जाती है। जैसे असली दुनिया पीछे छूट जाए और स्क्रीन पर सब कुछ उनके सामने खुल जाए। QR कोड उन तकनीक में से एक है, जिसने दबे पांव हमारे जीवन में एंट्री मारी और फिर उसे हमेशा के लिए बदल दिया। आज यह सभी जगह है - मेन्यू कार्ड पर, दुकान के काउंटर पर, किसी पुरानी दीवार पर। अब यह कोड नहीं, जीने का तरीका है।

दिखने में QR कोड थोड़ा डराने वाला लगता है - मानो किसी एलियन प्रजाति ने कोई पजल छोड़ा हो हमारे लिए। यह जियोमेट्री में बात करता है, लेकिन हम इसे समझ नहीं सकते। यह एक रहस्य की तरह है, जो कहता है कि तुम मुझे पढ़ नहीं सकते, पर इस्तेमाल कर सकते हो। रोचक बात है कि QR कोड का मकसद इंसानों से संवाद करना है भी नहीं, इसे तो मशीनों से बात करनी है और उसमें यह परफेक्ट है।

QR कोड का रहस्य इसे इस्तेमाल करते ही गायब हो जाता है। जैसे ही हम अपना फोन इसके सामने रखते हैं, जटिलता खत्म हो जाती है। कोड बदल जाता है किसी मेन्यू, फॉर्म, वॉलेट या किसी विंडो में। भारत में QR कोड को अपनाना काफी रोचक है। आखिरकार यह देश ऐसी सभ्यता का है, जिसने हमेशा प्रतीकों का इस्तेमाल किया। स्वास्तिक, रंगोली, तोरण - ये महज सजावट तो नहीं। QR कोड अब इसी परिवार का नया सदस्य है।

कोड ने सिर्फ पेमेंट आसान करने से कहीं ज्यादा काम किया है। इसने हर जगह को एक तरह का दरवाजा बना दिया है और स्थिर चीजों में जान डाल दी है। यात्रा का मतलब बदल गया है। अब कहीं जाने की जरूरत नहीं, चीजें खुद पास आती हैं। जिस तरह से हाइपरलिंक ने टेक्स्ट को पोर्टल बना दिया, वैसे ही QR कोड ने असली दुनिया को पोर्टल बना दिया है।

AI Image

जीवन आनंद
संतोष देसाई

यहीं से शुरू होता है सच्चा बदलाव। बरसों हम इस हकीकत के साथ जिए कि दो दुनिया हैं। एक को हम छू सकते हैं। दूसरी दुनिया अमूर्त है, पर तेज। डिजिटल वर्ल्ड हमारे लिए कोई और ही लोक था, जिसमें स्क्रीन के जरिये दाखिल हुआ जा सकता था। लेकिन, QR कोड ने दोनों दुनिया का अंतर मिटा दिया। यह हमें कहीं जाने के लिए नहीं कहता, बल्कि डिजिटल दुनिया को हमारे सामने ला खड़ा करता है।

QR कोड ने सारे फर्क मिटा दिए हैं। अब कोई लग्जरी स्टोर हो या छोटी-सी गुमटी - सब एक ही डिजिटल इंटरफेस का इस्तेमाल करते हैं। टेक्नॉलजी अब स्टेटस की पहचान नहीं, रोजमर्रा की चीज हो चुकी है। लेकिन, QR कोड की ताकत का प्रतीकात्मक महत्व भी है। हम जिसे समझ नहीं पाते, उस पर भी भरोसा कर रहे हैं। और यह सीख भी है इसमें कि बहुत खास चीजें साधारण में भी समा सकती हैं।

THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें www.speakingtree.nbt.in

चंचल है मन, इस पर लगाइए चेतन सत्ता की लगाम

आशुतोष महाराज जी

जीवन में सलाह-मशवरा निस्संदेह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन असली समस्या तब सामने आती है जब इन्हें व्यवहार में उतारने की बारी आती है। हमें बार-बार बताया जाता है कि क्या सोचना चाहिए और क्या नहीं, कैसा व्यवहार उचित है और किससे बचना चाहिए। नियम, सूत्र और निर्देश सहज रूप से उपलब्ध हो जाते हैं, पर वे धीरे-धीरे भी हमारे व्यक्तित्व का अंग नहीं बन पाते। इसी कारण वास्तविक परिवर्तन दूर की चीज लगने लगता है।

इसका मूल कारण मन की स्वाभाविक फितरत है। मन को जिस विचार से रोका जाता है, वह उसी ओर अधिक आकर्षित होने लगता है। सिग्मंड फ्रायड के एक प्रचलित प्रसंग के अनुसार, एक रात उनका बेटा देर तक घर नहीं लौटा। फ्रायड ने पड़ोसियों और मित्रों के घर खोजबीन की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। तब उन्होंने पत्नी से पूछा, 'क्या आज उसे कहीं जाने से मना किया था?' पत्नी ने उत्तर दिया, 'हां, उसे एक खास जगह जाने से रोका था।' फ्रायड ने तुरंत कहा, 'वह वहीं मिलेगा।' और सचमुच, बेटा उसी स्थान पर मिला। मन अपने ही स्तर से स्वयं को नहीं बदल सकता। परिवर्तन के लिए भीतर एक ऐसी चेतन सत्ता की आवश्यकता होती है, जो मन से अलग, अधिक सूक्ष्म और अधिक शक्तिशाली हो।

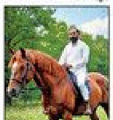
AI Image

इसी संदर्भ में गीता में श्रीकृष्ण, अर्जुन के सामने आत्मा का रहस्य बताते हैं, 'इंद्रियों से परे मन है, मन से परे बुद्धि और बुद्धि से भी परे आत्मा है।' वह अर्जुन से कहते हैं कि उस श्रेष्ठ और बलवान आत्मा को जानकर आत्मज्ञान से मनोविकार रूपी दुर्जय शत्रु पर विजय प्राप्त करो। श्रीकृष्ण ने इसे केवल सिद्धांत के रूप में नहीं रखा, बल्कि अर्जुन को आत्मदर्शन कराया।

आज के समय में भी समाधान यही है- मन को आत्म-प्रकाश दिया जाए। जब मन आत्मा के प्रकाश में स्नान करता है, तभी उसके भीतर छिपे भय, विकार और पीड़ाएं वास्तव में समाप्त हो जाते हैं।

कांटे की बात

हनुक्का फेस्टिवल के पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई यहूदियों को सिडनी के बोंडी बीच पर निशाना बनाया गया। ऑस्ट्रेलियाई यहूदियों पर किया गया यह हमला हरेक ऑस्ट्रेलियाई पर हमला है। यह टेररिस्ट अटैक है।

एंथनी अल्बनीज, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री

और भी ख़तरनाक होने वाला है अमर प्लास्टिक

प्लास्टिक अमर है, क्योंकि वातावरण में इसके टूटने की गति बहुत धीमी है। यह टूटकर भी खत्म नहीं होता, माइक्रोप्लास्टिक में बदल जाता है। इसे लेकर ICF इंटरनैशनल और प्यू चैरिटेबल ट्रस्ट की नई स्टडी और डराने वाली है।

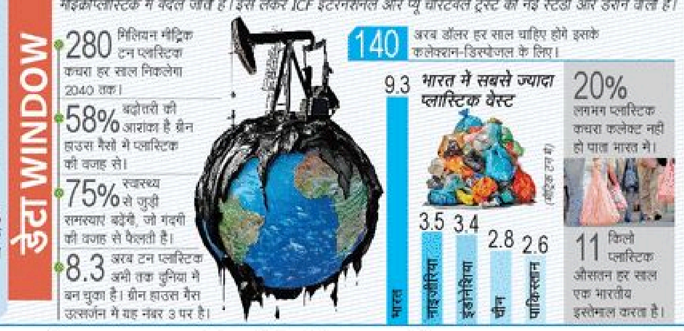

जनता जंक्शन इरफान

टेक्सटाइल सेक्टर को मिले कई नए बाज़ार

भारत का टेक्सटाइल सेक्टर केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आजीविका, परंपरा और तकनीकी प्रगति की धड़कन है। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के टेक्सटाइल सेक्टर ने जिस व्यापक दृष्टि, दृढ़ नीतिगत संकल्प और दूरगामी सुधारों को देखा है, उसने इस क्षेत्र को नए आत्मविश्वास, नए अवसर और वैश्विक पहचान दी है।

गिरिराज सिंह

किसान-केंद्रित परिवर्तन । टेक्सटाइल वैल्यू-चेन की शुरुआत खेत से होती है, इसलिए सरकार ने सबसे पहले किसानों को बाजार की अनिश्चितता, बिचौलियों के दबाव और दामों के उतार-चढ़ाव से सुरक्षित करने पर फोकस किया। परिणाम यह हुआ कि 2004-2014 के बीच जहां सरकारी एजेंसियों ने कुल 173 लाख कॉटन बेल्स की खरीद की थी, वहीं 2014-2024 के बीच यह आंकड़ा बढ़कर 473 लाख बेल्स पर पहुंच गया। यानी लगभग 173% की अभूतपूर्व वृद्धि। कपास के MSP में बढ़ोतरी ने किसानों की आमदनी और सुरक्षा दोनों को मजबूत किया है। 2013-14 में जहां कॉटन का MSP 3,700 रुपये प्रति क्विंटल था, वहीं 2025-26 में इसे बढ़ाकर 7,710 रुपये किया गया है।

क्वॉलिटी और न्यू-एज फाइबर । भारत केवल उत्पादन बढ़ाकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे नहीं बढ़ सकता। उच्च गुणवत्ता और आधुनिक फाइबर टेक्नॉलजी अनिवार्य है। इसी सोच से सरकार ने 2,500 करोड़ का मिशन फॉर कॉटन प्रॉडक्टिविटी शुरू किया। इससे बेहतर बीज, वैज्ञानिक खेती, आधुनिक तकनीक और गुणवत्ता नियंत्रण मजबूत हो रहा है। साथ ही फ्लैक्स, रैमी, सिसल और मिल्कवीड जैसे न्यू ऐज फाइबर को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये अधिक आमदनी के अवसर देते हैं।

इंपोर्ट ड्यूटी में राहत । कॉटन पर इंपोर्ट ड्यूटी हटाने से मिल्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी दामों पर कॉटन मिलने लगा। पहले यह राहत 30 सितंबर तक थी, लेकिन इसके सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए इसे 31 दिसंबर तक बढ़ाया गया। इससे यार्न और फैब्रिक की उत्पादन लागत कम हुई, छोटे उद्योगों (SMEs) को स्थिरता मिली और वे कॉटन की बेहतर उपलब्धता से हैंडलूम-पावरलूम तक पूरी सप्लाई चेन को राहत मिली।

PLI योजना । PLI योजना ने टेक्सटाइल सेक्टर में नई ऊर्जा भरी है। आवेदन पोर्टल को अब 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाया गया है, और अब तक 27 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं। इससे नई फैक्ट्रियां, नई टेक्नॉलजी और लाखों रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। 74 स्वीकृत कंपनियों में से 42 टेक्निकल टेक्सटाइल्स में काम कर रही हैं।

जीएसटी में कमी । टेक्सटाइल इंडस्ट्री लंबे समय से इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर की समस्या से जूझ रही थी। Next Gen GST सुधारों ने इस समस्या को दूर कर दिया है। साथ ही 2,500 तक के रेडीमेड गारमेंट्स पर GST 5% किए जाने से आम जनता को सस्ते कपड़े मिलेंगे और छोटे शहरों-गांवों में भी मांग बढ़ेगी।

नए बाजारों की पहचान । नई रणनीति के तहत ऐसे 40 नए बाजार पहचाने गए जहां भारत की मौजूदगी कम थी लेकिन संभावनाएं विशाल थीं। आज भारत 27 देशों के साथ FTA के जरिए नए बाजारों में मजबूत प्रवेश कर चुका है। सिर्फ एक साल में भारत के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 111 देशों में बढ़े, जिनमें से 38 देशों में 50% से अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

टेक्सटाइल का नया हब । भारत का टेक्सटाइल सेक्टर अब उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि देश की आर्थिक शक्ति, रोजगार सृजन और वैश्विक नेतृत्व की नींव बन चुका है। भारत एक ऐसे टेक्सटाइल हब के रूप में उभर रहा है जो आधुनिक, भरोसेमंद, नवाचार-प्रधान और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है। आने वाले वर्षों में यह सेक्टर न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दुनिया को भी Made in India की नई पहचान देगा।

(लेखक केंद्रीय कपड़ा मंत्री हैं)

www.edit.nbt.in

कानून का दुरुपयोग न हो

यह पत्र 12 दिसंबर के संपादकीय 'दुरुपयोग का डर' से संबंधित है। कर्नाटक विधानसभा में लाया गया हेट स्पीच और हेट क्राइम बिल वास्तव में एक बहुत अच्छा कदम है और इसकी जरूरत भी महसूस की जा रही थी। लेकिन देश का राजनैतिक वातावरण इतना दूषित हो चुका है कि इसका दुरुपयोग नहीं होगा, यह दावे के साथ नहीं कहा जा सकता है। देश की दोनों प्रमुख पार्टियां कांग्रेस और BJP एक-दूसरे को दुश्मन की तरह देखती हैं। फिर भी, अगर नीति और नीयत ठीक हो, तो यह कदम स्वागत योग्य है। चूंकि यह हाल पूरे देश में है, इसलिए ऐसा कानून भी पूरे देश में होना चाहिए। हां यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई सरकार इसका दुरुपयोग न करे।

इन्द्र सिंह धिगान, किंग्सवे कैंप

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

NBT खेल
नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली।
सोमवार, 15 दिसंबर 2025

मैं इंडियन प्रीमियर लीग में बोलिंग के लिए तैयार रहूंगा। ऑक्शन के लिए मुझे बैटर के तौर पर रजिस्टर किया गया। मुझे नहीं पता कि मेरे मैनेजर यह सुनना चाहेंगे या नहीं, लेकिन उनकी तरफ से गड़बड़ी हुई थी। - कैमरन ग्रीन, ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर

210*

रन की साझेदारी की थी तिलक वर्मा और संजू सैमसन ने साल 2024 में जोहानिसबर्ग में खेले गए टी20 इंटरनैशनल मैच में दूसरे विकेट के लिए। यह दोनों देशों के बीच हुए टी20I मैच में किसी भी विकेट लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रेकॉर्ड है

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. यशस्वी जायसवाल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के सुपर लीग स्टेज में किस टीम के खिलाफ सेंचुरी बनाई है?
A) हरियाणा B) पंजाब
C) आंध्र प्रदेश D) झारखंड

2. किरण जॉर्ज ने ओडिशा मास्टर्स 2025 के फाइनल में किस देश के प्लेयर को हराकर खिताब जीता?
A) अमेरिका B) चीन
C) जापान D) इंडोनेशिया

कल के जवाब
1. B) दिल्ली 2. C) 33

लकी WINNER

1. रजनी पाल, बादली, दिल्ली
2. सोनू कुमार, नोएडा, उत्तर प्रदेश
3. बृज मोहन, फरीदाबाद, हरियाणा

आप अपने जवाब हमें
9319282367
पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

भारत ने साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हराकर सीरीज में बनाई 2-1 से बढ़त

पेसर्स के गढ़ में चमके फिरकीबाज़

■ NBT स्पोर्ट्स, नई दिल्ली: तेज गेंदबाजों के लिए मददगार धर्मशाला की पिच पर पेसर्स के साथ-साथ स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने फिरकी का जादू बिखेर कर साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के तीसरे मुकाबले में भारत के सात विकेट से जीत की कहानी लिखी। वरुण ने अपने कोटे के चार ओवर्स में सिर्फ 11 रन देकर दो विकेट निकाले और साथ ही टी20I में विकेटों की फिफ्टी भी लगाई। कुलदीप यादव (2/12), अर्शदीप सिंह (2/13) और हर्षित राणा (2/34) ने भी मेहमान टीम को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जिससे वे बोर्ड पर सिर्फ 117 रन ही टांग सके। साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान एडेन मार्करम ने 46 गेंद पर सर्वाधिक 61 रन बनाए। आठ बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इस मामूली से लक्ष्य को टीम इंडिया ने 15.5 ओवर में हासिल कर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली।

अभिषेक का धमाका, गिल की धीमी चाल: लक्ष्य छोटा था लेकिन निगाहें शुभमान गिल पर थीं, जिन पर एक बड़ी पारी खेलने का दबाव था। शुभमान दूसरे ओवर में क्रीज पर आए और पहली ही लीगल डिलिवरी पर एलबीडब्ल्यू आउट करार दे दिए गए। लेकिन उन्होंने डीआरएस लेकर इस फैसले को पलट दिया। सातवें ओवर में नॉर्खे की एक गेंद गिल के बल्ले का किनारा लेकर स्लिप के फील्डर को चकमा देकर बाउंड्री चली गई। वहीं दूसरी तरफ गिल के साथ शुरुआत करने वाले अभिषेक शर्मा ने कोहराम मचा रखा था। दो ओवर तक उन्होंने दो फोर और दो सिक्स की मदद से नौ गेंदों पर 22 रन बना लिए थे। पांच ओवर तक बोर्ड पर 60 रन आ गए थे, लग रहा था कि दस ओवर से पहले मैच समाप्त हो जाएगा तभी मार्करम ने एक शानदार कैच लपककर उनकी पारी का अंत कर दिया। शुभमान धीमी गति से आगे बढ़ रहे थे, लेकिन नॉट आउट पविलियन लौटने का उनका संभावित लक्ष्य पूरा नहीं हो सका। 12वें ओवर में वह 28 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हो गए। जीत की औपचारिकता तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव ने पूरी की।

अर्शदीप के नाम हो गया रेकॉर्ड: अर्शदीप ने पारी की चौथी ही गेंद पर रीजा हेंड्रिक्स (0) को विकेट आगे पकड़कर टी20I के पावरप्ले में सर्वाधिक विकेट लेने का भारतीय रेकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रेकॉर्ड भुवनेश्वर कुमार के नाम था जिन्होंने पावरप्ले में 47 विकेट चटकाए थे। रीजा पावरप्ले में अर्शदीप के कुल 48वें शिकार थे। अगले ओवर में हर्षित राणा ने पिछले मैच के नायक क्विंटन डीकॉक (1) को भी एलबीडब्ल्यू आउट कर मेहमानों का करारा झटका दिया। हर्षित अगले ओवर में लौटे तो इस बार पहली ही गेंद पर खतरनाक डेवाल्ड ब्रेविस (2) को बोल्ड मारकर मेहमानों को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। रनों की रफ्तार एकदम धीमी हो गई। बाउंड्री का सूखा पड़ गया। पावरप्ले में बने 25 रन में सिर्फ तीन चौके लगे और वो भी एडेन मार्करम के बल्ले से।

हार्दिक ने भी जॉइन की पार्टी: पावरप्ले खत्म होने के बाद हार्दिक पंड्या अटैक पर आए और उन्होंने भी ट्रिस्टन स्टब्स (9) को आउट कर अपने नाम एक उपलब्धि कर ली। यह उनके टी20I करियर का सौवां विकेट था। इसके साथ वह इस फॉर्मेट में सौ विकेट और 100 सिक्स लगाने का धमाल करने वाले भारत के पहले और दुनिया के कुल चौथे प्लेयर बने।

वरुण चक्रवर्ती ने चार ओवर में 11 रन देकर दो विकेट लिए

51 टी20I मैचों में 50 विकेट पूरे किए वरुण चक्रवर्ती ने, जोकि भारत की ओर से दूसरा सबसे तेज विकेटों का अर्धशतक है। पहले पर कुलदीप यादव हैं

4 चौथे प्लेयर बन गए हार्दिक पंड्या टी20I में सौ विकेट और सौ सिक्स लगाने का कमाल करने वाले। उनसे पहले मोहम्मद नबी, सिकंदर रजा और वीरनदीप सिंह इस क्लब के मेंबर थे

वरुण का अर्धशतक हुआ पूरा

धर्मशाला में तेज गेंदबाजों के लिए बहुत कुछ था लेकिन स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने इस पिच पर भी अपनी छाप छोड़ी। 14वें ओवर में वह अपना दूसरा स्पेल करने आए और मार्करम के साथ साझेदारी को मजबूत कर रहे फरेरा (20) को बोल्ड मारा। इसके बाद अपने अंतिम और चौथे ओवर में उन्होंने खतरनाक मार्को यानसेन (2) का शिकार करके टी20I में अपने 50 विकेट पूरे किए। दूसरे छोर पर डटे कप्तान मार्करम ने 18वें ओवर में 41 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी की और साउथ अफ्रीकी टीम का टोटल तीन अंकों में पहुंचा। हर्षित के इस ओवर में मार्करम ने दो छक्के और एक चौका लगाए। कुल 19 रन वाला यह ओवर पारी का सबसे महंगा ओवर रहा। अगले ओवर में मार्करम आउट हो गए और पारी सस्ते में सिमट गई।

स्कोरकार्ड

साउथ अफ्रीका: क्विंटन डीकॉक एलबीडब्ल्यू बो राणा 1, रीजा हेंड्रिक्स एलबीडब्ल्यू बो अर्शदीप 0, एडेन मार्करम को जितेश बो अर्शदीप 61, डेवाल्ड ब्रेविस बो राणा 2, ट्रिस्टन स्टब्स को जितेश बो पंड्या 9, कॉर्बिन बॉश बो दुबे 4, डोनोवन फरेरा बो चक्रवर्ती 20, मार्को यानसेन बो चक्रवर्ती 2, एनरिच नॉर्त्जे रन आउट (जितेश/कुलदीप) 12, लुंगी एनगिडी नॉट आउट 2, ओटनील बार्टमैन को सूर्यकुमार बो कुलदीप 1 **एक्स्ट्राज:** 3 **टोटल:** 20 ओवर में 117 रन पर ऑल आउट **विकेट:** 1-1, 2-1, 3-7, 4-30, 5-44, 6-69, 7-77, 8-113, 9-115, 10-117 **बोलिंग:** अर्शदीप सिंह 4-0-13-2, हर्षित राणा 4-0-34-2, हार्दिक 3-0-23-1, वरुण 4-0-11-2, शिवम दुबे 3-0-21-1, कुलदीप यादव 2-0-12-2

भारत: अभिषेक शर्मा को मार्करम बो बॉश 35, शुभमान गिल बो यानसेन 28, तिलक वर्मा नॉट आउट 26, सूर्यकुमार यादव को बार्टमैन बो एनगिडी 12, शिवम दुबे नॉट आउट 10, **एक्स्ट्राज:** 9, **टोटल:** 15.5 ओवर्स में तीन विकेट पर 120 रन, **विकेट:** 1-7, 2-92, 3-109 **बोलिंग:** लुंगी एनगिडी 3-0-23-1, मार्को यानसेन 3-0-24-1, ओटनील बार्टमैन 3.5-0-34-0, कॉर्बिन बॉश 3-0-18-1, एनरिच नॉर्त्जे 3-0-14-0

क्रिकेट, फुटबॉल के दो

'GOAT' मुंबई में मिले

KAUSHIK NAIK
सचिन तेंडुलकर ने लियोनेल मेसी को अपनी 10 नंबर की क्रिकेट जर्सी भेंट की

■ NBT स्पोर्ट्स/एजेंसियां, नई दिल्ली/मुंबई: प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में संडे को भारतीय खेल इतिहास का एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। खेल जगत के दो महानतम सितारों लियोनेल मेसी और सचिन तेंडुलकर एक भव्य कार्यक्रम में एक ही मंच पर नजर आए। चार शहरों के GOAT (Greatest Of All Time या सर्वकालिक महान) इंडिया टूर के तीसरे पड़ाव पर पहुंचे मेसी इंटर मियामी टीम के अपने साथी लुईस सुआरेज और रोड्रिगो डी पॉल के साथ शाम को वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे और वहां एक घंटा बिताया। इस दौरान उन्होंने कुछ युवा फुटबॉल खिलाड़ियों, क्रिकेट आइकन सचिन तेंडुलकर, भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री और मनोरंजन जगत की कई हस्तियों से मुलाकात की। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'प्रोजेक्ट महादेवा' के शुभारंभ की घोषणा भी की, जिसका उद्देश्य राज्य भर में युवा फुटबॉल प्लेयर्स की पहचान करना और उन्हें विकसित करना है। स्टेडियम लगातार 'मेसी मेसी' के नारों से गूंजता रहा।

आज दिल्ली में होंगे मेसी

मेसी आज दिल्ली में होंगे और ऐसा बताया गया है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक आवास पर उनसे मुलाकात करेंगे। हालांकि, संडे को देर शाम तक आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हो सकी थी। मेसी एक सांसद के आवास पर भारत के चीफ जस्टिस और सेना प्रमुख से मुलाकात करेंगे। GOAT भारत दौरे के अंतिम दिन मेसी, अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय क्रिकेट टीम के दो सदस्यों से भी मिलेंगे। मेसी सुबह 10:45 बजे दिल्ली पहुंचेंगे और शहर के एक होटल में 50 मिनट के 'मीट ऐंड ग्रीट सेशन में हिस्सा लेंगे। वह दोपहर 3:30 बजे स्टेडियम पहुंचेंगे। संगीत के साथ भव्य स्वागत के बाद मेसी मैदान पर मौजूद कुछ हस्तियों से मिलेंगे। दोपहर 3:55 से 4:15 बजे तक 22 चुनिंदा बच्चों के लिए एक फुटबॉल कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसके बाद मेसी मैदान के बीच में जाएंगे, जहां दो भारतीय क्रिकेटर उन्हें उपहार देंगे।

भारत ने पाकिस्तान को एक और मुकाबले में किया पस्त

भारत Vs पाकिस्तान

■ एजेंसियां, दुबई: प्लेयर ऑफ द मैच ऑलराउंडर कनिष्क चौहान (46 रन, 3/33) और मीडियम पेसर दीपेश देवेंद्रन (3/16) की अगुआई में भारत ने रविवार को अंडर-19 एशिया कप के ग्रुप-ए मुकाबले में पाकिस्तान को 90 रन से शिकस्त दी। पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 46.1 ओवर्स में 240 रन बनाए और फिर पाकिस्तान को 41.2 ओवर्स में 150 रन पर समेट दिया। यह भारत की टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत है। टीम ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में यूएई को मात दी थी। पाकिस्तान पर जीत के साथ भारत 4 अंकों के साथ अपने ग्रुप में टॉप पर पहुंच गया है।

जॉर्ज ने खेली उम्दा पारी: कप्तान आयुष म्हात्रे (38 रन) और वैभव सूर्यवंशी (5 रन) के आउट हो जाने के बाद आरोन जॉर्ज ने पारी को संभालते हुए 85 रन बनाए। कनिष्क के दो फोर और तीन सिक्स की बदौलत भारत 240 तक पहुंचा। दीपेश ने अपने पहले स्पेल में ही तीन विकेट लेकर लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी।

प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए कनिष्क चौहान

यहां भी 'नो-हैंडशेक'

भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे ने भी पाकिस्तान के खिलाफ इस मैच में 'नो-हैंडशेक' पॉलिसी का पालन किया। म्हात्रे ने मैच में टॉस के समय पाकिस्तानी कप्तान फरहान यूसुफ अनदेखी की। मैच खत्म होने के बाद भी दोनों टीमों ने हाथ नहीं मिलाए। भारतीय खिलाड़ियों ने अंपायर्स से हाथ मिलाया और मैदान से चले गए।

ब्रीफ स्कोर भारत: 46.1 ओवर्स में 240 रन (आरोन जॉर्ज 85, कनिष्क चौहान 46 रन, अब्दुल सुभान 3/42) पाकिस्तान: 41.2 ओवर्स में 150 रन (हुजैफा अहसन 70, दिपेश देवेंद्रन 3/16, कनिष्क चौहान 3/33)

भारतीय टीम की ऐतिहासिक सफलता, जीता पहला खिताब

विनिंग ट्रॉफी के साथ भारतीय टीम के चारों सदस्य

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: भारतीय स्क्वैश टीम ने चेन्नै में चल रहे वर्ल्ड कप फाइनल में हॉन्ग कॉन्ग 3-0 से मात दी। इस जीत के साथ भारत ने पहली बार इस प्रतियोगिता का विश्व खिताब अपने नाम किया। भारत यह खिताब जीतने वाला पहला एशियाई देश है। साल 1996 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट का खिताब भारत से पहले ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और इजिप्ट ने ही जीता है। जोशना चिनप्पा, अनाहत सिंह, अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार खिताब जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा हैं। जोशना ने की ली को 7-3, 2-7, 7-5, 7-1 से हराया। अभय सिंह ने मौजूदा एशियन चैंपियन एलेक्स लाऊ को मात दी। अभय ने एलेक्स को 7-1, 7-4, 7-4 से हराया। अनाहत ने एकतरफा अंदाज में अपना मुकाबला जीतकर भारत का टाइटल पक्का किया। उन्होंने मौजूदा विमिंस एशियन चैंपियन तोमातो हो को मात्र 16 मिनट में 7-2, 7-2, 7-5 से हराया। भारतीय कोच हरिंद्र सिंह ने इस जीत को ऐतिहासिक करार दिया।

यशस्वी के शतक से मुंबई ने हरियाणा को दी शिकस्त

■ एजेंसियां, अम्बी (पुणे): यशस्वी जायसवाल (101 रन, 50 बॉल, 16 फोर, 1 सिक्स) ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग-बी मुकाबले में संडे को हरियाणा के खिलाफ तूफानी शतक जड़ा। यशस्वी और सरफराज खान (64 रन, 25 बॉल, 9 फोर, 3 सिक्स) की पारियों की बदौलत गत चैंपियन मुंबई ने 235 रन के लक्ष्य को 17.3 ओवर्स में ही हासिल कर चार विकेट से जीत दर्ज की। यह टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरे सबसे बड़े रन चेज का रेकॉर्ड है। पहले बैटिंग करते हुए हरियाणा ने 20 ओवर्स में तीन विकेट पर 234 रन बनाए।

हैदराबाद की दूसरी जीत: तन्मय अग्रवाल (73 रन), राहुल बुद्धि (55)की बदौलत हैदराबाद ने सुपर लीग ग्रुप-बी मैच में राजस्थान को छह विकेट से हराया। यह हैदराबाद की लगातार दूसरी जीत है। एक अन्य मैच में झारखंड ने मध्य प्रदेश को 1 रन के अंतर से मात दी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी
सुपर लीग के मुकाबले

यशस्वी जायसवाल

आखिरी गेंद पर जीता आंध्र

हेमंत रेड्डी (109* रन) की करियर बेस्ट पारी के दम पर आंध्र ने सुपर लीग-ए मैच में पंजाब पर पांच विकेट से जीत दर्ज की। बड़े टारगेट (206 रन) का पीछा करते हुए आंध्र एक समय 56 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी। हालांकि, रेड्डी ने एसडी प्रसाद (53* रन) के साथ 155 रन जोड़कर आंध्र को जीत दिलाई।

उन्नति और किरण के नाम सिंगल्स खिताब

■ एजेंसियां, कटक: उन्नति हुड्डा (विमिंस) और किरण जॉर्ज (मेंस) ने ओडिशा मास्टर्स सुपर-100 बैडमिंटन टूर्नामेंट में संडे को खिताबी जीत हासिल की। उन्नति ने भारत की ही इशारानी बरुआ को 21-17, 21-10 से मात दी। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा और इशारानी को लय हासिल करने का मौका नहीं दिया। दूसरे वरीय जॉर्ज ने मेंस सिंगल्स फाइनल में इंडोनेशिया के मुहम्मद युसुफ को 65 मिनट के कड़े मुकाबले में 21-14, 13-21, 21-16 से हराया। इंडोनेशिया ने मारवान फाजा और ऐसाह प्रानाता की जोड़ी ने हमवतन दैवान फर्डिनैनसाह और बर्नाडाइन वार्दाना को 21-15, 21-10 से हराकर मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता। विमिंस डबल्स फाइनल में बुल्गारिया की गैब्रिएला और स्टेफनी स्टोएवा ने मलेशिया की ओंग शिन यी और कारमेन टिंग को 21-19, 21-14 से मात दी।

उन्नति हुड्डा

फटाफट खबरें

लीवरपूल 2-0 से जीता

■ लीवरपूल: लीवरपूल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में ब्राइटन को 2-0 से हरा दिया। इस जीत से लीवरपूल ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने अजेय क्रम को पांच मैच तक पहुंचाया। गत चैंपियन टीम अब अंक तालिका में छठे स्थान पर है। आर्सेनल ने वोल्वरहैम्पटन को दो आत्मघाती गोल की बदौलत 2-1 से हराया।

राफिन्हा ने दागे दो गोल

■ बार्सिलोना: राफिन्हा के दो गोल से बार्सिलोना ने ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में ओसासुना को 2-0 से हराकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली। फॉरवर्ड राफिन्हा ने 70वें और 84वें मिनट में स्कोर किया।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आपकी राशि स्वामी मंगल, धनु राशि पर आ चुका है। चंद्रमा आज सप्तम भाव में होने से सुखोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि करेगा। कार्यक्षेत्र में कर्मचारी या घर पर किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। पैसों के लेन-देन में सावधानी रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाहन प्रयोग को हो सके तो टाल दें।

TAURUS 20 Apr - 19 May
राशि का स्वामी शुक्र सप्तम भाव में और राहु कुंभ राशि का होकर दशम राज्य भाव में होने से नौकरी के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। राजनैतिक सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा अधिक सावधान रहें, अन्यथा आगे चलकर सेहत संबंधी कष्ट होंगे। वाणी पर संयम रखें। विरोधी परास्त होंगे।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आज राशि से पंचम भाव में चंद्रमा मन संतोष का देने वाला है। सप्तम भाव में बुध से व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके स्वभाव एवं व्यक्तित्व में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा। पुराने रिश्तेदारों से भेंट होगी और मैत्री संबंध मधुर होंगे।

CANCER 22 Jun - 22 July
आज राशि स्वामी चंद्र चतुर्थ भाव में ओज वृद्धि कर सकता है। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। आज के दिन किसी से बहसबाजी में न उलझें, क्योंकि आज कुछ ऐसी बात निकल सकती है, जिससे आगे चलकर आपको पश्चाताप होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शारीरिक व मानसिक तनाव मिल सकता है।

LEO 23 July - 22 Aug
चतुर्थ भाव का चंद्रमा और सप्तम घर में कुंभ राशि का राहु आज प्रभाव को बढ़ाने वाला है, रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। दूसरों के सहयोग लेने में सफल होंगे। यात्रा की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजनों से भेंट संभव।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
पराक्रम भाव में चंद्रमा शुभ व्यय, कीर्ति की वृद्धिकारक है। व्यावसायिक दिशा में सफलता मिलेगी। खान-पान में संयम रखें, अन्यथा सेहत संबंधी कष्ट उठाने पड़ सकते हैं। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। रोजी-रोजगार में सफलता मिलेगी।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
राशि स्वामी शुक्र-वृश्चिक राशि का होकर द्वितीय भाव में और तृतीय भाव में चंद्रमा के प्रभाव से राजनीतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास फलीभूत होंगे। कार्यक्षेत्र में सीनियर्स के सहयोग से तरक्की होगी। पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा। आपकी उन्नति देख विरोधियों का मनोबल भी गिरेगा। किसी पुराने मित्र से मिलाप की संभावना है। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, आगे चलकर लाभ होगा।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यह समय घर-परिवार में सुख-शांति और स्थिरता का आनंद उठाने में बिताएं। संतान का सहयोग रहेगा। रुका हुआ कार्य संपन्न होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने व चोरी की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
देवगुरु वक्री राशि पर और चंद्रमा उत्तम प्रमुख केंद्र स्थान में चल रहे हैं, इसलिए आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में विशेष संयम बरतें। सायंकाल तक कोई खास डील फाइनल हो जाएगी।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आपकी राशि से द्वितीय राहु और राशि का स्वामी शनि पराक्रम स्थान तृतीय में होने के कारण व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। विरोधी परास्त होंगे। संतान पक्ष से कोई खुशखबरी मिलेगी।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आज नवम विशेष भाग्य भाव में तुला राशि का चंद्रमा होने के फलस्वरूप बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक दिशा में किए प्रयास सफल होंगे। किसी बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद प्राप्त होगा। खान-पान पर संयम रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। झगड़े-विवाद से बचें।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
राशि स्वामी बृहस्पति पंचम सुख मित्र भाव में राज्य मान-प्रतिष्ठा वृद्धि कारक है। रोजगार के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। राजनैतिक सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें। वाणी पर संयम रखें। आज के दिन रिश्तों में मधुरता आएगी। ऐसी अनावश्यक सूचनाएं भी सामने आएंगी, जो आपकी खिन्नता को बढ़ा देंगी। सायंकाल के समय किसी मांगलिक समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(15 दिसंबर - 21 दिसंबर 2025)

(आचार्य नंदिता पांडे)

मूलांक 1
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
यह सप्ताह आर्थिक मामलों के लिए शुभ है। इस सप्ताह आपके जीवन में धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं इस सप्ताह आपके बॉस आपसे प्रसन्न रहेंगे एवं शुभ परिणाम सामने आएंगे। प्रेम संबंध में समय अनुकूल रहेगा एवं आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में आप जितना तुरंत निर्णय लेकर अपने जीवन में आगे बढ़ेंगे उतना ही जीवन में खुश रहेंगे।

मूलांक 2
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं आप अपने प्रोजेक्ट को लेकर काफी संजीदा रहेंगे एवं सफलता आपके कदम चूमेगी। आर्थिक मामलों के हिसाब से समय अनुकूल रहेगा एवं धीरे-धीरे धन वृद्धि होगी। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा एवं जीवन में कई बदलाव नजर आएंगे एवं मन प्रसन्न रहेगा। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में समय अनुकूल रहेगा एवं जीवन में सुकून महसूस करेंगे।

मूलांक 3
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं मान-सम्मान भी बढ़ेगा। इस सप्ताह आपके प्रोजेक्ट को सफल बनाने में आपको किसी की मदद मिल सकती है। आर्थिक मामलों में समय अनुकूल होता जाएगा एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनेंगी। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा एवं आप काफी रिलैक्स महसूस करेंगे। इस सप्ताह के अंत में सुख-समृद्धि के शुभ संयोग बनेंगे एवं जीवन में सुकून महसूस करेंगे।

मूलांक 4
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
इस सप्ताह आर्थिक दृष्टि से देखें तो आपका समय अनुकूल रहेगा एवं आपके प्रियजनों द्वारा भी आपको धन लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे एवं प्रोजेक्ट सफल रहेंगे लेकिन फिर भी किसी बात को लेकर मन अशांत रहेगा। प्रेम संबंध में अकेलापन महसूस करेंगे एवं मन अशांत रहेगा। इस सप्ताह के अंत में आप नेटवर्किंग द्वारा भी अपार सफलता हासिल करेंगे।

मूलांक 5
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
इस सप्ताह आपकी कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं साझेदारी में किए गए प्रोजेक्ट आपके लिए शुभ फल लेकर आएंगे। इस सप्ताह आप में से कुछ एक के लिए ऑफिस में अपने कलीग के साथ अच्छी जमेगी एवं जीवन में सुख-शांति महसूस करेंगे। सप्ताह के उत्तरार्ध में एक नई शुरुआत आपके जीवन में सुखद परिणाम लेकर आएगी एवं किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।

मूलांक 6
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
आर्थिक दृष्टिकोण से यह समय अनुकूल रहेगा एवं धन वृद्धि के शुभ संयोग बनते जाएंगे। इस सप्ताह आपको कई निवेशों द्वारा धन लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में मन अशांत रहेगा एवं किसी वजह से प्रोजेक्ट में अवरोध उत्पन्न होंगे एवं कार्य समय पर पूर्ण नहीं हो पाएंगे।

मूलांक 7
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह आप अपने निवेशों की शैली में बदलाव लेकर आ सकते हैं एवं धन वृद्धि के शुभ संयोग बनेंगे। इस सप्ताह आर्थिक लाभ प्राप्त होगा एवं बिजनेस ट्रिप्स फायदे लेकर आएंगी प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा एवं आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने बेहतर भविष्य के लिए कुछ ठोस निर्णय भी ले सकते हैं।

मूलांक 8
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
प्रेम संबंध में समय अनुकूल रहेगा एवं बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद से जीवन में सुख-शांति महसूस होगी। कार्यक्षेत्र में बेवजह के वाद-विवाद से बचेंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। सप्ताह के अंत में जीवन में स्थितियां धीरे-धीरे बेहतर होती जाएंगी।

मूलांक 9
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
कार्यक्षेत्र में किसी एक्सपर्ट की राय आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आएगी एवं सफलता के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। साझेदारी में किए गए कार्य आपके लिए शुभ फल लेकर आएंगे। आर्थिक मामलों में व्यय की स्थितियां बनती जाएंगी एवं मन अशांत रहेगा। इस सप्ताह आपके प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा एवं लव लाइफ में भी सुखद अनुभव रहेंगे।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष चांदी के पाए से प्रवेश कर रहा है। वर्ष का स्वामी मंगल बुध ग्रह बने हैं। दिसंबर शेष से जनवरी 2026 तक घरेलू सुख साधन, वाहन, मकान प्राप्ति के प्रबल योग हैं। फरवरी-मार्च में अकारण शत्रुपीड़ित होकर उनका मान मर्दन भी हो जाएगा। इस वर्ष अप्रैल, मई, जून में किसी मांगलिक कार्य का अनुष्ठान अथवा प्रतिष्ठावर्धक कार्य भी आपके परिवार में होंगे। जुलाई से अगस्त महीने तक में रोग-ऋण से मुक्ति मिलेगी और निकट संबंधी आपके इर्द-गिर्द घूमेंगे। सितंबर से अक्टूबर में व्यर्थ की भागदौड़ में स्थायी व अस्थायी व्यापार का विस्तार एवं धार्मिक स्थानों पर पर्यटन का योग है। नवंबर से दिसंबर तक ग्रहयोग आपके पुरुषार्थ को उजागर करेगा। भाग्य का उदय धन वर्ष कीर्ति की वृद्धि, शत्रु चिंताओं का दमन, सफलता की प्राप्ति हर्ष मंगलमय परिवर्तन और मनोरथ सिद्धि होगी।
-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (मंगलवार, 16 दिसंबर 2025)

राष्ट्रीय मिति मार्गशीर्ष 25, शक संवत 1947, पौष, कृष्ण द्वादशी, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर पौष मास प्रविष्टे 2, जमादि उस्सानी 24, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 16 दिसंबर 2025 ई.। सूर्य दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमंत ऋतु। राहुकाल अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। द्वादशी तिथि रात्रि 11 बजकर 58 मिनट तक। कौलव करण पूर्वाह्न 10 बजकर 40 मिनट तक उपरांत गर करण का आरंभ। चंद्रमा दिन-रात तुला राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार - सफला एकादशी व्रत।

सुडोकू

				2				
			9		8			
2	6						1	9
3		4				5		7
	1		6		5		4	
6		7				8		1
5	7						2	8
			7		3			
				6				

TELEVISION

09:00 [illegible]
10:00 [illegible]
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अलादीन
12:00 [illegible]
13:30 [illegible]
14:30 हम पांच
15:00 अजब देश की गजब कहानी
16:30 [illegible]
19:30 रुद्र के रक्षक
21:00 [illegible]

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH12 User: devid.sharma Time: 12-14-2025 22:50 Color:

नवभारत टाइम्स NBT **Delhi Times** OF INDIA
masala mix
MONDAY, DECEMBER 15, 2025 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

सलमान खान ने एक बातचीत में कहा है कि उनसे ऐक्टिंग होती ही नहीं है।

हुमा कुरैशी

हम प्रमोशन के लिए पैपराजी का यूज करते हैं: हुमा कुरैशी

फिल्म इंडस्ट्री में पैपराजी आजकल काफी सुर्खियों में हैं। जया बच्चन के पैपराजी पर दिए गए बयान के बाद जहां सोशल मीडिया पर यूजर्स पक्ष-विपक्ष में बंट गए हैं, वहीं फिल्मी सितारे भी इस बारे में अपनी राय रख रहे हैं। अब हुमा कुरैशी ने कहा है कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम हर इंसान से सही तरह से बात करें लेकिन यह भी सच है कि जब हमें अपनी फिल्मों को प्रमोट करना होता है, तो हम उनका (पैपराजी) इस्तेमाल करते हैं।

वह कहती हैं, 'मैं झूठ नहीं बोलूंगी, लेकिन जब हमें अपनी फिल्मों को प्रमोट करना होता है या अपनी जिंदगी के किसी खास पहलू को लोगों के सामने लाना होता है, तो हम उनका इस्तेमाल करते हैं। फिल्म के प्रमोशन के लिए हम उन्हें प्रीमियर पर बुलाते हैं। जब हम कहीं स्पॉट होना चाहते हैं, तो हम उन्हें बुलाते हैं। मैं सारा इल्जाम उन पर नहीं डालना चाहती।'

हुमा कहती हैं, 'हर कोई अपना काम कर रहा है। यह एक इकोसिस्टम है। मैं खास तौर पर पैपराजी पर कमेंट नहीं करूंगी। लेकिन मुझे लगता है कि अगर हम पूरे मीडिया और ऑडियंस को एक नजरिए से देखें, तो हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम किसी इंसान से सही तरीके से बात करें। हो सकता है हम किसी से सहमत न हों, या कोई हमसे कुछ जानना चाहे।'

जया बच्चन

'गलत तरीके से सवाल पूछना भी मुझे सही नहीं लगता है'

पैपराजी को लेकर जया बच्चन ने जो कुछ कहा, उससे अभी यह मामला गरमाया हुआ है। ऐसे में हुमा कुरैशी ने प्राइवेसी को लेकर भी अपने मन की बात कही। उन्होंने बताया, 'जैसे, अगर आप मेरी प्राइवेसी में दखल देना चाहते हैं, तो आप ऐसे सवाल पूछेंगे जो मुझे सही नहीं लगेंगे। या हो सकता है कि मैंने कोई खास ड्रेस पहनी हो और आप उसे किसी खास एंगल से कैप्चर करने की कोशिश करेंगे, जो मुझे लगता है कि सही नहीं है।'

डायना पेंटी ने बताई अपने लिए फैशन की अहमियत

एक इवेंट के लिए तैयार होतीं डायना

डायना पेंटी ने अपनी पर्सनैलिटी के लिए फैशन और स्टाइल की अहमियत पर बात की है। उन्होंने कहा, 'मैं अपनी पर्सनैलिटी और मूड के हिसाब से कपड़े पहनती हूं। मेरे लिए फैशन असल में उस दिन अपनी फीलिंग्स को कहने का एक तरीका है। अगर आप इसे ईमानदारी से फॉलो करें, तो आपका स्टाइल अलग ही रहता है। आप तभी सबकी तरह लगते हैं जब आप बिना समझे किसी और की नकल करते हैं।'

> मेरे लिए फैशन का मतलब असल में उस दिन अपनी भावनाओं को जाहिर करने का तरीका है।

नवाजुद्दीन को इस चीज से लगता है डर

थामा फिल्म के एक दृश्य में नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म थामा में अपने किरदार से बेशक हर किसी को डराया हो लेकिन अब उन्होंने कहा है कि वह इस दुनिया से डरते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इस दुनिया में रहता हूं लेकिन कई बार असल दुनिया मुझे ज्यादा डरावनी लगती है, तो मैं उससे दूर चला जाता हूं। मैं फिल्म दुनिया में ही रहना एंजॉय करता हूं।' अपने किरदारों के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं ऐसा ऐक्टर नहीं हूं जो कैमरा कट होते ही किरदार से बाहर आ जाए। अगर मैं किसी किरदार को दो-तीन महीने तक निभाता हूं, तो वह किरदार मेरे दिमाग में कहीं न कहीं बना रहता है।' नवाजुद्दीन का कहना है कि उन्हें किरदार में रहना पसंद है।

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

प्रधान आवासीय आयुक्त का गर्मजोशी से स्वागत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अजय कुमार यादव ने हिमाचल भवन में प्रदेश के प्रधान आवासीय आयुक्त का पदभार संभाल लिया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर हिमाचल से जुड़ी सामाजिक संस्थाओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। हिमाचल भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में हिमाचल पालमपुर सुधार सभा के अध्यक्ष एवं समाजसेवी विनय डोगरा और हिमाचल कल्याण सभा के सांस्कृतिक सचिव राजेंद्र ठाकुर ने नवनियुक्त प्रधान आवासीय आयुक्त से मुलाकात की। उन्होंने अजय कुमार यादव को प्रतीक चिह्न और स्मारिका भेंट कर सम्मानित किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। यादव इससे पूर्व हिमाचल प्रदेश में ADGP के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

> सांस्कृतिक सचिव ने प्रतीक चिह्न भेंट किया

शेफालिका वर्मा को मिलेगा यात्री सम्मान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: अखिल भारतीय मिथिला संघ अपने दो दिवसीय मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह का आयोजन इस साल 27 और 28 दिसंबर को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में करने जा रहा है। संघ के अध्यक्ष विजयचंद्र झा ने कहा कि इस दौरान कई कार्यक्रम होंगे। संघ के महासचिव दीएन झा ने कहा कि इस साल साहित्य के क्षेत्र में मिथिला की प्रसिद्ध साहित्यकार और साहित्य अकादमी विजेता शेफालिका वर्मा को यात्री सम्मान दिया जाएगा। व्यावसायी रंजीत झा को योगेंद्र झा सम्मान, साहित्यकार प्रीतम निषाद को बाबू साहेब चौधरी सम्मान और जेएनयू में प्रोफेसर रामनाथ झा को सर गंगानाथ सम्मान देने का फैसला किया गया है।

भालू के खतरे पर सांसद से मुलाकात

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: उत्तराखंड में पिछले दिनों भालू के हमलों में कई लोगों के घायल होने की घटनाओं के बाद संसद के मौजूदा सत्र में यह मसला पौड़ी गढ़वाल के सांसद अनिल बलूनी ने उठाया है। इस मसले को राष्ट्रीय पटल पर उठाने के लिए गढ़वाल हितैषिणी सभा के एक प्रतिनिधिमंडल ने बीते दस दिसंबर को गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी से मुलाकात की। महासचिव पवन कुमार मैठाणी ने बताया कि हमने सांसद से मिलकर उनको संसद में पहाड़ में वन्य जीवों के आतंक को लेकर प्रश्न उठाने के लिए धन्यवाद तो किया। उनसे निवेदन किया कि प्रश्न उठाने के बाद इस विषय पर क्या कार्रवाई हुई, उस पर निगरानी रखें। प्रतिनिधिमंडल में सभा महासचिव पवन कुमार मैठाणी, कोषाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह रावत और कार्यकारिणी सदस्य सीमा गुसाईं शामिल रहे।

गुर्जर महोत्सव: विरासत की बात संग उमड़ा स्वाभिमान का सैलाब

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

फरीदाबाद के सूरजकुंड में गुर्जर आर्ट एंड कल्चर ट्रस्ट की ओर से आयोजित तीन दिवसीय गुर्जर महोत्सव में इस वर्ष गुर्जर समाज की सांस्कृतिक विरासत पूरे वैभव के साथ नजर आई। महोत्सव में समाज की परंपराएं, रीति-रिवाज, रहन-सहन और गौरवशाली इतिहास को एक ही मंच पर प्रस्तुत किया गया, जिसने बड़ी संख्या में आए लोगों को आकर्षित किया।

समाज से जुड़े हितेंद्र डेढ़ा ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार महोत्सव का दायरा और व्यापक रहा। कई नए गांवों और गोत्रों की चौपालें लगाई गईं, जिनमें चंदीले, तंवर, तानपुर-बदरपुर, बैसलान, हरकेश नगर और डेढ़ा चौपाल खास आकर्षण का केंद्र बनीं। इन चौपालों पर समाज की सांस्कृतिक पहचान, लोक परंपराएं और ऐतिहासिक प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया।

महोत्सव के प्रवेश द्वार पर गुर्जर समाज के इतिहास और महापुरुषों की जानकारी देने वाले बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए गए, जिससे आगंतुकों को समाज के गौरवशाली अतीत से परिचित होने का अवसर मिला। अंदर विभिन्न मंचों पर लोकनृत्य, लोकगीत, भजन, संवाद कार्यक्रम और गुर्जर संसद जैसे आयोजन हुए। चंदीलों की चौपाल पर बाबा मोहनराम के भजनों ने भक्तिमय माहौल बनाया, जबकि तंवरों की चौपाल पर देसी बम (नगाड़ा) जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुनों ने लोगों को मंत्रमुग्ध किया।

इस वर्ष के महोत्सव में धार्मिक आस्था, इतिहास और मनोरंजन, तीनों का संतुलित समावेश देखने को मिला। राजस्थान के कुम्भलगढ़ में प्रस्तावित मां पन्नाधाय मंदिर की जानकारी दी गई और देहाती रागनियों के लिए विशेष मंच सजाया गया। महोत्सव के दौरान वीर सिंह डेढ़ा और उमेश मुखिया गुर्जर ने कहा कि गुर्जर महोत्सव समाज की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है और इसमें सभी को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। गुर्जर संसद के अध्यक्ष रणदीप चौहान ने इसे परंपराओं, रीति-रिवाजों और इतिहास को जानने का प्रभावी मंच बताया। वहीं हितेंद्र डेढ़ा ने नई पीढ़ी को महोत्सव से जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को यहां लाकर अपने गौरवपूर्ण इतिहास से परिचित कराना जरूरी है।

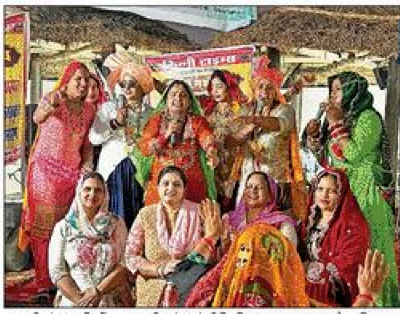

एक ही मंच पर दिखीं समाज की परंपराएं, रीति-रिवाज, रहन-सहन और इतिहास

महोत्सव का खुशी के साथ समापन

तीन दिवसीय गुर्जर महोत्सव मेले का रविवार को हर्षोल्लास के साथ समापन हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर शामिल हुए। युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मेले में कबड्डी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। मेले में जम्मू कश्मीर के गुर्जर भी शामिल हुए। इस अवसर पर रेवाड़ी से आए नेता गुर्जर विक्रम पहलवान, सूरज पहलवान, राजिंदर पहलवान, राजू और सुनील पहलवान, प्रदीप, सूबेदार मेजर सुभाष कटेसरा से और हरकेश नगर से भी लोग मेले में शामिल हुए।

शिमला कॉलिंग: बर्फबारी के बीच सजेगी महफिल

कार्निवल का आयोजन: शिमला विंटर कार्निवल का तीसरा संस्करण 24 दिसंबर से ऐतिहासिक रिज और मॉल रोड पर शुरू होगा। इसके लिए पूरे शहर को रंग-बिरंगी रोशनी और सजावटी वस्तुओं से सजाया जा रहा है।

मुख्य आकर्षण: इस आयोजन में फूड फेस्टिवल, फैशन शो और देश भर के नामी कलाकारों के साथ-साथ लोकल कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण रहेंगी।

पर्यटकों के लिए तैयारियां: क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के दौरान शिमला आने वाले लाखों पर्यटकों को यादगार अनुभव देने के लिए हर रात खास मनोरंजन कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है।

बर्फबारी और सुविधाएं: *बर्फबारी के सीजन को देखते हुए पर्यटकों को बेहतरीन सुविधाएं और सहायता देने पर जोर दिया गया है, साथ ही टूरिस्ट गाइडों और फोटोग्राफरों की आसानी से पहचान के लिए उन्हें खास जैकेट देने की मांग की गई है।*

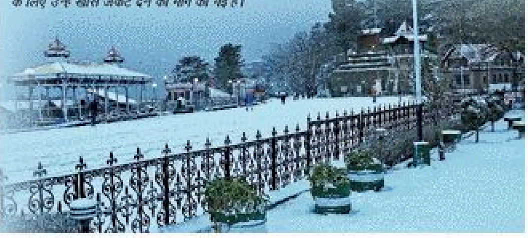

भोजपुरी की उपेक्षा पर चिंता और आक्रोश

संविधान में सम्मान के लिए भोजपुरी का 'सत्याग्रह'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

भोजपुरी भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए भोजपुरी जन जागरण अभियान की ओर से जंतर मंतर पर रविवार को धरना दिया गया। एक दशक से चल रहे भोजपुरी जन जागरण अभियान का यह 26वां प्रदर्शन था। इस धरने की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध समाजसेवी जनार्दन सिंह ने की। उन्होंने कहा कि भोजपुरी को अब तक मान्यता मिल जानी चाहिए थी परंतु यह राजनीति की शिकार होती रही है।

लोकगीतों तक सिमटी भाषा: राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष पटेल ने चर्चा करते हुए कहा कि 11वीं सदी के आस-पास दक्षिण फ्रांस की सामान्य भाषा ऑक्सिटन हुआ करती थी। लेकिन 1539 के आसपास किंग फ्रैंकोआइस ने एक कानून लाकर देश में पेरिस की एक भाषा "इसारी फ्रेंच" को देश की भाषा घोषित कर दिया। नतीजा यह हुआ कि ऑक्सिटन भाषा घर की भाषा, खेत की भाषा और लोकगीत की भाषा तक सिमटकर रह गई। कुछ ऐसा ही व्यवहार भोजपुरी के साथ हुआ है।

जन जागरण अभियान का यह 26वां प्रदर्शन

धरने में ये लोग हुए शामिल

धरने में रचनाकार जेपी द्विवेदी, मनोज कुमार, मनोज कुमार सिंह, इंद्रमोहन कुमार, चंदन कुमार, भाई शैलेंद्र, नूरैन अंसारी, पूनम पांडे, शालिनी कपूर, ओमप्रकाश, अंकित कुमार, राजेश कुमार, शंकर सिंह, विरम, संतोष यादव, प्रभात रंजन, रामेश्वर महतो, मट्टू कुमार, महासचिव गुरुदेव बैठा, आर्यन कुमार और अमरजीत शामिल हुए।

विश्व भोजपुरी सम्मेलन का हुआ आयोजन

भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की उठी मांग

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

देवरिया में दो दिवसीय भोजपुरी संस्कृति पर्व और विश्व भोजपुरी सम्मेलन की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रांतीय अधिवेशन में विभिन्न सत्रों में किए गए व्यापक विमर्श में तीन बड़े प्रस्ताव पारित किए गए। अधिवेशन में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि भारत गणराज्य के संविधान की आठवीं अनुसूची में भोजपुरी को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। अधिवेशन में प्रस्ताव पारित किया गया कि भारत की इतनी बड़ी भाषा को संरक्षित करने के लिए उत्तर प्रदेश में भोजपुरी अकादमी की स्थापना जरूरी है। भोजपुरी की व्यापकता को देखते हुए एक सेंसर बोर्ड बनाया जाए। अधिवेशन की अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत दुबे ने की। उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी ने अधिवेशन में प्रस्ताव रखे। अधिवेशन की औपचारिक शुरुआत सांसद मनोज तिवारी ने की। इस दौरान आचार्य संजय तिवारी ने कहा कि भोजपुरी भारतीय ज्ञान साहित्य की लोक संप्रेषण शक्ति है।

अधिवेशन की शुरुआत सांसद ने की

इनकी रही खास मौजूदगी

समारोह में प्रख्यात गायिका कल्पना पटवारी, भरत शर्मा व्यास, मदन राय, शिल्पी राज, शिक्षाविद और संस्कृति पर्व की कार्यकारी संपादक डॉ. अर्चना तिवारी भी उपस्थित थीं। इस अधिवेशन में विश्व भोजपुरी सम्मेलन के संस्थापक सदस्य जगदीश उपाध्याय, झारखंड से डॉ. अजय ओझा वाराणसी से अपूर्व नारायण तिवारी मौजूद रहे।

आज़ादी के 78 साल बाद भी जनता की नज़र में पुलिस की छवि में नहीं हुआ सुधार

पुलिस पर भरोसे की डोर, क्यों कमज़ोर?

पिछले महीने छत्तीसगढ़ में हुए ऑल इंडिया DGP-IG के 60वें सम्मेलन में पीएम मोदी ने पुलिस को लेकर जनता की धारणा में सुधार पर जोर दिया था। सवाल है कि आजादी के 78 साल बाद भी पब्लिक में पुलिस की छवि सुधर क्यों नहीं रही है? पुलिस पर पक्षपात, भेदभाव, भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहते हैं। जिससे उसकी इमेज खराब होती है। आखिर सिस्टम में कहां हैं खामियां और उन्हें कैसे किया सकता है दूर, पड़ताल की शंकर सिंह ने...

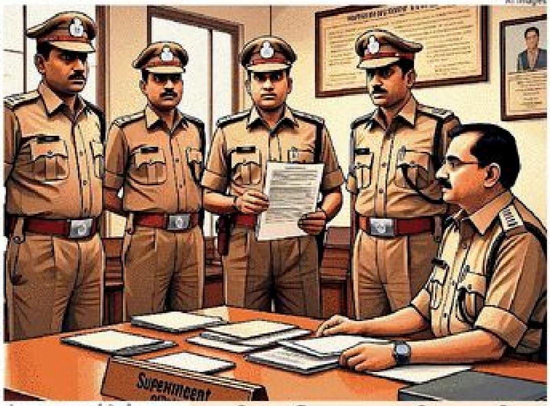
AI images

■ **नई दिल्ली :** 'पुलिस को काम करना पड़ेगा... काम अच्छा होगा तो छवि अच्छी होगी... लड़ाके हैं हम लोग, अगर किसी को दिक्कत पड़ी, अच्छे से बात कर ली और काम कर दिया तो छवि ठीक हो गई। कोई मैजिक थोड़ी है... ये लोगों की संस्था है, लोगों के पैसे से बनी है, उनकी समस्या के समाधान के लिए बनी है।' हरियाणा के कार्यवाहक डीजीपी ओपी सिंह ने दो टूक शब्दों में साफ कर दिया कि आखिर पुलिस को अपनी इमेज सुधारने के लिए करना क्या चाहिए! डीजीपी के कई विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। दो महीने के छोटे से कार्यकाल में जनता उनकी बेबाकी से इम्प्रेस दिख रही है। नतीजतन 31 दिसंबर को रिटायर होने जा रहे ओपी के सेवा विस्तार की मांग उठ भी रही है।

दरअसल भ्रष्टाचार-रिश्वतखोरी, पावर का मिसयूज, आम आदमी से बदसलूकी, राजनीतिक दखलअंदाजी और अपराधियों से सांठगांठ के मामले आए दिन सामने आते हैं, जिससे पब्लिक के मन में पुलिस को लेकर गलत राय बन जाती है। आखिर तमाम प्रयास के बावजूद भारत में पुलिस की इमेज क्यों नहीं सुधर रही है? इस पर यूपी के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह कहते हैं कि 1861 से जो सामंती, शोषण और दबंग की व्यवस्था बनी हुई है, उसे बदलने में कुछ तो समय लगेगा।

पुलिस को बेहतर बनाने में क्या समाज की भी भूमिका रहती है? : दिल्ली पुलिस की पूर्व कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव का कहना है कि जैसा समाज होता है, उसे वैसी ही पुलिस, वैसी जुडिशरी, वैसी ही राजनीति और वैसा ही सिस्टम मिलते हैं। सिर्फ पुलिस को ही इसके लिए जिम्मेदार ठहरा नहीं सकते हैं। जनता से लेकर सभी एरिया में सुधार की दरकार है। कई देशों में देखा होगा कि वहां सब अपना काम सब ठीक ढंग से कर है तो वहां पुलिस भी ठीक है। मैंने अपने खुद के कार्यकाल में कई बेहतर प्रयास किए, जैसे कोविड के कठिन दौर के वक्त मीडिया ने भी माना था कि 'दिल की पुलिस' है।

यूपी और असम के पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह ने 1996 में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर पुलिस की ट्रांसफर-पोस्टिंग में राजनीतिक हस्तक्षेप और प्रेशर खत्म करने की मांग की थी। पूर्व आईपीएस विक्रम सिंह कहते हैं कि प्रकाश सिंह बनाम भारत सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के फैसले में पुलिस को राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर रखने, तैनाती में पारदर्शिता के लिए बोर्ड बनाने, एसएचओ से लेकर डीजीपी तक को स्वायत्त और सुरक्षित कार्यकाल देने, जांच और कानून-व्यवस्था को अलग-अलग करने के ऑर्डर दिए थे। हम चले तो बहुत, लेकिन काफी दूर तक नहीं पहुंच पाए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद सुधार क्यों नहीं दिख रहा है? : नोएडा स्थित एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी के चांसलर विक्रम सिंह कहते हैं कि अभी बहुत लंबी यात्रा तय करनी है। राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले पुलिस सुधार को लेकर गंभीर नहीं हैं। सभी पार्टियों और बिरादरियों की सरकार आई-गई, लेकिन कोई भी पुलिस पर से अपना कंट्रोल छोड़ना नहीं चाहता है। क्या देश की राजनीति चौकी-थाने से ही चलेगी? अगर ऐसा रहा तो हालात काफी भयावह हैं। राजनीति तो गुण-दोष, सत्यनिष्ठा और जनता की सेवा के मानकों के ऊपर चलनी चाहिए। थाने-चौकी के जरिए अपना उल्लू सीधा कर राजनीति कतई नहीं चलनी चाहिए।

एक सीनियर अफसर ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त और अपराधियों से सांठगांठ होने से भी पुलिस की छवि पर बट्टा लगता है। कई मामले आ चुके हैं, जिनमें यूपी, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पंजाब के अफसर लिप्त मिले। पुलिसवालों पर वर्दी में जनता से बदसलूकी या मारपीट तक के मामले आते रहे हैं। कमजोर और आम लोगों के साथ भेदभाव करने और ऊंची पहुंच वालों का पक्ष लेने के आरोप भी लगते रहते हैं।

लीडरशिप पर भी काफी कुछ करता है निर्भर

अपने छोटे से कार्यकाल में गैंगस्टरों और बदमाशों के खिलाफ अभियान छेड़ने वाले हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने सभी पुलिसवालों को एक चिट्ठी भेजी, जिसमें आदेश दिया कि सभी पुलिसकर्मी जनता से बातचीत में 'गोल्डन वर्ड्स' का इस्तेमाल करें। घमंड और बदजुबानी बिल्कुल नहीं लाएंगे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब उनसे पूछा गया कि यह कैसे संभव होगा, तो उन्होंने कहा कि अगर किसी ने ऑर्डर का पालन नहीं किया तो डिसमिस कर सीधा घर भेज देंगे। कोई रिक्वेस्ट नहीं कर रहे, ऑर्डर है ये। सिक्योरिटी रिव्यू के बाद 72 वीआईपी की सुरक्षा हटा ली गई और 200 से ज्यादा पुलिसवालों को वापस बुलाया गया है। डीजीपी ने अफसरों को पत्र लिखा कि कानून का पालन करने वाले जिन लोगों को गुंडों से खतरा है, उनकी रक्षा करें। हथियार का लाइसेंस और ट्रेनिंग दिला दें... अक्सर मॉल-सिनेमा, शादी-मय्यत में कुछ लोग पुलिस सिक्योरिटी का शो-ऑफ करते दिख जाते हैं। ऐसे सिफारिशियों को ब्लैकलिस्ट कर दें। नतीजतन आम जनता में एक उम्मीद जगी है कि अगर लीडरशिप सही हाथों में हो तो पुलिस सुधर सकती है। यही वजह है कि बेहतर काम करने वाले अफसर लंबे वक्त तक याद किए जाते हैं।

खामियां, जो सुधरनी चाहिए

- 1861 का पुलिस अधिनियम अभी भी पुरातन औपनिवेशिक कानून के अधीन काम करता है
- 30 फीसदी पुलिसकर्मी हिरासत में यातना देने का समर्थन करते हैं, ऐसा एक रिपोर्ट में आया

33 पुलिसकर्मी हैं भारत में प्रति एक लाख लोगों पर, संयुक्त राष्ट्र का मानक 222 का है

14 घंटे औसतन रोजाना काम करते हैं भारत में पुलिस वाले, जिनमें 24% 16 घंटे तक करते हैं

0.33 फरेंसिक साइंटिस्ट हैं भारत में प्रति एक लाख लोगों पर, जबकि विदेश में 20 से 50 तक है

72 फीसदी अफसर प्रभावशाली व्यक्तियों से जुड़े केसों में दबाव में रहे, 2019 की स्टडी में हुआ खुलासा

2279 केस देशभर में पुलिस वालों के खिलाफ 2023 में दर्ज हुए, ये एनसीआरबी के आंकड़ों में हैं।

1022 पुलिसवालों के खिलाफ उनके अपराधों की जांच के बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल

सुप्रीम कोर्ट की ये हैं गाइडलाइंस

प्रकाश सिंह मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 2006 को पुलिस सुधारों के लिए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 7 प्रमुख निर्देश दिए थे। इनका मकसद पुलिस को राजनीतिक दखलदाजी से बचाना, स्वायत्तता बढ़ाना और जवाबदेही तय करना था। ये हैं खास निर्देश:

1. **स्टेट सिक्योरिटी कमिशन** : सरकार के अनुचित दबाव को रोकने के लिए हर राज्य में इसका गठन हो।
2. **DGP या CP का कार्यकाल** : कम से कम दो साल का होना चाहिए, भले ही वह रिटायरमेंट के करीब हो।
3. **पुलिस इस्टेब्लिशमेंट बोर्ड** : अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग और प्रमोशन इसके जरिए होनी चाहिए।
4. **पुलिस कंप्लेंट अथॉरिटी** : पुलिस हिरासत में मौत, रेप या गंभीर दुर्व्यवहार जैसे मामलों की जांच के लिए।
5. **जांच और कानून-व्यवस्था अलग:** कानून-व्यवस्था के काम से मुकदमों की तफ्तीश को अलग रखा जाए।

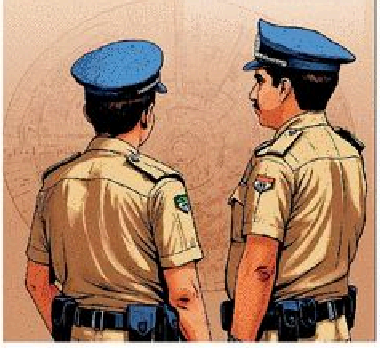

करप्शन से किरकिरी, ताक पर रखते कानून

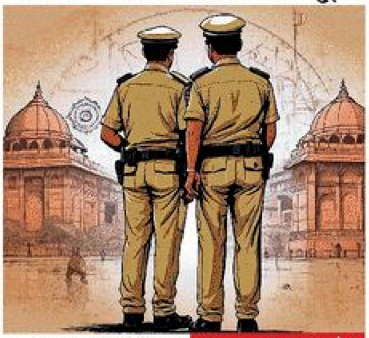

■ **पुलिसिया सिस्टम** में भ्रष्टाचार बढ़ा है, जो अपराधियों को मजबूत करता है और जुर्म को बढ़ावा देता है। इसकी कीमत आम आदमी को चुकानी पड़ती है। थाने के एसएचओ से लेकर टॉप लेवल के ऑफिसर का कार्यकाल अधिकतम दो से ढाई साल होता है। अधिकतर अफसर 'टाइम काटने' और पोस्टिंग एंजॉय करने में लग जाते हैं। एक पुलिस अधिकारी कहते हैं कि सिस्टम को बदलना आसान नहीं है, इसलिए अधिकतर अफसर उसी में समाहित हो जाते हैं। एक-दो साल बाद हटना ही है। धारणा यह भी बन चुकी है कि आगे अहम पोस्टिंग मिले या नहीं, इसलिए अभी 'फुल एंजॉय' करो, जिससे भ्रष्टाचार का जन्म होता है।

अपराध में शामिल होने और अपराधियों से मिलीभगत करने के मामलों में कई पुलिस वालों को जेल तक जाना पड़ा है। इससे भी आम जनता का भरोसा पुलिस वालों से उठ जाता है। आखिर पुलिस वाले या अफसर अपनी ड्यूटी निभाने में क्यों कोताही बरतते हैं? क्या वो खुद ऐसा करते हैं या उन्हें मजबूर किया जाता है? यूपी के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह कहते हैं कि दरअसल अब प्राथमिकताएं बदल गई हैं, जिससे भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। हर अफसर को ईमानदार होना ही चाहिए, क्योंकि उन्हें इसी बात की सैलरी मिलती है। लेकिन अगर अफसर खुद बेईमान और धूर्त होंगे तो वो निचले लेवल पर उंगली उठाने की हिम्मत नहीं कर पाएंगे। अफसरों में इंटेग्रिटी की जरूरत है, जिससे अनुशासन आएगा।

पंजाब पुलिस के डीआईजी एचएस भुल्लर को सीबीआई ने 17 अक्टूबर को गिरफ्तार किया तो उनके घर से 7.5 करोड़ कैश, दो किलो गोल्ड और बेनामी प्रॉपर्टी के दस्तावेज समेत कई विदेशी सामान रिकवर हुए। इसी तरह कोडीन सिरप कांड की जांच के दौरान एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ED) को यूपी पुलिस के एक बर्खास्त सिपाही की 7000 गज में बनी आलीशान कोठी मिली, जो करीब 5 करोड़ रुपये खर्च कर बनाई गई थी। पूर्व डीजीपी सिंह कहते हैं कि आजकल सिपाही से लेकर सब इंस्पेक्टर तक फॉर्च्यूनर और बीएमडब्ल्यू में चलते हैं। क्या अफसरों को नहीं दिखाई दे रहा है? लेकिन खुद में खोट होने की वजह से उनमें इतना नैतिक साहस नहीं कि वो उनसे पूछ सकें कि इतनी महंगी गाड़ी कहां से आई है।

'जानबूझकर कमजोर किया जाता है केस'

भ्रष्टाचार की वजह से आम आदमी को न्याय नहीं मिल पाता है। आरोप लगते हैं कि थाने में ही केस रफा-दफा कर देते हैं और केस को जानबूझकर कमजोर कर दिए जाते हैं। पूर्व आईपीएस कहते हैं कि चार्जशीट में कमियां छोड़ी जाती हैं। कई बार केस में मुलजिम जोड़ने और हटाने तक का काम होता है। जाहिर है कि इसका असर न्याय पर पड़ता है। ऐसे अफसरों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की जरूरत है। आय से अधिक का मुकदमा होने पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। स्क्रीनिंग कमिटी के जरिए 20 साल की सर्विस पूरी कर चुके अफसरों के कामकाज की समीक्षा होनी चाहिए। राजनीति करने वाले और भ्रष्टाचार में लिप्त रहे अफसरों को निकाल बाहर करें। ऐसा करने पर निश्चित ही सुधार होगा और अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHBP User: cci Time: 12-14-2025 22:59 Color:

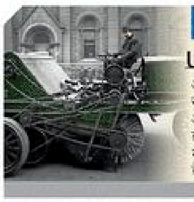

NBT AI टाइम मशीन

US में आई थी पहली सड़क-सफाई मशीन

आज ही के दिन 1854 में अमेरिका के फिलाडेल्फिया शहर में पहली सड़क-सफाई मशीन का इस्तेमाल शुरू हुआ था। ये मशीन इंग्लिश आविष्कारक जोसेफ व्हिटवर्थ के डिजाइन पर बेस्ड थी। इसमें घूमते हुए ब्रश लगे थे जो सड़कों से गंदगी और मलबा उठाकर सफाई करते थे। मशीन के आने से सड़कों और गलियों की सफाई का काम तेज और बेहतर हो गया। ये मॉडर्न सड़क-सफाई गाड़ियों की भी शुरुआत थी।

NBT

Front Page-2

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली | सोमवार, 15 दिसंबर 2025

भविष्य में प्रदूषण कम करने में होगी मदद

ChatGPT के अनुसार, भारत में सड़कों की सफाई का भविष्य 'स्मार्ट सिटी' पहल और प्रदूषण पर नियंत्रण के इर्द-गिर्द केंद्रित है। सड़क सफाई के लिए इलेक्ट्रिक स्वीपर पर जोर दिया जाएगा, जो डीजल मशीनों की तुलना में वायु प्रदूषण और शोर दोनों को कम करेंगे। नई स्मार्ट मशीनें गंदगी वाली जगहों की पहचान करके सफाई करेंगी। ये मशीनें वैक्यूम सिस्टम का इस्तेमाल करके बारीक धूल (PM10) को भी उठाएंगी, जो वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण है।

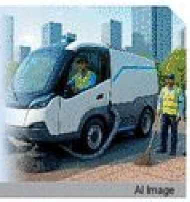

AI Image

SPEED News

भारत ने श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय को

AI Image

17 आवश्यक दवाओं की 25 टन खेप और 14,200 किलोग्राम से अधिक सूखे खाद्य पदार्थों को भेजा है।

File

कनाडा में दो युवा छात्रों की गोली मारकर हत्या

कर दी गई। मृतकों की पहचान गुरदीप सिंह (27) और रणवीर सिंह (18) के रूप में हुई है। मामले में जांच शुरू कर दी गई है।

सूडान में संयुक्त राष्ट्र के परिसर पर

File

ड्रोन हमला हुआ। इस हमले में छह संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों (पीसकीपर्स) की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए।

File

कंबोडिया ने थाइलैंड के साथ अपनी सीमा

चौकियों को बंद कर दिया है। अगले आदेश तक ये क्रॉसिंग बंद रहेंगे। दोनों सेनाओं के बीच लड़ाई जारी रही।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

सिडनी: खुशियों के जश्न में आतंक की दहशत

ऑस्ट्रेलिया में त्योहार मना रहे यहूदियों पर 50 राउंड फायरिंग | आतंकी हमले में 11 लोगों की मौत हो गई, 29 लोग घायल | पुलिस ने एक हमलावर को किया ढेर, दूसरे की हालत गंभीर

■ एपी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित मशहूर बॉन्डी बीच पर रविवार शाम उस समय अफरा-तफरी और दहशत फैल गई, जब अचानक हुई गोलीबारी में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और दो पुलिस अधिकारियों समेत 29 लोग घायल हो गए। गोलीबारी को आतंकवादी हमला घोषित किया गया है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस कमिश्नर ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या हमले में तीसरा संदिग्ध भी शामिल था। पुलिस को अब तक 2 संदिग्ध मिले हैं। एक की मौत हो चुकी है, जबकि दूसरा गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हमला कथित तौर पर यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया। घटना के बाद प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने आतंकी कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि यहूदी लोगों पर किया गया हमला, हर ऑस्ट्रेलियाई नागरिक पर किया गया हमला है। हमारे देश में नफरत, हिंसा और आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। मैं साफ कहना चाहता हूं कि हम इसे पूरी तरह खत्म करेंगे।

कार से IED बरामद, जांच का दायरा बढ़ा

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने कहा कि उन्होंने बीच पर हुई घातक गोलीबारी के एक संदिग्ध से जुड़े वाहन के अंदर एक IED बरामद किया है। जांचकर्ताओं ने इलाके को सुरक्षित कर लिया और वाहन की जांच जारी रखी। गोलीबारी के मामले में न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की रॉयट स्क्वॉड की टीमें और कई एंबुलेंस भी मौके पर तैनात की गईं।

Photos: Agency

सोशल मीडिया पर वायरल विडियो में काले कपड़े पहने दो युवक दिखाई दिए, जो सड़क पर खड़े होकर राइफल जैसे हथियार से फायरिंग करते नजर आ रहे हैं।

गोलीबारी के बाद लोगों में अफरातफरी मच गई। लोग बॉन्डी बीच से भागते दिखे।

'काले कपड़े में आए, ताबड़तोड़ फायरिंग की'

चश्मदीदों के मुताबिक, काले कपड़े में दो लोग आए और ताबड़तोड़ फायरिंग की। 12 से 50 राउंड फायरिंग की आवाजें सुनी गईं। घटना के चश्मदीद 30 वर्षीय स्थानीय निवासी हैरी विल्सन ने कहा कि मैंने करीब 10 लोगों को जमीन पर पड़ा देखा, हर तरफ खून फैला था। शुरुआत में गोलियों की आवाज आतिशबाजी जैसी लगी, लेकिन जल्द ही लोग भागते दिखे और साफ हो गया कि फायरिंग हो रही है। डर के मारे कुछ लोग पानी से बाहर आने के बजाय और दूर तैरते रहे। ऑस्ट्रेलियन ज्यूरी की एग्जीक्यूटिव काउंसिल के सह-सीईओ ने बताया कि गोलीबारी उस वक्त हुई, जब समुद्र तट पर यहूदी त्योहार हनुक्का के अवसर पर एक कार्यक्रम चल रहा था।

क्या हुआ बॉन्डी बीच पर

- समुद्र तट पर अचानक गोलियों की आवाज गूंजी
- कई लोग जमीन पर घायल अवस्था में पड़े मिले
- लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए
- कुछ लोग डर के कारण समुद्र में ही तैरते रहे

आखिर क्यों बढ़ी चिंता

- घटना के वक्त बीच पर हनुक्का उत्सव से जुड़ा कार्यक्रम चल रहा था
- पुलिस को घटनास्थल के आसपास कुछ संदिग्ध चीजें भी मिली हैं
- पुलिस ने एक संदिग्ध से जुड़े वाहन के अंदर एक IED बरामद किया है।

आम नागरिक ने हमलावर को पकड़ा

गोलीबारी के दौरान एक आम नागरिक ने हथियारबंद हमलावर को दबोचा लिया। घटना का विडियो सामने आया है, जिसमें व्यक्ति अपनी जान जोखिम में डालकर हमलावर से राइफल छीनता नजर आता है। उसकी इस बहादुरी से कई लोगों की जान बच गई। विडियो के मुताबिक, हमलावर राइफल से फायरिंग कर रहा था। इसी दौरान एक व्यक्ति खड़ी गाड़ियों के पीछे झुककर आगे बढ़ता है। फायरिंग के बीच वह धीरे-धीरे हमलावर के करीब पहुंचता है और अचानक उस पर झपट्टा मारकर राइफल छीन लेता है। इसके बाद हमलावर को जमीन पर गिराकर काबू में कर लिया। शख्स की पहचान अहमद अल अहमद के रूप में हुई है। दो बच्चों के पिता अहमद को उनकी बहादुरी के लिए हीरो बताया जा रहा है। उन्होंने एक बंदूकधारी पर अचानक झपट्टा मारा और उसके हाथ से राइफल छीन ली। इसी दौरान पास के एक पुल पर मौजूद दूसरे हमलावर ने अहमद पर गोली चला दी। अहमद को दो गोलियां लगीं।

फायरिंग कर रहे हमलावर को पीछे से अहमद ने पकड़ लिया था।

ऑस्ट्रेलिया में सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं

- **28 अप्रैल 1996:** पोर्ट आर्थर (तस्मानिया) में 35 की हत्या, इसके बाद सख्त हथियार कानून लागू।
- **9 सितंबर 2014:** न्यू साउथ वेल्स में किसान ने पत्नी और तीन बच्चों की हत्या, फिर आत्महत्या।
- **16 दिसंबर 2014:** सिडनी लिंड्ट कैफे बंधक संकट में 3 की मौत।
- **11 मई 2018:** वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में किसान ने 6 परिजनों की हत्या की।
- **15 मार्च 2019:** ऑस्ट्रेलियाई हमलावर ने न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में 51 लोगों की हत्या की।
- **4 जून 2019:** डार्विन में 4 की हत्या, एक घायल।
- **12 दिसंबर 2022:** क्वींसलैंड में गोलीबारी, 2 पुलिसकर्मी समेत 6 की मौत।

दुनिया बोली- ये बेहद भयावह

भयानक आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन जश्न मना रहे लोगों को निशाना बनाया गया। **- नरेंद्र मोदी**

फ्रांस पीड़ितों, घायलों और उनके परिवारों के साथ है और यहूदी-विरोधी नफरत के खिलाफ हर जगह बिना रुके संघर्ष जारी रखेगा। **- इमैनुएल मैक्रों**

गोलीबारी की घटना को बेहद पीड़ादायक है। ब्रिटेन इस भयावह हमले से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है। **- कीर स्टार्मर**

सरकार की नीतियों ने यहूदी-विरोधी भावना की आग में घी डाला है। जब नेता चुप रहते हैं, कार्रवाई नहीं करते, तो विरोध कैंसर की तरह फैलता है। **- नेतन्याहू**

गाज़ा में इस्त्राइली हमले में हमास के कमांडर की मौत

AFP

इस्त्राइली सेना ने दावा किया कि कार को निशाना बनाकर साद पर हमला किया।

■ एएफपी, दोहा

हमास ने पुष्टि की है कि वरिष्ठ कमांडर राएद साद (Raed Saad) इस्त्राइली हमले में मारे गए हैं। यह अक्टूबर की शांति संधि के बाद से हमास के वरिष्ठ नेता की सबसे हाई-प्रोफाइल हत्या मानी जा रही है। इस्त्राइली सेना ने कहा कि उसने गाजा सिटी के पास एक हमले में साद को मार गिराया। कम से कम 25 लोग इस हमले में घायल हुए।

इस्त्राइल की सेना और सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने संयुक्त बयान में कहा कि उन्होंने हमास के सैन्य विंग कासम ब्रिगेड्स के हथियार उत्पादन प्रमुख राएद साद को मार गिराया। साद को कासम ब्रिगेड्स के सबसे प्रमुख कमांडरों में गिना जाता था और वह 7 अक्टूबर के हमास हमलों में कई ब्रिगेड का नेतृत्व कर चुका था, जो गाजा सिटी के पूर्वी इलाकों में इस्त्राइली समुदायों पर हुए थे। हमास के सिविल डिफेंस प्रवक्ता महमूद बसाल ने बताया कि हमले में कई राहगीरों को भी चोटें आईं। स्थानीय हमास अधिकारी ने कहा कि साद का सहयोगी और एक अन्य निम्नस्तरीय अधिकारी अबू इमाद अल-लबान भी मारे गए। इस्त्राइल के अनुसार, साद ने कई इस्त्राइली सैनिकों की मौत के लिए जिम्मेदारी निभाई थी।

हमास ने कहा, हमले में स्थानीय लोग भी घायल हुए

अमेरिकी सैनिकों पर ISIS का हमला, 3 की मौत

■ आईएएनएस, न्यू यॉर्क: इस्लामिक स्टेट के खिलाफ ऑपरेशन का हिस्सा रहे दो अमेरिकी सैनिकों समेत तीन लोगों की मौत के बाद राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाया है। अमेरिकी सैनिकों की सीरिया में आतंकी हमले के दौरान जान चली गई। इसके बाद ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा है कि बहुत गंभीर बदला लिया जाएगा।

ट्रंप ने सोशल पोस्ट में कहा कि हम सीरिया में तीन अमेरिकी देशभक्तों की मौत पर दुख जताते हैं, जिनमें दो सैनिक और एक सिविलियन इंटरप्रेटर शामिल हैं। इसी तरह, हम तीन घायल सैनिकों के लिए प्रार्थना करते हैं, जिनके बारे में अभी पुष्टि हुई है कि वे ठीक हैं। यह अमेरिका और सीरिया पर आईएसआईएस का हमला था। सीरियाई सरकारी समाचार एजेंसी सना के अनुसार, सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका ने पलमायरा में खतरे की चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिया, जहां यह हमला हुआ।

ट्रंप ने कहा, बहुत गंभीर बदला लिया जाएगा

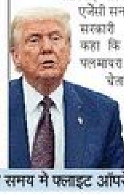

अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी में फायरिंग, 2 की मौत, 9 घायल

■ एपी, न्यू यॉर्क

अमेरिका के रोड आइलैंड के प्रोविडेंस में ब्राउन यूनिवर्सिटी में गोलीबारी की घटना सामने आई है। इसमें दो लोगों की मौत हो गई और 9 घायल हैं। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इस घटना पर दुख जताया। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया।

घटना के तुरंत बाद विश्वविद्यालय ने आपातकालीन अलर्ट जारी कर छात्रों और स्टाफ को दरवाजे बंद करने, फोन बंद करने और सुरक्षित स्थान पर छिपने की चेतावनी दी। अफरातफरी का माहौल फैल गया। शहर के कई हिस्सों में पुलिस ने सड़कों पर घेराबंदी की, घरों और पार्किंग क्षेत्रों की तलाशी ली, जबकि लोग अपने घरों में सुरक्षित रहे। कई छात्र अपने डॉर्मिटरी, बासमेंट और आसपास के व्यवसायिक स्थानों में घंटों छिपकर रहे। स्थानीय रेस्टोरेंट्स और दुकानें जल्दी बंद कर दी गईं।

प्रोविडेंस के मेयर ब्रेट स्माइली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आठ घायल गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि नौवां व्यक्ति गोली के टुकड़ों से घायल हुआ। अधिकारियों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कितने पीड़ित ब्राउन यूनिवर्सिटी के छात्र थे। पुलिस ने शुरू में बताया कि संदिग्ध एक पुरुष था, जो काले कपड़े पहने हुआ था और होप स्ट्रीट की ओर बिल्डिंग से बाहर गया।

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्हें घटना की जानकारी दी गई है और एफबीआई स्थानीय अधिकारियों की मदद कर रहा है। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैक्की ने कहा कि राज्य के कानून प्रवर्तन और आपातकालीन प्रबंधन दल पूरी तरह कार्रवाई में है।

पुलिस ने कई हिस्सों में सड़कों पर घेराबंदी की

AP

पुलिस ने संदिग्ध को हिरासत में लिया, राष्ट्रपति ट्रंप ने घटना पर दुख जताया

छात्र छिपकर बचे, कहा- अंधेरे में घंटों बिताए

छात्रों ने कहा कि अचानक हुई गोलीबारी ने उनकी सामान्य पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी में डर और असमंजस भर दिया। एक छात्र ने कहा कि हमने दरवाजा बंद किया, लाइट्स बंद कीं और डेस्क के नीचे छिप गए। कई घंटों तक अंधेरे में बिताए। हम नहीं जानते कि अब हमें कहां जाना चाहिए।

पुर्तगाल (Portugal) जा रहे गुजरात के दंपती लीबिया में बंधक

AI Image

■ NBT रिपोर्ट: अहमदाबाद के दंपती और उनकी तीन साल की बेटी को लीबिया में कथित तौर पर बंधक बना लिया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने परिवार की रिहाई के बदले 2 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ितों की पहचान किस्मतसिंह चावड़ा, उनकी पत्नी हीनाबेन और बेटी देवांशी के रूप में हुई है। अधिकारी के अनुसार, परिवार पुर्तगाल जाने की कोशिश कर रहा था, जहां किस्मतसिंह का भाई रहता है। अधिकारी ने बताया कि बदालपुरा गांव का यह परिवार पुर्तगाल में बसने के इरादे से एक पुर्तगाल-बेस्ड एजेंट की मदद से यात्रा कर रहा था। अपहरणकर्ताओं ने मेहसाणा में रह रहे परिजनों से संपर्क कर 2 करोड़ रुपये की मांग की।

परिजनों से बात करके 2 करोड़ की फिरौती मांगी गई

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. बीजेपी ने किस नेता को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है? A) जे. पी. नड्डा B) नितिन नबीन C) सुशील मोदी
2. सिडनी में किस समुदाय को निशाना बनाकर हमला किया गया? A) ईसाई समुदाय B) मुस्लिम समुदाय C) यहूदी समुदाय
3. साल 2025 का 'इफको साहित्य सम्मान' किस लेखिका को मिलेगा? A) महादेवी वर्मा B) मैत्रेयी पुष्पा C) मृदुला गर्ग
4. बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त के रूप में किन्हें तलब किया गया? A) प्रणय वर्मा B) हर्षवर्धन श्रृंगला C) विक्रम मिस्री
5. इनमें से किस राज्य में विधायक निधि की जांच के लिए कमिटी बनी? A) राजस्थान B) कर्नाटक C) बिहार

कल के जवाब

A1 A. H-1B A2 B. पंकज चौधरी A3 A. सॉल्ट लेक स्टेडियम A4 C. BJP A5 B.नरगिस मोहम्मदी

लकी विनर्स

1. अशोक शर्मा, नई दिल्ली
2. गौरव छाबड़ा, नई दिल्ली
3. जे.पी.एस. निर्माण, नई दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

झारखंड: IED ब्लास्ट में CRPF के 2 जवान घायल

File

■ भाषा, चाईबासा: झारखंड में सारंडा के जंगल में रविवार को तलाश अभियान के दौरान आईईडी विस्फोटों में 2 सीआरपीएफ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों जवान कोबरा बटालियन के हैं। अधिकारियों की आशंका है कि आईईडी नक्सलियों ने लगाया था। घायल जवानों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल आलोक दास और सिपाही नारायण दास के रूप में हुई है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के एक निजी अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया है। आशंका जताई जा रही है कि इलाके में नक्सलियों ने और भी आईईडी बिछा रखी हैं।

दोनों जवान कोबरा बटालियन के हैं

अफसरों की कमी।... मौजूदा समय में फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर विंग में तैनात है 120 से ज्यादा कैप्टन

एयरलाइंस से आए अफसरों के ही भरोसे DGCA का जांच सिस्टम

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: देश की विमानन सुरक्षा व्यवस्था पर एक सवाल खड़ा हो रहा है। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट समेत देश की तमाम एयरलाइंस और उनके विमानों की सेफ्टी ऑडिट का काम डीजीसीए के नियमित अधिकारी नहीं, बल्कि अधिकतर मामलों में उन्हीं एयरलाइंस से एक्सपर्ट के तौर पर डीजीसीए में कॉन्ट्रैक्ट पर हायर किए गए कैप्टन और सीनियर पायलट करते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, डीजीसीए के अपने रेगुलर अधिकारी मुख्य रूप से एयरपोर्ट की ऑडिट करते हैं, जबकि एयरलाइंस और उनके विमानों की सुरक्षा जांच के लिए विभिन्न एयरलाइंस से जुड़े अनुभवी कैप्टनों को फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर विंग में तैनात किया गया है। मौजूदा समय में डीजीसीए के पास ऐसे 120 से अधिक कैप्टन हैं, जो इंडिगो, एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और अन्य भारतीय एयरलाइंस से हायर किए गए हैं। इनका जिम्मा यह देखने का है कि एयरलाइंस सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन कर रही है या नहीं। हालांकि जानकारों का मानना है कि इसी व्यवस्था के चलते कई बार सुरक्षा से समझौते का खतरा भी बना रहता है। हाल के दिनों में एयर इंडिया के एक विमान के बिना उपयुक्त एनओसी के आठ बार टेक ऑफ करने का मामला सामने आया था। जानकारों का कहना है कि सेफ्टी ऑडिट के लिए डीजीसीए को अपने स्थायी कैडर के अधिकारियों की भर्ती करनी चाहिए ताकि किसी भी स्तर पर चूक की गुंजाइश कम हो सके।

File

भरोसा अभी बाकी

देश में घरेलू विमानन धीरे-धीरे सामान्य होता दिख रहा है। शनिवार को डोमेस्टिक फ्लाइटों के टेक ऑफ की संख्या तीन हजार को पार करते हुए 3032 तक पहुंच गई। इंडिगो का ऑन-टाइम परफॉर्मेंस फिलहाल अन्य एयरलाइंस के मुकाबले बेहतर है, लेकिन लोड फैक्टर अब भी सबसे कम है, जो दर्शाता है कि यात्रियों का भरोसा पूरी तरह लौटने में वक्त लग सकता है।

ढाका में दूत तलब, भारत ने याद दिलाई ज़िम्मेदारी

■ पीटीआई, नई दिल्ली

भारत ने रविवार को कहा कि उसने कभी भी अपनी मिट्टी का इस्तेमाल बांग्लादेश के हितों के खिलाफ गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया है। भारत ने बांग्लादेश को याद दिलाया कि कानून व्यवस्था उनकी जिम्मेदारी है। यह प्रतिक्रिया बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय द्वारा ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किए जाने के कुछ घंटों बाद आई।

ढाका की ओर से जारी बयान के अनुसार, बांग्लादेश ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत की मिट्टी से दिए गए कथित भड़काऊ बयानों पर चिंता जताई थी और भारत में रह रहे अवामी लीग के कुछ सदस्यों की गतिविधियों का भी जिक्र किया था। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के आरोपों को भारत सिरे से खारिज करता है। मंत्रालय ने दोहराया कि भारत हमेशा बांग्लादेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और विश्वसनीय चुनावों के पक्ष में रहा है। भारत ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए 12 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनाव शांतिपूर्वक कराएगी। अवामी लीग ने इन चुनावों को खारिज करते हुए कहा है कि अंतरिम सरकार निष्पक्ष माहौल सुनिश्चित नहीं कर सकती। शेख हसीना अगस्त 5 से भारत में रह रही हैं।

कहा, कानून व्यवस्था बनाए रखना बांग्लादेश का काम

File

हसीना के बयानों पर बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त को तलब किए जाने के बाद आई प्रतिक्रिया

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD1 User: cci Time: 12-13-2025 22:07 Color:

नई दिल्ली / एनसीआर > 15-21 दिसंबर, 2025 > वर्ष 1, संख्या 13 > पेज 6 > मूल्य ₹6.00

अनक्लेम्ड मनी के बारे में कैसे पता करें?
बैंक, म्यूचुअल फंड और इंश्योरेंस में फंसे अपने पैसे के बारे में कैसे जानें और क्लेम कैसे करें, तरीका यहां मिलेगा...
देखें PG-2

NBT Wealth
नवभारत टाइम्स

किराये से कमाई के लिए घर लेना सही है?
दिल्ली-NCR में जहां प्रॉपर्टी की कीमतें काफी ज्यादा है, किराये के लिए घर खरीदना अच्छा निवेश है या बुरा, यहां जानें...
देखें PG-5

आपकी बात
NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते है? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।
कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

संपत्ति कितनी, यह वारिसों को बताया जाए या नहीं?
क्या आप जानते हैं कि देश में करोड़ों रुपये ऐसे खातों में पड़े हैं, जिन पर कभी कोई दावा ही नहीं किया गया? हैरानी की बात यह है कि इनमें से बड़ी रकम ऐसे लोगों की है, जिन्होंने अपने जीवन भर बचत तो की, लेकिन उसके बारे में परिवार को बताया नहीं। डर, संकोच, गलतफहमी या रिश्तों की जटिलताओं के कारण कई लोग अपनी संपत्ति की जानकारी छिपाए रखते हैं और यही चुप्पी कभी-कभी परिवारों को आर्थिक संकट में धकेल देती है। लेकिन क्या समाधान सिर्फ सब कुछ बता देना है? या फिर इससे नए खतरे पैदा होते हैं? सच इन दोनों के बीच छिपा है। जानें कि क्या है संतुलित और सही तरीका।

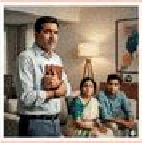

देखें PG-2

शेयर बाजार के बारे में कहां से सीखें, भरोसेमंद कौन?
शेयर बाजार में कमाई के सपने देखने वालों की भीड़ बढ़ रही है, लेकिन भरोसेमंद सीख कहां से मिले, यह पहले से ज्यादा उलझा हुआ सवाल बन गया है। सोशल मीडिया गुरुओं की चमकदार दुनिया और करोड़ों बनाने के वादों के बीच असली खतरा वही है, जो नजर नहीं आता, वह है गलत मार्गदर्शन, अधूरा ज्ञान और फर्जी एक्सपर्ट्स के जाल में फंस जाना। SEBI की हालिया कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि गलत दिशा में उठाया हर कदम आपकी पूंजी को जोखिम में डाल सकता है। ऐसे समय में यह समझना बेहद जरूरी हो गया है कि सीखने का सुरक्षित रास्ता कौन-सा है, किस पर भरोसा करें।

देखें PG-3

काम की खबरें

AI Image

पेंशन फंड का पैसा गोल्ड-सिल्वर ETFs में भी लगेगा
PFRDA ने पेंशन फंड के निवेश विकल्प बढ़ाते हुए NIFTY 250 शेयरों में कुल कॉर्पस का 25% तक निवेश की अनुमति दी है। साथ ही गोल्ड-सिल्वर ETFs, SEBI-रेगुलेटेड InvITs, REITs और अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स यानी AIFs (कैटिगरी I और II) में भी निवेश की मंजूरी मिल गई है। इससे पेंशन फंड को बेहतर रिटर्न और व्यापक डायवर्सिफिकेशन का मौका मिलेगा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इससे कैपिटल मार्केट भी मजबूत होगा।

बैंक अकाउंट के लिए फिजिकल वेरिफिकेशन
ऑनलाइन फ्रॉड और 'म्यूल अकाउंट्स' बढ़ने के बाद कई बड़े बैंकों ने फिर से फिजिकल वेरिफिकेशन को जरूरी कर दिया है। ICICI, HDFC, SBI, बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने नियम सख्त किए हैं। ICICI बैंक ने तो 'इंस्टा-अकाउंट' सर्विस भी बंद कर दी, सिर्फ सैलरी अकाउंट को छूट है। अब नया खाता खोलने के लिए ग्राहकों को ब्रांच जाना होगा या बैंक अधिकारी घर आकर वेरिफिकेशन करेंगे।

BSE ने लार्ज कैप कैटिगरी में लॉन्च किए 4 नए इंडेक्स
BSE इंडेक्स सर्विसेज ने लार्ज कैप कैटिगरी में 4 नए 'फैक्टर इंडेक्स' लॉन्च किए हैं। ये हैं BSE लार्जकैप 100 मोमेंटम 30, BSE लार्जकैप 100 लो वोलेटिलिटी 30, BSE लार्जकैप 100 इन्हेंस्ड Value 30 और BSE लार्जकैप 100 क्वॉलिटी 30। ये नए इंडेक्स बाजार के खास ट्रेंड जैसे मोमेंटम, लो वोलेटिलिटी, वैल्यू और क्वॉलिटी पर आधारित होंगे। इनका इस्तेमाल ETF, इंडेक्स फंड और PMS की बेंचमार्किंग के लिए होगा।

नए लेबर कोड के बाद

PF-ग्रैच्युटी में बदलाव का वक्त

प्रभात गौड़
Prabhat.Gaur@timesofindia.com

पिछले दिनों केंद्र सरकार ने नए लेबर कोड लागू करने की घोषणा की। इसके बाद श्रम मंत्री ने बताया कि इसके लिए अप्रैल 2026 तक नियम घोषित कर दिए जाएंगे। लेबर कोड लागू होने पर नौकरी से संबंधित मामलों में कई बदलाव होने वाले हैं। यहां हम सिर्फ पीएफ और ग्रैच्युटी को लेकर होने वाले बदलावों पर विस्तार से बात कर रहे हैं।

नए लेबर कोड के बाद प्रॉविडेंट फंड यानी पीएफ और ग्रैच्युटी मिलने के तरीके किस तरह बदल जाएंगे, इसे समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि नए कोड में यूनिफॉर्म वेजेज की बात कही गई है। यानी पीएफ और ग्रैच्युटी की जो गणना अब तक बेसिक सैलरी पर होती रही है, वह अब वेजेज के आधार पर होगी इसलिए पहले वेजेज को जान लेते हैं।

अब तक कंपनियां इस बात के लिए फ्री थीं कि वे किसी कर्मचारी की बेसिक पे जितनी चाहें, उतनी रख सकती थीं। आमतौर पर सैलरी स्ट्रक्चर इस तरह बनाया जाता था कि बेसिक पे कम हो और कॉस्ट टु कंपनी (CTC) का बाकी पैसा भत्तों के रूप में दे दिया जाए। चूंकि पीएफ और ग्रैच्युटी बेसिक पे के आधार पर तय होते हैं, इसलिए कंपनियों को कम बेसिक पे रखने में फायदा होता था। नए कोड में वेजेज की परिभाषा स्पष्ट की गई है। वेजेज का मतलब होगा बेसिक पे, डीए और रिटेनिंग अलाउंस। अगर अलाउंसेज जैसे HRA, special allowance आदि कुल वेतन (CTC) के 50% से अधिक हो जाएं, तो उस अतिरिक्त भाग को वेजेज में जोड़ने का प्रावधान किया गया है। यानी बेसिक पे और डीए मिलाकर कुल CTC का 50% होना चाहिए। इससे किसी कर्मचारी की कुल सैलरी पर फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन चूंकि उसका पीएफ अब वेजेज पर कटेगा, इसलिए वो रकम ज्यादा होगी। जाहिर है, उसकी टेक होम सैलरी कम हो सकती है। ग्रैच्युटी भी वेजेज से तय होगी इसलिए यह रकम भी बढ़ जाएगी। इन बदलावों से उम्मीद है कि एम्प्लॉयर सैलरी रीस्ट्रक्चर करेंगे यानी बेसिक पे बढ़ाएंगे और अलाउंसेज घटाएंगे।

कर्मचारियों को किस तरह के फायदे होंगे?
- रिटायरमेंट पर बढ़ा हुआ पीएफ कॉर्पस और बढ़ी हुई ग्रैच्युटी की रकम मिल सकेगी। रिटायरमेंट या नौकरी छोड़ने पर अब पहले से ज्यादा रकम हाथ में आएगी।
- फिक्स्ड-टर्म या कॉन्ट्रैक्ट वर्कर, जो पहले ग्रैच्युटी से वंचित थे, अब 1 वर्ष में फायदा हासिल कर सकते हैं। यह व्यवस्था गिग-इकॉनमी, कॉन्ट्रैक्ट/फ्रीलांस कर्मचारियों के लिए अच्छा है।
- वेज स्ट्रक्चर पहले से स्पष्ट होगा। क्लेम डिजिटल निबटाए जा सकेंगे। भुगतान समय पर होंगे जिससे धोखाधड़ी की आशंका कम रहेगी।
- नए कोड में टैक्स-फ्री ग्रैच्युटी की सीमा अभी वही है, जैसी पहले थी पर वेज का आधार बढ़ने से अर्जित राशि बढ़ेगी, जिससे कुल लाभ ज्यादा ही होगा।
- जो लोग पांच साल से पहले नौकरी बदल देते थे, वे ग्रैच्युटी के हकदार नहीं होते थे। जल्दी-जल्दी नौकरी बदलने वालों को अब हर कंपनी से ग्रैच्युटी मिल सकेगी।

नए कोड के तहत वेजेज की बदली परिभाषा से बेसिक सैलरी और PF योगदान की गणना बदल जाएगी। PF में जमा होने वाली राशि बढ़ सकती है, जिससे रिटायरमेंट कॉर्पस मजबूत होगा। हालांकि कंपनियों के लिए ग्रैच्युटी की लागत बढ़ सकती है। कुछ कर्मचारी इस बदलाव को सिर्फ 'टेक-होम सैलरी कम होने' के चश्मे से देखते हैं, जबकि असल में यह उनकी रिटायरमेंट प्लानिंग को बेहतर करता है। कर्मचारी इन बदलावों को तत्काल वेतन के नजरिये से न देखें, बल्कि इसे रिटायरमेंट और लंबी अवधि की बचत के हिस्से के रूप में समझें।

-तारेश भाटिया, सर्टिफाइड फाइनेंशल प्लानर

ग्रैच्युटी में क्या बदला है?
ग्रैच्युटी (Gratuity) वह रकम है जो कंपनियां कर्मचारियों को लंबे समय तक काम करने पर देती है। यह लंबी सेवा का इनाम है। यह भुगतान Payment of Gratuity Act, 1972 के तहत होता है। ग्रैच्युटी कर्मचारी को तब दी जाती है, जब वह कंपनी छोड़ता है या रिटायर होता है या मौत/दुर्घटना की वजह से नौकरी नहीं कर पाता। किसी शख्स ने कितने साल सर्विस की, इसके आधार पर रकम तय होती है। नौकरी छोड़ने या रिटायरमेंट के 30 दिनों में रकम देनी होगी। सरकारी कर्मचारियों के लिए पूरी ग्रैच्युटी टैक्स-फ्री है, जबकि निजी कंपनी के कर्मचारियों के लिए अधिकतम ₹20 लाख रुपये तक की ग्रैच्युटी पर टैक्स नहीं लगता।

1 साल पर भी ग्रैच्युटी
नए लेबर कोड के मुताबिक, फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयी जो किसी कंपनी में कम से कम 1 साल काम कर चुके हैं, उन्हें ग्रैच्युटी मिलेगी। अब तक ये समय 5 साल तक था। अगर आपके कॉन्ट्रैक्ट में एक टर्म लिखा है मसलन एक साल, दो साल या तीन साल तो आप फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयी माने जाएंगे। जिस कंपनी में काम कर रहे हैं, वह कंपनी ऐक्ट के दायरे में आती हो। वे कंपनियां जहां 10 या उससे अधिक कर्मचारी काम करते हैं, वहां ग्रैच्युटी देना अनिवार्य है। कानून कहता है कि कर्मचारी किसी भी प्रकार का हो, स्थायी (Permanent), कॉन्ट्रैक्ट, अस्थायी (Temporary) अगर वह कंपनी के पेरोल पर है और 1 साल पूरा करता है, तो उसे ग्रैच्युटी मिलनी चाहिए।

कैसे कैलकुलेट होती है?
ग्रैच्युटी=(Last Drawn Salary×15/26)×Number of Years of Service

Last Drawn Salary: रिटायरमेंट/नौकरी छोड़ते वक्त अंतिम माह के वेजेज। इसमें आपकी बेसिक सैलरी और डीए की रकम जोड़ी जाएगी।

15/26: जो कर्मचारी पेमेंट ऑफ ग्रैच्युटी ऐक्ट में आते हैं, उनके लिए यूज किया जाता है। इसमें 26 मतलब उन दिनों से है जो महीने में वर्किंग डे होते हैं।

Years of Service: इसमें राउंड ऑफ चलता है, मतलब किसी ने 10 साल 7 महीने नौकरी की है तो नंबर ऑफ ईयर्स 11 साल होंगे और 10 साल 5 महीने की है तो 10 साल।

कैसे बढ़ जाएगी अब रकम?
मान लें कि अखिल शर्मा जब रिटायर हुए तो उनका CTC यानी कॉस्ट टु कंपनी ₹12 लाख सालाना था। इसमें उनकी बेसिक और DA की रकम ₹3,60,000 थी। बाकी ₹8 लाख 40 हजार उन्हें कंपनी भत्ते के रूप में देती थी। उनकी मासिक बेसिक सैलरी और डीए मिलाकर 30 हजार बने। ये मानकर चलते हैं कि उन्होंने मौजूदा कंपनी में 10 साल सर्विस की है।

उनकी ग्रैच्युटी की गणना इस तरह होगी
₹30,000×15/26×10=₹1,73,076 मतलब उन्हें ग्रैच्युटी के ₹1,73,076 मिलेंगे।

अगर अखिल शर्मा पर नए लेबर कोड के नियम लागू हों, तो उनकी कंपनी को ₹12 लाख सीटीसी को इस तरह डिजाइन करना पड़ेगा कि उनकी बेसिक सैलरी और डीए मिलाकर ₹6 लाख हो जाए। बाकी 6 लाख उन्हें भत्तों के रूप में दिए जाएंगे। उनकी मासिक बेसिक सैलरी और डीए मिलाकर अंतिम महीने में ₹50,000 बनेंगे।

अब उनकी ग्रैच्युटी की गणना इस तरह होगी
50,000×15/26×10=2,88,461 मतलब उन्हें ग्रैच्युटी के ₹2,88,461 मिलेंगे।

PF में क्या बदला है?
नये लेबर कोड के बाद भी PF योगदान 12% ही रहेगा लेकिन अब कंपनियों को बेसिक और डीए यानी वेजेज को कुल CTC का आधा रखना ही पड़ेगा। इससे बेसिक वेतन बढ़ेगा और पीएफ के तौर पर कर्मचारी का योगदान बढ़ जाएगा। PF की गणना के लिए सरकार ने एक कैपिंग की हुई है जो 15000 रुपये महीना है। PF की इस अनिवार्य कैपिंग में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यानी कंपनी जो पीएफ योगदान देगी वो अब भी अधिकतम 12% × 15,000 = ₹1,800 रुपये ही होगा। यह नियम पुराने समय की तरह अब भी लागू है। इसका अर्थ है कि आपकी वास्तविक बेसिक सैलरी चाहे ₹20,000, ₹30,000 या ₹50,000 हो, कंपनी को कानूनी रूप से PF सिर्फ ₹15,000 के आधार पर ही देना होता है। यानी नए लेबर कोड लागू होने के बाद भी कंपनी का अनिवार्य PF योगदान ₹1,800 से नहीं बढ़ता। कुछ कंपनियां स्वेच्छा से पूरी बेसिक सैलरी पर PF योगदान दे सकती हैं, लेकिन यह कानूनी मजबूरी नहीं है।

हां, लेबर कोड के बाद कर्मचारी का PF योगदान जरूर बढ़ जाएगा क्योंकि उसका बेसिक वेतन नई वेतन-परिभाषा के कारण बढ़ जाएगा। अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी ₹30,000 है, तो उसका PF योगदान सीधे-सीधे 12% × 30,000 = ₹3,600 होगा लेकिन कंपनी का अनिवार्य PF योगदान ₹1,800 रुपये ही रहेगा।

टेक होम सैलरी कम तभी, जब...
मान लें कि अखिल शर्मा का CTC यानी कॉस्ट टु कंपनी 12 लाख रुपये सालाना है। इसमें उनकी बेसिक और डीए 3,60,000 रुपये है। बाकी 8 लाख 40 हजार रुपये उन्हें कंपनी भत्ते के रूप में देती है। उनकी मासिक बेसिक सैलरी 30 हजार बनी। इस पर 12% पीएफ उनके योगदान वाला कट जाता है यानी 3600 रुपये पीएफ के रूप में कट जाते हैं हर महीने। अब नए लेबर कोड के बाद उनकी बेसिक सैलरी सालाना हो जाएगी ₹6 लाख रुपये यानी 50 हजार रुपये महीने। तो अब उनका पीएफ 50 हजार रुपये पर कटेगा यानी 12% के हिसाब से 6000 रुपये। यानी पीएफ बढ़ने से उनकी टेक होम सैलरी 2400 रुपये कम हो जाएगी।

फर्क नहीं, अगर...
मान लें किसी की कुल सीटीसी 60 हजार रुपये है। इसमें बेसिक और डीए मिलाकर 20 हजार है और अलाउंसेज 40 हजार है। तो पीएफ कटौती और उसके बाद टेक होम सैलरी के फर्क को इस टेबल से समझें।

कंपोनेंट	लेबर कोड से पहले	कोड के बाद
वेजेज	₹20,000	₹30,000 (कुल का 50%)
अलाउंसेज	₹40,000	₹30,000
एम्प्लॉयर का PF योगदान	₹1800	₹1800
वेजेज का 12%(सीलिंग 15 हजार)		
एम्प्लॉयी का PF योगदान	₹1,800	₹1,800
वेजेज का 12%(सीलिंग 15 हजार)		
टेक होम सैलरी	₹56,400	₹56,400

लेबर मिनिस्ट्री की तरफ से जारी इस टेबल से साफ है कि यदि पीएफ डिडक्शन सीलिंग वाली रकम के मुताबिक है तो टेक होम सैलरी में कोई फर्क नहीं आएगा।

बैंक, म्यूचुअल फंड और बीमा में फंसे अपने पैसे कैसे पाएं?

Gain Guide

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi@timesofindia.com

भारत में बिना दावे के पड़ी रकम (Unclaimed Money) पर पहली बार इतनी व्यापक चर्चा हो रही है। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' (Your Money, Your Right) की मुहिम छेड़े हुए हैं और लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे अपने भूले-भटके पैसों को वापस लें। आइए जानते हैं कि बैंक, म्यूचुअल फंड या बीमा में फंसे अपने पैसे को कैसे वापस पा सकते हैं।

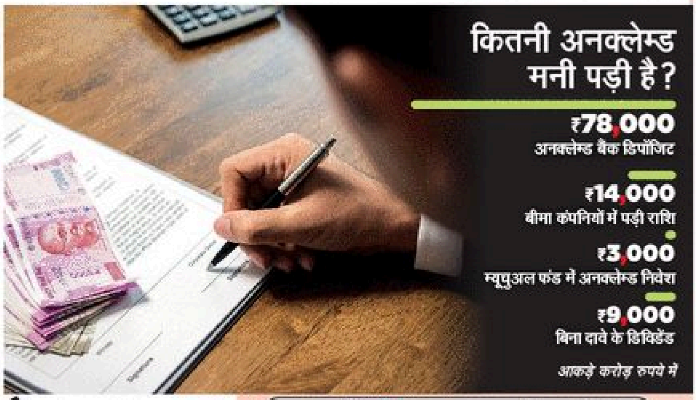

कितनी अनक्लेम्ड मनी पड़ी है?

₹78,000 अनक्लेम्ड बैंक डिपॉजिट

₹14,000 बीमा कंपनियों में पड़ी राशि

₹3,000 म्यूचुअल फंड में अनक्लेम्ड निवेश

₹9,000 बिना दावे के डिविडेंड

आंकड़े करोड़ रुपये में

देश में आम लोगों की गाढ़ी कमाई के करीब एक लाख करोड़ रुपये यूं ही बिना दावे के (अनक्लेम्ड) पड़े हुए हैं। ये वे पैसे हैं, जिन्हें किसी ने कभी जमा किया, निवेश किया या फिर उसके नाम पर कोई डिविडेंड या मच्योरिटी राशि बनती थी, लेकिन उस पर कई वर्षों तक कोई दावा नहीं किया गया। यह रकम बैंक खाते (सेविंग्स, करंट), फिक्स्ड डिपॉजिट (FD), रिकरिंग डिपॉजिट (RD), बीमा पॉलिसी के मच्योरिटी अमाउंट, मृत व्यक्ति की बीमा राशि जिस पर वारिसों ने दावा नहीं किया, म्यूचुअल फंड की राशि, शेयर, डिविडेंड और बोनस, कंपनी के रिफंड, PF/EPF के रूप में पड़ी है।

यह स्थिति क्यों बनती है?

अनक्लेम्ड मनी बढ़ने के पीछे कई वजहें हैं। लोग समय के साथ कई FD, बीमा पॉलिसी, बैंक खाते और निवेश कर लेते हैं। लेकिन, वर्षों बाद उन्हें याद ही नहीं रहता कि कहां कितना पैसा जमा है और वे क्लेम करना भूल जाते हैं। यदि खाता या पॉलिसी रखने वाले व्यक्ति की मौत हो जाए और परिवार को जानकारी न हो कि उनके नाम पर कौन-कौन से निवेश थे, तो भी यह राशि पड़ी रहती है। पुरानी पासबुक, पॉलिसी बॉण्ड, रसीदें और अन्य दस्तावेज गुम होने पर भी लोग क्लेम नहीं कर पाते। कई बार पता बदल जाना, मोबाइल नंबर बदलना या KYC अपडेट न करना भी पैसे 'अनक्लेम्ड' बना देता है। सबसे बड़ी बात कि कई लोग डिविडेंड, बोनस, रिडेम्प्शन, बीमा क्लेम या Senior Citizen Saving Scheme की प्रक्रियाएं समझ नहीं पाते और वे इसे क्लेम नहीं करते। NRI भी भारत में अपने पुराने खातों और निवेशों को भूल जाते हैं।

क्या दस्तावेज चाहिए?

पहचान प्रमाण के रूप में आधार कार्ड, PAN कार्ड, वोटर आईडी, पासपोर्ट दे सकते हैं। निवेश के प्रमाण के रूप में पुरानी पासबुक, FD/RD रसीद, बीमा पॉलिसी बॉण्ड, म्यूचुअल फंड स्टेटमेंट, शेयर सर्टिफिकेट देना होगा। आप नॉमिनी या वारिस हैं तो खाताधारक/निवेशक का मृत्यु प्रमाण पत्र, कानूनी वारिस प्रमाण, नॉमिनेशन डिटेल, क्लेम फॉर्म चाहिए।

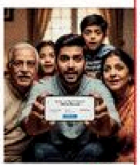

'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' पहल यह सुनिश्चित करने के लिए है कि हर नागरिक वह वापस पा सके, जो उसका है। ₹2,000 करोड़ पहले ही सही मालिकों को लौटाए जा चुके हैं।
- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

इन पैसों का क्या होता है?

लोग अक्सर समझते हैं कि अनक्लेम्ड पैसे सरकार या बैंक की संपत्ति बन जाते हैं। लेकिन, ऐसा नहीं है। आपके पैसे पड़े रहते हैं, आपके लिए ही। बस आपको क्लेम करना होता है।

बैंक डिपॉजिट: 10 साल तक निष्क्रिय रहने पर बैंक इस रकम को RBI के डिपॉजिटर एजुकेशन ऐंड अवेयरनेस (DEA) फंड में भेज देता है। लेकिन रकम हमेशा खाताधारक या उसके वारिस की ही रहती है। जब भी दावा किया जाए, राशि वापस मिलती है ब्याज सहित या बिना ब्याज, जैसा नियम हो।

बीमा: बीमा कंपनियां अनक्लेम्ड राशि को 'अनक्लेम्ड फंड अकाउंट' में रखती हैं। दस्तावेज सही हों तो रकम वापस मिल जाती है।

शेयर और डिविडेंड: 7 साल तक दावा न होने पर यह राशि इन्वेस्टर एजुकेशन ऐंड प्रोटेक्शन फंड (IEPF) में चली जाती है। सही दस्तावेज देने पर IEPF से भी पैसा या शेयर वापस मिल जाते हैं।

आपका पैसा कहां फंसा है?

यदि आप अपने पैसे जमा या निवेश कर भूल गए हैं या फिर अपने माता-पिता, दादा-दादी के रुपयों के बारे में पता करना चाहते हैं तो इसके लिए सरकार ने 4 बड़े पोर्टल बनाए हैं।

बैंक खाता, FD/RD
- RBI के UDGAM पोर्टल पर जाएं: https://udgam.rbi.org.in/unclaimed-deposits/
- रजिस्टर करें।
- लॉग-इन कर अपना नाम, बैंक का नाम और पहचान विवरण दर्ज करें।
- सर्च बटन दबाएं।
- कोई अनक्लेम्ड खाता या राशि होगी, तो दिखेगा।

बीमा पॉलिसी
- Bima Bharosa पोर्टल पर जाएं: https://bimabharosa.irdai.gov.in/
- Unclaimed Amount पर क्लिक करें।
- इंश्योरेंस कंपनी को सेलेक्ट करें।
- पॉलिसी नंबर, नाम, जन्मतिथि, पैन नंबर डालें और सबमिट करें।

म्यूचुअल फंड
- MITRA (MF Central) पर जाएं, जिसका लिंक है: https://app.mfcentral.com/
- Sign IN या Sign UP करें।
- जरूरी जानकारी भरें। पोर्टल बताएगा कि आपके नाम पर कौन-सी फंड हाउस में रकम पड़ी है।

शेयर और डिविडेंड के लिए
- IEPFA पोर्टल पर जाएं, https://www.iepf.gov.in/
- Services में Claime Refund पर क्लिक करें।
- Register या Login करें।
- जरूरी जानकारी भरें। यदि आपके नाम पर कोई पुराना शेयर, डिविडेंड, बोनस या निवेश अटका है, तो वहां दिखेगा।

लोग अपनों के लिए ही बचत और निवेश करते हैं, लेकिन उन्हीं को बताने में हिचकते हैं। यदि टर्म इंश्योरेंस या निवेश का ब्यौरा घर वालों को पता न हो तो वे क्लेम कैसे कर पाएंगे? हमें सभी निवेश की जानकारी एक डायरी में लिखनी चाहिए और कम से कम नॉमिनी को जरूर बतानी चाहिए। *- संजय तिवारी, चार्टर्ड अकाउंटेंट*

पैसों के बारे में अपनों को सही समय पर जानकारी देना जरूरी

निवेश के बारे में करीबियों को बताना मुश्किल क्यों?

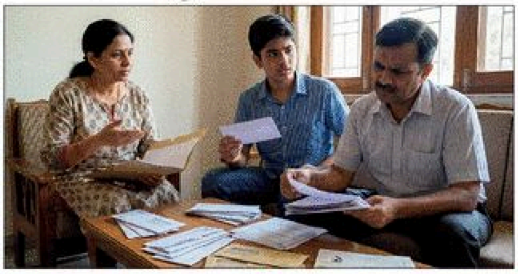

दो दूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari@timesofindia.com

देश में हजारों करोड़ रुपये बिना दावे के खातों में पड़े हैं। इसकी बड़ी वजह है कि अधिकतर लोग अपने वारिसों को अपनी संपत्ति की जानकारी नहीं देते। लेकिन जानकारी देने से लालच, दबाव, गलती या साइबर ठगी जैसे जोखिम भी बढ़ जाते हैं। सही स्थिति है सही समय पर सही जानकारी देना।

विरासत तभी सुरक्षित है जब वारिस तैयार हो। जानकारी समय से पहले मिले तो लालच बढ़ सकता है, देर से मिले तो पैसा अटक सकता है। निवेश साझा करने का सही तरीका चुनना हर परिवार की जिम्मेदारी है।

हमारे देश में करोड़ों रुपये बिना दावे के खातों में पड़े हैं। इनमें से बड़ी राशि उन लोगों की होती है, जो इस दुनिया में नहीं हैं। उनके वारिसों को यह पता ही नहीं चलता कि ऐसे खाते या निवेश कहीं मौजूद हैं। कई बार इसका मूल कारण होता है, जमाकर्ता ने अपनी संपत्ति की जानकारी वारिसों को स्पष्ट रूप से नहीं बताई। वैसे तो यह सुझाव अक्सर दिया जाता है कि हर व्यक्ति अपने वारिसों को अपनी पूरी संपत्ति की जानकारी दे दे। सुनने में समझदारी भरा लगता है, लेकिन ऐसा करना कई बार मुसीबतों का पिटारा खोल देता है।

वारिस का मच्योर होना बेहद जरूरी है। वित्तीय समझदारी का मतलब यह भी है कि बैंकिंग, टैक्स और निवेश के नियम समझने में कमी न हो। हो सकता है कि किसी को पिता के बैंक खाते में एक करोड़ रुपये का पता चले। गाइडेंस के बिना वह पूरा पैसा एक क्रिप्टो प्लैटफॉर्म में डाल दे। किसी को फिक्स्ड डिपॉजिट विरासत में मिले। टैक्स नियम न समझते हुए वह बिना जरूरत उसे पूरी तरह प्रीमैच्योर ब्रेक कर दे। इस पर पेनल्टी लग जाती है। कई मामलों में देखा गया है कि जो बच्चे जानते हैं कि आगे चलकर करोड़ों मिलेंगे, वे मेहनत और आत्मनिर्भरता खो देते हैं। हो सकता है कि जब बच्चे को पता हो कि पापा के पास 5-10 करोड़ हैं, तो वह दबाव डालने लगे। लालच, ब्लैकमेल, अपराध, नशा, यहां तक कि इससे भी खतरनाक नतीजे हो सकते हैं। पिता ने तो प्रेरणा देने के लिए पूरा पोर्टफोलियो दिखा दिया, लेकिन बच्चे अक्सर माता-पिता को धमकाकर दस्तावेजों पर साइन करा लेते हैं। कई बार परिवार में झगड़े शुरू हो जाते हैं, तो जबरन संपत्ति बिक्री की स्थिति तक आ जाती है।

किसी की मौत के बाद उत्तराधिकारी का भावनात्मक रूप से स्थिर होना भी जरूरी है। इसमें कमजोरी का मतलब है दुख या सदमे की हालत में अचानक बड़ी राशि पर निर्णय लेने की क्षमता खो देना। अचानक जिम्मेदारी से मानसिक अवसाद या बेचैनी की स्थिति भी हो सकती है। वित्तीय जानकारी में कमजोर वारिस आजकल साइबर ठगों के निशाने पर भी आ सकते हैं। यही वजह है कि विरासत हासिल करने से पहले वित्तीय शिक्षा बेहद जरूरी है। इसके बिना हर जोखिम दूसरे को जन्म दे सकता है, जिससे लाभ देने वाला धन वारिस के लिए संकट बन जाता है।

परंपरागत मान्यता के अनुसार, परिवार में पैसे से जुड़ी बातों को छिपाकर रखना फर्ज ठीक माना जाता था, लेकिन आज के जमाने में यह तरीका उतना सही नहीं। परिवार में संपत्ति और कर्ज के बारे में खुलकर बात करना बहुत जरूरी है। इससे परिवार के लोगों की वित्तीय समझ बढ़ती है। अगर किसी वारिस को पहले से पता हो कि कोई खाता या संपत्ति मौजूद है, तो खाते के मालिक की मृत्यु होने पर वह समय पर दावा कर सकता है। इससे खाता अनक्लेम्ड या बिना दावे वाला होने से बच जाता है। पारदर्शिता से परिवार पहले से सही योजना बना सकता है-जैसे नॉमिनी तय करना, साफ-सुथरी वसीयत या ट्रस्ट बनाना। ये सब चीजें बाद में होने वाली कानूनी उलझनों से कहीं बेहतर होती हैं। कुल मिलाकर, अगर आने वाली पीढ़ी को सही जानकारी दी जाए, तो वे विरासत को जिम्मेदारी से संभाल सकते हैं।

> **अक्सर लोग अपनी बचत और निवेश की जानकारी परिवार को नहीं बताते और मौत के बाद खाते अनक्लेम्ड रह जाते हैं। पर पूरी पारदर्शिता भी कई बार मुश्किलें खड़ी कर देती है। समाधान यही है कि वारिसों को धीरे-धीरे वित्तीय समझ के साथ सही समय पर जानकारी दी जाए, ताकि जोखिम और विवाद से बचा जा सके।**

वित्तीय जानकारी से भरे एक फेसबुक ग्रुप में कुछ समय पहले यही मुद्दा उठाया गया था। एक व्यक्ति ने बताया कि जब मैंने पारदर्शिता का रास्ता अपनाया तो मुझ पर घर में जरूरत से ज्यादा खर्च करने का दबाव बढ़ने लगा। किसी ने घर में एक करोड़ रुपये का टर्म इंश्योरेंस होने की जानकारी दी। उसके घर में लोग इस बात पर नाराज हो गए कि तुम्हारे पास टर्म इंश्योरेंस का एक करोड़ रुपया पड़ा है और हमारा गोवा टूर कब से टाल रहे हो। रिटायरमेंट के बाद मिली मोटी रकम कुछ महीनों के अंदर खर्च हो जाने के मामले भी देखे गए हैं। यही वजह है कि एन्युटी स्कीमों में रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली मोटी रकम लॉक रहती है। उसी जमा से रेगुलर इनकम की व्यवस्था कर दी जाती है। वित्तीय मामलों में अक्सर वसीयत करने की सलाह दी जाती है। वसीयत करने वाले को दो गवाहों की भी तलाश करनी पड़ती है। पेच यहीं आकर फंस जाता है। यही वजह है कि वसीयत आज भी घर-घर की चीज नहीं है।

भारत में बिना क्लेम वाली रकम की समस्या जटिल है। इसका एक बड़ा कारण परिवारों में पैसे को लेकर बातचीत का न होना है। सब कुछ छिपा दिया जाए या सब कुछ एक साथ बता दिया जाए, यही दो चरम बिंदु नहीं हो सकते। सही तरीका है संतुलन, जिसमें बच्चों को पैसों की समझ भी दी जाए और जानकारी धीरे-धीरे सही समय पर साझा की जाए। इससे बच्चों में धन संभालने की समझ पहले से बन जाती है, फिर चाहे असली संपत्ति बाद में मिले।

टेक्नॉलजी इस अंतर को पाटने में भी मदद कर सकती है। डिजिटल दस्तावेज का सिस्टम खाताधारकों को सुविधा दे सकता है। इसमें अपनी संपत्तियों का एक जगह एन्क्रिप्टेड रिकॉर्ड बनाए रखने की सुविधा दी जा सकती है। सब कुछ समय से पहले उजागर करने की जरूरत नहीं होगी। स्पष्ट निर्देश होंगे कि इसे कब और कैसे जारी किया जाना चाहिए। खुलासे का समय विशिष्ट स्थितियों से जोड़ा जा सकता है, जैसे कि एक निश्चित आयु प्राप्त करना, वित्तीय साक्षरता का कोर्स पूरा करना, माता-पिता के निधन पर। यह सुनिश्चित करता है कि उत्तराधिकारियों को आवश्यक जानकारी ठीक उसी समय मिले, जब उन्हें उसकी आवश्यकता हो। फिलहाल एक नया कॉन्सेप्ट पेश किया जा रहा है। अपनी सारी वित्तीय जानकारी का एक सुरक्षित दस्तावेज डिजिलॉकर पर अपलोड किया जा सकता है। डिजिलॉकर पर नॉमिनी की सुविधा होती है।

बेहतर ज़िंदगी के लिए आपके पास कितना पैसा होना 'काफ़ी' है?

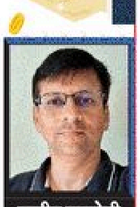

समीर रस्तोगी
NBTwealth@timesofindia.com

पैसा कितना होना चाहिए, यह सवाल आसान मगर काफी पेचीदा है। यह सिर्फ कमाई या बचत का हिसाब नहीं, बल्कि आपकी सोच, जीवनशैली, प्राथमिकताओं और सुरक्षा की भावना का संतुलन है, जो हर व्यक्ति के लिए अलग होता है।

(लेखक सक्षम वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं।)

'कितना पैसा काफी है?' इस सवाल का जवाब सिर्फ इनकम से नहीं दिया जा सकता। यह तभी साफ होता है, जब आपकी जिंदगी के गोल्स, जिम्मेदारियां और वैल्यूज आपके फाइनेंस के साथ मेल खाते हैं। तो, ज्यादा पाने के पीछे भागने से पहले, यह तय करें कि सच में क्या मायने रखता है। क्योंकि आखिरकार एक संतुष्ट जिंदगी इस बारे में नहीं है कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि इस बारे में है कि जो कुछ भी है, उसे किस इरादे से इस्तेमाल करते हैं।

कभी न कभी, हममें से ज्यादातर लोग चुपचाप खुद से पूछते हैं: 'आराम से रहने के लिए मुझे कितने पैसे चाहिए?' इसका जवाब देना आसान लगता है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि 'काफी' सिर्फ सैलरी, बचत या इन्वेस्टमेंट के बारे में नहीं है। यह हमारी सोच, लाइफस्टाइल, उम्मीदें, परिवार की जिम्मेदारियों, फाइनेंशल सिक्योरिटी और यहां तक कि हम खुशी को कैसे डिफाइन करते हैं, इन सब पर निर्भर करता है।

कोई व्यक्ति जो महीने में 50,000 कमाता है, वह संतुष्ट महसूस कर सकता है। कोई व्यक्ति जो महीने में 5 लाख कमाता है, वह भी फाइनेंशली खुद को पीछे महसूस कर सकता है। तो असली सवाल यह है: 'काफी' होने का मतलब इतना अलग-अलग क्यों होता है? जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों पर 'काफी' का मतलब कैसे बदलता है?

बचपन में, काफी का मतलब पॉकेट मनी होता है। करियर की शुरुआत में, इसका मतलब एक स्टेबल नौकरी और आजादी होता है। 30 और 40 की उम्र तक, यह होम लोन, बच्चों की पढ़ाई, इंश्योरेंस और रिटायरमेंट सेविंग्स के बारे में हो जाता है। 60 की उम्र तक, काफी का मतलब एसेट्स से कम और शांति, सेहत और स्टेबिलिटी के रूप में ज्यादा हो जाता है। जैसे-जैसे जिंदगी बदलती है, फाइनेंशल सहूलियत की हमारी परिभाषा भी बदल जाती है। लेकिन एक बात हमेशा एक जैसी रहती है: अगर हम अपनी फाइनेंशल मंजिल तय नहीं करते हैं, तो हम अनिश्चित महसूस करेंगे, चाहे हम कितना भी कमा लें।

'काफ़ी' को समझने में दिक्कत क्यों?

1 मकसद नहीं: हम सुनते हैं: 'भविष्य के लिए बचाओ', 'ज्यादा कमाओ, कम खर्च करो', 'जल्दी प्रॉपर्टी खरीदो'। ये मैसेज प्रैक्टिकल हैं लेकिन अक्सर क्लैरिटी के बजाय डर पैदा करते हैं। तो हम अलग-अलग व्यवहार देखते हैं। कुछ लोग बहुत ज्यादा बचत करते हैं और बिना गिल्ट के कभी खर्च नहीं करते। कुछ लोग निवेश से बचते हैं और चिंतित रहते हैं। कुछ लोग रैंडमली इन्वेस्ट करते हैं क्योंकि दूसरे ऐसा कर रहे हैं। कुछ लोग इमेज बनाए रखने के लिए ज्यादा खर्च करते हैं। बहुत कम लोग रुककर पूछते हैं: 'मैं असल में किस तरह की जिंदगी चाहता हूं?'

2 दूसरों से तुलना: आजकल अच्छी लाइफस्टाइल का मतलब आम तौर पर होता है- बड़ी कारें, छुट्टियां, रेस्टोरेंट में खाना, महंगे फोन, बड़ा घर आदि। सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें किसी भी आम आदमी की जिंदगी को अधूरा महसूस करा सकती हैं। यह देखना अब आम बात है। कम इनकम वाला और बिना किसी कर्ज वाला व्यक्ति शांति से रहता है। ज्यादा इनकम वाला व्यक्ति अभी भी स्ट्रेस में है और ज्यादा पाने की कोशिश कर रहा है। यह एक जरूरी बात को हाईलाइट करता है: दौलत सिर्फ पैसे नहीं है, यह पैसे और उम्मीदों के बीच तालमेल है।

अपने लिए 'काफी' को कैसे कैलकुलेट करें?

इमोशनल कन्फ्यूजन दूर हो जाए, तो प्लानिंग साफ हो जाती है। फिर आप अपना 'काफी' जान सकते हैं।

स्टेप 1 — अपनी सालाना रहने की लागत जानें
- महीने का खर्च × 12 (उदाहरण: ₹1.2 लाख/महीना = ₹14.4 लाख/साल)

स्टेप 2 — सेफ्टी बनाएं
- इमरजेंसी फंड: 6-12 महीने का खर्च
- हेल्थ इंश्योरेंस: टर्म इंश्योरेंस (अगर डिपेंडेंट हैं)

स्टेप 3 — भविष्य के लक्ष्यों के लिए प्लान करें
- बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना, यात्रा, लाइफस्टाइल अपग्रेड आदि।

स्टेप 4 — रिटायरमेंट की जरूरत का अनुमान लगाएं
- एक प्रैक्टिकल नियम: सालाना खर्च × 25 = रिटायरमेंट कॉर्पस
- अगर सालाना खर्च ₹15 लाख है: ₹15 लाख × 25 = ₹3.75 करोड़ (आज की कीमत)

महंगाई इस आंकड़े को बढ़ा देती है, लेकिन अनुशासित निवेश समय के साथ इसे बैलेंस कर देता है। यह तरीका उस सवाल को एक आकार देता है जो अस्पष्ट या भारी लगता है।

पैसा असल में हमें क्या देता है?

सिर्फ पैसा खुशी की गारंटी नहीं दे सकता, लेकिन यह कुछ उतना ही महत्वपूर्ण हमें देता है, जैसे पसंद और आजादी। यह देता है अपनी शर्तों पर काम करने की आजादी, बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा के विकल्प, बिना किसी झिझक के मेडिकल सुरक्षा, जरूरत पड़ने पर आराम करने का समय, बाद के सालों में गरिमा, आराम से परे, फाइनेंशल तैयारी मानसिक शांति देती है, जो ज्यादातर लोग आखिरकार चाहते हैं।

कैसे हासिल करें?

बीच का रास्ता: *खर्च भी, बचत भी, निवेश भी। कई परिवार पैसे के मामले में दो छोर पर होते हैं:*

1. ओवर-स्पेंडर (ज्यादा खर्च करने वाले)
- **पैटर्न:** आज की लाइफस्टाइल पर फोकस
- **नतीजा:** बाद में पछतावा, बचत कम, तनाव ज्यादा

2. ओवर-सेवर (बहुत ज्यादा बचाने वाले)
- **पैटर्न:** सिर्फ सुरक्षा और भविष्य पर ध्यान
- **नतीजा:** आज का आनंद नहीं ले पाते, जीवन भारी लगता है

सही तरीका बीच का संतुलन। फिजूलखर्ची नहीं, न ही पूरी जिंदगी बस बचत में लगा देना। पैसे का सही प्लान वह है, जहां आज भी आराम से जिएं और कल भी सुरक्षित रहें।

कैसे जानें 'काफी' नहीं?

- अच्छी कमाई के बावजूद पैसे की चिंता रहती है।
- दूसरों को देख लाइफस्टाइल अपग्रेड करते हैं।
- बिना स्ट्रक्चर, लक्ष्य के बचत करते हैं।
- रिटायरमेंट के लिए खुद को तैयार नहीं मानते।
- आप खुद पर खर्च करते समय दोषी महसूस करते हैं।

कब समझें अब काफी है?

'काफी' तब होता है जब पैसा आपकी जिंदगी को सपोर्ट करता है, उसे कंट्रोल नहीं करता। यदि आप उस पॉइंट के करीब हैं जब आपके गोल्स प्लान्ड हैं, फाइनेंशल रिस्क सुरक्षित हैं, रिटायरमेंट का रास्ता साफ है, बिना किसी फाइनेंशल स्ट्रेस के जिंदगी का मजा लेते हैं, तो समझें कि अब 'काफी' पैसा है।

कंपनियों के शेयर लिस्टिंग से पहले भी ले सकते हैं, लेकिन जोखिम भी पता होना चाहिए

अनलिस्टेड शेयर देते हैं बम्पर रिटर्न?

सुदेश रंजन
Sudesh.Ranjan@timesofindia.com

अनलिस्टेड शेयरों का मार्केट जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही जोखिमभरा भी है। यही वजह है कि अनलिस्टेड शेयरों को समझना, इनके फायदे-नुकसान जानना और सावधानीपूर्वक कदम उठाना बेहद जरूरी है।

हाल के वर्षों में निवेश का दायरा तेजी से बढ़ा है। मिडल क्लास सिर्फ एफडी, पीपीएफ या रियल एस्टेट तक सीमित नहीं रहा। स्टॉक मार्केट और IPO की बढ़ती लोकप्रियता ने लोगों को इक्विटी निवेश की तरफ आकर्षित किया है। लेकिन IPO के कई गुना सब्सक्राइब होने पर अलॉटमेंट की संभावना कम होती जाती है। यही कारण है कि कई निवेशक विकल्प के रूप में सोचते हैं कि क्या पसंदीदा कंपनियों के शेयर लिस्टिंग से पहले ही नहीं खरीदे जा सकते हैं? इस सवाल का जवाब हां है।

अनलिस्टेड शेयर क्या हैं?

शेयर बाजार में वे कंपनियां जिनके शेयर BSE या NSE पर लिस्टेड नहीं होते और जिनकी लाइव ट्रेडिंग उपलब्ध नहीं होती, वे अनलिस्टेड शेयर कहलाते हैं। उदाहरण के तौर पर, अभी OYO, NSE, BOAT, HDFC Securities जैसी कंपनियां स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड नहीं होतीं। इसलिए इन्हें आपके सामान्य ट्रेडिंग ऐप से खरीदा नहीं जा सकता। लेकिन, इन कंपनियों में निवेश IPO से पहले भी संभव है। इसे ही अनलिस्टेड शेयर खरीदना कहा जाता है। ऐसी कंपनियां दो तरह की हो सकती हैं- किसी लिस्टेड कंपनी की सब्सिडियरी, जो खुद अभी एक्सचेंज पर नहीं आई है और नई कंपनियां या स्टार्टअप, जिन्होंने अभी IPO की तैयारी नहीं की होती।

निवेश क्यों?

कई निवेशक चाहते हैं कि कंपनी के पब्लिक होने से पहले शेयर खरीद लें, ताकि लिस्टिंग के समय शेयर प्राइस के उछाल का फायदा उनके पास पहले से उपलब्ध हो। 'अर्ली इन्वेस्टमेंट' का यह आकर्षण ही इस मार्केट को खास बनाता है। लेकिन यह जितना दिलचस्प लगता है, उतना सरल नहीं है, क्योंकि इसके जोखिम भी हैं।

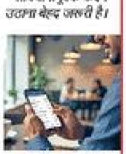

अनलिस्टेड शेयरों में बड़ा रिटर्न छिपा हो सकता है, लेकिन जानकारी की कमी और सीमित पारदर्शिता इसे जोखिमभरा भी बना देती है।

कैसे खरीदे जाते हैं?

लिस्टेड मार्केट की तरह अनलिस्टेड शेयर खरीदना आसान नहीं है। इन शेयरों की खरीद-बिक्री प्राइवेट मार्केट में होती है।

1. **अनलिस्टेड शेयर प्लेटफॉर्म:** ऑनलाइन कई ऐसे प्लेटफॉर्म हैं, जो अनलिस्टेड शेयरों की खरीद-बिक्री की सुविधा देते हैं। यहां रजिस्ट्रेशन और KYC के बाद ही आगे बढ़ा जा सकता है। इसमें आधार, पैन और एड्रेस प्रूफ जैसे दस्तावेज लगते हैं।
2. **ब्रोकर या रिलेशनशिप मैनेजर:** कई निवेशक अपने ब्रोकर के संपर्क का उपयोग कर प्राइवेट डील करते हैं। हालांकि यह प्रक्रिया धीमी और जटिल हो सकती है।
3. **कंपनी के कर्मचारी या शुरुआती निवेशक:** कई बार ESOP (Employee Stock Ownership Plan) वाले कर्मचारी या शुरुआती निवेशक अपनी हिस्सेदारी निजी तौर पर बेचते हैं।
4. **प्राइवेट इक्विटी/वेंचर कैपिटल की सेल:** कुछ हिस्से निजी निवेशक भी बेचते हैं।

इन तरीकों समान बात यह है कि यह खरीद सीधे स्टॉक एक्सचेंज के जरिए नहीं होती, इसलिए प्रक्रिया समय लेने वाली और जोखिमपूर्ण हो सकती है।

क्या फायदे हैं?

- **लिस्टिंग गेन की संभावना ज्यादा:** यदि कंपनी की लिस्टिंग मजबूत होती है, तो शुरुआती निवेशक को बड़ा फायदा मिल सकता है।
- **ग्राउंड लेवल पर निवेश का मौका:** कंपनी सफलता की ओर बढ़ रही हो तो शुरुआती निवेश एक बड़ा रिटर्न दे सकता है।
- **वैल्यू इन्वेस्टिंग का अवसर:** पब्लिक मार्केट की तुलना में कई कंपनियां अनलिस्टेड फेज में अंडरवैल्यूड होती हैं।

कौन बेचता है?

- कंपनी के प्रमोटर
- कंपनी के कर्मचारी
- शुरुआती निवेशक
- निजी इक्विटी/वेंचर
- कैपिटल फंड

ये ट्रेड ओवर-द-काउंटर (OTC) किए जाते हैं।

...लेकिन जोखिम भी उतने ही बड़े हैं

- **फाइनेंशल डिस्क्लोजर सीमित:** कंपनी की वित्तीय जानकारी पब्लिक नहीं होती। इससे जोखिम बढ़ जाता है।
- **लिक्विडिटी कम:** जरूरत पर शेयर बेचना मुश्किल है। खरीदार आसानी से नहीं मिलते।
- **ओवरप्राइस्ड का खतरा:** चूंकि कोई स्टैंडर्डाइज्ड मार्केट नहीं है, एक ही शेयर का प्राइस अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर अलग कीमत में हो सकता है।
- **लिस्टिंग की गारंटी नहीं:** कंपनी कब लिस्ट होगी, होगी भी या नहीं, कोई निश्चितता नहीं।
- **पूंजी फंसी रह सकती है:** लिस्टिंग में समय लगे तो पैसा वर्षों तक लॉक रह सकता है।
- **लिस्टिंग के बाद 'लॉक-इन':** प्री-IPO निवेशकों के लिए आमतौर पर 6 महीने की लॉक-इन होती है। इस दौरान कुछ निवेशकों जैसे प्रमोटर, एंकर इन्वेस्टर या प्री-IPO निवेशक लिस्टिंग के बाद भी अपने शेयर नहीं बेच सकते।

निवेश से पहले ये जानना जरूरी है

- अनलिस्टेड शेयरों की लाइव प्राइसिंग उपलब्ध नहीं होती।
- लॉट साइज बड़ा हो सकता है। कई प्लेटफॉर्म न्यूनतम मूल्य तय करते हैं। कई जगह 10,000 से शुरुआत है।
- अनलिस्टेड शेयर लाइव मार्केट में ट्रेड नहीं होते, इसलिए ट्रेडिंग ऐप में कीमत नहीं दिखती। ये डीमैट अकाउंट में फेस वैल्यू पर दिखाई देते हैं।
- ऑर्डर कन्फर्म होने के बाद शेयर 48-72 घंटे में डिपॉजिटरी में आते हैं।
- ब्रोकिंग चार्ज ज्यादा लग सकता है और सामान्य ट्रेडिंग से महंगा हो सकता है।

क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

यह सेक्टर आकर्षक है, लेकिन गलत कदम भारी नुकसान भी करा सकता है। इसलिए:

- **रिसर्च:** कंपनी की वित्तीय स्थिति, बिजनेस मॉडल, पिछला प्रदर्शन, मैनेजमेंट क्वालिटी समझे बिना पैसा न लगाएं।
- **प्राइस:** एक ही शेयर अलग जगह अलग कीमत पर हो सकता है। जल्दबाजी न करें।
- **प्लेटफॉर्म:** भरोसेमंद प्लेटफॉर्म हो।
- **लिस्टिंग टाइमलाइन:** कई कंपनियों को IPO में 2-3 साल या उससे भी ज्यादा समय लग सकता है।
- **एक्सपोजर:** अनलिस्टेड शेयरों को पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा रखें, क्योंकि जोखिम उच्च है।
- **टैक्स:** निवेश आपके इनकम-स्लैब से टैक्सेबल होता है। उच्च स्लैब में टैक्स भी ज्यादा होता है।

लिस्टेड और अनलिस्टेड शेयरों में बड़ा फर्क

पहलू	लिस्टेड शेयर	अनलिस्टेड शेयर
ट्रेडिंग	एक्सचेंज पर रियल-टाइम	प्राइवेट मार्केट में
प्राइस	पारदर्शी, लाइव अपडेट	बातचीत के आधार पर
लिक्विडिटी	बहुत ज्यादा	बहुत कम
रेगुलेशन	SEBI और एक्सचेंज नियंत्रित	कम रेगुलेशन
जोखिम	कम	काफी ज्यादा
एक्सेस	ऐप/ब्रोकर से आसानी से	सीमित प्लेटफॉर्म
टैक्स	LTCG/STCG लागू	इनकम स्लैब के हिसाब से

...तो क्या करें निवेशक?

अनलिस्टेड शेयर शुरुआती स्तर पर मजबूत कंपनियों में निवेश का मौका देते हैं और बड़ा रिटर्न भी। लेकिन इनमें कम लिक्विडिटी, सीमित जानकारी, ओवरप्राइसिंग और लिस्टिंग अनिश्चितता जैसे बड़े जोखिम होते हैं। इसलिए ये सिर्फ उन्हीं निवेशकों के लिए सही है जो उच्च जोखिम उठा सकते हैं और लंबे समय तक पैसा लॉक रख सकते हैं। सही रिसर्च और भरोसेमंद प्लेटफॉर्म के साथ निवेश बेहतर परिणाम दे सकता है।

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Fund	Returns
Quant Small Cap Fund(G)	23.65
Quant Infrastructure Fund(G)	21.73
Nippon India Small Cap Fund(G)	21.58
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	21.19
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	20.68

10 Dec 2015 to 10 Dec 2025 | % ANNUALISED RETURNS As on: 11 Dec 2025

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटिगरी में रिटर्न के आधार पर टॉप 5 और सबसे कम रिटर्न देने वाले 5 फंड्स की सूची दी गई है, ताकि निवेशक समझ सकें कि हाल के महीनों में किन फंड्स का कैसा प्रदर्शन रहा है।

Equity: Large Cap 3-year returns

फिसड्डी		अव्वल	
PGIM India Large Cap Fund(G)	10.74	18.03	Nippon India Large Cap Fund(G)
LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	10.76	17.24	DSP Large Cap Fund-Reg(G)
Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	10.83	17.18	ICICI Pru Large Cap Fund(G)
Axis Large Cap Fund-Reg(G)	11.18	16.01	Bandhan Large Cap Fund-Reg(G)
Union Largecap Fund-Reg(G)	11.43	15.89	Invesco India Largecap Fund-Reg(G)

Equity: Flexi Cap 3-year returns

फिसड्डी		अव्वल	
Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	0.31	21.08	Parag Parikh Flexi Cap Fund-Reg
Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	9.44	20.47	HDFC Flexi Cap Fund(G)
UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	10.35	19.91	Invesco India Flexi Cap Fund-Reg
PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.58	19.87	Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)
Navi Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.61	19.14	Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)

Equity: Mid Cap 3-year returns

फिसड्डी		अव्वल	
PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	11.42	25.55	Invesco India Midcap Fund-Reg(G)
Quant Mid Cap Fund(G)	13.77	24.34	HDFC Mid Cap Fund-Reg(G)
Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	14.84	23.97	WOC Mid Cap Fund-Reg(G)
UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	15.28	23.62	Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)
SBI Midcap Fund-Reg(G)	15.58	22.71	Nippon India Growth Mid Cap Fund

Equity: Small Cap 3-year returns

फिसड्डी		अव्वल	
PGIM India Small Cap Fund-Reg(G)	11.96	28.18	Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)
SBI Small Cap Fund-Reg(G)	12.47	23.10	ITI Small Cap Fund-Reg(G)
Kotak Small Cap Fund(G)	14.18	22.85	Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)
LIC MF Small Cap Fund-Reg(G)	14.32	20.07	Quant Small Cap Fund(G)
Canara Rob Small Cap Fund-Reg(G)	14.32	19.77	Nippon India Small Cap Fund(G)

Hybrid: Aggressive 3-year returns

फिसड्डी		अव्वल	
Tata Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	10.38	18.55	ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)
Quant Aggressive Hybrid Fund(G)	10.45	16.91	JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)
Shriram Aggressive Hybrid Fund-Reg	10.48	16.61	BOI Mid & Small Cap Equity & Debt
Axis Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	10.53	15.73	UTI Aggressive Hybrid Fund-Reg
PGIM India Aggressive Hybrid Equity Fund	10.84	15.71	Mahindra Manulife Aggressive Hybrid Fund

ANNUALISED RETURNS IN %. As on: 11 Dec 2025

शेयर बाज़ार की A-B-C कहां से सीखें?

शेयर बाजार में कदम रखने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है, लेकिन सीखने के सही रास्ते को लेकर भ्रम पहले से अधिक है। ऑनलाइन कोर्स, सोशल मीडिया गुरुओं और ट्रेडिंग टिप्स की भीड़ में नए निवेशकों के सामने चुनौती यह है कि शुरुआत कहां से करें और किस पर भरोसा किया जाए।

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali@timesofindia.com

शेयर बाजार में निवेश बढ़ रहा है, लेकिन सही मार्गदर्शन की कमी नए निवेशकों को अक्सर गलत सौदों और धोखाधड़ी की ओर धकेल देती है। सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से सीखना आज पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है।

हाल ही में मार्केट रेगुलेटर SEBI ने स्टॉक मार्केट इन्फ्लुएंसर अवधूत साठे और उनकी फर्म अवधूत साठे ट्रेडिंग एकेडमी पर बड़ी कार्रवाई की। सेबी ने न सिर्फ उन्हें सिक्योरिटीज मार्केट से बैन कर दिया, बल्कि 546.16 करोड़ रुपये की रिकवरी का आदेश भी जारी किया। जांच में पाया गया कि साठे और उनकी फर्म ने बिना रजिस्ट्रेशन के लोगों से स्टॉक मार्केट एजुकेशन और निवेश सलाह देने के नाम पर 600 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए।

इस मामले के सामने आने पर सवाल उठ रहा है कि आखिर लोग सुरक्षित और भरोसेमंद तरीकों से शेयर बाजार की शिक्षा कहां से लें? आज सोशल मीडिया पर हजारों सेल्फ-प्रोक्लेम्ड गुरु मौजूद हैं। कई खुद को ट्रेडर, कोच, मेंटॉर, फुल-टाइम इन्वेस्टर बताकर लोगों को पेड कोर्स बेचते हैं लेकिन सेबी नियमों के अनुसार बिना रजिस्ट्रेशन के निवेश सलाह देना गैरकानूनी है। इसलिए अब यह और जरूरी हो गया है कि निवेशक सही स्रोत से सीखें।

निवेश की समझ जरूरी

SEBI का सर्वे कहता है कि कोविड के बाद भारत में रिटेल निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। मोबाइल ऐप, कम ब्रोकरेज और सोशल मीडिया कंटेंट ने बाजार को आसान और आकर्षक बना दिया है। लेकिन जोखिम भी उतना ही बढ़ रहा है। SEBI के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने इन्वेस्टर सर्वे 2025 का हवाला देते हुए कहा कि 'देश में सिर्फ 36% निवेशकों के पास ही बाजार की मध्यम या अच्छी समझ है, जबकि 62% निवेशक सलाह के लिए दोस्तों, रिश्तेदारों या सोशल मीडिया पर निर्भर रहते हैं। यह आंकड़ा कहता है कि निवेशकों में जागरूकता और समझ एक जैसी नहीं है और ज्ञान के बिना भागीदारी व्यक्तियों को अनावश्यक जोखिम में डालती है। बाजार के विकास के साथ-साथ फाइनैंशल लिटरेसी को भी गहरा होना चाहिए।' यानी आज निवेश बढ़ रहा है, लेकिन उसकी गुणवत्ता नहीं। लोग पैसा तो लगा रहे हैं, लेकिन सही दिशा में सीख नहीं रहे।

यहां मिलेगी सही जानकारी

- **SAARTHI ऐप:** SEBI के सारथी ऐप में निवेश विकल्पों की पूरी जानकारी, फाइनैंशल हेल्थ चेक के साथ ही 'Spot-a-Scam' जैसी सुविधा है, जिससे किसी संदिग्ध ऑफर को पहचानना आसान हो। यहां शेयर बाजारों, डिपॉजिटरी और असोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI) और नैशनल सेंटर फॉर फाइनैंशल एजुकेशन (NCFE) जैसे संस्थानों के विडियो भी उपलब्ध हैं।
- **वॉलंटरी ऑनलाइन इन्वेस्टर सर्टिफिकेशन:** SEBI समय-समय पर मुफ्त ऑनलाइन परीक्षा लेता है। यह परीक्षा NISM के साथ मिलकर डिजाइन की जाती है, जिसका उद्देश्य है कि लोग अपने ज्ञान को परखें और सीख को मजबूत कर सकें। जो निवेशक शुरुआत कर रहे हैं, उनके लिए यह एक बेहतरीन तरीका है यह जानने का कि वे सही दिशा में सीख रहे हैं या नहीं। सेबी इन्वेस्टर सर्टिफिकेशन एग्जाम नाम की यह परीक्षा आप भी दे सकते हैं।
- **Nivesh Mitra:** BSE का निवेश मित्र ऐप शुरुआती लोगों के लिए अच्छा टूल है जहां वे वर्चुअल ट्रेडिंग का अभ्यास कर सकते हैं। शेयर बाजार में कैसे निवेश करें, इसकी यहां स्टेप-बाय-स्टेप गाइड मिलती है। BSE के MD और CEO सुंदररमन राममूर्ति ने कहा कि निवेशकों में जागरूकता और शिक्षा बढ़ाना BSE की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। 'BSE निवेश मित्र' ऐप लोगों को बाजार समझने और आत्मविश्वास से निवेश करने में मदद करता है।
- **NISM:** नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट (NISM) भारत में मार्केट एजुकेशन का सबसे विश्वसनीय मंच है। यह SEBI द्वारा स्थापित किया गया है ताकि लोग बाजार को वैज्ञानिक और व्यावहारिक रूप से सीख सकें। https://www.nism.ac.in/ पर इक्विटी, डेरिवेटिव और कमोडिटी मार्केट के कोर्स हैं। सेल्स, एडवाइजरी और रिसर्च मॉड्यूल, इन्वेस्टमेंट अडवाइजर और रिस्क मैनेजमेंट प्रोग्राम भी हैं। जो लोग बाजार को करियर बनाना चाहते हैं, उनके लिए NISM एक मजबूत शुरुआत है। यहां के सर्टिफिकेट देशभर की कंपनियों में मान्य हैं।
- **SEBI की इन्वेस्टर वेबसाइट:** यह उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी है जिन्हें शुरुआत करनी है। SEBI की वेबसाइट पर 'Authorised Mobile Trading Apps' और 'List of Social Media Handles of Brokers' जैसी सूची उपलब्ध है। इसके अलावा https://investor.sebi.gov.in/ पर 'Money Matters: Let's Understand', 'Investment: Avenue to Grow Your Money', 'Securities Market Investment: Let's Learn' जैसी श्रेणियों में निवेश से संबंधित आसान जानकारी दी गई है। यहां विडियो-आधारित लर्निंग सामग्री भी मौजूद है, जिससे नए और अनुभवी दोनों तरह के निवेशक बाजार को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं।
- **NSE Academy:** यहां मार्केट की बुनियादी और उन्नत शिक्षा उपलब्ध है। यहां टेक्निकल और फंडामेंटल एनालिसिस, फ्यूचर्स-ऑप्शंस ट्रेडिंग, निवेश योजना, सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के साथ ही MBA और BBA डिग्री प्रोग्राम भी हैं।
- **BSE Institute:** BSE Institute में निवेश और ट्रेडिंग के कोर्स, रिस्क मैनेजमेंट, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, फाइनैंशल मॉडलिंग, प्रोफेशनल सर्टिफिकेशन जैसे कोर्स उपलब्ध हैं, जो सही जानकारी से भरपूर हैं।
- **Nifty Trading Academy:** यह प्लेटफॉर्म ट्रेडिंग की व्यावहारिक ट्रेनिंग देता है। यहां रियल ट्रेडिंग, शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग और तकनीकी विश्लेषण सिखाया जाता है। जो लोग ट्रेडिंग को गंभीर स्किल के रूप में सीखना चाहते हैं, उनके लिए यह उपयोगी विकल्प है।

गलती कहां हो रही है?

Zerodha के CEO नितिन कामत कहते हैं कि लोगों की सबसे बड़ी गलती है ट्रेडिंग को नौकरी या आसान आय का रास्ता समझ लेना। वे कहते हैं कि लोग बिना सीखे ही बाजार में कूद पड़ते हैं, बार-बार ट्रेड करते हैं और मान लेते हैं कि 1-2 महीने में यह स्किल पूरी तरह सीख ली जाएगी। लेकिन बाजार इससे कहीं ज्यादा जटिल है और अनुभव मांगता है। जो लोग सोशल मीडिया पर किसी गुरु या ट्रेंड का अनुसरण करके ट्रेडिंग शुरू करते हैं, वे अक्सर उन मौकों पर भी जोखिम ले लेते हैं जिनका अर्थ या प्रभाव उन्हें पता ही नहीं होता। यही कारण है कि लाखों शुरुआती निवेशक नुकसान उठाते हैं।

'इन्वेस्ट करें, ट्रेड नहीं'

फाइनैंशल कोच कार्तिक झवेरी का कहना है, 'मेरे हिसाब से, ट्रेडिंग आपके कैपिटल के लगभग 5 से 10% से की जा सकती है। समस्या तब होती है जब लोग कम कैपिटल और अपने अकेले कैपिटल से बड़ा बनना चाहते हैं। तब वे पैसे कमाने के लिए सिर्फ ट्रेडिंग सोचते हैं। सही तरीका है कि अपनी स्किल्स और करियर डिवेलपमेंट पर ध्यान दें और प्रोफेशनल फंड मैनेजर्स को अपने पैसे का ध्यान रखने दें। यह कैपिटल पर अच्छा कंपाउंडेड रिटर्न पाने का पक्का तरीका है। लेकिन इसके लिए सब्र और डिसिप्लिन की जरूरत होती है और यही इन्वेस्टर को करना चाहिए। यानी इन्वेस्ट करें, ट्रेड नहीं।

शुरुआत कहां से करें?

- सबसे पहले शेयर बाजार की बुनियादी बातें सीखें, जैसे शेयर क्या होते हैं, IPO क्या होता है, इक्विटी क्या है, डिविडेंड कैसे मिलता है और स्टॉक कैसे काम करते हैं।
- भारत में ट्रेडिंग कहां और कैसे होती है, BSE और NSE जैसे एक्सचेंज क्या भूमिका निभाते हैं। यह समझना जरूरी है।
- किसी भरोसेमंद ब्रोकर के साथ अपना डीमैट और ट्रेडिंग खाता खोलें। यही निवेश की पहली औपचारिक शुरुआत है।
- असली पैसे लगाए बिना 'पेपर ट्रेडिंग' या वर्चुअल पोर्टफोलियो से अभ्यास करें। इससे आप ट्रेडिंग का अनुभव सीख सकते हैं और गलती करने पर पैसे का नुकसान नहीं होता।
- कंपनियों का वित्तीय प्रदर्शन, बैलेंस शीट, बिजनेस मॉडल और बाजार के रुझान (ट्रेंड्स) का विश्लेषण करना सीखें। यही कौशल भविष्य में सही स्टॉक चुनने में मदद करेगा।
- किसी पंजीकृत वित्तीय सलाहकार से सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है। इससे गलत फैसलों का जोखिम कम होता है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHJB User: cci Time: 12-14-2025 23:34 Color:

Air नहीं, Terror

फेफड़ों में भर रहा बारूद, सारा शहर धुआं-धुआं

राजधानी की हवा ने राहत नहीं, खतरे का पैगाम दिया है। 400 पार AQI ने दिल्ली को एक बार फिर गैस चैंबर जैसी स्थिति में ला खड़ा किया है। हालात ऐसे हो गए है कि सामान्य दिनचर्या भी सेहत के लिए चुनौती बनती जा रही है। डॉक्टर जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दे रहे हैं:

संडे को सीज़न की सबसे खराब हवा

40 में से 39 स्टेशन पर AQI 401 से ऊपर, 28 पर 450 पार

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** राजधानी में इस साल पहली बार ऐसा हालात बने हैं, जब दिल्ली के 40 मॉनिटरिंग स्टेशनों में से 39 पर AQI का स्तर 401 या उससे ज्यादा दर्ज किया गया। इनमें से 28 जगहों पर AQI 450 या उससे ऊपर पहुंच गया। इसे हेल्थ इमरजेंसी जैसे हालात माना जाता है। सिर्फ शादीपुर स्टेशन पर ही AQI 400 से नीचे दर्ज किया गया। यहां हवा की गुणवत्ता 370 रही। बाकी सभी स्टेशनों पर AQI 401 से 450 के बीच बना रहा। प्रदूषण के मामले में रविवार इस सीजन का अब तक का सबसे खराब हवा वाला दिन साबित हुआ। इस दिन राजधानी का औसत AQI 461 दर्ज किया गया। इससे पहले शनिवार को AQI 431 रहा था, जबकि 11 नवंबर को यह 428 दर्ज किया गया था।

■ *यह दिसंबर का दूसरा सबसे प्रदूषित दिन रहा। इससे पूर्व 21 दिसंबर 2017 में एक्यूआई 469 था*

■ *2015 से अब तक सबसे प्रदूषित दिन 6 नवंबर 2016 को रहा है। इस दिन AQI 497 था।*

रविवार को दिल्ली का AQI 461 दर्ज किया गया। कई जगह इससे भी बुरा हाल

डॉक्टरों का कहना- इस दूषित हवा में सांस लेने से हो सकती हैं कई बीमारियां

प्रदूषण के साथ ही कोहरे ने भी लोगों को किया परेशान, न्यूनतम तापमान भी गिरा

विज़िबिलिटी 500 मीटर से भी कम, नहीं दिखा सूरज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राजधानी में बीते दो दिनों से कोहरा और प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग के अलर्ट के अनुसार आज भी कुछ जगहों पर घने कोहरे की स्थिति रह सकती है। 16 दिसंबर को तेज हवाओं की वजह से कोहरे से राहत मिलेगी।

आईएमडी के अनुसार रविवार को पालम में सुबह 3 बजे विज़िबिलिटी महज 300 मीटर से भी कम रह गई। 7 बजे इसमें थोड़ा सुधार हुआ और यह बढ़ा 400 मीटर पहुंची। 8 बजे यह फिर से कम होकर 350 मीटर तक रह गई। रात करीब 9 बजे से ही विज़िबिलिटी 1000 मीटर से कम रही। सफदरजंग में भी विज़िबिलिटी कुछ खास अच्छी नहीं रही। यहां सुबह 5:30 बजे विज़िबिलिटी महज 300 मीटर रही। 8 बजे यह कम होकर 200 मीटर हो गई। आसमान साफ होने के बावजूद रविवार को स्मॉग की मोटी परत ने धूप को धरती तक पहुंचने नहीं दिया। हालांकि ठिठुरन नहीं रही। अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहा। रविवार को अधिकतम तापमान 24 डिग्री रहा। यह सामान्य से एक डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.4 डिग्री कम रहा। हवा में नमी का स्तर 73 से 100 प्रतिशत रहा। पूर्वानुमान के अनुसार, आज आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय हल्का कोहरा रहेगा।

'दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर'

■ **राजधानी दिल्ली** में छाई स्मॉग की मोटी परत एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में है। दुनिया भर में हवा की गुणवत्ता का आंकलन करने वाली कई वेबसाइटों पर दिल्ली को सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर बताया जा रहा है। कई इलाकों में AQI का स्तर 600 से लेकर 1000 के बीच दर्ज किया गया है। आईक्यूएयर (IQAir) की लाइव सिटी रैंकिंग में दिल्ली को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बताया गया है। आईक्यूएयर के अनुसार यूएस मानकों के तहत दिल्ली का AQI 615 रहा। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर लाहौर रहा, जहां AQI 362 दर्ज किया गया।

615 AQI रहा IQAir की लाइव सिटी रैंकिंग में दिल्ली का

कई जगहों पर AQI 600 से 1000 के बीच दर्ज : वहीं, अंतरराष्ट्रीय वेबसाइट AQI.in ने अपने सेंसर के आधार पर दिल्ली के कई इलाकों में AQI 600 से 1000 के बीच दर्ज किया है। AQI.in के अनुसार दीप विहार स्टेशन पर का AQI 985 रहा। अलीपुर में 625, आनंद पर्वत में 643, असालतपुर गांव में 706, अशोक विहार में 746, अशोक विहार फेज-1 में 732, होलंबी खुर्द में 830, किराड़ी एक्सटेंशन-2 में 838, मनसा राम पार्क में 840, मोरी गेट में 712, मुखर्जी नगर में 772 एक्यूआई दर्ज हुआ।

Photos : PTI, Anushka Kogta, Vinay Gupta

मौसम अपडेट: रविवार को न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.4 डिग्री कम रहा। हवा में नमी का स्तर 73 से 100 प्रतिशत रहा। पूर्वानुमान के अनुसार, आज आसमान साफ रहेगा। सुबह हल्का कोहरा रहेगा।

साधारण मास्क फेल, N-95 ही है कारगर

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा हालात में अगर घर से बाहर निकलना जरूरी है, तो मास्क पहनकर ही निकलें। प्रदूषित हवा में सांस लेने के दौरान पीएम 2.5 जैसे बेहद महीन कण सीधे फेफड़ों के जरिए शरीर में पहुंच जाते हैं। ऐसे में एन-95 मास्क को सबसे प्रभावी सुरक्षा कवच माना जा रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि प्रदूषण से बचाव के लिए एन-95 मास्क ही सबसे कारगर है, क्योंकि यह पीएम 2.5 के कणों को लगभग 95 प्रतिशत तक रोकने में सक्षम होता है। अन्य मास्क, जैसे सर्जिकल या कपड़े के मास्क, इस स्तर की सुरक्षा नहीं दे पाते।

ऐसे करें पहचान

विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि अगर मास्क से पानी आसानी से आर-पार हो जाए, तो वह प्रभावी नहीं माना जाता। सही मास्क नॉन-वुवन फैब्रिक का होना चाहिए। थ्री-लेयर मास्क में पहली और तीसरी परत नॉन-वुवन फैब्रिक की और बीच की परत मेल्ट-ब्लाउन फैब्रिक की होनी चाहिए। तभी यह वायरस, बैक्टीरिया और प्रदूषण के कणों को प्रभावी रूप से रोक पाता है।

पल्यूशन के बीच कोविड जैसे लॉकडाउन की मांग

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में पल्यूशन के सबसे सख्त उपाय GRAP-4 लागू होने के बावजूद हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। इसी बीच कई आरडब्ल्यूए और आम लोग GRAP-5 के तहत कोविड जैसे लॉकडाउन की मांग करने लगे हैं।

आरडब्ल्यूए और लोगों का तर्क है कि लॉकडाउन जैसे कदम से पल्यूशन फैलाने वाली गतिविधियां कुछ समय के लिए रुकेंगी और लोगों की सेहत को कम नुकसान होगा। ईस्ट दिल्ली आरडब्ल्यूए जॉइंट फ्रंट के बी एस वोहरा ने कहा कि पल्यूशन की इमरजेंसी में कोविड जैसे लॉकडाउन की जरूरत है। कीर्ति नगर आरडब्ल्यूए के डाकरान ने कहा कि चीन समेत कई देशों में ऐसे हालात में कुछ समय के लिए सभी गतिविधियां रोक दी जाती हैं ताकि लोगों के स्वास्थ्य पर असर कम हो।

क्यों उठ रही मांग?

स्मॉग का असर सिर्फ फेफड़ों तक सीमित नहीं रहता बल्कि दिमाग पर भी पड़ता है और इससे याददाश्त कमजोर हो सकती है। बच्चों में अस्थमा और एलर्जी के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। स्मॉग शरीर में सूजन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और खून के थक्के बनने जैसी समस्याएं बढ़ा सकता है। मौजूदा हालात में GRAP-4 भी स्मॉग को कम करने में नाकाम साबित हो रहा है इसलिए लॉकडाउन जैसे कड़े कदमों की मांग की जा रही है।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

'लड़खड़ा' रहीं दिल्ली की सांसें, प्रदूषण ने बढ़ाए मरीज़

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राजधानी की हवा फिर जानलेवा हो गई है। संडे को कई इलाकों में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (AQI) 400 के पार ही दर्ज किया गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। हालात ऐसे हैं कि खुले में सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। आंखों में जलन, गले में खराश और सांस फूलने की शिकायत बढ़ गई है। सबसे ज्यादा दिक्कत बुजुर्गों और सांस के मरीजों को हो रही है। सड़क से लेकर आसमान तक में स्मॉग की चादर है। स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने अपील की है कि लोग फिलहाल मॉर्निंग वॉक को अवॉइड करें। डॉक्टरों का कहना है कि मौजूदा स्थिति में ज्यादा देर बाहर रहना हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ा सकता है।

बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के डॉक्टर अनिमेष आर्य ने बताया कि दिल्ली में AQI 400 को भी पार कर चुका है। ऐसी स्थिति में मॉर्निंग वॉक करना सेहत के लिए सुरक्षित नहीं है। इस वक्त हवा में बेहद बारीक और जहरीले कण (PM2.5, PM10) की मात्रा अधिक होती है, जो सांस के साथ फेफड़ों में पहुंच जाते हैं।

■ **डॉक्टर बोले- हार्ट अटैक का खतरा:** डॉ. अनिमेष ने बताया कि AQI 400 पार होने पर बाहर निकलकर एक्सरसाइज करने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम भी बढ़ सकता है। इसलिए अभी मॉर्निंग वॉक टाल देना ही समझदारी है। अगर बाहर जाना बेहद जरूरी हो, तो N95 या उससे बेहतर मास्क का इस्तेमाल करें। पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है। इसके अलावा, अभी बच्चों को भी बाहर खेलने से रोकें।

■ **बीपी के मरीज़ बढ़े:** राम मनोहर लोहिया अस्पताल के डॉ. सुभाष गिरि बताते हैं कि इस वक्त मरीजों के लिए ही नहीं, आम लोगों के लिए भी सांस लेना मुश्किल हो गया है। पल्यूशन बढ़ने की वजह से ओपीडी में डिमेंशिया, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज से ग्रसित मरीजों की बीमारी अनकंट्रोल हो रही है। इससे मरीजों की स्थिति गंभीर हो रही है। इसके अलावा लंग्स की बीमारी से जूझ रहे मरीज जैसे सीओपीडी, ब्रोंकाइटिस की दिक्कत बढ़ गई है।

इन बातों का रखें ध्यान

- एयर प्यूरीफायर या वेंटिलेशन का इस्तेमाल करें।
- प्रेग्नेंट महिलाएं और एलर्जी पीड़ित घर से न निकलें।
- आंखों और नाक को साफ रखें, बच्चों व बुजुर्गों की देखभाल करें।
- पल्यूशन बढ़ने पर सुबह और शाम टहलने से परहेज करें
- घर के अंदर रहें और खिड़कियां-दरवाजे बंद रखें।

पुलिस ने पल्यूशन की गंभीरता को देखते हुए 62 पॉइंट पहचाने

62 पॉइंट्स पर लगता है ज़्यादा ट्रैफिक जाम, बढ़ता है पल्यूशन

Rajesh.Saroha@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** ट्रैफिक पुलिस ने पल्यूशन की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली में 62 ऐसे पॉइंट की पहचान की है, जहां सबसे अधिक ट्रैफिक जाम रहता है। ट्रैफिक पुलिस ने इन पॉइंट्स को दो भागों में बांटा है। इनमें से सात पॉइंट ऐसे हैं जहां ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए लॉन्ग टर्म प्लान (ओवर ब्रिज या अंडरपास आदि) बनाने की जरूरत है। इसके अलावा 55 पॉइंट ऐसे हैं, जहां मामूली सड़क सुधार के साथ ट्रैफिक के फ्लो को बनाए रखा जा सकता है। इनमें से ज्यादातर सड़कें पीडब्ल्यूडी के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में इन पॉइंट्स की डिटेल कमिशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट (CAQM) को सौंपी गई है।

ट्रैफिक पुलिस ने इन पॉइंट्स की डिटेल CAQM) को भी सौंपी

पिछले दिनों सीएक्यूएम की बैठक में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के सीनियर अधिकारी भी शामिल हुए। ट्रैफिक पुलिस ने सीएक्यूएम को दिल्ली में 62 ऐसे पॉइंट्स की लिस्ट सौंपी, जहां पर ट्रैफिक जाम रहता है। ट्रैफिक पुलिस ने सीएक्यूएम को यह भी बताया कि इनमें से सरदार पटेल मार्ग सहित 7 पॉइंट ऐसे हैं, जहां लॉन्ग टर्म प्लान से ही ट्रैफिक के फ्लो को बनाए रखा जा सकता है।

दिल्ली सरकार ने जारी किया नवंबर तक का तुलनात्मक विश्लेषण

2024 की तुलना में अब तक कम प्रदूषित रहा 2025

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

2024 की तुलना में इस साल प्रदूषण की स्थिति बेहतर रही है। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि एक जनवरी से 9 दिसंबर के बीच संतोषजनक दिनों की संख्या बढ़ी है। बल्कि 2020 को यदि छोड़ दें तो यह बीते नौ सालों में सबसे अधिक रही है। अक्टूबर से फरवरी तक सर्दियों का सीजन रहता है। इस दौरान प्रदूषण अपने चरम पर होता है। 2025-26 (9 दिसंबर तक) में संतोषजनक दिनों की संख्या 2024-25 की इसी अवधि के दौरान अधिक रही है। वहीं जनवरी से नवंबर तक का औसत एक्यूआई में प्रदूषण की कमी सामने रखा गया है। 2025 के 11 महीनों में से 8 में एक्यूआई 2024 की तुलना में बेहतर रहा है। एक महीने में एक्यूआई 2024 जैसा ही रहा है। जनवरी, फरवरी, मार्च, मई, जून, जुलाई, अक्टूबर और नवंबर 2025 में औसत एक्यूआई में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं जनवरी से नवंबर के दौरान संतोषजनक दिनों की संख्या 2025 में 79 रही। यह 2024 में महज 66 थी।

79 दिन संतोषजनक रहे इस साल जनवरी से नवंबर तक AQI में

हॉट स्पॉट में भी सुधार प्रदूषण के 13 हॉट स्पॉट में भी 2025 में सुधार देखने को मिला है। अक्टूबर 2025 में 13 में से 9 हॉट स्पॉट्स पर औसत AQI 2024 से बेहतर रहा। वहीं नवंबर 2025 में सभी 13 हॉट स्पॉट्स पर औसत AQI में सुधार पाया गया। 2025 में प्रदूषण की स्थिति में सकारात्मक सुधार देखने को मिला है। एक अधिकारी ने बताया कि यह सुधार विभिन्न विभागों के मिले जुले प्रयासों, विंटर एक्शन प्लान और प्रदूषण नियंत्रण उपायों को प्रभावी तरीके से लागू करने की वजह से संभव हुए है।

'सड़कों से जल्द धूल हटाए DDA'

स्मॉग की घनी परत के बीच सीएक्यूएम लगातार प्रदूषण कम करने के प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में सीएक्यूएम ने निरीक्षण में डीडीए की सड़कों पर मिली अत्यधिक धूल के लिए उसे चेतावनी दी है। सीएक्यूएम ने कहा है कि इन सड़कों से धूल हटाने की कार्रवाई डीडीए जल्द करे। सीएक्यूएम GRAP के तहत लागू नियमों की लगातार मॉनिटरिंग रहा है। इसके लिए सीएक्यूएम की 19 टीमें लगातार सड़कों का इंस्पेक्शन कर रही हैं। इस टीम में डीपीसीसी के अधिकारी भी हैं। यह टीम धूल, कूड़े और ओपन बर्निंग को रिपोर्ट कर रही है।

बेस प्लान तो ठीक है, मगर इलाज का खर्च सीमा पार कर जाए तो क्या होगा?

हेल्थ इंश्योरेंस में सुपर टॉप-अप क्यों?

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali@timesofindia.com

बीमा विशेषज्ञों का कहना है कि समय के साथ स्वास्थ्य जरूरतें बदलती हैं और परिवार की आवश्यकताओं के अनुसार पॉलिसी भी अपडेट होनी चाहिए। इसी संदर्भ में सुपर टॉप-अप एक किफायती और समझदार विकल्प बनकर उभरता है। यह कम प्रीमियम में बड़ा कवरेज देकर आपको उन महंगे मेडिकल बिलों से बचाता है जो अचानक आकर पूरी वित्तीय योजना को बिगाड़ सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस अब पहले जैसा सरल नहीं रहा कि एक बार पॉलिसी ले ली और सालों तक उसी पर निर्भर रहे। कोविड के बाद लोगों ने महसूस किया कि 3–5 लाख रुपये की बेसिक हेल्थ पॉलिसी कई बार इलाज के बढ़ते खर्च के सामने बिल्कुल अपर्याप्त साबित होती है। इसी वजह से बड़ी संख्या में ग्राहक अपनी मौजूदा पॉलिसी में टॉप-अप और सुपर टॉप-अप विकल्प जोड़ने लगे हैं।

आज अस्पतालों में इलाज की लागत तेजी से बढ़ रही है। नए मेडिकल प्रोसीजर्स, महंगी दवाइयां और बढ़ती बीमारियों ने मेडिकल इंफ्लेशन को और तेज कर दिया है। ऐसे माहौल में कई कंपनियां भी कर्मचारियों को यह सुविधा देती हैं कि वे हेल्थ इंश्योरेंस की अपनी बेस पॉलिसी के साथ थोड़ा अतिरिक्त प्रीमियम देकर अधिक कवरेज वाला टॉप-अप प्लान जोड़ सकें। असल वजह साफ है कि महंगाई और बढ़ते हेल्थकेयर खर्च के बीच बेस पॉलिसी का सम-इंश्योर्ड अक्सर कम पड़ जाता है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि क्या बेस प्लान के साथ सुपर टॉप-अप जोड़ना वास्तव में एक स्मार्ट कदम है या यह सिर्फ पॉलिसी की टेक्निकल बातें हैं जिनसे ज्यादा फायदा नहीं मिलता?

SBI General Insurance में चीफ प्रोडक्ट और मार्केटिंग ऑफिसर सुब्रमण्यम ब्रह्माजोसुला का मानना है कि आज के वक्त में सामान्य हेल्थ पॉलिसी काफी नहीं है। वह जरूरी खर्चों को कवर करती है। लेकिन जब इलाज बहुत महंगा हो जाए, तो यह पॉलिसी पूरी मदद नहीं कर पाती। अगर बेसिक हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में कुछ एक्स्ट्रा जोड़ लें, जैसे कि सुपर टॉप-अप प्लान, तो कम प्रीमियम में ज्यादा कवरेज पाया जा सकता है। यह आपकी जेब को भी सुरक्षित रखने का समझदारी भरा तरीका है। इसलिए हेल्थ इंश्योरेंस के मामले में भी सही प्लानिंग जरूरी है।

सुपर टॉप-अप कम प्रीमियम में बड़ी सुरक्षा देकर मेडिकल इमरजेंसी में बड़ा सहारा बन सकता है।

क्या है टॉप-अप प्लान?

टॉप-अप प्लान एक अतिरिक्त कवरेज है जो आपकी मूल पॉलिसी की सीमा खत्म होने के बाद काम आता है। यह एक निश्चित कटौती योग्य (डिडक्टिबल) राशि से ज्यादा होने पर ही एक्टिवेट होता है। यह अक्सर कम प्रीमियम पर ज्यादा कवरेज देता है। यह आपको अचानक आए बड़े मेडिकल खर्चों से बचाता है।

सुपर टॉप-अप क्या?

टॉप-अप प्रति-दावा (per-claim) आधार पर काम करता है, यानी हर बार एक ही बिल डिडक्टिबल से ज्यादा होना चाहिए। वहीं, सुपर टॉप-अप कुल वार्षिक खर्चों (aggregate claims) पर काम करता है। पॉलिसी वर्ष में सभी बिलों का कुल योग जब डिडक्टिबल पार करता है, तब यह एक्टिवेट होता है। इस पर आपको इनकम टैक्स के सेक्शन 80D के तहत टैक्स में छूट भी मिलती है।

डिडक्टिबल क्या है?

डिडक्टिबल (कटौती योग्य राशि) टॉप-अप प्लान में एक निश्चित राशि होती है, जिसे आपको अपनी बेस पॉलिसी से या जेब से देना होता है। जब एक ही मेडिकल बिल इस डिडक्टिबल राशि से ज्यादा होता है, तब टॉप-अप प्लान काम करना शुरू करता है और डिडक्टिबल से ऊपर की राशि को कवर करता है। बैंक में कार्यरत अनिता सोमरे ने बताया कि उनके भाई के पास 11 लाख की पॉलिसी थी। लेकिन, हॉस्पिटल में पता चला कि पॉलिसी में 4 लाख का 'डिडक्टिबल' था। यानी इंश्योरेंस कवरेज शुरू होने से पहले उन्हें 4 लाख अपनी जेब से देने थे। हॉस्पिटलाइजेशन बिल 2.5 लाख रुपये का था, इसलिए उन्हें कोई रीइम्बर्समेंट नहीं मिला, जबकि एजेंट ने यह नहीं बताया था।

टॉप-अप के फायदे

- कम प्रीमियम पर ज्यादा बीमा राशि (Sum Insured) मिलती है।
- यह अप्रत्याशित मेडिकल बिलों से बचाता है।
- आपकी मौजूदा पॉलिसी की सीमा खत्म होने पर यह एक सुरक्षा नेट की तरह काम करता है।
- कई कंपनियां अस्पताल में भर्ती होने से पहले और बाद के खर्चे भी इसमें कवर करती हैं।

सुपर टॉप-अप किनके लिए?

मान लीजिए कि आपके पास 3 लाख की डिडक्टिबल लिमिट है और एक साल में दो बार अस्पताल जाना पड़ता है। एक बार का खर्च 2 लाख और दूसरी बार का 3 लाख रुपये। ऐसी स्थिति में सामान्य टॉप-अप काम नहीं आएगा, क्योंकि दोनों बिल अलग-अलग हैं। लेकिन सुपर टॉप-अप प्लान साल भर का कुल खर्च देखता है तो इस 5 लाख रुपये में से डिडक्टिबल काटकर बाकी 2 लाख रुपये का खर्च यह प्लान कवर कर लेता है।

कैसे चुनें सही प्लान?

सुब्रमण्यम ब्रह्माजोसुला कहते हैं कि सिर्फ सस्ते प्रीमियम पर ध्यान न दें, बल्कि देखें कि सुपर टॉप-अप आपकी मौजूदा पॉलिसी को कैसे मजबूत करता है। यह 5 लाख से 4 करोड़ तक कवरेज और 2 लाख से 2 करोड़ तक डिडक्टिबल विकल्प देता है। इसमें इनपेशेंट ट्रीटमेंट, प्री-पोस्ट हॉस्पिटलाइजेशन, डे-केयर, आयुष, रोबोटिक सर्जरी और एंबुलेंस जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

सुपर टॉप-अप कितना सुपर है?

"बढ़ते हेल्थकेयर खर्चों के माहौल में बेसिक हेल्थ इंश्योरेंस प्लान बड़े और अचानक आने वाले मेडिकल खर्चों को कवर करने के लिए हमेशा काफी नहीं हो सकते। यहीं पर सुपर टॉप-अप प्लान बहुत फायदेमंद साबित होता है। यह आपके मौजूदा हेल्थ कवरेज को बढ़ाता है, वह भी बहुत किफायती प्रीमियम पर। यह हर क्लेम को अलग-अलग देखने के बजाय, एक पॉलिसी वर्ष में आपके कुल मेडिकल खर्चों को देखता है। एक बार जब आपका खर्च चुने हुए डिडक्टिबल से ज्यादा हो जाता है, तो सुपर टॉप-अप बाकी खर्च को कवर कर लेता है। बूढ़े माता-पिता हों, बढ़ती लाइफस्टाइल बीमारियां हों, या एडवांस्ड मेडिकल प्रोसीजर, यह हर परिवार के लिए स्मार्ट, टिकाऊ विकल्प है।"
- राकेश जैन, CEO, इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी

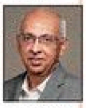

"सुपर टॉप-अप हेल्थ इंश्योरेंस प्रोटेक्शन को मजबूत करने का सबसे असरदार और किफायती तरीका है। इसकी ताकत इसके स्ट्रक्चर में है। जैसे ही तय डिडक्टिबल पूरा होता है, प्लान बड़े मेडिकल खर्चों को कवर करना शुरू कर देता है, चाहे बेस पॉलिसी खत्म ही क्यों न हो। इससे निरंतर क्वालिटी हेल्थकेयर मिलती है और गंभीर स्थितियों में आर्थिक बोझ कम होता है। ऑर्गनाइजेशन के लिए भी यह बिना ज्यादा प्रीमियम बढ़ाए एम्प्लॉई हेल्थ बेनिफिट्स बढ़ाने का व्यावहारिक विकल्प है। इसका फ्लेक्सिबल ढांचा और व्यापक सुरक्षा इसे मॉडर्न वर्कफोर्स की हेल्थ-रिस्क प्लानिंग का जरूरी हिस्सा बनाता है। सुपर टॉप-अप अहम सेफगार्ड की तरह काम करता है।"
-सुमित दत्त, CEO और प्रिंसिपल ऑफिसर, आनंद राठी इंश्योरेंस ब्रोकर्स लिमिटेड

PF ट्रस्ट से EPF में फंड कैसे ट्रांसफर करें?

टैक्स, इंश्योरेंस या निवेश को लेकर कोई सवाल है? भेजिए हमें। हमारे एक्सपर्ट देंगे आपके सवालों के सटीक, आसान और भरोसेमंद जवाब, हर हफ्ते इसी कॉलम में।

सुशील अग्रवाल
NBTwealth@timesofindia.com

Q मैं जिस कंपनी में काम करता हूं, उसका पीएफ ट्रस्ट वाला है, जबकि पिछली कंपनी का सीधे ईपीएफ से था। क्या फंड ट्रांसफर हो जाएगा? - राजशेखर प्रताप, ग्रेटर नोएडा

हां, फंड ट्रांसफर हो जाएगा। यदि आपकी पिछली कंपनी पीएफ ट्रस्ट (exempted) में थी और आपकी वर्तमान कंपनी सीधे ईपीएफओ (unexempted) के तहत आती है, तो आप फॉर्म-13 भरकर अपना पीएफ ट्रांसफर कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में, आपको अपना फॉर्म अपने पिछले नियोक्ता से अटेस्ट करवाना होगा और वर्तमान नियोक्ता को सूचित करना होगा।

- **EPFO पोर्टल पर लॉग इन करें:** सबसे पहले EPFO की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और अपने UAN और पासवर्ड का उपयोग करके लॉग इन करें।
- **ट्रांसफर का अनुरोध करें:** 'ऑनलाइन सेवाएं' टैब पर क्लिक करें और 'एक सदस्य - एक ईपीएफ खाता (ट्रांसफर अनुरोध)' चुनें।
- **जानकारी सत्यापित करें:** अपनी व्यक्तिगत जानकारी और पीएफ विवरण की पुष्टि करें।
- **फॉर्म-13 भरें:** इसमें आवश्यक स्थानांतरण विवरण भरें और आधार-आधारित ओटीपी से अनुरोध को अधिकृत करें।
- **फॉर्म जमा करें:** इस भरे हुए फॉर्म-13 को अपने पुराने नियोक्ता के पास जमा करें ताकि वे इसे अटेस्ट कर सकें।
- **वर्तमान नियोक्ता को सूचित करें:** स्थानांतरण के बारे में अपने वर्तमान नियोक्ता को जरूर सूचित करें और उनके पास हस्ताक्षरित फॉर्म-13 जमा करें।
- **प्रगति ट्रैक करें:** आप ईपीएफओ सदस्य पोर्टल के माध्यम से अपने स्थानांतरण की स्थिति की जांच कर सकते हैं।

Q मैंने पिछले साल शेयरों में लॉन्ग-टर्म लॉस किया है। क्या मैं अगले साल के लिए इसे carry forward कर सकता हूं? इस बारे में नियम क्या कहते हैं? - प्रतीक जैन, गुड़गांव

लॉन्ग टर्म लॉस बिना इंडेक्सेशन के कैरी फॉरवर्ड किया जा सकता है। यह आठ वर्षों तक कैरी फॉरवर्ड हो सकता है। लेकिन इसका लाभ केवल लॉन्ग टर्म प्रॉफिट में एडजस्ट होकर ही मिल सकता है।

Q क्या FD पर मिलने वाला ब्याज 80C में आता है? बैंक वाले कहते हैं कि टैक्स कटेगा ही। - नेहा गोयल, फरीदाबाद

बैंक एफडी पर मिलने वाला ब्याज 80C में नहीं आता। यदि आप ओल्ड रेजीम में हैं तो आपको धारा 80TTA (सीनियर सिटिजंस 80TTB) में 10,000 रुपये तक की छूट मिल सकती है। सीनियर सिटिजन को 50,000 रुपये तक की छूट मिल सकती है। किंतु ओल्ड रेजीम में ही छूट उपलब्ध है। TDS काटना बैंक के लिए जरूरी है। यदि आपकी इनकम टैक्सेबल नहीं है तो आप बैंक को फॉर्म 15G भर कर दे सकते हैं जिसके आधार पर बैंक TDS नहीं काटेंगे। किंतु यदि आप TDS से छूट के हकदार नहीं हैं तो यह फॉर्म नहीं भरें, अन्यथा पेनल्टी का प्रावधान है।

(लेखक चार्टर्ड अकाउंटेंट और टैक्स विषयों के जानकार हैं।)

अपने सवाल ई-मेल करें

पर्सनल फाइनैंस से जुड़ा कोई भी सवाल है, कोई बात समझ में नहीं आ रही है तो हमें बताएं। ई-मेल करें NBTwealth@timesofindia.com पर और सब्जेक्ट में 'Wealth QA' लिखना न भूलें। ई-मेल में अपना और शहर का नाम भी लिखें।

रीपो रेट कट के बाद कहां कितना ब्याज़?

ब्याज दरें दो तरीकों से तय होती हैं। एक RLLR, जो कि RBI के रेपो रेट से जुड़ी होती है, और एक MCLR, जो बैंकों की फंडिंग लागत पर आधारित होती है। यहां होम लोन के लिए विभिन्न बैंकों की ब्याज दरें (RLLR) दी गई हैं।

AI Image

यहां देखें पूरी लिस्ट

Home Loan- RLLR

RBI REPO RATE (%)	5.25	WEF 5/12/2025			
Repo Linked Lending Rates	RLLR	Salaried		Self Employed (MSE)	
BANK NAME		FROM	TO	FROM	TO
Indian Overseas Bank	8.35	7.35	8.35	7.45	8.45
Indian Bank	--	7.15	8.55	7.65	9.05
J & K Bank	7.85	7.50	8.60	7.50	8.60
Central Bank of India	8.25	7.20	8.70	7.20	8.70
SBI Term Loan	8.15	7.50	8.70	7.50	8.70
Bank of Maharashtra	8.05	7.10	9.15	7.20	9.65
Bank of Baroda	7.90	7.45	9.20	7.45	9.20
Dhanlaxmi Bank	--	8.60	9.25	9.10	9.75
Axis Bank	--	8.35	9.35	8.35	9.35
UCO Bank	8.30	7.40	9.50	7.40	12.10
ICICI Bank	--	8.75	9.65	8.75	9.80
Indusind Bank	--	7.50	9.75	7.50	9.75
Union Bank of India	8.25	7.45	10.00	7.45	10.00
Federal Bank	--	8.75	10.00	8.75	10.00
Bank of India	8.35	7.35	10.10	7.35	10.10
Canara Bank	8.25	7.40	10.25	7.40	10.25
IDBI Bank	8.35	7.55	10.25	7.90	11.75
Punjab & Sind Bank	7.30	7.30	10.70	7.30	10.70
South Indian Bank	9.75	7.53	10.88	7.53	10.88
Karur Vysya Bank	8.80	8.50	10.90	8.50	10.90
DCB Bank	8.75	9.75	11.50	9.75	14.50
Karnataka Bank	--	7.30	11.68	7.30	11.68
Bandhan Bank	--	8.41	12.58	8.41	12.58
HDFC Bank	--	7.90	13.20	7.90	13.20
Yes Bank	--	9.10	13.30	9.10	13.30
City Union Bank	9.70	9.55	14.95	9.55	14.95
IDFC First Bank	--	8.85 onwards		8.85 onwards	

As on: 11/12/2025

शेयर चुनना काफी नहीं, सही समय पर बेचने और टैक्स घटाने की रणनीति से ही असली फायदा

इक्विटी पर कैसे टैक्स घटाएं और प्रॉफिट बढ़ाएं?

शेयर बाजार में निवेश करना आसान है, लेकिन शेयर बेचते समय उस पर लगने वाला टैक्स समझना कई बार मुश्किल हो जाता है। ज्यादातर लोग सिर्फ शेयर खरीदने और बेचने पर ध्यान देते हैं, लेकिन कैपिटल गेन टैक्स (CGT) कैसे लगता है, डिविडेंड (लाभांश) पर कितना टैक्स देना पड़ता है और FIFO (फर्स्ट-इन, फर्स्ट-आउट) रणनीति टैक्स को कैसे घटाती है, यह बहुत कम निवेशक जानते हैं।

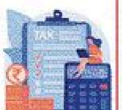

समीर भारद्वाज
Sameer.Bhardwaj@timesofindia.com

स्मार्ट निवेशक वे हैं, जो सिर्फ शेयर चुनने में माहिर नहीं होते, बल्कि टैक्स कैसे घटाएं और नेट प्रॉफिट कैसे बढ़ाएं, यह भी अच्छी तरह जानते हैं। इक्विटी निवेश जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसका टैक्सेशन समझना। FIFO जैसी रणनीतियों को सही तरीके से अपनाकर निवेशक अपनी टैक्स देनदारी कम कर सकते हैं और मुनाफा बढ़ा सकते हैं।

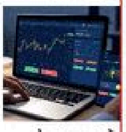

शेयर बाजार में फायदा वही उठाता है जो टैक्स को समझकर कदम बढ़ाए। सही समय, सही नियम कमाई तय करते हैं।

इक्विटी से कमाई के दो बड़े जरिये

डिविडेंड (लाभांश)

जब आप किसी कंपनी के शेयर रखते हैं, और कंपनी अपने मुनाफे का हिस्सा शेयरधारकों को बांटती है, उसे डिविडेंड कहते हैं। यह आपकी इनकम मानी जाती है। इस पर टैक्स आपकी इनकम टैक्स स्लैब के हिसाब से लगता है। इसका मतलब है कि यदि आप कम आय वाले वर्ग में आते हैं तो डिविडेंड पर कम टैक्स लगेगा। यदि आपकी आय ज्यादा है, तो टैक्स भी ज्यादा लगेगा। कानून कहता है कि डिविडेंड पर आप केवल एक ही खर्च घटा सकते हैं, वह है ब्याज (इंटरेस्ट)। अगर आपने शेयर खरीदने के लिए लोन लिया था, तो उसकी ब्याज राशि का सिर्फ 20% ही घटा सकते हैं। ब्रोकरेज, कमीशन, सर्विस चार्ज आदि घटाने की अनुमति नहीं है।

इसे एक उदाहरण से समझिए। आपको डिविडेंड मिला: ₹1,00,000 और आपने लोन का ब्याज ₹35,000 चुकाया। **कटौती की सीमा है:** 20% of ₹1,00,000 = ₹20,000 तो आपकी टैक्सेबल इनकम होगी: ₹1,00,000–₹20,000=₹80,000

कैपिटल गेन

जब आप शेयर बेचते हैं और आपको खरीद मूल्य से ज्यादा मिलता है, तो यह कैपिटल गेन (पूंजी लाभ) कहलाता है। इसे दो तरह से बांटा गया है.

(A) शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन (STCG): जब शेयर 12 महीने या उससे कम समय में बेच दिए जाएं तो STCG होता है। इस पर टैक्स दर 20% होती है। शर्त यह है कि खरीदते और बेचते समय आपने सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) भरा हो।

(B) लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन (LTCG): जब शेयर 12 महीने से ज्यादा समय बाद बेचे जाएं, तो LTCG होता है। ₹1.25 लाख तक का LTCG टैक्स-फ्री होता है, जबकि उससे ऊपर का लाभ 12.5% टैक्स के दायरे में आता है। मान लें, 1 अक्टूबर 2024 को 1000 शेयर ₹1500 प्रति शेयर के हिसाब से ₹15 लाख में लिए। 1 नवंबर 2025 को ₹20 लाख में बेचे। ₹5 लाख का लाभ मिला तो टैक्सेबल LTCG हुआ ₹3.75 लाख। 12.5% टैक्स ₹46,875 होगा।

FIFO नियम क्यों जरूरी है?

निवेशक कई बार एक ही कंपनी के शेयर अलग-अलग तारीखों पर खरीदते हैं। जब वे चाहें तभी कुछ शेयर बेच देते हैं। FIFO (First In, First Out) के अनुसार, जो शेयर सबसे पहले खरीदा गया, वही सबसे पहले बेचा हुआ माना जाएगा। भारतीय टैक्स कानूनों के अनुसार FIFO अनिवार्य है।

मान लीजिए आपने XYZ नाम की कंपनी के शेयर दो बार खरीदे:

1 फरवरी 2025 को 2000 शेयर, प्रति ₹50 पर खरीदे और लागत रही ₹1,00,000

1 अगस्त 2025 को 2000 शेयर प्रति ₹75 पर खरीदे और लागत रही ₹1,50,000

अब आपने 1 दिसंबर 2025 को 2000 शेयर प्रति ₹105 पर बेच दिए और बिक्री मूल्य हुआ ₹2,10,000

अब FIFO नियम कहता है कि पहले आए हुए 2000 शेयर (यानी 1 फरवरी वाले) बेचे हुए माने जाएंगे। यानी लागत मूल्य ₹50 प्रति शेयर होगा। इस तरह कुल लाभ होगा: (₹105 – ₹50) × 2000 = ₹1.1 लाख। चूंकि शेयर 12 महीने पूरे होने से पहले बेच दिए गए, इसलिए यह शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन है, तो टैक्स होगा = 20% of ₹1.1 लाख = ₹22,000

2 डीमैट अकाउंट से टैक्स कैसे बचता है?

आपके सारे शेयर एक ही डीमैट में हैं, तो FIFO लागू होने से कभी-कभी अनजाने में पुराने, सस्ते और लंबे समय से रखे गए शेयर पहले बेच दिए जाते हैं। इससे लॉन्ग-टर्म गेन खत्म हो सकता है, या अनचाहे ही STCG टैक्स का बोझ बढ़ सकता है। लेकिन यदि दो डीमैट अकाउंट हैं, जैसे कि पहला लॉन्ग-टर्म निवेश और दूसरा ट्रेडिंग/शॉर्ट-टर्म निवेश के लिए, तो टैक्स बिल्कुल प्लान्ड तरीके से लगता है, क्योंकि FIFO अकाउंट के अंदर काम करता है, अकाउंट के बाहर नहीं।

मान लीजिए आपने XYZ के 2000 शेयर एक डीमैट अकाउंट में प्रति ₹50 पर लिए, दूसरे डीमैट में प्रति शेयर ₹75 पर। यदि आप 2000 शेयर प्रति ₹105 पर बेचते हैं और वह सेल प्रति ₹75 वाले अकाउंट से करते हैं, तो लाभ = (₹105 – ₹75) × 2000 = ₹60,000 हुआ। STCG टैक्स 20% = ₹12,000 हुआ। लेकिन यदि यही सेल एक अकाउंट में FIFO से होती, तो लाभ ₹1.1 लाख होता और टैक्स ₹22,000 होता। यानी एक ही सेल में ₹10,000 की टैक्स बचत सिर्फ अकाउंट अलग रखने से हो गई।

क्या 2 डीमैट वैध तरीका है?

हां, 100% वैध है। भारत में एक ही PAN नंबर पर कई डीमैट अकाउंट खोले जा सकते हैं। सभी अकाउंट का टैक्स साथ जोड़कर रिटर्न में रिपोर्ट करना जरूरी है। FIFO हर अकाउंट पर अलग-अलग लागू होगा। इससे किसी तरह की टैक्स चोरी नहीं होती, बल्कि निवेशक अनजाने में होने वाले टैक्स नुकसान से बचते हैं।

सबसे जरूरी सीख

- डिविडेंड आपकी टैक्सेबल इनकम है। केवल ब्याज का 20% ही घटाया जा सकता है।
- 12 महीने से कम पर STCG 20% और ज्यादा पर LTCG ₹1.25 लाख तक छूट+12.5% टैक्स लगता है।
- FIFO से बच नहीं सकते, यह कानून है।
- 2 डीमैट अकाउंट रखना समझदारी है।
- सभी ट्रेड PAN से जुड़े हैं, इसलिए कुछ छिपा नहीं रहता। लेकिन अलग अकाउंट से संरचना साफ रहती है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD5 User: cci Time: 12-13-2025 22:05 Color:

दिल्ली-NCR में किराये की कमाई

क्या रेंट कमाने के लिए निवेश करना सही है?

दिल्ली-NCR में रेंटल मार्केट तेजी से बदल रहा है। आईटी सेक्टर, नई मेट्रो लाइनों, नोएडा एयरपोर्ट और उभरते रोजगार अवसरों ने किराये की मांग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। तो क्या मौजूदा माहौल रेंटल प्रॉपर्टी में पैसा लगाने के लिए सही है और किन बातों पर खास ध्यान देना जरूरी है? आइए जानते हैं...

लोकेश के. भारती
Lokesh.Bharti@timesofindia.com

दिल्ली-NCR में रेंटल डिमांड आईटी, स्टार्टअप, मैन्युफैक्चरिंग, कॉरपोरेट माइग्रेशन, ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी और नए इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे एक्सप्रेस-वे, मेट्रो लाइन, एयरपोर्ट विस्तार से लगातार बढ़ रही है। लेकिन रेंटल निवेश से क्या मिलेगा, यह फायदे का सौदा होगा या नहीं? ऐसे निवेश से पहले किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है? आइए, जानते हैं।

दिल्ली-NCR में किराए की डिमांड पिछले 3-4 वर्षों में करीब 20-30% बढ़ी है। पिछले 2 बरसों की ही बात करें तो 15 से 18% किराए इसी दौरान बढ़े हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में इस बढ़ोतरी की वजह जहां IT सेक्टर, ऑफिस शिफ्टिंग, फिल्म सिटी प्रोजेक्ट, जेवर एयरपोर्ट आदि का विकास होना है। वहीं गुड़गांव अब भी MNC हब है, जहां स्टार्टअप की धूम भी है। दिल्ली में सरकारी कर्मचारी, यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स, सर्विस सेक्टर ने रेंटल को बढ़ाया है। गाजियाबाद में भी शानदार कनेक्टिविटी ने एरिया का कायाकल्प किया है। तो क्या किराया कमाने के मकसद से प्रॉपर्टी में निवेश फायदे का सौदा है? FD से तुलना करें तो 40 लाख की एफडी पर 7% इंट्रेस्ट मिलने पर कुल कमाई 2,80,000/- होनी चाहिए। वहीं, 40 लाख के फ्लैट पर किराए से यदि 5% भी आए तो भी हर साल नुकसान 80 हजार रुपये का होता है। यहां एक बात और ध्यान देने वाली है कि इस नुकसान की बात तभी होनी चाहिए, जब प्रॉपर्टी की कीमत में कोई इजाफा न हुआ हो। अगर इजाफा होगा तो फायदे में फर्क आ जाएगा। वह भी तब जब कोई उसी प्रॉपर्टी को बेचे।

रेंटल यील्ड क्या है?

रेंटल यील्ड वह प्रतिशत है जो प्रॉपर्टी की कीमत के मुकाबले हर साल किराये से मिलता है। मान लें कि किसी शख्स ने एक फ्लैट 40 लाख रुपये में खरीदा और उससे साल भर में 2 लाख रुपये का किराया मिला।

रेंटल यील्ड= (सालभर का किराया ÷ प्रॉपर्टी की कीमत) × 100 = (2,00,000 ÷ 40,00,000) × 100 = 5% यानी 2,00,000/-

इस कैलकुलेशन का मतलब है कि प्रॉपर्टी हर साल अपनी कीमत का 5% सिर्फ किराए के रूप में कमा रही है। यह भी जानें कि जब किरायेदार होता है तो प्रॉपर्टी में टूट-फूट, मरम्मत आदि पर भी खर्च होता रहता है।

कीमत कितनी, किराया कितना

प्रॉपर्टी	खरीद कीमत	मासिक किराया	रेंटल यील्ड
1 BHK	35-70 लाख	12,000-25,000	4.1-4.3%
2 BHK	60-1.2 करोड़	18,000-32,000	3.2-3.6%
3 BHK	1.3-2.5 करोड़	30,000-50,000	2.4-2.8%
स्टूडियो	40-90 लाख	15,000-25,000	3.3-4.5%

रेंटल यील्ड की हालत क्या है?

भारत में औसत यील्ड 2.1-4% है, जबकि दिल्ली-NCR में यह थोड़ी बेहतर रहती है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि रेंटल इनकम एफडी ब्याज से भी कम होती है, लेकिन लंबी अवधि में प्रॉपर्टी की कीमत तेजी से बढ़ती है। 5-6 साल पहले 30-40 लाख का 2BHK आज 70-80 लाख तक पहुंच चुका है। इसलिए सही लोकेशन और सही प्रॉपर्टी का चुनाव बेहद अहम है।

रेजिडेंशल-कमर्शल प्रॉपर्टी तो...

रेजिडेंशल प्रॉपर्टी की तुलना में कमर्शल प्रॉपर्टी में बेहतर रेंटल यील्ड होता है। कमर्शल में रेंटल यील्ड करीब 6-9% तक हो सकता है। यानी अगर इस दौरान प्रॉपर्टी की कीमत न भी बढ़े तो भी यह बैंक के एफडी के 7% के रेट को क्रॉस कर सकता है। इसमें भी एक बात का ध्यान रखना है कि कई मॉल ऐसे हैं, जहां पर दुकानें रेंटर के लिए तरसती रहती हैं।

इन बातों को पहले ही चेक कर लें

OC/CC Status: यह जरूर देखें कि प्रोजेक्ट को ऑक्यूपेशनल सर्टिफिकेट मिला है या नहीं? कई बार किसी प्रोजेक्ट में कुछ टावरों को ओसी मिल जाती है। अगर यह सर्टिफिकेट मिल चुका है तो निवेश किया जा सकता है, क्योंकि ऐसी प्रॉपर्टी में बिजली-पानी की सुविधा स्थायी होती है।

मेंटेनेंस चार्ज: कई बार ज्यादा मेंटेनेंस चार्ज से भी किराएदार दूर भागते हैं। ऐसे में उस प्रोजेक्ट को सेलेक्ट करने में भी भलाई है, जिसका मेंटेनेंस रेट 2-3 रुपये प्रति स्क्वायर फीट हो। हां, लग्जरी, अल्ट्रा लग्जरी में मेंटेनेंस बड़ा मसला नहीं है।

पार्क-पार्किंग: सोसायटी में ओपन एरिया, पार्क और पार्किंग की सुविधा न हो तो लोग बचते हैं। अगर आप सोचते हैं कि पार्किंग के 4 लाख रुपये बचा लेता हूं तो इसे अपने दिमाग से निकाल दें। बिना पार्किंग वाले घर कई बार किराए पर नहीं उठते।

मेन गेट की दूरी: सोसायटी में पीछे वाले टावर से अगर मेन गेट की दूरी ज्यादा हो यानी टावर से निकलने के बाद 3-4 मिनट से ज्यादा लगे तो भी कई रेंटर इससे बचते हैं। दरअसल, सुबह में जब बच्चों को स्कूल बस पर चढ़ाने के लिए तेजी से पैरंट्स को भागना पड़ता है तो उनके लिए परेशानी हो जाती है। वे ऐसे फ्लैट में रहने से अक्सर बचते हैं।

लिफ्ट: कई हाई राइज टावरों में ऊपर से नीचे या नीचे से ऊपर फ्लैट तक पहुंचने के लिए 10 से 15 मिनट तक लिफ्ट का इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में कई बार किराएदार ज्यादा नहीं टिकते। अमूमन 50 फ्लैटों पर 2 लिफ्ट उपलब्ध होने ही चाहिए।

क्या रेंटल के लिए निवेश का यह सही समय है?

हां, लेकिन सही लोकेशन और सही प्रोजेक्ट में। यह भी देखें कि आपको फौरन उस फंड की जरूरत न पड़े, जिसे प्रॉपर्टी में लगाने वाले हैं। हालांकि प्रॉपर्टी चुनने में कुछ ध्यान रखने की जरूरत है।

15 मिनट का नियम: मेट्रो, ऑफिस हब, स्कूल, बड़े हॉस्पिटल से प्रोजेक्ट की दूरी 15 से 20 या ज्यादा से ज्यादा 25 मिनट की दूरी पर हो तो रेंट सही आता है।

कनेक्टिविटी: अगर एक्सप्रेसवे, मेट्रो लाइन, एयरपोर्ट वाले एरिया में प्रॉपर्टी हो तो रेंटल वैल्यू बढ़ जाती है। कई जगहों पर यह 3-5 साल में 20-40% बढ़ जाती है।

वैकेंसी रिस्क: फ्लैट या शॉप खाली होने पर 2 महीने के भीतर किराए पर चढ़ जाता है तो वह एरिया और प्रोजेक्ट सही है। वैसे भी इलाके हैं, जहां किरायेदार नहीं मिलते।

"मुमकिन है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ लोगों को रेंटल यील्ड कम लगे, लेकिन 4-5 बरसों में ही प्रॉपर्टी की कीमत 60-80% तक बढ़ जाती है। ऐसे में घर लेकर रेंट पर लगा सकते हैं ताकि मेंटेनेंस भी मिलती रहे और जब कीमतें बढ़ जाएं तो बेचकर मोटा फायदा लेकर निकल भी सकते हैं। वहीं कोई उसी घर में शिफ्ट होना चाहे तो यह विकल्प भी है। - *गौरव गुप्ता, डायरेक्टर, SG एस्टेट्स*"

"इंडिया में रेंटल यील्ड की स्थिति अच्छी नहीं है। विदेशों में, मसलन यूएस, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, दुबई यहां से काफी आगे हैं। सच तो यह है कि इंडिया में रेंटल यील्ड एफडी जितनी भी नहीं है। प्रॉपर्टी में आपका मोटा पैसा लगता है, लेकिन फायदा ज्यादा नहीं मिलता। बहुत कम ही जगह है, जहां रेंट के लिए निवेश से कुछ फायदा हो सकता है। -*राकेश कुमार सिंह, NRI, रियल एस्टेट एक्सपर्ट*"

NCR में घर चाहिए?

यमुना सिटी बन रही रेजिडेंशल डेस्टिनेशन

सुनील पाण्डेय
Sunil.Pandey2@timesofindia.com

यमुना इंटरनैशनल एयरपोर्ट और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स ने यमुना सिटी को NCR का सबसे तेजी से उभरता रेजिडेंशल हॉटस्पॉट बना दिया है। बीते चार वर्षों में अपार्टमेंट और प्लॉट दोनों की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और निवेशकों से लेकर आम खरीदारों तक की मांग तेजी से बढ़ी है।

नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट और तमाम बड़े प्रोजेक्ट के चलते यमुना सिटी रेजिडेंशल का नया डेस्टिनेशन बन गई है। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे विकसित हो रही यमुना सिटी, रियल एस्टेट बाजार में पिछले 5 वर्षों में NCR में सबसे तेज बदलावों में से एक है। यहां अपार्टमेंट और आवासीय भूखंड दोनों की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। कोविड महामारी से पहले यह इलाका लोगों की नजर से दूर था। नोएडा एयरपोर्ट के धरातल पर आने से 2021 से निरंतर मांग, नए आवंटन और यमुना अथॉरिटी द्वारा भूमि आवंटन दरों में बार-बार की बढ़ोतरी के कारण यह हाई डिवेलपमेंट एरिया में बदल गया। आम लोगों के साथ इनवेस्टर भी इस ओर तेजी से आए हैं।

यमुना सिटी में यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे अपार्टमेंट की कीमतें, जो 2019-20 में औसतन लगभग 3,900-4,100 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं, एयरपोर्ट का काम शुरू होने के बाद से दोगुनी से भी ज्यादा हो गई हैं। वर्तमान बाजार दरें 9,000 रुपये प्रति वर्ग फीट के आसपास हैं। कुछ इलाकों में क्षेत्र और विकास के चरण के आधार पर कीमतें ज्यादा हैं। जमीन की कीमतें और भी तेजी से बढ़ी हैं। 2020 के बाद से प्लॉटों का व्यापक बाजार मूल्य कई गुना बढ़ गया है, लेकिन पिछले चार वर्षों में यीडा की आवासीय प्लॉट आवंटन दरों में भी इस तेजी का असर साफ दिखाई देता है। 2021 में यीडा ने 120-200 वर्ग मीटर कैटिगरी में 17,400-17,800 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से आवासीय प्लॉट की स्कीम निकाली थी। 2024 के अंत में एयरपोर्ट के पास के सेक्टरों के लिए यीडा की नई आवासीय प्लॉट योजना में आवंटन दर 25,900 रुपये प्रति वर्ग मीटर हो गई। 2021 से 2024 तक में आवासीय आवंटन दर में करीब 50% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। आवासीय प्लॉटों के लिए यीडा की वर्तमान दर 35,000 रुपये प्रति वर्ग मीटर है।

अथॉरिटी ने कुछ वर्षों में विशेष रूप से एयरपोर्ट के निकट एरिया में रियल एस्टेट डिवेलपर्स को भूखंड आवंटित किए हैं। इनमें ग्रुप हाउसिंग, मिश्रित उपयोग परियोजनाओं और टाउनशिप विकास के लिए नए आवंटन शामिल हैं। ये डिवेलपर्स नए आवासीय क्लस्टर और व्यावसायिक क्षेत्र स्थापित करेंगे। ये एरिया में पहले से चल रहे टाउनशिप निर्माण कार्यों को और आगे बढ़ाएंगे।

5 साल में ही दोगुनी हो गई कीमतें

यमुना सिटी एरिया में 2020 की तुलना में अपार्टमेंट की दरें अब दोगुनी से भी ज्यादा हैं। यीडा के आवासीय प्लॉट की आवंटन दरें 18,000 रुपये प्रति वर्ग मीटर से बढ़कर लगभग 35,000 रुपये प्रति वर्ग मीटर हो गई हैं। री-सेल में प्लॉट की कीमतें इससे भी कई गुना अधिक हैं। आने वाले वर्षों में इस एरिया में प्रॉपर्टी के रेट और बढ़ेंगे।

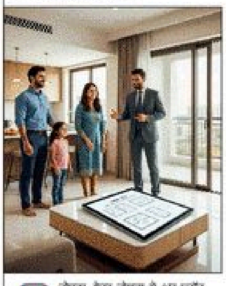

"नोएडा-ग्रेटर नोएडा में अब प्लॉट की उपलब्धता कम हो गई है। वहीं, यमुना अथॉरिटी एरिया में विकास की असीम संभावनाएं हैं। नोएडा एयरपोर्ट ने यमुना सिटी का आकर्षण और बढ़ा दिया है। यहां आवासीय समेत हर कैटिगरी के प्लाट की मांग बढ़ी है। एयरपोर्ट शुरू होते ही रियल एस्टेट बाजार और बढ़ेगा। यह इलाका बेहतर डेस्टिनेशन की ओर बढ़ रहा है। -*निखिल हवेलिया, क्रेडाई वेस्टर्न यूपी के सेक्रेटरी*"

BMW से लेकर मर्सडीज तक...

लग्ज़री EV फायदे का सौदा है?

Gear UP

खालिद अमीन
Khalid.Amin@timesofindia.com

लग्जरी कार अब सिर्फ अमीरों के लिए नहीं रही। कम कीमत, कम रनिंग कॉस्ट और हाई-टेक फीचर्स की वजह से 40-50 लाख की लग्जरी ईवी पहली कार खरीदने वालों के लिए भी स्मार्ट और किफायती विकल्प बन गई है।

भारत में हमेशा से लग्जरी कार का मालिक होना सफलता का एक पैमाना माना जाता रहा है। पहले यह सपना सिर्फ बड़े बिजनेसमैन और हाई-नेटवर्थ लोगों तक सीमित था, लेकिन न्यू-एज जॉब्स, बढ़ती आय, ग्लोबल एक्सपोजर और बदलते लाइफस्टाइल के साथ यह सपना अब युवा भारत के लिए भी हकीकत बन रहा है। खासकर लग्जरी ईवी की कीमत और रनिंग कॉस्ट कम होने से नए कस्टमर्स बड़ी संख्या में इस सेगमेंट की ओर बढ़ रहे हैं। 40-50 लाख में मिलने वाली इलेक्ट्रिक लग्जरी गाड़ियां पहली लग्जरी कार खरीदने वालों के लिए एक अच्छा और किफायती विकल्प बन चुकी हैं। भारत की युवा पीढ़ी अब लग्जरी ईवी को सिर्फ कार नहीं, बल्कि फ्यूचरप्रूफ निवेश की तरह देख रही है। यह ट्रेंड लग्जरी ईवी बाजार को सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेगमेंट भी बना रहा है।

इलेक्ट्रिक EV सब पर भारी

पिछले तीन सालों में लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों की सेल्स ने पूरे प्रीमियम ऑटो मार्केट की तस्वीर बदल दी है। मार्केट रिसर्च के अनुसार भारत का लग्जरी EV बाजार सालाना 70-90% की औसत गति से बढ़ रहा है, जबकि मास-मार्केट EV सेगमेंट लगभग 40-50% की दर से बढ़ रहा है। इसका मतलब है कि भारत में प्रीमियम ग्राहक EV को काफी तेजी से अपनाने लगे हैं। इंडस्ट्री अनुमान बताता है कि 2021 में भारत में लग्जरी EV की कुल बिक्री लगभग 1,000 यूनिट थी, जो 2024-25 आते-आते बढ़कर 8,000-10,000 यूनिट सालाना तक पहुंच गई है। आने वाले तीन वर्षों में यह बाजार 20,000 यूनिट से ऊपर जाने की उम्मीद है।

EV लग्जरी गाड़ियां ला रही है नए ग्राहक

बीएमडब्ल्यू इंडिया के प्रेजिडेंट और सीईओ हरदीप सिंह बरार बताते हैं कि हाईएंड और एंट्री लेवल लग्जरी दोनों सेगमेंट में अच्छे विकल्प देकर बीएमडब्ल्यू ने लग्जरी मार्केट में नए लोगों को लाने में सफलता पाई है। वह कहते हैं कि BMW ग्रुप इंडिया पिछले तीन वर्षों से देश का नंबर-1 लग्जरी EV ब्रांड बना हुआ है। 2025 के जनवरी से सितंबर तक BMW और MINI मिलाकर 2,509 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए, जो इस सेगमेंट में सबसे अधिक है। इस दौरान कंपनी ने EV बिक्री में 246% की जबरदस्त ग्रोथ हासिल की। इस दौरान BMW iX1 Long Wheelbase देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली लग्जरी ईवी रही। BMW ग्रुप इंडिया ने हाल ही में 5,000 इलेक्ट्रिक कारों की डिलीवरी का भी रिकॉर्ड बनाया। ऐसा करने वाला यह देश का पहला लग्जरी कार ब्रांड है। आज भारत में BMW और MINI की कुल बिक्री में 21% हिस्सेदारी EV की है, जबकि तीन साल पहले यह केवल 3% थी। यह दिखाता है कि भारतीय ग्राहक लग्जरी EV को अपनाने में दुनिया के किसी भी बाजार से पीछे नहीं हैं।

ग्रीन फैक्टर भी निभा रहा है अहम रोल

लग्जरी इलेक्ट्रिक गाड़िया एक ऐसे पैकेज के रूप में सामने आ रही हैं जिनमें दोनों तरह के ग्राहकों के लिए विकल्प मौजूद हैं। नए ग्राहकों के लिए कम कीमत में लग्जरी गाड़िया उपलब्ध हैं। खासकर, मेंटेनेंस कॉस्ट इनकी डीजल और पेट्रोल गाड़ियों के मुकाबले आधे से भी कम रहती है। अगर घर पर चार्जिंग करते हैं या ऑफिस में चार्जिंग का विकल्प दे रखा है तो रनिंग कॉस्ट किसी पेट्रोल स्कूटर जितनी या उससे भी कम आती है। लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों के ये तीन फैक्टर्स उन ग्राहकों के लिए काफी आकर्षक बन जाते हैं जो पहली बार लग्जरी सेगमेंट में एंट्री कर रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि हाई एंड लग्जरी गाड़ियों में इलेक्ट्रिक कारों की मांग कम हो। मार्केट में जो हाई एंड लग्जरी ईवी मौजूद हैं उनको भी खूब ग्राहक मिल रहे हैं। यहां इलेक्ट्रिक गाड़ियों की तरफ झुकाव होने के पीछे खासकर एनवायरनमेंट को लेकर चिंतित होना या ग्रीन फैक्टर अहम रोल निभा रहा है। साथ ही पावर, पिकअप और ड्राइविंग प्लेजर के मामले में इलेक्ट्रिक गाड़िया डीजल गाड़ियों को भी मात दे रही हैं। यही वजह है कि 1.5 से 3 करोड़ रुपये वाली लग्जरी इलेक्ट्रिक गाड़ियों को भी मार्केट में खूब पसंद किया जा रहा है।

मार्केट में मौजूद हैं ढेरों विकल्प

लग्जरी EV मार्केट में लगभग सभी कंपनियां नए प्रोडक्ट ला रही हैं। मास सेगमेंट EV के मुकाबले लग्जरी EV मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। एक मार्केट रिसर्च के अनुसार, भारत का लग्जरी EV बाजार सालाना 70-90% की औसत गति से बढ़ रहा है, जबकि मास-मार्केट EV सेगमेंट 40-50% की दर से। इंडस्ट्री अनुमान है कि 2021 में भारत में लग्जरी EV की कुल बिक्री लगभग 1,000 यूनिट थी, जो 2024-25 आते-आते बढ़कर 8,000-10,000 यूनिट सालाना तक पहुंच गई है। आने वाले तीन वर्षों में यह बाजार 20,000 यूनिट से ऊपर जाने की उम्मीद है। बीएमडब्ल्यू और उसके मिनी ब्रैंड के अलावा मर्सडीज, आउडी, वोल्वो जैसी कंपनियों के पास भी लग्जरी EV में काफी विकल्प मौजूद हैं।

प्रीमियम लग्जरी EV

- मर्सडीज EQS SUV ₹1.33-₹1.48 करोड़
- मर्सडीज EQS-₹1.30-₹1.63 करोड़
- मर्सडीज G-Class इलेक्ट्रिक-₹3.10 करोड़
- BMW i7-₹2.05-₹2.58 करोड़
- BMW iX-₹1.40 करोड़
- Audi RS e-tron GT-₹1.95 करोड़
- Audi Q8 e-tron-₹1.15-1.27 करोड़

एंट्री लेवल लग्जरी EV

- वोल्वो EX30-₹40 लाख
- वोल्वो EX40-₹60 लाख
- BMW iX1-₹49.90 लाख
- BMW i4-72.50-₹77.50 लाख
- मर्सडीज EQA-₹67.20 लाख
- Mini कंट्रीमैन इले.-₹54.90-₹59.95 लाख

"यूथ को उसके बजट में एक लग्जरी कार बैज मिल रहा है, उसके प्राइस पॉइंट ऐसा है कि अच्छी सैलरी वाला यूथ उसकी ईएमआई मैनेज कर सकता है। साथ ही यूथ को रेंज एंजाइटी जैसा डर भी नहीं होता, वो टेक फ्रेंडली होता है और उसे पता होता है कि चार्जिंग पॉइंट्स कहां मौजूद हैं और चार्जिंग को कैसे मैनेज करना है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों में मिल रही टेक्नॉलजी भी उसे लुभाती है। -*अरुण मल्होत्रा, ऑटो इंडस्ट्री एक्सपर्ट*"

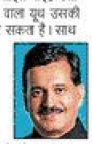

"इसमें कोई शक नहीं कि ईवी लग्जरी सेगमेंट में नए ग्राहकों खासतौर पर यूथ को लाने का काम कर रही है। कम कीमत के अलावा EV के कम फ्यूल और मेंटेनेंस खर्च ने भी ग्राहकों के निर्णय को आसान बनाया है। BMW और MINI के 65% से ज्यादा EV ग्राहक 45 साल से कम उम्र के हैं। iX1 Long Wheelbase में तो 33% ग्राहक 39 साल से भी कम उम्र के हैं। -*हरदीप सिंह बरार, प्रेजिडेंट-सीईओ, BMW इंडिया*"

नहीं आया ITR Refund? ये हो सकती हैं वजहें

ITR रिफंड में देरी कई कारणों से हो सकती है, जैसे गलत बैंक जानकारी, नोटिसों का जवाब न देना, ITR वेरिफिकेशन में देरी, गलत क्लेम, TDS mismatch या डिफेक्टिव रिटर्न। सही तरीका अपनाने पर आपका रिफंड जल्दी मिल सकता है।

स्नेहा कुलकर्णी
NBTwealth
@timesofindia.com

इन गलतियों से बचें तो बनेगी बात

1 अगर आपका रिफंड अमाउंट बड़ा है, तो उसकी प्रोसेसिंग में अतिरिक्त समय लग सकता है। इनकम टैक्स विभाग बड़े रिफंड को कई सिस्टम चेक्स के बाद मंजूरी देता है।

2 ITR फाइल तो किया, लेकिन VERIFY करना भूल गए? यह आम गलती है। वर्तमान नियमों के अनुसार, ITR फाइल करने के बाद 30 दिनों के भीतर वेरिफिकेशन जरूरी है। ई-वेरिफिकेशन करें या ITR-V को साइन करके CPC बेंगलुरु भेजें।

3 यदि आपके ITR में सेक्शन 139(9) के तहत कोई त्रुटि है, तो CPC या Assessing Officer आपको नोटिस भेजेगा। 15 दिनों के भीतर गलती ठीक करें या समय बढ़ाने के लिए रिक्वेस्ट करें। वर्ना रिटर्न Invalid हो सकता है।

4 आपका बैंक अकाउंट प्री-validated है या नहीं? e-filing पोर्टल में लॉगिन कर Bank Account सेक्शन में जाकर सही अकाउंट जोड़ें और उसे Refund Account के रूप में नॉमिनेट करें।

5 Section 143(1)(a) का नोटिस मिला है लेकिन जवाब नहीं दिया? यह नोटिस तब आता है जब आपके ITR और विभाग के डेटा में अंतर हो। आप 30 दिनों में जवाब नहीं देते हैं, तो रिफंड कम या नहीं मिल सकता है।

6 यदि आपके किसी पिछले साल का टैक्स डिमांड बकाया है, तो विभाग आपके रिफंड को समायोजित कर सकता है। वहीं, यदि बढ़ा-चढ़ाकर deductions दिखाते हैं, गलत HRA दावा करते हैं तो भी रिफंड रुकेगा।

कैसे चेक करें? ITR Refund Status

स्टेप 1 https://www.incometax.gov.in/iec/foportal/ पर जाएं।

स्टेप 2 PAN और पासवर्ड से लॉगिन करें।

स्टेप 3 e-file- Income Tax Returns- View Filed Returns पर क्लिक करें।

स्टेप 4 यहां आपको हर Assessment Year का पूरा टाइमलाइन दिखेगा। जिसमें आपके रिफंड की स्थिति साफ दिखाई देगी।

सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा फॉलोअर्स न होने पर भी हो सकती है अर्निंग

माइक्रो-इनफ्लुएंसर बनकर एक्स्ट्रा कमाएं

मोहम्मद असगर
Mohd.Asgar
@timesofindia.com

सोशल मीडिया पर कम फॉलोवर होने का मतलब यह नहीं कि कमाई नहीं हो सकती। तेजी से उभरती माइक्रो-इन्फ्लुएंसर इकॉनमी ने इसे साबित किया है। आज 10 हजार से 1 लाख फॉलोवर वाले क्रिएटर्स लोकल ब्रैंड्स, मॉडलिंग, एडिटिंग और प्रमोशन के जरिए अपनी अलग पहचान और आय का मजबूत जरिया बना रहे हैं।

सोशल मीडिया का इस्तेमाल सही से करना आ जाए तो यह इनकम का सोर्स बन सकता है। और अगर आप ये सोच रहे हैं कि जिनके ज्यादा फॉलोअर्स उन्हीं को इनकम होती है, तो ये कुछ हद तक तो सही है, मगर समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। आज 10 हजार से 1 लाख फॉलोवर वाले माइक्रो-इन्फ्लुएंसर भी कमाल कर रहे हैं। माइक्रो-इन्फ्लुएंसर यानी वैसे कंटेंट क्रिएटर जिनके फॉलोवर कम हैं, लेकिन उनके साथ दर्शकों का जुड़ाव गहरा होता है। उनके दर्शक उन्हें सिलेब्रिटी नहीं, बल्कि अपना करीबी आदमी मानते हैं, जो आम लोगों से सिर्फ एक स्टेप आगे चल रहा है। यानी उसे देखकर आसपास के लोग रश्क कर रहे हैं।

यूपी में अमरोहा के छोटे से कस्बे में रहने वाले अखिल चौधरी शौक-शौक में विडियो एडिट कर इंस्टा पर शेयर करते थे। वहीं से उनको विडियो एडिट करने का काम मिलने लगा। सोशल मीडिया यूजर्स उनसे विडियो एडिट कराने के लिए कॉन्टैक्ट करने लगे। एक विडियो एडिट का वो 2 से ढाई हजार चार्ज करते। इसके बाद वो माइक्रो इन्फ्लुएंसर बनने की दौड़ में शामिल लोगों के विडियो भी शूट करने लगे। अखिल अब चंडीगढ़ में मॉडल्स के शूट कर रहे हैं। वो बताते हैं कि अगर किसी ब्रैंड के हेयर कलर का शूट करना होता है, तो एक लॉग बुक तैयार होती है। उसमें 3-5 हजार रुपये मॉडल को जाते हैं। 60-70 हजार रुपये में 15 रील्स शूट और एडिट की जाती हैं। इसी तरह जिम, शोरूम या फिर किसी प्रोडक्ट के लिए भी रील्स के लिए मॉडल की जरूरत होती है, तो लोकल एरिया के ही माइक्रो इन्फ्लुएंसर को हायर किया जाता है। बठिंडा की शाइना खान इस तरह के शूट के लिए मॉडलिंग करती हैं। वो बताती हैं, 5 हजार रुपये में एक रील्स बनाई है, जिसमें प्रोडक्ट को प्रमोट किया जाता है। कई बार ब्रैंड वाले अपने प्रोडक्ट घर बैठे भेजते हैं, तो उनपर भी रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर की जाती है। ऐसा करने के लिए ब्रैंड से पैसा मिलता है। अगर किसी जिम का प्रमोशन करना है या फिर होटल या शोरूम का तो वहां जाकर शूट करना रहता है।

शौक-शौक में सोशल मीडिया पर अपने विडियो एडिट कर शेयर करता था, बाद में आसपास के लोग विडियो एडिट कराने का पैसा देने लगे तो वहीं से पैसा कमाने का आइडिया आया। अब इसी मैंने प्रफेशन बना लिया है। - *अखिल चौधरी*

सोचा नहीं था इस तरह पैसा कमाया जा सकता है। ऐसे ही जब शुरू में अकाउंट पब्लिक किया तो घरवालों ने नाराजगी जताई, मगर अब मैं अपने खर्च अपनी कमाई से करती हूं। ये मुझे मजबूत बनाता है। - *शाइना खान*

भरोसा ही असली पूंजी है

ब्रैंड्स के लिए सिर्फ रीच नहीं, ट्रस्ट भी जरूरी होता है। माइक्रो-इन्फ्लुएंसर इस मामले में धनी हैं। एक ब्यूटी ब्रैंड के मैनेजर ने बताया, कभी 10 हजार फॉलोवर वाला क्रिएटर 10 लाख वाले फॉलोवर से ज्यादा बिक्री करा देता है।

लोकल ऑडियंस, लोकल कमाई

माइक्रो-इन्फ्लुएंसर अक्सर किसी शहर, भाषा या समुदाय तक सीमित होते हैं। यही उनकी ताकत है। इसलिए लोकल होटल, जिम, कोचिंग सेंटर, छोटे कपड़ों या फूड ब्रैंड, ये सब लोकल इन्फ्लुएंसर पर पैसा खर्च कर रहे हैं।

अन्य के लिए भी रोजगार

माइक्रो-इन्फ्लुएंसर सिर्फ खुद नहीं कमा रहे, बल्कि विडियो एडिटर, कैमरा पर्सन, स्क्रिप्ट राइटर जैसे लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं। अगर आपको इनमें से कोई भी स्किल आती है, तो आप भी इसतरफ कदम बढ़ा सकते हैं।

प्रोडक्ट को सेल कराने में मदद

इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लैटफॉर्म ऐसे कंटेंट को आगे बढ़ा रहे हैं जो इंटरैक्शन लाता है, न कि सिर्फ फॉलोवर काउंट। कपड़ों की मॉडलिंग से लेकर बड़े शोरूम तक ऐसे इन्फ्लुएंसर देख रहे हैं, जो सेल कराने में उनकी मदद करें।

कम खर्च, अधिक मुनाफ़ा

बड़े इन्फ्लुएंसर केमुकाबले माइक्रो-इन्फ्लुएंसर ज्यादा फीस नहीं लेते। स्क्रिप्ट एकदम लोकल एरिया के लोगों को प्रभावित करने वाली होती है, जिससे ब्रैंड को असली प्रमोशन मिलता है।

काम की तारीखें

फाइनैंशल कैलेंडर

31 दिसंबर 2025: 1 अक्टूबर 2024 से पहले आधार एनरोलमेंट आईडी के आधार पर PAN लेने वालों के लिए PAN को आधार से लिंक करने की अंतिम तारीख।

31 दिसंबर 2025: ITR से चूकने वाले 'बिलेटेड रिटर्न' के रूप में 31 दिसंबर तक दाखिल कर सकते हैं।

AI image

इन IPO में मौका

- **Stanbik Agro IPO** 16 दिसंबर तक (₹30-₹30)
- **Ashwini Container Movers IPO** 16 दिसंबर तक (₹135-₹142)
- **Exim Routes IPO** 16 दिसंबर तक (₹83-₹88)
- **ICICI Prudential AMC IPO** 16 दिसंबर तक (₹2061-₹2165)
- **Neptune Logitek IPO** 15 दिसंबर-17 दिसंबर (₹126-₹126)

आने वाले IPOs

- Zepto
- OYO
- Hero FinCorp
- Go First
- PhonePe
- BoAt

हावर्ड मार्क्स की किताब से जानें किस तरह सोचते हैं अच्छे निवेशक

स्मार्ट इन्वेस्टमेंट के लिए अक्ल लगाएं

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mritryunjay.Ray
@timesofindia.com

हावर्ड मार्क्स की किताब 'The Most Important Thing: Uncommon Sense for the Thoughtful Investor' बताती है कि सफल निवेश सिर्फ अच्छे शेयर चुनने से नहीं, बल्कि ठीक तरह से सोचने और बाजार के उतार-चढ़ाव को समझने से आता है। हावर्ड मार्क्स बताते हैं कि रिस्क, वैल्यूएशन, भीड़ से अलग सोच और धीरज कैसे किसी भी निवेशक को स्मार्ट और लगातार लाभ कमाने वाला बना सकते हैं।

हावर्ड मार्क्स (Howard Marks) की 'The Most Important Thing: Uncommon Sense for the Thoughtful Investor' नाम की किताब में उनके दशकों का तजुर्बा शामिल है। उन्होंने Oaktree Capital नाम की असेट मैनेजमेंट कंपनी में जो सीखा, वह इस किताब में बताया गया है। हावर्ड इस असेट मैनेजमेंट कंपनी के सह-संस्थापक भी रहे हैं। इस किताब में वॉरेन बफेट के गुरु बेंजामिन ग्राहम की 'The Intelligent Investor' या कई अन्य मार्केट गुरुओं की लिखी किताबों की तरह बहुत फॉर्मूले नहीं दिए गए हैं। इसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि अच्छे निवेशक किस तरह से सोचते हैं और जब अनिश्चितता की घड़ी हो तो उनका व्यवहार किस तरह का होता है।

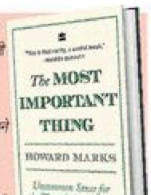

हावर्ड मार्क्स की यह किताब बताती है कि सफल निवेश का राज शेयर चुनने में नहीं, बल्कि सोचने के तरीके में है। इसमें समझदारी से फैसले लेने की कला समझाई गई है।

संदेह हो तो क्या करें? इन दिनों भारतीय शेयर बाजार की दिशा को लेकर भी निवेशकों के मन में संदेह है। विदेशी निवेशक यहां से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। रुपये पर दबाव बना हुआ है। करीब 14 महीनों से यहां के स्टॉक मार्केट पर प्रेशर है। भले ही इधर निफ्टी और सेंसेक्स जैसे बेंचमार्क इंडेक्स नए लाइफ टाइम हाई लेवल पर पहुंचे हैं, लेकिन मिडकैप, स्मॉलकैप और माइक्रोकैप शेयरों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। साथ ही, निवेशकों के पोर्टफोलियो पर भी बेंचमार्क इंडेक्स के लाइफ टाइम हाई पर पहुंचने का असर नहीं दिख रहा है। इन हालात का सामना कैसे करना है, यह समझने के लिए यह किताब काम की हो सकती है।

रिस्क को लेकर सावधान: हावर्ड लिखते हैं कि मार्केट में लंबे वक्त में कामयाब होना है तो इसके लिए रिस्क को लेकर सावधान रहना होगा। आपको भीड़ से अलग चलना होगा। मसलन, अक्सर मार्केट एनालिस्ट शेयरों के टारगेट प्राइस देते हैं और उसके चक्कर में पड़कर निवेशक उनमें बिना खुद रिसर्च किए पैसा लगा देते हैं। कई बार ऐसे ज्यादातर शेयरों में छोटे निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ता है। हावर्ड इस किताब में सलाह देते हैं कि इस तरह की गलतियों से बचना चाहिए।

भीड़ से अलग राह पकड़ें: वह 'सेकेंड लेवल थिंकिंग' का जिक्र करते हैं। यानी आप सिर्फ यह न देखें कि कोई शेयर या असेट कितना अच्छा है। इसके साथ यह भी देखना जरूरी है कि शेयर या असेट की जो सचाई है, कहीं दूसरे लोग उसे अधिक करके तो नहीं आंक रहे। या आपको शेयर या असेट में जो गुण दिख रहे हों, उसका असर पहले से तो उसकी कीमत पर नहीं पड़ चुका है? हावर्ड का कहना है कि फर्स्ट लेवल थिंकिंग में लोग सिर्फ कोई शेयर या असेट अच्छा है या नहीं, वहीं रुक जाते हैं, जबकि सेकेंड लेवल थिंकिंग करने वाले यह देखते हैं कि एक्सपर्ट्स की जो उसके बारे में राय है, वह वास्तविकता से कितनी दूर है।

हावर्ड के मुताबिक, कभी शेयर बहुत महंगे हो जाते हैं तो कभी सस्ते। इसकी वजह लालच, डर, ईर्ष्या और भीड़ वाली मानसिकता है। जब निवेशक अपनी बुद्धि लगाना बंद कर देते हैं तो वे ऐसे जाल में फंसते हैं।

सही वैल्यू पर निवेश: इस सिलसिले में वह बार-बार intrinsic value (बिजनेस फंडामेंटल्स के हिसाब से सही कीमत) और वैल्यू और प्राइस के बीच के रिश्ते का जिक्र करते हैं। हावर्ड लिखते हैं कि हाई क्वॉलिटी कंपनियों के शेयर या असेट में किसी भी कीमत पर निवेश करके अच्छा पैसा नहीं बनाया जा सकता। पैसा बनाने के लिए आपको उस वक्त निवेश करना होगा, जब शेयर या असेट का प्राइस उसकी intrinsic value से कम हो। वह कहते हैं कि अगर कोई अच्छी कंपनी या असेट महंगा हो तो उससे दूर रहना चाहिए। उनका कहना है कि कोई भी असेट इतना अच्छा नहीं होता कि उसमें निवेश पर नुकसान न उठाना पड़े। वहीं, कई बार कम कीमत पर बुरा माने जाने वाले असेट में भी पैसा लगाने से फायदा हो सकता है। हालांकि, इसके साथ हावर्ड यह भी लिखते हैं कि कुछ असेट्स ऐसे भी होते हैं, जो कम कीमत पर खरीदे जाने के बावजूद बुरे निवेश साबित हो सकते हैं।

सही सोच है जरूरी: हावर्ड रिस्क को समझने और उसे मैनेज करने पर जोर देते हैं। वह कहते हैं कि निवेशकों को अधिकतम रिटर्न के पीछे नहीं भागना चाहिए। उनके मुताबिक, बेहतरीन निवेशक सही वक्त पर आक्रामक रुख अपनाते हैं और बचाव करने में भी उतने ही माहिर होते हैं। वे मार्जिन ऑफ सेफ्टी, सर्वाइवल, डायवर्सिफिकेशन का हमेशा ध्यान रखते हैं। इस किताब में मार्केट साइकल यानी तेजी-मंदी के दौर और निवेशकों के मनोविज्ञान पर काफी जोर दिया गया है।

उतार-चढ़ाव होता रहता है: हावर्ड के मुताबिक, शेयर बाजार में उन्माद और निराशा का माहौल बनता रहता है। कभी शेयर बहुत महंगे हो जाते हैं तो कभी सस्ते। इसकी वजह लालच, डर, ईर्ष्या और भीड़ वाली मानसिकता है। जब निवेशक अपनी बुद्धि लगाना बंद कर देते हैं तो वे ऐसे जाल में फंसते हैं। उनका कहना है कि निवेशकों को उस तरह के शेयरों पर ध्यान देना चाहिए, जिनसे एक्सपर्ट्स को बहुत उम्मीद नहीं है। उन्हें हमेशा सावधान रहना चाहिए और कभी भी बाजार के उन्माद में नहीं फंसना चाहिए। जब ज्यादातर लोग लालच में फंसे हों तो बेहतर निवेशक एहतियात बरतते हैं। वहीं, जब ज्यादातर निवेशकों में मायूसी होती है तो वे लोग बड़ा पैसा लगाते हैं।

धीरज है बड़ा गुण: इसलिए इनमें धीरज होना चाहिए। जब शेयरों का वैल्यूएशन काफी अधिक हो गया हो तो निवेशकों को मार्केट से दूर रहना चाहिए। वहीं, जब वैल्यूएशन कम हो, लोगों की दिलचस्पी मार्केट में न हो, तब पैसा लगाना चाहिए। वह यह भी कहते हैं कि कई निवेशक कर्ज लेकर मार्केट में पैसा लगाते हैं और जब वह निचले स्तर पर होता है तो उन्हें मजबूरन अपने शेयर बेचने पड़ते हैं। निवेशकों को ऐसी गलती से बचना चाहिए क्योंकि इससे उनकी पूंजी खत्म होती है। उनके मुताबिक, आप जिस बिजनेस को समझते हैं, उसी में निवेश करिए। अगर अच्छे निवेशक बनना चाहते हैं तो अति-आत्मविश्वास से दूर रहिए।

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(15-21 दिसंबर 2025)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth
@timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)
इस सप्ताह आय के नए अवसर खुलेंगे और कई खर्चों से राहत मिलेगी। सेहत पर खर्च बढ़ सकता है। जीवनसाथी से आर्थिक मदद मिल सकती है। साझेदारी में किए निवेश फायदेमंद रहेंगे। अपनों पर व्यय बढ़ सकता है। धन संबंधी उतार-चढ़ाव रहेंगे, लेकिन आपकी सूझबूझ से कमाई बढ़ेगी। IT, फार्मा, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, डिफेंस और स्पोर्ट्स गुड्स जैसे सेक्टर में अच्छा लाभ संभव है।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)
सप्ताह की शुरुआत में अचानक धन लाभ के योग हैं। इंटरव्यू या प्रमोशन से भी आय बढ़ सकती है। शेयर बाजार, ट्रेडिंग या लॉटरी से लाभ मिलने के संकेत हैं। जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा, नए स्रोतों से धन आएगा और पार्टनरशिप भी फायदा दे सकती है। फार्मा, ऑयल-पेट्रोलियम, लोहा, ऑटोमोबाइल, एयरलाइन, होटल, खाद्य पदार्थ, फैशन, गारमेंट और मीडिया इंडस्ट्री से धन वृद्धि की मजबूत संभावनाएं हैं।

मिथुन (22 मई-21 जून)
सप्ताह की शुरुआत परिवार पर ध्यान और वाहन संबंधी खर्चों से हो सकती है। आगे धन लाभ के अवसर मिलेंगे। शेयर बाजार, लॉटरी या सट्टा से भी कमाई संभव है। सप्ताह के मध्य और अंत में समय अनुकूल रहेगा, निवेश लाभ देंगे, कर्ज से राहत संभव है। डेटा-एनालिटिक्स, क्लीनिंग प्रोडक्ट्स, इवेंट मैनेजमेंट, सोलर पावर, हेल्थ, डिफेन्स और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर लाभकारी रहेंगे।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)
इस सप्ताह आपकी वाणी और व्यवहार कुशलता से धन लाभ होगा। रिश्तेदार और दोस्त आर्थिक मदद कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में खर्च बढ़ेंगे, खासकर माता की सेहत पर ध्यान देना होगा। इस वजह से धन व्यय की स्थिति बन सकती है। उत्तरार्ध में अचानक धन लाभ और बचत के अवसर बनेंगे। सोलर पावर, डिफेन्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर चिप्स, हेल्थ और सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट्स से धन प्राप्ति संभव है।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)
सप्ताह की शुरुआत निवेश से लाभ और धन के नए अवसर लेकर आएगी। आपकी वाणी और व्यवहार से आर्थिक सफलता मिलेगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में घरेलू खर्च बढ़ सकते हैं। इस सप्ताह आप हेल्थ इंडस्ट्री, ऑप्टिकल इंडस्ट्री, सर्जिकल इक्विपमेंट्स, सोलर पावर, सेमीकंडक्टर चिप्स, डिफेन्स सेक्टर, एजुकेशन, बैंकिंग, इंश्योरेंस सेक्टर से लाभकारी स्थितियां प्राप्त करेंगे।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)
आपके लिए इस सप्ताह की शुरुआत समझदारी भरे निर्णयों और नए अवसरों से होगी। आपकी बुद्धिमत्ता से दूसरों को भी लाभ मिलेगा और आपकी राय से धन वृद्धि के मौके बनेंगे। सप्ताह बढ़ने के साथ आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और वाणी-कौशल से भी फायदा होगा। महिला वर्ग से विशेष सहायता मिल सकती है। बैंकिंग, इंश्योरेंस, एजुकेशन, होटल, खाद्य पदार्थ, कन्ज्यूमर, फैशन और मीडिया सेक्टर लाभ देंगे।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)
सप्ताह की शुरुआत में कुछ खर्चे बढ़ सकते हैं, इसलिए सावधानी जरूरी है। हालांकि आपकी समझदारी और दूरदर्शिता निवेश संबंधी फैसलों को सफल बनाएगी। वाणी की मधुरता से भी धन लाभ मिलेगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में निवेश से अच्छी कमाई हो सकती है। मीडिया, फैशन, गारमेंट, होटल, खाद्य पदार्थ, डेयरी, जल उत्पाद, मोती, ट्रेडिंग, मोबाइल और टेलिकॉम सेक्टर से लाभ संभव है।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नवं.)
सप्ताह की शुरुआत अचानक धन लाभ से होगी। प्रॉपर्टी, पैतृक संपत्ति और शेयर बाजार से फायदा मिल सकता है। सोमवार-मंगलवार को खर्च और बचत में कठिनाई आ सकती है, लेकिन उत्तरार्ध में स्थिति सुधरेगी और आय बढ़ेगी। होटल, मीडिया, गारमेंट, कन्ज्यूमर गुड्स, FMCG, फैशन, क्रिएटिव और सोशल मीडिया सेक्टर से लाभ मिलेगा। सोलर पावर, ऑप्टिकल और डिफेन्स सेक्टर में भी कमाई संभव है।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)
सप्ताह की शुरुआत से ही आय में वृद्धि के संकेत हैं। पैतृक संपत्ति, शेयर बाजार और प्रॉपर्टी से लाभ होगा। मेहनत का अच्छा फल मिलेगा और वरिष्ठों की सलाह धन वृद्धि में मदद करेगी। सप्ताह के अंतिम दिनों में कुछ वजहों से आपके खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए सावधान रहें। सोशल मीडिया, डिफेन्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पावर और सेमीकंडक्टर सेक्टर से लाभ मिलने के योग हैं।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)
इस सप्ताह भाग्य साथ देगा और अचानक धन लाभ संभव है। बिजनेस ट्रिप्स लाभकारी रहेंगी। आपकी वाकपटुता से भी आपको आर्थिक फायदा होगा। करियर में प्रगति होगी और इससे धन वृद्धि के मौके मिलेंगे। उत्तरार्ध में शेयर बाजार और प्रॉपर्टी से लाभ होने के संकेत हैं। होटल, मीडिया, फैशन, परफ्यूम, खाद्य पदार्थ, कंप्यूटर, मोबाइल, कम्युनिकेशन और एडवर्टाइजिंग सेक्टर फायदा देंगे।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)
सप्ताह की शुरुआत में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए सावधानी रखें। मध्य सप्ताह से हालात बेहतर होंगे और यात्राओं से लाभ मिलेगा। उत्तरार्ध में धन वृद्धि के अवसर मिलेंगे। करियर में उन्नति और प्रोजेक्ट से फायदा होगा। सोशल मीडिया, होटल, मीडिया, फैशन, परफ्यूम, कन्ज्यूमर गुड्स, ट्रेडिंग, कंप्यूटर और मोबाइल सेक्टर लाभकारी रहेंगे।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)
सप्ताह की शुरुआत बिजनेस ट्रिप्स और साझेदारी निवेश से लाभ लेकर आएगी। जीवनसाथी से आर्थिक सहयोग भी संभव है। सोमवार-मंगलवार को खर्च बढ़ेंगे, लेकिन बुधवार से स्थिति सुधर जाएगी और अचानक धन लाभ के संकेत हैं। यह सप्ताह सुख और समृद्धि लाएगा। सोलर पावर, हेल्थ, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, डिफेंस, होटल सेक्टर से लाभ संभव है।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

नई दिल्ली > सोमवार, 15 दिसंबर 2025 > मार्गशीर्ष 24 शक संवत 1947 पौष कृष्ण एकादशी, विक्रम संवत 2082 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 79, संख्या 297 > पेज 16 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण सारी हदें पार कर गया। रविवार को धुंध छाई रही और कई जगह AQI 500 के लेवल को छू गया। इसीलिए हमने पेज के इस हिस्से को धुंधला रखा है और NBT को N-95 मास्क पहनाया है।

जानलेवा प्रदूषण के आगे दिल्ली-एनसीआर के लोग बेबस है। प्रदूषण कम करने के लिए सभी हथियारों का इस्तेमाल हो चुका है। बावजूद इसके प्रदूषण में रविवार को इजाफा हुआ। रविवार को दिल्ली का औसत AQI 461 रहा। यह साल का प्रदूषण का सबसे ज्यादा स्तर है। 40 में से 39 मॉनिटरिंग स्टेशन रेड जोन में रहे। शनिवार को GRAP-4 लागू किया गया था। इसके बाद भी रविवार को AQI शाम 5 बजे 464 पहुंच गया। गाजियाबाद में AQI 459, नोएडा में 466, गुड़गांव में 291 और फरीदाबाद में 218 रहा।

नॉन-स्टॉप Pollution

40 में से 39 मॉनिटरिंग स्टेशन रेड जोन में रहे, कल से कोहरे से राहत

ऐसा रहा AQI

- वजीराबाद 500
- मुंडका 499
- रोहिणी 499
- अशोक विहार 499
- विवेक विहार 497
- आनंद विहार 492
- नेहरू नगर 491
- दिलशाद गार्डन 491

आज से हवा हो सकती है साफ

सोमवार से हवा थोड़ी गति पकड़ेगी। इससे प्रदूषण में कमी आ सकती है। 15 से 17 दिसंबर के बीच प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहेगा। रविवार को हवा की गति 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रही। सोमवार को यह 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे रहेगी। मंगलवार को हवा की स्पीड 10 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे और बुधवार को यह 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। मंगलवार से कोहरा कम हो सकता है।

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

क्या आपने NBT Wealth लिया?

पर्सनल फाइनैंस की खबरें आपकी भाषा हिंदी में।

हर सोमवार पढ़ें NBT Wealth सिर्फ 6 रुपये में

अपने हॉकर से संपर्क करें या 18001205474 पर भी कॉल कर सकते हैं।

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं? क्या और चाहते हैं आप? ऐसे विषयों पर आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064 पर आज दिन में 11 से 12 बजे तक

खबरों के अंदर की बात

NBT Lens

देखें पेज 5

फटाफट खबरें

पहली बार भारत बना स्क्वैश वर्ल्ड चैंपियन

भारत ने रविवार को पहली बार स्क्वैश वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल में उसने हॉन्ग कॉन्ग को 3-0 से करारी शिकस्त दी। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला एशियाई देश बन गया। उसने 2023 में ब्रॉन्ज जीता था। ▸▸ पेज 11

U-19 क्रिकेट: भारत ने पाक को हराया

भारत ने ऑलराउंडर कनिष्क चौहान और तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन की शानदार गेंदबाजी की बदौलत रविवार को अंडर-19 एशिया कप के ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान को 90 रन से शिकस्त दी। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने हाथ नहीं मिलाया। ▸▸ पेज 11

हैपी मॉर्निंग

टिंकू छत से नीचे गिर गया। आसपास के लोग आए और पूछा क्या हुआ?
टिंकू बोला: पता नहीं, मैं भी जस्ट नीचे पहुंचा हूं।

मौसम

अधिकतम तापमान 24°

8.2° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 5:27 सोमवार | सूर्यास्त 7:07 मंगलवार

सुबह हल्का कोहरा रहेगा। कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा रह सकता है।

BJP के कार्यकारी अध्यक्ष बने नितिन

लगातार पांच बार से MLA, बिहार सरकार में हैं मंत्री

Poonam.Pandey@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: BJP ने बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को नया राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। जे. पी. नड्डा को भी पहले कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। करीब 7 महीने कार्यकारी अध्यक्ष रहने के बाद उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। पहली बार BJP ने राष्ट्रीय अध्यक्ष (कार्यकारी) बिहार से बनाया है। 45 साल के नितिन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर पार्टी ने संदेश दे दिया है कि वह नई लीडरशिप तैयार कर रही है। उन्हें गृह मंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है।

गृह मंत्री शाह के करीबी माने जाते हैं नितिन नबीन

कायस्थ समुदाय से आने वाले नितिन BJP नेता रहे नबीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं। कुछ महीने पहले हुए बिहार विधानसभा चुनाव में नितिन लगातार पांचवीं बार विधायक बने। उन्हें मंत्री बनाया गया। वह पटना के बांकीपुर सीट से विधायक हैं। उनके पिता नबीन किशोर सिन्हा 7 बार पटना से विधायक रहे। नितिन BJP के छत्तीसगढ़ प्रभारी हैं। 2023 में पार्टी को वहां जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। ▸▸ पेज 6

पीएम ने दी बधाई!

"नितिन नबीन युवा और परिश्रमी नेता हैं। उनकी ऊर्जा आने वाले समय में हमारी पार्टी को और अधिक सशक्त बनाएगी।" - नरेन्द्र मोदी, पीएम

- पहली बार बिहार से BJP का अध्यक्ष (कार्यकारी) बनाया गया
- BJP नेता रहे नबीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं नितिन
- पहला चुनाव 2006 में लड़ा और जीता। यह उपचुनाव था।
- नितिन BJP के छत्तीसगढ़ प्रभारी हैं।

नितिन नबीन

UP बीजेपी को भी मिला नया अध्यक्ष

यूपी BJP को नया अध्यक्ष मिल गया है। पंकज चौधरी नए बीजेपी अध्यक्ष चुने गए। यूपी में काफी वक्त से अध्यक्ष के नाम को लेकर पेच फंसा दिख रहा था और तरह-तरह की कयासबाजी चल रही थी। अब उस पर विराम लग गया है। पंकज चौधरी कुर्मी समुदाय से आते हैं। यूपी में OBC वोट बैंक अहम है। यहां पिछड़ी जातियों में यादव समुदाय के बाद सबसे बड़ी संख्या कुर्मी समुदाय की है।

सिडनी में यहूदियों पर आतंकी हमला

समुद्र तट पर जश्न के बीच फायरिंग, 11 मौतें

AFP

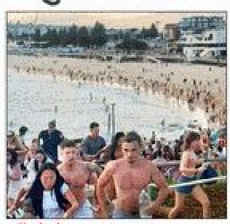

बॉन्डी बीच पर दोपहर में अचानक फायरिंग शुरू हुई तो भगदड़ मच गई। पुलिस ने एक आरोपी को ढेर किया।

■ एपी, सिडनी : ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर रविवार दोपहर हनुक्का त्योहार मना रहे यहूदियों पर आतंकी हमला हुआ। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 29 लोग घायल हैं। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए दोनों हमलावरों को गोली मारी, जिसमें एक हमलावर ढेर हो गया, दूसरे की हालत गंभीर है। चश्मदीदों के मुताबिक, काले कपड़े में दो लोग आए और फायरिंग शुरू कर दी। 12 से 50 राउंड फायरिंग की आवाज सुनी गई। ऑस्ट्रेलियाई चैनलों पर दिखा कि दुकानदार अल अहमद ने फायरिंग कर रहे एक हमलावर की बंदूक छीन ली। ▸▸ पेज 14

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान हमले में बचे

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन इस हमले में बाल-बाल बच गए। उन्होंने रेस्त्रां में छुपकर अपनी जान बचाई। वॉन ने पूरे मामले को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वॉन ने X पर लिखा, 'बॉन्डी में एक रेस्टोरेंट के अंदर बंद रहना बहुत डरावना था। अब मैं सुरक्षित घर पहुंच गया हूं। आतंकियों का सामना करने वाले इमरजेंसी स्टाफ का धन्यवाद। इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं।'

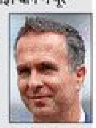

'वोट चोरी' के खिलाफ कांग्रेस की रैली, कहा- PM मोदी को हटाएंगे

Rajesh Mehta

दिल्ली में हुई रैली में प्रियंका गांधी, राहुल, मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी रहे।

"मोदी का आत्मविश्वास खत्म हो गया है। उनकी वोट चोरी पकड़ी गई है।" -राहुल गांधी

"मत पत्र पर चुनाव लड़ लें तो ये (BJP) खुद जानते हैं कि जीत नहीं पाएंगे।" -प्रियंका गांधी

दिल्ली में मर्डर

डांस को लेकर विवाद, युवक की चाकू मारकर हत्या

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: शकरपुर के स्कूल ब्लॉक में शनिवार रात दीने पर डांस के दौरान हुए झगड़े एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने दो नाबालिग लड़कों को मर्डर के आरोप में पकड़ा है। डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि डांस को लेकर हुए झगड़े के बाद दोनों आरोपी नाबालिग लड़के विशाल (18) के घर पहुंचे और कहासुनी के बाद चाकू मार दी। पुलिस को पता चला कि विवाद की एक और वजह विशाल का एक आरोपी के रिश्तेदार के साथ संबंध भी था। ▸▸ पेज 3

शकरपुर के स्कूल ब्लॉक में वारदात, दो नाबालिग पकड़े गए

दिल्ली में भी कार्यक्रम अर्जेंटीना के फुटबॉलर मेसी, मोदी, CJI और आर्मी चीफ से भी मिलेंगे

कोलकाता के आयोजक हिरासत में, मुंबई में सचिन से मिले मेसी, आज दिल्ली में

Agency

मुंबई: मेसी और सुआरेज के साथ सचिन तेंडुलकर दिखे।

■ पीटीआई, कोलकाता/नई दिल्ली

अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेसी (Lionel Messi) के कोलकाता कार्यक्रम के ऑर्गनाइजर सताद्रु दत्ता को रविवार को जमानत नहीं मिली। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। सताद्रु पर इवेंट में मिसमैनेजमेंट के आरोप हैं। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम से शनिवार को मेसी के जल्दी निकलने के बाद फैंस भड़क गए थे और तोड़फोड़ हुई थी। मेसी आज सुबह 10:45 पर दिल्ली पहुंचेंगे। वहां से पीएम नरेन्द्र मोदी से मिलने जाएंगे। अर्जेंटीना के राजदूत, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से भी मुलाकात करेंगे। ▸▸ पेज 11

3:30pm पर फिरोजशाह कोटला स्टेडियम पहुंचेंगे मेसी

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH02 User: cci Time: 12-14-2025 23:18 Color:

नकली दवा की फैक्ट्री पकड़ी गई। गाजियाबाद के मीरपुर गांव में घर के अंदर चल रही नकली दवाइयां बनाने की फैक्ट्री पकड़ी -p5

जिम कॉर्बेट नैशनल पार्क में बाघों की गिनती शुरू कर दी गई है। इसके लिए रिजर्व एरिया में 550 से अधिक कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। -p6

461 रहा दिल्ली का AQI रविवार को। सीजन का सबसे प्रदूषित दिन।

8.2 डिग्री रहा रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान। आज सुबह रहेगा हल्का कोहरा।

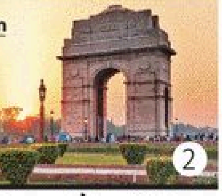

₹1.3 लाख के फ्रॉड में चार गिरफ्तार

लैप्स पॉलिसी के नाम पर स्कैम, रहें अलर्ट!

Vishal.Sharma3@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : 'सर, हमें आपकी लैप्स हो चुकी बीमा पॉलिसी में कुछ ऐसी राशि मिली है, जिस पर किसी ने दावा नहीं किया है। इस पर दावा करने के लिए हमें बस आपकी बैंक डिटेल चाहिए'। जी हां अगर इस तरह अनजान नंबर से कोई कॉल आए तो सावधान हो जाएं। लैप्स हो चुकी बीमा पॉलिसियों के लिए खुद को IRDAI या इंश्योरेंस अधिकारी बताकर इन दिनों कॉल की जा रही हैं। ये पेंडिंग रिफंड का झांसा देते हैं। फिर प्रोसेसिंग चार्ज, फाइल एक्टिवेशन, NOC, GST, या RBI बॉन्ड के नाम पर आपके साथ स्कैम कर सकते हैं।

ये स्कैमर शातिराना तरीके से इंश्योरेंस कंपनी के किसी कर्मचारी या उसकी वेबसाइट से डेटा निकाल लेते हैं। उसके बाद पॉलिसी धारक के पास डिटेल के साथ कॉल करते हैं। ताकि कॉल सुनने वाले को पूरी तरह यकीन हो जाए। ताजा मामले दिल्ली और मुंबई से जुड़े हैं। जहां दिल्ली में इस तरह से 1.3 लाख का फ्रॉड किया गया था। जिसमें पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया।

इन्होंने IRDAI और इंश्योरेंस अधिकारी बनकर एक कैंसर पेशेंट से कहा कि उसका मेडिकल इंश्योरेंस रिफंड 'प्रोसेसिंग चार्ज' देने पर ही मिलेगा। इसी तरह दूसरा केस मुंबई का है जहां 2.36 करोड़ का फ्रॉड किया गया। जिसमें एक रिटायर शख्स को कॉल करके साइबर ठगों ने IRDAI, NSDL और NPCI के अधिकारी बनकर बात की। सात लैप्स पॉलिसियों का रिफंड दिलाने का भरोसा दिया। बाद में 'RBI क्लीयरेंस', 'बॉन्ड फीस' और 'टैक्स एडजस्टमेंट' के नाम पर लगातार पैसे लेते रहे। इनका टोटल 2.36 करोड़ का नुकसान कर दिया।

स्कैमर असली डेटा लीक कराके उसका मिसयूज करते हैं। लीक हुए डेटा की पॉलिसी की जानकारी, फर्जी KYC के नाम पर कॉल करते हैं। स्पूफ्ड नंबर, फर्जी आईडी से खुद को IRDAI का अधिकारी बताते हैं। फिर पॉलिसी नंबर, प्रीमियम, लैप्स डेट जैसी असली जानकारी बताते हैं। ताकि कस्टमर को भरोसा हो जाए। फिर करते हैं पैसे की डिमांड। बैंक ट्रांसफर/UPI या नकली रिफंड पोर्टल के जरिए यह फीस ली जाती है। बार बार नए टैक्स का दावा किया जाता है। यह भी कहा जाता है कि फाइल RBI में अटकी है। उसके लिए TDS/GST/NOC देना होगा। एक बार स्कैम सक्सेस होने पर फोन बंद, वट्सऐप डिलीट कर देते हैं। फिर तुरंत पैसे निकाल लेते हैं।

2.36 करोड़ ठगे मुंबई में 7 लैप्स पॉलिसीज के लिए

■ IRDAI के नाम से करेंगे कॉल, लैप्स पॉलिसी सरकार को सौंपने का दिखाते हैं डर

■ पुलिस ने 4 लोगों को किया था अरेस्ट, हुआ खुलासा

सुरक्षा चेकलिस्ट

1. याद रखो IRDAI कभी रिफंड के लिए कॉल नहीं करता
2. किसी भी बीमा रिफंड के लिए कोई टैक्स नहीं लगता
3. हर कॉल को बीमा कंपनी के अधिकारिक नंबर पर वेरिफाई करें
4. अपनी पॉलिसी डॉक्युमेंट किसी अनजान शख्स को साझा न करें
5. फ्रॉड होने पर तुरंत 1930 पर कॉल, cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें

AI image

NBT 3 मिनट में पढ़ें

'दबाव बनाते हैं स्कैमर'

IFSO DCP विनीत कुमार का कहना है कि पॉलिसी का लैप्स हो जाना बहुत आम बात है। कई लोगों ने किसी समय बीमा खरीदा होता है और बाद में निजी कारणों की वजह से प्रीमियम देना बंद कर दिया होता है। ऐसी सिचुएशन को स्कैमर भुनाने के लिए साइकोलॉजिकल प्रेशर बनाते हैं। कहते हैं यदि 24 घंटे के भीतर इस पैसे पर दावा नहीं किया गया तो इसे सरकार को सौंप दिया जाएगा। इस जल्दबाजी के कारण आपके पास कॉल करने वाले के दावों की पुष्टि करने का समय नहीं बचता। स्कैम खुद को अक्सर आईआरडीए (बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण) का अधिकारी बताते हैं। वे फर्जी फोन नंबरों का यूज करते हैं। इनके पास अक्सर आपके बारे में कुछ सटीक जानकारी होती है। जैसे आपका नाम, कि आपने कभी किसी विशेष कंपनी के साथ पॉलिसी ली थी, या अन्य डिटेल जो उनकी बातों से शक की गुंजाइश नहीं बनती। अगर कॉल करने वाला आपसे किसी भी तरह के प्रोसेसिंग चार्जेज मांगता है तो सतर्क रहें।

महिलाओं की हड्डियों का नया दोस्त : प्रोबायोटिक बैक्टीरिया

AIIMS की स्टडी ने बताया, मेनोपॉज के बाद इम्यून सिस्टम बिगड़ता है, प्रोबायोटिक उसे ठीक करता है

Rahul.Anand@timesofindia.com

AI image

■ नई दिल्ली : मेनोपॉज के बाद महिलाओं में तेजी से बढ़ने वाले ऑस्टियोपोरोसिस के इलाज को लेकर नई उम्मीद जगी है। ताजा रिसर्च में पहली बार यह सामने आया है कि एक सामान्य-सा प्रोबायोटिक बैक्टीरिया Lactobacillus acidophilus आंतों की इम्यून कोशिकाओं को संतुलित कर हड्डियों के गलने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है। यानी एक प्रोबायोटिक बैक्टीरिया ने हड्डियों की बीमारी के इलाज में इम्यून सिस्टम के जरिए नया रास्ता खोल दिया है।

एम्स के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने यह स्टडी की है, जो जर्नल ऑफ सेल्युलर फिजियोलॉजी में छपी है। रिसर्च को ANRF ने भी सपोर्ट किया है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक दशक में हुई रिसर्च से यह साफ हुआ है कि ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियों का कमजोर होना) सिर्फ कैल्शियम की कमी की बीमारी नहीं, बल्कि इसमें इम्यून सिस्टम की बड़ी भूमिका है। इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने हड्डियों और इम्यून कोशिकाओं के बीच जटिल रिश्तों को समझते हुए यह दिखाया है कि प्रोबायोटिक जैसे सुरक्षित इम्यूनोमॉड्यूलेटरी उपाय इस बीमारी की रोकथाम और प्रबंधन में मददगार हो सकते हैं।

अब तक ऑस्टियोपोरोसिस को मुख्य रूप से कैल्शियम, विटामिन डी और हॉर्मोनल बदलावों से जोड़कर देखा जाता था। लेकिन इस अध्ययन ने खुलासा किया है कि मेनोपॉज के बाद एस्ट्रोजन की कमी से इम्यून सिस्टम बिगड़ता है, और यही गड़बड़ी हड्डियों के कमजोर होने की बड़ी वजह बनती है।

क्या नया सामने आया?: डॉक्टर रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पोस्टमेनोपॉजल जैसी स्थिति में शरीर की रेगुलेटरी टी-सेल्स (Tregs) का संतुलन बिगड़ जाता है। खासकर आंतों में बनने वाली pTregs दो हिस्सों में बंट जाती हैं, जिससे Th17 नाम की सूजन बढ़ाने वाली कोशिकाएं बढ़ जाती हैं। ये कोशिकाएं सीधे तौर पर हड्डियों को घुलाने वाली प्रक्रिया को तेज करती हैं। सबसे बड़ी खबर यह है कि प्रोबायोटिक Lactobacillus acidophilus देने से यह बिगड़ा हुआ इम्यून संतुलन फिर से ठीक हो गया। यह प्रोबायोटिक आंतों में ब्यूटिरेट बनाता है, जो ऐसी इम्यून कोशिकाओं को सक्रिय करता है जो हड्डियों को नुकसान से बचाती हैं।

जगी उम्मीद

- आंतों की इम्यून कोशिकाएं और प्रोबायोटिक ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम में अहम
- कैल्शियम से आगे की बात, हड्डियों को बचाने में प्रोबायोटिक की एंट्री

हड्डियों के टूटने पर ब्रेक

स्टडी में यह भी देखा गया कि ब्यूटिरेट के प्रभाव में आई इम्यून कोशिकाएं ऑस्टियोक्लास्ट्स (हड्डी तोड़ने वाली कोशिकाएं) को सक्रिय करने में कम सक्षम रहीं। यानी प्रोबायोटिक परोक्ष रूप से हड्डियों के टूटने की रफ्तार कम कर सकता है।

क्यों है यह अहम

- इसमें पहली बार दिखाया गया कि ऑस्टियोपोरोसिस में गट-इम्यून सिस्टम निर्णायक भूमिका निभाता है।
- इलाज की दिशा दवाओं से आगे बढ़कर प्रोबायोटिक जैसे सुरक्षित विकल्पों की ओर जाती दिख रही है।
- भविष्य में मेनोपॉज के बाद महिलाओं के लिए डाइट-आधारित या प्रोबायोटिक थेरेपी संभव हो सकती है।

चिड़ियाघर से निकला चौथा सियार भी खुद ही लौटा

■ NBT रिपोर्ट, चिड़ियाघर

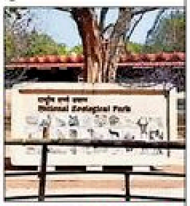

चिड़ियाघर में अपनी मांद से निकला चौथा सियार भी 20 दिन बाद खुद वापस लौट आया है। जू के डायरेक्टर डॉ. संजीत कुमार ने बताया था कि 3 या 4 सियार निकले थे। इस महीने की 12 तारीख को चौथे सियार के वापस आने के बाद जू प्रशासन को पता चल पाया कि कुल 4 सियार निकले थे।

नाले के रास्ते से भागे थे: जू प्रशासन ने पहली बार सियारों के जाने के रास्ते की जानकारी दी है। बताया है कि सियार बरसाती नाले के रास्ते निकले थे। सियारों ने नाले को खोदकर चौड़ा कर दिया था। इससे उन्हें मांद से नाले के रास्ते बाहर जाने में कोई परेशानी नहीं हुई थी। यह नाला जंगल की तरफ खुलता है। नाले की निकासी के रास्ते को किसी जाल से कवर नहीं किया गया था। इसका फायदा सियारों को हुआ था। अब इस निकासी पर जाल लगा दिया गया है। प्रशासन ने बताया कि सभी सियार उसी रास्ते से वापस अपनी मांद में लौट आए हैं, जिससे वे भागे थे। 22 नवंबर को सियारों के जाने की जानकारी मिलने के करीब 2 दिन के अंदर पहला सियार खुद अपनी मांद में वापस आ गया था। इस चौथे सियार को लेकर प्रशासन को काफी इंतजार करना पड़ा है। कुछ दिन पहले तक माना जा रहा था कि लगभग सभी सियार वापस आ गए हैं।

जू प्रशासन को अब पता चला कि 4 सियार निकले थे

- 20 दिन बाद चौथा सियार 12 दिसंबर को मांद में लौटा
- चौथे सियार के वापस आने के बाद जू प्रशासन को पता चल पाया कि कुल 4 सियार भागे थे

ग्रुप में रहते हैं सियार

चिड़ियाघर के एक अधिकारी ने बताया कि कुत्ता प्रजाति का सियार अपने समुदाय में रहना पसंद करते हैं। ये अकेले नहीं, बल्कि कम से कम अपने जोड़े के साथ जरूर रहते हैं। चौथा सियार भी अपने साथियों के साथ रहने की प्रवृत्ति के कारण ही वापस लौटा है।

यमुना बाढ़ सर्वे दो साल लेट, विभाग के पास नहीं है डेटा

Sudama.Yadav@timesofindia.com

सुरक्षा तय करने की योजना कागजों में अटकी

- बाढ़ से बचाव के लिए यमुना की आउटर बाउंड्री तय करने के लिए होना है सर्वे, 2024 में नियुक्त हुई थी एजेंसी
- सेंट्रल वॉटर एंड पावर रिसर्च स्टेशन को दिया सर्वे का काम
- 40 लाख दिल्ली सरकार ने किए थे तब खर्च, एजेंसी को 2024 में ही देनी थी रिपोर्ट
- डेटा की उपलब्धता न होने के कारण रिपोर्ट की डेडलाइन अगस्त 2026 तक बढ़ी

■ नई दिल्ली : साल 2023 की भीषण बाढ़ के बाद दिल्ली में यमुना से भविष्य में आने वाली बाढ़ के खतरे को वैज्ञानिक तरीके से आंकने और तटवर्ती इलाकों की सुरक्षा तय करने की योजना अब तक कागजों में ही अटकी हुई है। सिंचाई व बाढ़ विभाग ने यमुना की आउटर बाउंड्री, फ्लड प्लेन और बाढ़ की आवृत्ति तय करने के लिए जिस एजेंसी को 40 लाख रुपये से अधिक का भुगतान किया, उसे जरूरी तकनीकी डेटा ही उपलब्ध नहीं कराया जा सका है। नतीजतन, यह अहम सर्वे रिपोर्ट अब दो साल से ज्यादा की देरी से पूरी होगी।

सिंचाई व बाढ़ विभाग ने पुणे स्थित सेंट्रल वॉटर एंड पावर रिसर्च स्टेशन (CWPRS) को यमुना में बाढ़ के भविष्य के जोखिम का अध्ययन सौंपा है। इस स्टडी के तहत एजेंसी को यमुना के तटवर्ती क्षेत्रों का एक मीटर के अंतर पर आउटलाइन मैप (कंटूर लाइन) तैयार करना है, फ्लड प्लेन एरिया चिह्नित करना है और यह आकलन करना है कि आने वाले वर्षों में बाढ़ का खतरा कितना गंभीर हो सकता है और कितने साल में बाढ़ प्रबल हो सकती है। इसी रिपोर्ट के आधार पर सरकार तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए भविष्य की योजना बनाएगी।

एजेंसी को इस काम के लिए वर्ष 2024 में नियुक्त किया गया था और मई 2024 तक रिपोर्ट सौंपने की समयसीमा तय की गई थी। हालांकि, सर्वे के दौरान जब एजेंसी ने यमुना के तटबंधों और आसपास के इलाकों से जुड़ा विस्तृत डेटा मांगा, तो विभाग के पास पर्याप्त और मान्य डेटा मौजूद नहीं था। पहले दिल्ली सरकार की एजेंसी जीएसडीएल का मैप उपलब्ध कराया गया, लेकिन एजेंसी ने यह कहकर खारिज कर दिया कि इसमें ग्राउंड टुथिंग का अभाव है। इसके बाद सिंचाई व बाढ़ विभाग के इंजीनियरों ने सर्वे ऑफ इंडिया का डेटा दिया, लेकिन उसे भी यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया गया कि इसमें 28.3 किलोमीटर के महत्वपूर्ण हिस्से (बुराड़ी गार्डन से ओखला बर्ड सैंक्चुरी तक) का डेटा ही शामिल नहीं है। डेटा की इन्हीं कमियों के चलते सर्वे आगे नहीं बढ़ सका।

दिल्ली में पल्यूशन वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के चलते : बीजेपी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : दिल्ली में पिछले दो-तीन दिनों से बढ़ते पल्यूशन को लेकर विपक्ष बीजेपी सरकार पर हमलावर है। सरकार के पक्ष में बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि दिल्ली में पल्यूशन की असली वजह वेस्टर्न डिस्टरबेंस है। आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज और विपक्ष के दूसरे नेता बेवजह ही सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि साल 2009 से 2020 तक दिल्ली में पल्यूशन से लोगों का हाल बेहाल था। तब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने पल्यूशन से राहत के लिए क्या कदम उठाया?

कपूर ने कहा कि दिल्ली ही नहीं, पूरे उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते हवा चलनी बिल्कुल ही बंद हो गई है। जिसके चलते यहां पल्यूशन सामान्य से अधिक हो गया है। आम आदमी पार्टी पिछले 10 सालों तक सत्ता में रही। इससे पहले कांग्रेस सत्ता में रही। इसके बाद भी दोनों पार्टियों ने पल्यूशन की रोकथाम के लिए कोई कारगर कदम नहीं उठाया।

घर के बाहर खड़ी वकील की कार में लगाई आग

गाड़ी के अंदर सीट और दूसरे हिस्से बुरी तरह जल गए

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सफदरजंग एनक्लेव में घर के बाहर खड़ी वकील की कार में दो युवकों ने आग लगा दी। दोनों की हरकत घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित परिवार ने पड़ोसियों की मदद से किसी तरह आग बुझाई। सूचना मिलते ही लोकल पुलिस के अलावा क्राइम व एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार रोहित (34) परिवार के साथ हुमायूंपुर गांव में रहते हैं। पेशे से वकील रोहित ने 9 दिसंबर की रात करीब सवा आठ बजे कार घर के बाहर खड़ी की और अंदर चले गए। रात करीब 1:15 बजे अचानक कार में आग लग गई। शोर शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे। सूचना पुलिस को दी गई। लोगों की मदद से रोहित ने आग बुझाई, लेकिन, गाड़ी के अंदर सीट व अन्य हिस्सा बुरी तरह जल चुका था। रोहित ने जब घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को चेक किया तो उसमें दो युवक कार में आग लगाते दिखे।

'रुको, सोचो और फिर कदम उठाओ' का मंत्र बचाएगा साइबर ठगी से

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

■ दिल्ली पुलिस ने साइबर क्राइम से लोगों को बचाने के लिए रविवार को चलाया विशेष जागरूकता अभियान, लोगों को दी सीख

दिल्ली पुलिस ने बढ़ते साइबर क्राइम और खासकर 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर हो रही ठगी को रोकने के लिए रविवार को एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इसके तहत दिल्ली के सभी पुलिस थानों, सीनियर सिटीजन सेल और SPUWAC यूनिट और IFSO ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए साइबर क्राइम अवेयरनेस सत्र आयोजित किया।

इस दौरान आईएफएसओ के एसीपी मनोज कुमार और एसीआरओ के एसीपी रंजय अत्रिश्य ने संयुक्त रूप से साइबर सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा की। यह सत्र दिल्ली पुलिस के अधिकारिक यूट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारित किया गया। वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए सभी थानों और पुलिस में लगभग 250 स्क्रीन पर इसे लाइव प्रसारित किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को बताया गया कि साइबर अपराधी किस तरह डिजिटल और वास्तविक दुनिया के अंतर का फायदा उठाकर लोगों को डराते-धमकाते हैं।

संदिग्ध कॉल आए तो क्या करें

वरिष्ठ नागरिकों को सलाह दी गई कि संदिग्ध कॉल या मैसेज पर घबराए नहीं, न तो कोई निजी या बैंक संबंधी जानकारी साझा करें और न ही अकेले फैसला लें। परिवार से सलाह लें, संदिग्ध मैसेज या कॉल के स्क्रीनशॉट सुरक्षित रखें और तुरंत संबंधित एजेंसियों को सूचना दें। पुलिस ने 'रुको, सोचो और फिर कदम उठाओ' के मंत्र को अपनाने पर जोर दिया।

पोस्टर और विडियो के जरिए जागरूकता

डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी जानकारी वाले विशेष पंफलेट भी वितरित किए गए। थानों में साइबर सुरक्षा से जुड़े पोस्टर और स्टैंडी लगाए गए और जागरूकता विडियो दिखाए गए। एसीपी रंजय अत्रिश्य ने कविता सुनाई। दिल्ली पुलिस ने बताया कि यह अभियान पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा के नेतृत्व में साइबर अपराध के खिलाफ चल रहे निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

CUET-PG के लिए शुरू हुआ रजिस्ट्रेशन

Bhupender.Sharma@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : केंद्रीय विश्वविद्यालयों समेत दूसरे उच्च शिक्षा संस्थानों के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सेज में एडमिशन के लिए होने वाले कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (CUET-PG) की आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। 2026 में CUET-PG 157 विषयों के लिए होगा। कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) में यह एग्जाम होगा। नैशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने कैंडिडेट्स को अपने मौजूदा और परमानेंट एड्रेस के आधार पर अधिकतम 2 उन शहरों का चुनाव कर सकते हैं, जहां पर वे टेस्ट देना चाहते हैं। एनटीए का कहना है कि कैंडिडेट ने जिन दो शहरों का चुनाव किया होगा, उनमें से एक सिटी में सेंटर अलॉट करने की हर संभव कोशिश की जाएगी। एजेंसी का कहना है कि चुने गए दो विकल्पों में से अगर सेंटर नहीं अलॉट होता है तो उस स्थिति में भी कैंडिडेट को ज्यादा दूर न जाना पड़े, इसका ध्यान रखा जाएगा।

एनटीए के एंट्रेंस एग्जाम में यह शिकायतें आती हैं कि कैंडिडेट को उनके घर से बहुत दूर सेंटर अलॉट किए जाते हैं। इस बार एजेंसी ने कैंडिडेट को उसके वर्तमान व परमानेंट पते के आधार पर ही सेंटर अलॉट करने का फैसला किया है। कैंडिडेट सीयूईटी पीजी के लिए 14 दिसंबर से 14 जनवरी 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। मार्च 2026 में एंट्रेंस टेस्ट होगा। https://exams.nta.ac.in/CUET-PG/ और www.nta.ac.in वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। एनटीए ने कहा है कि कैंडिडेट केवल एक फॉर्म भर सकता है और एक से ज्यादा ऐप्लिकेशन फॉर्म भरने वालों के खिलाफ एक्शन हो सकता है। ऐप्लिकेशन फॉर्म में छात्रों को अपना ईमेल एड्रेस और मोबाइल नंबर ध्यान से भरना होगा।

मौजूदा और परमानेंट एड्रेस के आधार पर एग्जाम सेंटर अलॉट होगा

डेरा गांव में ₹1.5 करोड़ की लागत से बने दो बरात घर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: साउथ दिल्ली स्थित डेरा गांव में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने रविवार को डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से बने दो बरात घरों का उद्घाटन किया। इसके अलावा बरात घर में कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा का भी अनावरण किया। उन्होंने महरौली और आया नगर में 5-5 करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्यों का भी उद्घाटन किया। इस दौरान स्थानीय विधायक गजेंद्र यादव, करतार सिंह तंवर और बीजेपी के कई नेता मौजूद रहे। इस दौरान सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली के गांवों के विकास पर दिल्ली सरकार विशेष ध्यान दे रही है। गांवों में बेहतर विकास के लिए दिल्ली सरकार ने 2000 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है।

सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने किया उद्घाटन

अचानक मौत का कारण बीमार दिल : AIIMS

पैथोलॉजी और फरेंसिक मेडिसिन विभाग में की गई स्टडी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

अचानक हो रही मौत को लेकर दिल्ली एम्स की एक चौंकाने वाली स्टडी सामने आई है, जिसमें यह पता चला है कि अचानक होने वाली मौत के पीछे का कारण दिल की बीमारी है। यही नहीं, हैरान करने वाली बात यह है कि अचानक जिनकी मौत हो रही है उनकी उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच है। यह स्टडी इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में पब्लिश हुई है। वहीं, डॉक्टरों ने दावा किया है कि कोविड-19 टीकाकरण और अचानक मौतों के बीच किसी भी तरह के वैज्ञानिक संबंध के प्रमाण नहीं मिले हैं। हालांकि, इससे जुड़ी एक और रिसर्च पेपर जल्द ही आने वाले हैं।

इनमें से 57.2% की उम्र 18 से 45 साल के बीच थी

जानकारी के मुताबिक, यह क्रॉस-सेक्शनल स्टडी मई 2023 से अप्रैल 2024 तक एम्स नई दिल्ली के पैथोलॉजी और फरेंसिक मेडिसिन विभाग में की गई। इसमें 2,214 पोस्टमॉर्टम की जांच की गई। इनमें से 180 मामले (8.1%) अचानक मौत के मानदंडों पर खरे उतरे। इन 180 मामलों में से 103 (57.2%) युवा थे, जिनकी उम्र 18 से 45 साल के बीच थी। इन युवाओं की औसत उम्र 33.6 साल थी और इनमें पुरुषों की संख्या काफी ज्यादा थी। एक्सपर्ट के अनुसार, युवाओं में होने वाली अचानक मौतों में 42.6% मामले दिल की बीमारियों से जुड़े थे। इनमें से ज्यादातर लोगों की कोरोनरी धमनी में गंभीर ब्लॉकेज थे, जो पहले कभी पता नहीं चले थे। इसका मतलब है कि दिल की जानलेवा बीमारी चुपचाप बढ़ रही थी।

खराब लाइफस्टाइल है साइलेंट किलर

युवाओं की खराब जीवनशैली उनके लिए किसी साइलेंट किलर से कम नहीं है। रिसर्च में यह भी सामने आया कि जीवनशैली से जुड़े खतरे आम थे। कम उम्र में मरने वालों में आधे से ज्यादा लोग धूम्रपान करते थे या शराब पीते थे। यह दर बड़े लोगों के बराबर ही थी। एम्स के डॉ. सुधीर आरवा कहते हैं कि स्टडी में अचानक मौतों और कोविड संक्रमण या टीकाकरण के बीच कोई खास संबंध नहीं पाया गया है। इसके अलावा रिसर्च में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, सेंट्रल नर्वस सिस्टम और जेनिटोयूरिनरी कारण भी पाए गए।

19 दिसंबर से कर्मयोगी आवास योजना में रजिस्ट्रेशन होगा शुरू

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

डीडीए ने सरकारी कर्मचारियों के लिए पहली बार कर्मयोगी आवास योजना-2025 लॉन्च कर दी है। स्कीम का ब्रोशर 19 दिसंबर को लॉन्च होगा। इसी दिन से स्कीम के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। स्कीम में वन बीएचके, टू बीएचके और थ्री बीएचके के 1169 नए फ्लैट्स उतारे गए हैं। सरकारी कर्मचारियों को 25 पर्सेंट तक डिस्काउंट पर फ्लैट्स मिलेंगे। यह स्कीम सिर्फ केंद्र सरकार, राज्य सरकार, पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग, पब्लिक सेक्टर बैंक, लोकल बॉडीज, ऑटोनोमस बॉडी, यूनिवर्सिटी और इसी तरह के सरकारी इंस्टिट्यूट्स के कर्मचारियों के लिए है।

नरेला में हैं सभी फ्लैट्स: स्कीम में सभी फ्लैट्स नरेला में हैं। पॉकेट-9, ए से एच में ये फ्लैट्स बनाए गए हैं। इसमें वन बीएचके के 320 फ्लैट्स हैं। इनकी कीमत 45.37 से 45.71 लाख रुपये तक है। डिस्काउंट के बाद यह कीमत 34.03 से 34.28 लाख के करीब होगी। टू बीएचके के 576 फ्लैट्स हैं। इनकी कीमत 1.06 से 1.17 करोड़ रुपये तक है। डिस्काउंट के बाद यह कीमत 79.81 से 88.16 लाख रुपये के करीब होगी। इसी तरह 3 बीएचके के 272 फ्लैट्स हैं। इनकी कीमत 1.52 से 1.69 करोड़ के करीब है। डिस्काउंट के बाद ये फ्लैट्स 1.14 से 1.27 करोड़ के करीब उपलब्ध होंगे।

महत्वपूर्ण

- ब्रोशर लॉन्च और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू: 19 दिसंबर 2025
- बुकिंग शुरू होगी: 14 जनवरी 2026
- स्कीम बंद होगी: 31 मार्च 2026

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH03 User: cci Time: 12-14-2025 23:12 Color:

ऑस्ट्रेलिया में आतंकी हमले के बाद दिल्ली में भी हाई अलर्ट

NBT 2 मिनट में पढ़ें

Vishal.Sharma3
@timesofindia.com

इस हमले में करीब 10 इस्राइली नागरिकों की मौत हुई है, कई घायल

- इस्राइली दूतावास और चाबाद हाउस की सुरक्षा की समीक्षा की गई
- दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और सेंट्रल सिक्योरिटी एजेंसियां पूरी तरह सतर्क

■ **नई दिल्ली:** ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में यहूदियों के फेस्टिवल हनुक्का के दौरान इस्राइली नागरिकों पर आतंकी हमले के बाद भारत में सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। हनुक्का यहूदी धर्म का पर्व है। इस हमले में करीब 10 इस्राइली नागरिकों की मौत हुई है। कई घायल हैं। जिसके मद्देनजर खुफिया एजेंसियों ने दिल्ली, मुंबई समेत इजराइली मूवमेंट वाली जगहों के लिए पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट किया है। चेतावनियों को देखते हुए रविवार शाम को दिल्ली पुलिस ने इस्राइली दूतावास और पहाड़गंज स्थित चाबाद हाउस की सुरक्षा की समीक्षा की है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में स्थित दो इस्राइली इमारतों के आसपास एक व्यापक सुरक्षा घेरा बनाया गया है। पुलिस अफसर ने बताया कि दोनों इमारतों के आसपास कई सीसीटीवी कैमरे पहले से ही लगे हैं। जरूरत पड़ने पर और अधिक कर्मियों को तैनात किया जा सकता है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और सेंट्रल सिक्योरिटी एजेंसियां किसी भी गड़बड़ी को लेकर सतर्क हैं।

पिछले चार साल में दिल्ली में इस्राइली दूतावास के पास दो कम तीव्रता वाले विस्फोट हुए हैं। हालांकि दोनों हमलों में कोई घायल नहीं हुआ। दो साल पहले इस्राइल और हमास के बीच युद्ध छिड़ने के बाद इस्राइल दूतावास के आसपास पहले से ही चाक चौबंद सुरक्षा है। विदेशी टूरिस्ट प्लेस खासकर इजराइली नागरिकों के मूवमेंट वाली जगहों पर अतिरिक्त चौकसी रखने को कहा है। इसकी वजह है कि दूसरे देशों में इस्राइली नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले 29 जनवरी 2021 को भारत इस्राइल के बीच संबंधों की सालगिरह के दिन नई दिल्ली स्थित इजराइली दूतावास के बाहर विस्फोट हुआ था। इससे पहले 13 फरवरी 2012 को आतंकियों ने नई दिल्ली में ही इजराइली कार को टारगेट किया था। उस कार के पिछले हिस्से में मैग्नेटिक डिवाइस (स्टिकी बम) फिट करके विस्फोट किया गया था। दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस्राइली दूतावास की सुरक्षा पहले से ही कड़ी रहती है। इस्राइल इंटेलिजेंस एजेंसियों के साथ सिक्योरिटी रिव्यू होता है। फिलहाल भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की तीन लेयर सिक्योरिटी राउंड द क्लॉक दी जाती है। जिसमें दिल्ली पुलिस, दूसरी लेयर में सीआईएसएफ, तीसरी लेयर में कमांडो होते हैं। इसके बाद दूतावास परिसर और अंदर की सुरक्षा इस्राइल की अपनी टॉप टेक्नॉलजी वाली होती है। आसपास का पूरा इलाका दे नाइट विजन सीसीटीवी कैमरों से लैस है।

मंदिर में घुसकर दिनदहाड़े पुजारी की पत्नी की हत्या, एक महिला घायल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मानसरोवर पार्क इलाके में रविवार सुबह दिन दहाड़े मंदिर में घुसकर एक बदमाश ने गंडासे से मंदिर के पुजारी की पत्नी पर हमला कर दिया। पुजारी की पत्नी को एक महिला ने बचाने की कोशिश की तो उन्हें भी आरोपी ने घायल कर दिया। उसके बाद मंदिर के बाहर खड़े अपने एक साथी के साथ मौके से फरार हो गया।

अचानक हमले से मंदिर में अफरातफरी मच गई। फौरन पुजारी की पत्नी कुसुम शर्मा (48) और श्रद्धालु महिला बीना (56) को नजदीकी जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने कुसुम शर्मा को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि बीना का इलाज जारी है। कुसुम शर्मा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया गया है।

शाहदरा जिला के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि कुसुम शर्मा परिवार के साथ मानसरोवर पार्क इलाके में रहती थी। परिवार में पति महेश चंद शर्मा के अलावा बेटा सचिन, दो बेटी चीनू और गौरी हैं। महेश पिछले करीब 36 साल से राम नगर और मानसरोवर पार्क के पास मौजूद ज्वाला जी मंदिर में पुजारी हैं। रविवार सुबह करीब 5 बजे महेश ने मंदिर खोला था।

किसी काम की वजह से वह सुबह करीब 11.15 बजे मंदिर से चले गए थे। उनका घर मंदिर से कुछ दूरी पर ही है। अभी वह मंदिर पहुंची ही थी कि एक युवक मंदिर में आया और पुजारी महेश चंद के बारे में पूछने लगा।

मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं ने उसे बताया कि अभी किसी काम से पुजारी बाहर गए हैं। मंदिर में उनकी पत्नी कुसुम शर्मा हैं। यह सुनते ही आरोपी अंदर आया और कुसुम से कुछ पूछने लगा। उसके बाद उन पर गंडासे से हमला कर दिया। आरोपी ने कुसुम के सिर, हाथों और अन्य हिस्सों में कई वार किए।

एक अन्य महिला बीना ने उनको बचाने का प्रयास किया तो आरोपी ने उनपर भी हमला कर दिया। उसके बाद वह मौके से फरार हो गया। बाद में उसे अरेस्ट कर लिया गया। जांच के दौरान पता चला है कि आरोपी के साथ एक दूसरा युवक मौजूद था, जो वारदात के समय मंदिर के बाहर मौजूद था।

मानसरोवर पार्क इलाके में रविवार सुबह हुई वारदात

- क्राइम और फरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच की जांच
- सीसीटीवी फुटेज की मदद से की गई आरोपी की पहचान

लोकल लोगों में वारदात के बाद अफरातफरी मची, मंदिर के बाहर जुटी भारी भीड़

CCTV में कैद था, चंद घंटों में पकड़ा गया आरोपी

■ कृष्णा कुणाल सिंह, नई दिल्ली

मानसरोवर पार्क इलाके में पुजारी की पत्नी कुसुम शर्मा की हत्या के बाद से इलाके में लोगों में भारी रोष है। जिस तरह सरेआम हत्या की गई, उसके बाद सुरक्षा को लेकर लोगों ने पुलिस पर सवाल उठाए। हालांकि हत्या के चंद घंटे बाद ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वारदात के बाद आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया था। मंदिर में आए श्रद्धालुओं ने भी आरोपी को देखा था। तब सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की गई। फिर स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर महेश कसाना, एसआई दीपक, एएसआई नासिर, हेड कॉन्स्टेबल नीतिन, सुनील, योगेश, अनुज, अमित, योगेन्द्र, कॉन्स्टेबल रुद्र और अमन की टीम बनाई गई। उसके बाद आरोपी आंचल कुमार सक्सेना को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल उससे पूछताछ कर हत्या के कारणों का पता किया जा रहा है।

हालांकि सूत्रों के मुताबिक पता चला है कि मंदिर की कुछ जमीन को लेकर एक पड़ोसी से विवाद चल रहा है। पड़ोसी का कहना है कि वह जमीन उसकी है। वहीं, महेश चंद शर्मा का कहना है कि जमीन मंदिर की है। इसे लेकर तनातनी चल रही है। कई बार आरोपियों ने महेश को जान से मारने की धमकी दी थी। बताया जा रहा है कि रविवार को आरोपी पुजारी की हत्या की नीयत से आए थे। वह जब नहीं मिले तो कुसुम की हत्या कर दी। पुलिस को दिए बयान में महेश चंद ने भी ऐसे ही आरोप लगाए हैं। हालांकि मंदिर के भीतर घुसकर हुई हत्या के बाद लोगों में खासी नाराजगी है।

सरेआम हत्या के बाद इलाके के लोगों में नाराजगी

डांस के दौरान झगड़े में चाकू घोंपकर हत्या, दो आरोपी पकड़े

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

शकरपुर के स्कूल ब्लॉक इलाके में शनिवार रात डीजे पर डांस के दौरान हुए झगड़े में 18 साल के युवक विशाल की उसके घर के बाहर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दोनों को पकड़ लिया है। जांच में दोनों आरोपी नाबालिग पाए गए हैं। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि मृतक विशाल अपने परिवार के साथ शकरपुर के स्कूल ब्लॉक में रहता था और पेशे से ऑटो ड्राइवर था। उसके परिवार में पिता, मां, चार बहनें और एक बड़ा भाई राहुल है।

डीसीपी के मुताबिक शनिवार रात करीब 11:30 बजे चाकूबाजी की पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां पता चला कि 18 साल के विशाल को चाकू मार गया है। चश्मदीदों ने बताया कि विशाल एक शादी समारोह से लौटने के बाद वह अपने घर के बाहर दोस्त के साथ खड़ा था, तभी दोनों नाबालिग आरोपी वहां पहुंचे और एक आरोपी ने चाकू निकालकर विशाल पर कई बार वार किए। चाकू के हमलों से विशाल घायल हो गया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वारदात के समय विशाल अपने घर के बाहर खड़ा था

हमले के दोनों आरोपी हैं नाबालिग

- पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया है, जांच में दोनों आरोपी नाबालिग पाए गए हैं
- आरोपियों को बहन के साथ दोस्ती से थी दिक्कत, दशहरे के दौरान की थी विशाल की पिटाई
- विशाल ने दी थी शिकायत, पुलिस ने नहीं की थी कार्रवाई

18 साल का युवक विशाल

शकरपुर में शनिवार रात हुई वारदात

पुलिस बोली, आरोपियों की बहन से थी दोस्ती, इसलिए कर दी हत्या

■ कृष्णा कुणाल सिंह, नई दिल्ली

पुलिस विशाल की हत्या के पीछे नाबालिग आरोपी की बहन से उसकी दोस्ती को वजह बता रही है। परिजनों का भी कहना है कि ये दोस्ती आरोपी नाबालिगों को मंजूर नहीं थी। परिवार का आरोप है कि दशहरे के दौरान भी दोनों आरोपियों ने विशाल की पिटाई की थी और जान से मारने की धमकी दी थी। उस समय विशाल ने थाने में शिकायत भी दी थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। शनिवार रात विशाल की बड़ी बहन पूजा की सहेली प्रियंका की शादी शकरपुर के शिव मंदिर में थी। नाबालिग की बहनें शादी में शामिल होने गई थीं।

विशाल देर रात करीब 10:30 बजे बहनों को घर लाने के लिए वह वहां पहुंचा। डीजे पर डांस के दौरान दोनों नाबालिग आरोपी वहां पहुंचे और विशाल से झगड़ा करने लगे। आरोप है कि उन्होंने चाकू दिखाकर धमकी भी दी। इससे विशाल घबरा गया। उसने यह बात बहनों को बताई और तीनों बहनें उसे लेकर घर लौट आईं। घर के बाहर विशाल अपने एक दोस्त से बात कर रहा था, तभी दोनों आरोपी वहां पहुंचे। आरोपियों ने विशाल पर चाकू से कई वार कर दिए।

इलाज के बजाय फॉर्म भरवाता रहा अस्पताल: विशाल की बहन ने आरोप लगाया कि उनसे नजदीकी अस्पताल में इलाज के बजाय फॉर्म भरवाए जाते रहे। इसके बाद लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया। वहां उसको मृत घोषित कर दिया गया जबकि उस समय उसकी सांस चल रही थी। समय पर इलाज मिलता तो विशाल की जान बच सकती थी।

आरोपियों ने पहले दी थी जान से मारने की धमकी

India's First 5 Year Warranty *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL 1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. *Limited period offer, T&C apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

Authorised Dealers: South Delhi: Pul Prahladpur Badarpur: Singla Hero - 9289922771, Lajpat Nagar: Sapphire Hero- 9289923175, Adchini (Main Mehrauli Road): Pashupati Hero - 9289922381, Okhla Phase II: ARC Hero- 9289922461, East Delhi: Durgapuri (Loni Road, Shahadra): Himgiri Hero- 9289922380, Pushta Kartar Nagar: Aman Hero- 9289922735, Dilshad Garden: RK Hero- 9289923010, Patparganj Pandav Nagar: Singla Autoneeds Hero- 9289923222, North Delhi: Azadpur: Shraman Hero- 9289923185, Pitampura: Shraman Hero – 9289924252, Rithala (Rohini): Metro Hero- 9289922597, Budh Vihar: JMD Autoworld Hero- 9289924188, Central Delhi: Karol Bagh (Faiz Road): EssAay Hero- 9289922382, Upper India Hero- 9289924343, West Delhi: Roshan Vihar (Najafgarh): Avni Hero- 9289922671, Paschim Vihar (Peeragarhi): Shivganga Hero- 9289922796, Palam Dabri Road (Dwarka): Singla Hero, 9289922530, Raja Puri: Singla Hero- 7836078383, Samalkha: Singla Hero - 7836078484, Janak Puri: Singla Hero - 9911884416, Tilak Nagar: Khanna Hero- 9289922383, Bali Nagar: Khanna Hero- 9289924309, Nawada: Khanna Hero- 9289924310; Ghaziabad: Meerut, Delhi Road: Globe Hero- 9289922073, Shiv Puri, Vijay Nagar: Aman Hero- 9289232123; Sahibabad: Sahib Hero- 9289922486; Noida: H-206A, Sector 63: Dhansri Hero- 9289923044, Sector 5, B 124: Uppal Hero - 9289922462, Sector-58 C-70: Singla Hero- 9289923059; BulandShahr: Delhi Road: Shri Durga Hero- 9289922504, RajeBabu Road: Krishna Hero- 9289922410, Hapur: Globe Hero- 9289923209, Gurugram: Sec-18, Noble Enclave: Globe Agencies- 9289233915, Himgiri Hero- 9289923046, Basai Road Sector 11: Sharma Hero- 9289923221, Autoneeds Hero- 9289922051, Jasodha Hero- 9289922495, Wazirabad: Himgiri Hero- 9289924247, Railway Road: Himgiri Hero- 9289924248; Sohna: No. 160/2 Delhi Road: Auto Links Hero- 9289924089; Faridabad: Sehgal Hero- 9289922419, NIT: Sehgal Hero- 7217627327.

VML.5865.2025

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH04 User: cci Time: 12-14-2025 23:00 Color:

राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री जानते है कि उनकी वोट चोरी पकड़ी गई है

सत्य से वोट चोरी करने वालों को सत्ता से बाहर करेंगे: राहुल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रामलीला मैदान में जनसभा में केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और आरएसएस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, देश में आज सत्य और असत्य के बीच लड़ाई चल रही है और कांग्रेस सत्य के रास्ते पर चलते हुए वोट चोरी करने वालों को सत्ता से बाहर करेगी।

राहुल ने आरोप लगाया कि चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह और विवेक जोशी बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इनके लिए कानून बदला है, ताकि चुनाव आयुक्तों पर कोई कार्रवाई न हो सके। कांग्रेस सत्ता में आने पर इस कानून को बदलेगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। नरेंद्र मोदी का चेहरा देखिए आपको पता चल जाएगा कि उनका कॉन्फिडेंस खत्म हो गया है। वे जानते हैं कि उनकी वोट चोरी पकड़ी गई है। संसद में जब वोट चोरी के मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगा गया तो गृह मंत्री अमित शाह के हाथ कांप रहे थे। कांग्रेस सत्य के साथ खड़ी है और सत्य के दम पर नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस की सरकार को सत्ता से हटाकर रहेगी।

रामलीला मैदान में रविवार को हुई कांग्रेस की जनसभा में पार्टी के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे

प्रधानमंत्री का आत्मविश्वास कमजोर हो रहा : प्रियंका

■ पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, अगर बीजेपी एक बार निष्पक्ष चुनाव बैलट पेपर से लड़ ले तो उसे खुद पता चल जाएगा कि वह जीत नहीं सकती। प्रियंका ने आरोप लगाया कि मौजूदा समय में प्रधानमंत्री का आत्मविश्वास कमजोर हो रहा है और चुनाव प्रक्रिया के हर कदम को संदिग्ध बना दिया गया है। संसद में जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी ने SIR और वोट चोरी का मुद्दा उठाया तो मोदी सरकार ने इस पर चर्चा से इनकार कर दिया। हम सदन में वंदे मातरम् पर चर्चा करते रहे, लेकिन मोदी सरकार ने बेरोजगारी, महंगाई और पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा करने की हिम्मत नहीं दिखाई। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा ही देश को बचा सकती है। आरएसएस की विचारधारा देश को बचाने के बजाय उसे कमजोर कर रही है।

■ **दिल्ली के प्रदूषण में आप सभी का स्वागत:** प्रियंका गांधी ने संबोधन शुरू किया, तो भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि दिल्ली के प्रदूषण में आप सभी का स्वागत है। उनके इस बयान से हजारों की संख्या में जुटे लोगों ने जमकर तालियां बजाईं। क्योंकि रामलीला मैदान के ऊपर भी धुंध की चादर बनी हुई थी।

■ **5 करोड़ हस्ताक्षर की कॉपियां रखीं:** वोट मंच के सामने दर्जनों बोरियां रखी थीं। मंच से बताया गया कि वोट चोरी का जो मुद्दा राहुल गांधी ने उठाया था, उसे जनता ने समर्थन देते हुए हस्ताक्षर किए हैं। लगभग 5 करोड़ लोगों के हस्ताक्षर की कॉपी है। बताया गया कि इन कॉपी को चुनाव आयोग में जमा करवाया जाएगा।

■ **जनसभा में चली मोहब्बत की दुकान:** कांग्रेस ने यहां मोहब्बत की दुकान चलाई। रैली में आए लोगों को यहां चाय, स्नैक्स के साथ छाता बांटे गए। रैली को लेकर जैकेट और टी शर्ट भी बांटे गए। इनके पीछे राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव की फोटो थी। 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा भी लिखा था।

■ **हर तरफ राहुल गांधी के कटआउट:** रामलीला मैदान में हर तरफ राहुल गांधी के दर्जनों कटआउट लगे थे। कुछ कटआउट ग्रुप में थे। मंच के बाईं तरफ एक बड़े कटआउट में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल थे।

प्रदेश कांग्रेस को संगठनात्मक मजबूती मिलने की उम्मीद

Rahul.Anand@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** रामलीला मैदान में कांग्रेस ने वोट चोरी के मुद्दे की अपनी लड़ाई को जनता के बीच मजबूती से पहुंचाने की पहल की। रैली में पहुंची हजारों की भीड़ को प्रदेश कांग्रेस अपने लिए एक पॉजिटिव संकेत के रूप में देख रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इससे कार्यकर्ताओं में जोश आएगा और संगठनात्मक मजबूती मिलेगी।

रैली में पहुंची भीड़ को सकारात्मक संकेत मान रही कांग्रेस

शीला सरकार में मंत्री रहे पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ नरेंद्र नाथ ने कहा कि निश्चित रूप से यह हमारे लिए बड़ी बात है, क्योंकि एक तो यह मुद्दा सीधे जनता से जुड़ा है, देश के हर राज्यों का मुद्दा है और इस मुद्दे पर आयोजित रैली को सफल बनाने की जिम्मेदारी मिली थी, जिसे हमने पूरा किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव की अगुवाई में लोकसभा ऑब्जर्वर, विधानसभा ऑब्जर्वर, डिस्ट्रिक्ट व ब्लॉक ऑब्जर्वर सहित सभी सेल ने काम किया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने बखूबी अपना योगदान दिया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि निश्चित रूप से यह हमारे लिए पॉजिटिव संकेत है। कुछ दिन पहले एमसीडी उपचुनाव में हमें एक सीट मिली, 12 सीट पर हुए चुनाव में कांग्रेस की एक भी सीट नहीं थी। वहीं, कांग्रेस का वोट 6.18 पर्सेंट से बढ़कर 13.44 पर्सेंट तक पहुंच गया है, जो जमीन पर राजनीतिक परिवर्तन का प्रमाण है। अब इस रैली की सफलता से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में संदेश जाएगा कि पार्टी के आलाकमान की नजर इस मुद्दे पर है और इसे सफल बनाकर पार्टी को मजबूत किया जा सकता है।

वहीं, एक अन्य वरिष्ठ नेता अनिल भारद्वाज ने कहा कि हम इसे दिल्ली में भी जनआंदोलन बनाएंगे, वोट हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है, इसकी चोरी, संविधान को नुकसान पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि इस रैली से नया ऊर्जा मिलेगी और कार्यकर्ताओं में जोश भरेगा। वहीं, रैली के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत में है, लेकिन देश में लगातार संविधान को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। ऐसे हालात में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश के लोकतंत्र की रक्षा के लिए और आपके वोटों की चोरी के खिलाफ तथ्यों के साथ प्रेसवार्ता की थी।

शराब को छोड़कर बाकी दुकानें 24x7 खुल सकेंगी

फैसले से दिल्ली में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा : सीएम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

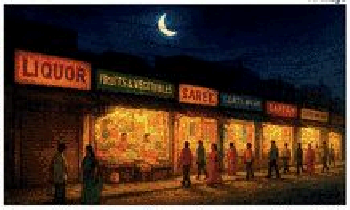

AI Image

शराब की दुकानों को छोड़कर अन्य सभी तरह की दुकानों को सीएम रेखा गुप्ता ने 24 घंटे खोलने की अनुमति दी है। उनका कहना है कि इस फैसले से दिल्ली में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। इसके अलावा महिलाओं की भागीदारी में भी बढ़ोतरी होगी। इस फैसले से छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। उनके लिए रजिस्ट्रेशन और रिन्यूअल प्रोसेस आसान किया गया है, जिससे कि उन्हें अनावश्यक कागजी कार्रवाई से राहत मिल सके।

इस पहल से रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे

सीएम ने कहा कि श्रमिकों और छोटे व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। रोजगार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए उन्हें नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी गई है। वो गर्मियों में रात 9 बजे से सुबह 7 बजे तक और सर्दियों के दौरान रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक काम कर सकेंगी। साथ ही वर्क प्लेस पर एंप्लॉयर्स को महिलाओं की सुरक्षा, ट्रांसपोर्ट और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है। इन सुधारों से न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि महिलाओं की भागीदारी और आत्मनिर्भरता को भी बल मिलेगा। सरकार ने श्रमिकों और कामकाजी वर्ग को राहत देने के लिए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लागू किए हैं। इसके तहत राजधानी में दुकानों और प्रतिष्ठानों को 24x7 खुला रखने की अनुमति दी गई है। शराब की दुकानों को छोड़कर अन्य सभी प्रतिष्ठान इसमें शामिल हैं।

सीएम ने कहा कि श्रम कानूनों को भी सरल करते हुए लेबर कोड के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है, जो ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ-साथ श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा पर केंद्रित है। इस व्यवस्था में दुकानों और संस्थानों पर लगे प्रतिबंध हटाए गए हैं।

PM के खिलाफ लगे नारों पर BJP ने जताई आपत्ति

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: रामलीला मैदान में रविवार को हुई कांग्रेस की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लगाए गए नारों पर बीजेपी ने आपत्ति जताई है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने ईवीएम को लेकर कही गई बातों पर भी कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि जिस ईवीएम वोटिंग पर कांग्रेस नेता रैली में शिकायत कर रहे थे, उसी से केरल में हुए लोकल बॉडी चुनाव वह कैसे जीत गए?

वीरेंद्र सचदेवा ने ईवीएम को लेकर कांग्रेस को घेरा

सचदेवा ने कहा है कि एसआईआर को लेकर कांग्रेस रैली में जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाए गए, वह निंदनीय है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस नेता इस कृत्य के लिए माफी मांगें। एसआईआर को लेकर कांग्रेस की आपत्ति जनता के लोकतांत्रिक जनादेश का अपमान है, चाहे वह हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली या बिहार का चुनाव ही क्यों न हो। कांग्रेस नेता लगातार केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर ईवीएम के दुरुपयोग का आरोप लगा रहे हैं और बैलट पेपर से चुनाव की मांग करते हैं।

केंद्र देगी दिल्ली सरकार को फंड

किसानों को दी जाएगी डिजिटल पहचान: CM

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने खेती और किसानों से जुड़े पूरे ढांचे को डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार की स्पेशल असिस्टेंस टू द स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट (SASCI) स्कीम के अंतर्गत दिल्ली में किसानों की डिजिटल पहचान और खेती की जमीन का जियो-मैप तैयार किया जाएगा। इसके बदले केंद्र सरकार दिल्ली को आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। यह सहायता किसी अनुदान की तरह एकमुश्त नहीं, बल्कि निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के आधार पर दी जाएगी।

खेती की जमीन का जियो-मैप तैयार किया जाएगा

मुख्यमंत्री का कहना है कि इस निर्णय से खेत का वास्तविक रिकॉर्ड तैयार होगा और फसल बीमा, मुआवजा, समर्थन मूल्य और अनुदान जैसी योजनाओं में कोई गड़बड़ी नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था किसानों को पहचान दिलाएगी और उन्हें अधिकार और सिस्टम में पारदर्शिता देगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की SASCI योजना का मकसद उन राज्यों को प्रोत्साहन देना है, जो कृषि को डिजिटल प्रणाली से जोड़ते हैं।

इसके तहत दिल्ली में राज्य किसान रजिस्ट्री और डिजिटल फसल सर्वेक्षण लागू किए जाएंगे। जैसे-जैसे दिल्ली सरकार इन दोनों कामों को पूरा करेगी, वैसे-वैसे केंद्र सरकार से आर्थिक सहायता मिलती जाएगी। मुख्यमंत्री के अनुसार इस योजना के तहत केंद्र सरकार ने देशभर के राज्यों के लिए कुल 5,000 हजार करोड़ की विशेष केंद्रीय सहायता घोषित की है। यह राशि उन राज्यों को मिलेगी जो किसानों और खेती की जमीन का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करेंगे। अब दिल्ली को भी इसी राशि में से हिस्सा मिलेगा। दिल्ली सरकार किसानों का डिजिटल रजिस्टर बनाने, पूरी कृषि भूमि का डिजिटल नक्शा तैयार करने और फसल का डिजिटल सर्वे शुरू करने जा रही है। दिल्ली में पहली बार मैनुअल गिरदावरी की जगह डिजिटल फसल सर्वे होगा।

रैली के कारण कई सड़कों पर लगा जाम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली के कारण आसपास की सड़कों के साथ-साथ सेंट्रल दिल्ली की कई बड़ी सड़कों पर ट्रैफिक स्लो और डायवर्जन की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों का कहना है कि छुट्टी का दिन होने की वजह से हालात काबू में रहे और कहीं भी गंभीर जाम के हालात नहीं बने। रैली की वजह से दिल्ली गेट, मिंटो रोड और अजमेरी गेट के इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। एहतियात के तौर पर इन रास्तों से जवाहर लाल नेहरू मार्ग की ओर आने वाली भारी गाड़ियों और बसों की एंट्री पहले ही रोक दी गई थी। कांग्रेस कार्यकर्ता अलग-अलग इलाकों से बसों में भरकर रामलीला मैदान पहुंचे। ट्रैफिक पुलिस ने पहले से पार्किंग की व्यवस्था तय कर रखी थी ताकि रैली में आने वालों को दिक्कत न हो। बसों से उतरने के बाद कार्यकर्ता पैदल ही रामलीला मैदान पहुंचे।

संडे होने की वजह से हालात काबू में रहे

संगीता बनी PCI की पहली महिला अध्यक्ष

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : प्रेस क्लब ऑफ इंडिया (PCI) के इतिहास में पहली बार किसी महिला को अध्यक्ष चुना गया है। 13 दिसंबर को हुए चुनाव में संगीता बरुआ पिशारोती ने शानदार जीत दर्ज कर यह कामयाबी हासिल की है। इस चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए संगीता बरुआ को 1019 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी अतुल मिश्रा को 129 और अरुण शर्मा को 89 वोट मिले।

संगीता बरुआ को कुल 1019 वोट मिले

वहीं, सचिव-जनरल पद पर अफजल इमाम ने जीत हासिल की। अफजल इमाम को 948 वोट मिले, उनके मुकाबले में ज्ञान प्रकाश को 290 वोट मिले। उपाध्यक्ष पद पर जतिन गांधी को जीत मिली। अदिति राजपूत ने कोषाध्यक्ष पद पर और पीआर सुनील ने संयुक्त सचिव पद पर निर्विरोध जीत हासिल की। इसके अलावा 16 सदस्यीय प्रबंध समिति (मैनेजिंग कमिटी) के लिए हुए चुनाव में नीरज कुमार ने सबसे अधिक वोट प्राप्त किए।

एलुमनी से संस्थान फलते-फूलते हैं: गुप्ता

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि जब हम वर्षों बाद अपने पुराने स्कूल लौटते हैं, तो किसी पद या पहचान के साथ नहीं, बल्कि एक स्टूडेंट के रूप में लौटते हैं, जिसे इन गलियारों, क्लासेज और पुरानी यादों ने गढ़ा है। गुप्ता रविवार को शक्ति नगर स्कूल नंबर एक, दिल्ली में आयोजित एलुमनी, खेल महोत्सव एवं मिलन समारोह 2025 में स्कूल के पुराने छात्र के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन ओल्ड बॉयज एसोसिएशन द्वारा किया गया।

शक्ति नगर स्कूल नंबर-1 में हुआ एलुमनी समारोह

गुप्ता ने ओल्ड बॉयज एसोसिएशन की सक्रिय भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि एलुमनी की निरंतर सहभागिता से ही शैक्षणिक संस्थान मजबूत होते हैं। उन्होंने खेल सुविधाओं सहित हाल के बुनियादी ढांचे के विकास के कामों का उल्लेख करते हुए पूर्व स्टूडेंट्स से आग्रह किया कि वे योगदान देते रहें, जिससे आने वाली पीढ़ियों को लाभ मिल सके।

स्वच्छता अभियान का आयोजन किया

■ NBT रिपोर्ट, रोहिणी : नरेला जोन के वॉर्ड 28, शाहबाद डेयरी इलाके में एक विशेष सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को रोहिणी सेक्टर 25 स्थित पॉकेट-1 में किया गया, जिसमें न सिर्फ एमसीडी बल्कि दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) के कर्मचारियों व अधिकारियों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करना और लोगों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना था। अभियान के दौरान सड़कों, नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया। स्वच्छता अभियान में एमसीडी नरेला जोन के उपायुक्त राजीव सिंह, दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी गुरप्रीत सिंह, राधेश्याम मीणा, नरेला जोन के योगेंद्र शर्मा, जय प्रकाश, नरेला के स्वच्छता अधीक्षक सुभाष चंद सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

कई विभागों के अफसरों ने लिया हिस्सा

जिनेंद्र भगवान का महामस्तकाभिषेक

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : श्री दिगंबर जैन नया मंदिर धर्मपुरा में रविवार को प्राचीन श्री अग्रवाल दिगंबर जैन पंचायत के संयोजन में मानस्तंभ के पंचकल्याणक की तीसरी वर्षगांठ पर आचार्य श्री अतिवीर जी महाराज के सान्निध्य में जिनेंद्र भगवान का महामस्तकाभिषेक और शांतिधारा का आयोजन किया गया। मंदिर का 212वां श्री अतिशय विधान भी आयोजित किया गया। दो सौ से भी अधिक वर्ष प्राचीन इस प्राचीन मंदिर में आज तक भी लाइट की व्यवस्था नहीं है। समारोह में जिनेंद्र जैन, सूरज जैन, विवेक जैन मौजूद रहे।

रथयात्रा: श्री दिगंबर जैन मंदिर बी-40 शकरपुर से भगवान चंद्रप्रभ व पार्श्वनाथजी के जन्म व तप कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में रथयात्रा वीर जैन नवयुवक मंडल के संयोजन में निकाली गई।

श्रद्धांजलि: श्री दिगंबर जैन मंदिर निर्माण विहार के अध्यक्ष पवन जैन के पिता प्रमुख समाजसेवी अभिनंदन कुमार जैन (84) को पीएसके सभागार में विशाल सभा में श्रद्धांजलि दी गई, उनका निधन शनिवार को हो गया था।

दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं की कॉरपोरेट लूट: सौरभ भारद्वाज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को निजी हाथों में देने की कोशिश और कॉरपोरेट लूट को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने दिल्ली में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की कॉरपोरेट लूट का दावा करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार की यह एक सोची समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने 11 बड़े सरकारी अस्पतालों का निर्माण शुरू किया था और अब बीजेपी सरकार इन्हें बड़ी कंपनियों को सौंप रही है।

यह BJP सरकार की सोची समझी साजिश: AAP

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 4,314 आईसीयू बेड सहित 10,073 बेड वाले ये अस्पताल दिल्ली के लोगों को मुफ्त इलाज देने के लिए जनता के पैसे से बनाए जा रहे थे। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि हजारों करोड़ रुपये की जमीन और बिल्डिंग, कॉरपोरेट को सौंपी जा रही है, जबकि शहर में पहले से ही प्राइवेट अस्पतालों की कोई कमी नहीं है और मजबूत, सुलभ सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं की सख्त जरूरत है।

रविवार को एक्स पर एक रिपोर्ट साझा करते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में कॉरपोरेट लूट का खुलासा? अरविंद केजरीवाल सरकार ने 11 बड़े सरकारी अस्पताल बनाने शुरू किए थे और अब बीजेपी सरकार उन्हें बड़े कॉर्पोरेट को सौंप रही है। एक और पोस्ट में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जैसा कि कुछ महीने पहले कहा गया था, बीजेपी सरकार अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा शुरू किए गए 11 सरकारी अस्पतालों को प्राइवेट कंपनियों को सौंप रही है।

विपश्यना भाग्य वालो को नसीब होती है: AK

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सीएम रेखा गुप्ता द्वारा हर साल विपश्यना करने जाने को भाग जाना बताए जाने की निंदा करते हुए पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की सिखाई गई गई दिव्य साधना विधि का मजाक उड़ाना आपको शोभा नहीं देता है। आप भी विपश्यना कीजिए, बहुत शांति मिलेगी।

अरविंद केजरीवाल ने सीएम रेखा गुप्ता के उस वक्तव्य का वीडियो एक्स पर साझा कर कहा कि आपका मुझसे राजनैतिक वैर है। इसके चलते आपका इस तरह से भगवान बुद्ध द्वारा सिखायी गई दिव्य विपश्यना साधना विधि का मजाक उड़ाना शोभा नहीं देता। आप भी एक बार जरूर विपश्यना कीजिए। आपको बहुत अच्छा लगेगा, असीम शांति अनुभव होगी। विपश्यना करने जाने को "भाग जाना" नहीं कहते। बड़े भाग्य वालों को विपश्यना नसीब होती है। सबका मंगल हो।

65 करोड़ से होगी EWS फ्लैट्स की रिपेयरिंग

झुग्गीवालों के लिए बने 18,000 से ज्यादा फ्लैट्स में से 15,902 खाली, कई जर्जर

Sudama.Yadav@timesofindia.com

AI Image

■ **नई दिल्ली :** झुग्गियों में रहने वालों के पुनर्वास के लिए सरकार ने 18,000 से अधिक फ्लैट्स बनवाए थे। उनमें से 15,902 फ्लैट्स खाली पड़े हैं। इतने साल में सिर्फ 2122 झुग्गीवालों को ही घर दिया जा सका है। सरकार दोबारा इन फ्लैट्स में झुग्गीवासियों को पुनर्वासित करने की कोशिश कर रही है। लेकिन, इसके पहले सालों से खाली और जर्जर हो चुके फ्लैट्स को रिपेयर करवाना होगा। जिसके लिए अब प्लान बनाया गया है। इस प्लान पर करीब 65 करोड़ रुपये से अधिक खर्च का अनुमान है। सबसे अधिक सावदा घेवरा और सुल्तानपुरी के ईडब्ल्यूएस फ्लैटों की मरम्मत पर खर्च होंगे।

सबसे अधिक खर्च सावदा घेवरा और सुल्तानपुरी के फ्लैटों पर होंगे

जवाहरलाल नेहरू नेशनल अर्बन रिन्यूअल मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत दिल्ली के अर्बन एरिया में स्थित झुग्गियों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए दिल्ली में 4 जगहों पर 18,084 फ्लैट्स बनाए गए। यह फ्लैट्स 2008 से 2016 के बीच बनाए गए। जिसमें से सावदा घेवरा में 7620, सुल्तानपुरी सी-ब्लॉक में 1060, द्वारका सेक्टर-16बी के साइट नंबर-1 पर 980, साइट-2 पर 736 और 288 फ्लैट्स और जहांगीरपुरी पॉकेट-2 में 7400 फ्लैट्स बनाए गए। इतने साल बाद 18,084 फ्लैटों में से सिर्फ 2122 फ्लैट्स ही आवंटित किए जा सके। बाकी 15,902 फ्लैट्स बरसों से खाली होने के चलते जर्जर हो चुके हैं। सबसे बुरा हाल सावदा घेवरा और सुल्तानपुरी सी-ब्लॉक के फ्लैट्स का है। जहांगीरपुरी में दो चरणों में फ्लैट्स बनाए गए। पहले चरण में 4,000 और दूसरे चरण में 3400 फ्लैट्स बनाए गए। यहां अभी तक न तो रोड डिवेलप हो सकी है और न ही पार्क बने हैं। सीवर लाइन भी डालना बाकी है। अब, नई सरकार के आने के बाद झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों को पुनर्वासित करने के दूसरी बार गंभीरता से प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए सभी जगहों पर बने फ्लैट्स की मरम्मत की प्लानिंग की गई है।

दिल्ली सरकार के सूत्रों के मुताबिक सावदा घेवरा में बने फ्लैटों में से 2416 फ्लैट्स के मरम्मत करने का प्लान है। इस पर कुल 27.49 करोड़ रुपये खर्च की अनुमानित लागत तैयार की गई है। सुल्तानपुरी में बने सभी फ्लैट्स की मरम्मत की जाएगी, जिस पर करीब 14.79 करोड़ रुपये खर्च होंगे। द्वारका सेक्टर-16 बी में दो साइटों पर बने कुल 2004 फ्लैट्स की मरम्मत पर करीब 15.33 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। कुल मिलाकर इन सभी जगहों पर बने फ्लैटों की मरम्मत पर दिल्ली अर्बन शेल्टर इम्प्रूवमेंट बोर्ड ने कुल 65 करोड़ रुपये से अधिक राशि को अनुमानित लागत तैयार की है।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

शोक सन्देश

पुण्यतिथि

27 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शत-शत नमन

संत बाबा नागपाल जी छतरपुर मंदिर दिल्ली

KUMAR JEWELS
A-59B, GF, Lajpat Nagar-II, Nr Bikanervala, New Delhi-24,
Ph-011-46727416, 17
Kumar Pahlajani 9811400015,
Prakash Pahlajani 9811088067

27 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शत-शत नमन

संत बाबा नागपाल जी
तेरा शुक्र मैं कैसे करूँ,
मेरे बाबा मैं तो रत्ती भर भी,
तेरे काबिल नहीं,
तेरे प्रेम से जिंदा हूँ मैं,
तेरे बिना कोई साहिल नहीं।
संत नागपाल चरणकमलानी,
कमल किशोर भाटिया

TO BOOK AN OBITUARY AD PLEASE CONTACT
VINOD : 99589 92088

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES

निशा जैन
प्रथम पुण्य तिथि
15-12-2024
मैं स्वयं पूर्ण निश्चिन्त अहो,
जो कुछ भी होना हो सो हो,
मैं अक्षय चिन्मय सहज प्रभु,
प्रभुता प्रगटे तो क्या होगा!!
तुम्हारे अपने विनोद जैन प्रभा जैन प्रमोद जैन
आर्य पुरा पुरानी सब्जी मंडी दिल्ली 110007

TO BOOK AN OBITUARY & REMEMBRANCE AD PLEASE CONTACT
VINOD : 99589 92088
PANKAJ : 81306 04727
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.

Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

Maximum 50 lines

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 12-14-2025 22:39 Color:

गाजियाबाद में घर के अंदर चल रही नकली दवाइयां बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

घर में बन रहा था कैंसर फैलाने का सामान! पकड़ी नकली दवा फैक्ट्री

NBT 3 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

क्राइम ब्रांच की साइबर सेल यूनिट ने इनपुट के बाद गाजियाबाद के लोनी स्थित मीरपुर गांव में 400 गज के घर के अंदर चल रही नकली दवाइयां बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। पुलिस टीम ने भारी मात्रा में नकली दवाइयों की खेप बरामद की है।

आरोपियों ने इस जगह को इसलिए चुना क्योंकि ये शहर से काफी दूर है और गांव के अंदर है। रॉ मैटेरियल केमिकल मशीनरी सब इस फैक्ट्री के अंदर लगाया हुआ था और अच्छी नामी कंपनियों के नाम का इस्तेमाल कर खुलेआम नकली दवाइयों को बनाकर नॉर्थ इंडिया में सप्लाई किया जा रहा था। पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान गांव मीरपुर, लोनी, गाजियाबाद निवासी गौरव भगत और निर्मल विहार, समापुर, दिल्ली निवासी श्रीराम उर्फ विशाल गुप्ता के रूप में हुई है।

पुलिस ने भारी मात्रा में नकली दवाइयां बरामद कीं

आरोपी स्किन डिजीज में इस्तेमाल होने वाली बेटनोवेट-एन क्रीम, क्लोप-जी क्रीम और स्किन शाइन क्रीम बना रहे थे। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर 2.30 करोड़ रुपये की नकली दवाइयों के अलावा पैकिंग मटेरियल, मशीन, कच्चा माल व अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ये पिछले कई सालों से यहां पर नकली दवाइयां बनाने का काम कर रहे थे। इनका नेटवर्क उत्तर-भारत के कई राज्यों में फैला हुआ है। यह लोग क्रीम बनाकर होलसेलर को बेचते हैं। इसके बाद होलसेलर से सप्लायर इनको देशभर में पहुंचा देते हैं। आरोपियों ने करोड़ों का मुनाफा कमाया है।

क्राइम ब्रांच डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक टीम को सूचना मिली थी कि कुछ लोग नकली दवाइयां बनाकर बेच रहे हैं। सबसे पहले श्रीराम उर्फ विशाल गुप्ता को पकड़ा। इसकी निशानदेही पर भारी मात्रा में नकली दवाइयां पकड़ीं। आरोपी ने खुलासा किया कि बरामद सभी फर्जी दवाइयों को लोनी, गाजियाबाद के मीरपुर में बनाया जा रहा है। पुलिस ने मीरपुर में छापेमारी की। वहां से गौरव भगत नाम के आरोपी को पकड़ लिया। इनकी फैक्ट्री से भारी मात्रा नकली दवाइयां और कच्चा माल व मशीन बरामद हुई। पूरे देश में आरोपी इन दवाइयों को अपने नेटवर्क से सप्लाई करवा रहे थे।

अभी भी कई गिरफ्तारियां होनी बाकी : पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी कई गिरफ्तारियां होना बाकी है। इनकी तलाश में दिल्ली-एनसीआर के अलावा दूसरे स्थान पर छापेमारी की जा रही है। बरामद नकली दवाइयों के इस्तेमाल से कैंसर जैसे रोग होने की संभावना रहती है।

QR कोड से पहचानें असली दवा

यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी पिछले महीने गाजियाबाद पुलिस ने 3 करोड़ रुपये का नकली कफ सीरप पकड़ा था।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

नकली दवाओं की खपत के पीछे सबसे बड़ी वजह है कमजोर निगरानी सिस्टम। कायदे से ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट की ये जिम्मेदारी है कि वह नकली दवाओं की खरीद फरोख्त करने वालों को पकड़े। आम लोग गौर से दवा की पैकेजिंग देखें। उस पर प्रिंट जानकारी स्पेलिंग एरर, मिस प्रिंट या हल्की पैकिंग को चैक करें। इसके अलावा पैकेजिंग सील सही लगी है या नहीं। दवा बाजार मूल्य से बहुत कम कीमत पर मिल रही है, तो संभव है कि वह नकली हो। अगस्त 2023 के बाद बनी 300 ब्रांडेड दवाओं की पैकेजिंग पर क्यूआर कोड अनिवार्य है। इस कोड को स्कैन करने पर दवा से जुड़ी पूरी जानकारी मिलती है। अगर दवा पर क्यूआर कोड नहीं है, तो वह नकली हो सकती है।

तीन गैंगस्टर्स को एक साल के लिए किया तड़ीपार

सुनवाई में पेश नहीं हुए साबिर-रिजवान, जबकि मुमताज ने रखा था अपना पक्ष

Shanker.Singh@timesofindia.com

AI Image

■ **नई दिल्ली:** नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली में सक्रिय तीन गैंगस्टरों को पुलिस ने एक-एक साल के लिए तड़ीपार (दिल्ली आउट) कर दिया है। गैंगस्टर हाशिम बाबा के करीबी साबिर चौधरी पिछले साल 7 दिसंबर 2024 को फर्श बाजार एरिया में हुए बर्तन कारोबारी के मर्डर में वॉन्टेड है। गैंगस्टर छेनू पहलवान का छोटा भाई रिजवान 29 अक्टूबर 2025 को सीलमपुर में हुए बाबा गैंग के मिस्बाह की हत्या के बाद से गायब है। गैंगस्टर मुमताज भी छेनू गैंग का मेंबर है, जो 20 मई 2025 को सीलमपुर में पकड़े गए जुए-सट्टे के अड्डे के बाद फिर से सुर्खियों में आया था। मुमताज को पहले भी दो साल के लिए तड़ीपार किया जा चुका है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्पेशल सेल ने कोर्ट में पेश की चार्जशीट में बर्तन कारोबारी की हत्या को नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के ऑर्गनाइज्ड क्राइम का नतीजा करार दिया है। इस सिंडिकेट का सरगना अनवर चाचा औरसाबिर चौधरीको बताया है। पुलिस गैंगस्टर हाशिम बाबा और अनवर चाचा समेत कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, लेकिन साबिर अब तक हत्थे नहीं चढ़ा है। नॉर्थ ईस्ट जिला पुलिस ने 1995 से चल रहे साबिर के 14 केसों की पेंडेंसी के मद्देनजर तड़ीपार की कार्रवाई की है। वह तीन मर्डर और मकोका समेत कुल 10 केसों में बरी हो चुका है। आखिरी बार वह 2022 में आर्म्स एक्ट में अरेस्ट हुआ था।

मोहम्मद मुमताज भी 2002 से अपराध में लिप्त रहा है, जिस पर लूट, डकैती, जबरन वसूली और आर्म्स एक्ट के 23 केस दर्ज हुए थे। अधिकतर में बरी हो गया। वह मकोका और डबल मर्डर में भी आरोपी रहा, जिस पर अभी सात केस चल रहे हैं। पुलिस का मानना है कि इसकी दिल्ली में मौजूदगी आम जनता के जानमाल के लिए खतरनाक है। इसने अपने खिलाफ चली तड़ीपार की कार्यवाही में हाजिर हुआ और इसका विरोध किया। इसका दावा था कि इसके खिलाफ सभी मामले झूठे और फर्जी हैं। सुनवाई के दौरान इस पर इसी साल दर्ज गैम्बलिंग एक्ट के केस का भी संज्ञान लिया गया और तड़ीपार करने पर मुहर लगाई गई।

नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली में सक्रिय रहे हैं तीनों गैंगस्टर

गैंगस्टर मोहम्मद इरफान उर्फ छेनू पहलवान के छिप्यांग भाई रिजवान पर तड़ीपार की कार्यवाही 2021 से चल रही थी। वह लगातार सुनवाई से बच रहा था। वह 2017 में भजनपुरा और जाफराबाद में हुए मर्डर के दो केसों और विवेक विहार में 2020 में झपटमारी के एक मुकदमे में आरोपी रहा। हत्या के केस अभी चल रहे हैं, जबकि विवेक विहार के केस में वह बरी हो चुका है। पुलिस अफसरों ने बताया कि सीलमपुर में अक्टूबर में हुए मिस्बाह के मर्डर के बाद से वह गायब है। आशंका है कि इस हत्याकांड के पीछे उसका हाथ है। फिलहाल उसके विदेश भागने के इनपुट हैं। इसका भाई छेनू पहलवान यूएपीए के तहत जेल में बंद है।

BJP नेता की हत्या में आरोपी अरेस्ट

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के तुगलकाबाद गांव में शराब पीने के दौरान हुए झगड़े में भाजपा कार्यकर्ता विकास मावी की हत्या के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। डीसीपी डॉ. हेमंत तिवारी के अनुसार पकड़े गए आरोपी की पहचान राहुल बिधूड़ी के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में पहले ही तीन आरोपी विशाल राय, प्रवीण उर्फ पम्मी व केशव बिधूड़ी को गिरफ्तार कर चुकी है। राहुल केशव बिधूड़ी का भाई है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

मधु विहार में मंदिर के दानपात्र से कैश-लाखों के गहने चोरी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** मधु विहार इलाके में प्राचीन साईं शनि धाम मंदिर के दानपात्र से कैश और 80 ग्राम वजन के सोने का हार चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक कृष्णानंद शास्त्री ने शिकायत दर्ज कराया था कि 12 दिसंबर को जब पूजा के लिए पहुंचे तो मुख्य द्वार कटा मिला। दानपात्रों से सारा कैश गायब है। मां दुर्गा का 80 ग्राम सोने का हार, डीवीआर, टीवी गायब मिले।

मंदिर से मूर्ति चुराने वाला गिरफ्तार

डाबड़ी इलाके में मंदिर में घुसा व्यक्ति मूर्ति से सोने की बालियां और लड्डू गोपाल की मूर्ति ले गया। पुलिस ने आरोपी नबी हसन उर्फ पेंटी किलर उर्फ लेमिनेशन को पकड़ा है। उसके कब्जे से मूर्ति और चोरी की बालियां बरामद कर ली गई हैं।

वारदात कर होटल में छिपते थे, 2 धरे

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** मधु विहार पुलिस ने दो ऐसे बदमाशों जतिन (22) और रितिक (22) को गिरफ्तार किया है, जो वारदात कर होटल में छिप जाते थे। ईस्ट जिले के डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि 11 दिसंबर को वेस्ट विनोद नगर निवासी चेतन कुमार रावत और चंदन विहार निवासी अनुज कुमार से बदमाशों ने मोबाइल छीना था। एसएचओ अरुण कुमार के नेतृत्व में एसआई सोमेश, हेड कॉन्स्टेबल सचिन त्यागी, प्रमोद और कॉन्स्टेबल नीतीश की टीम दोनों को पकड़ा।

झुग्गी में लगी आग, एक साल के मासूम की मौत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

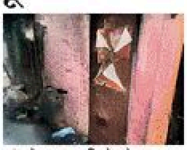

जांच में पता चला कि बेड के पास रखा था चूल्हा, जिससे लगी आग

विवेक विहार इलाके में शनिवार रात एक झुग्गी में आग लग गई। जिसके चपेट में आने से एक साल के बच्चे की मौत हो गई, जबकि चार साल की बच्ची झुलस गई। सूचना के बाद मौके पर क्राइम टीम और एफएसएल की टीम भी पहुंच गई। शुरुआती जांच के बाद पता चला है कि झुग्गी में चूल्हे के पास ही बेड रखा हुआ था। खाना बनाने के दौरान चादर में आग लग गई।

शाहदरा जिला के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि हादसा शनिवार रात करीब 10:15 पर राजीव कैंप, झिलमिल, विवेक विहार में हुआ। यहां अतुल पंडित परिवार के साथ रहते हैं। वह मिनी टैंपो चलाते हैं। परिवार में पत्नी निशा, 4 साल की बेटी परी और एक साल बेटा अंश था। हादसे के वक्त अतुल पंडित बाहर गए हुए थे और निशा दोनों बच्चों को बेड पर बैठा कर टॉयलेट चली गई थी। बेड के पास ही चूल्हा था। करीब 15 मिनट बाद निशा लौटी तो देखा कि बेड के अलावा पूरी झुग्गी में आग लगी हुई है। लोगों ने बाल्टी से पानी लाकर आग पर काबू पाया। दोनों को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने अंश को मृत घोषित कर दिया। परी की हालत भी काफी गंभीर बनी हुई है। पुलिस को रात करीब 11:30 बजे जीटीबी अस्पताल से हादसे की सूचना मिली। उस वक्त निशा बयान देने की हालत में नहीं थी। बाद में पूछताछ हुई तो पता चला कि बेड के पास ही चूल्हा था, जिस वजह से आग लग गई। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

विवेक विहार इलाके की घटना, 4 साल की बच्ची भी झुलसी

DU : वायरल विडियो की जांच के लिए बनी कमिटी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

दिल्ली यूनिवर्सिटी के पोस्टग्रैजुएट कोर्स की एक स्टूडेंट के वायरल विडियो को लेकर डीयू प्रशासन ने एक कमिटी बनाई है। फैकल्टी ऑफ सोशल साइंसेज की एक स्टूडेंट ने सोशल मीडिया में कुछ विडियो अपलोड कर अपने डिपार्टमेंट के दो प्रोफेसर पर हैरेसमेंट का आरोप लगाया है। डीयू प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया इस तरह की कोई शिकायत उन्हें नहीं मिली है। वायरल विडियो को देखते हुए स्टूडेंट से संपर्क करने की कोशिश भी की गई, लेकिन संपर्क नहीं हुआ। अधिकारी ने बताया कि वायरल विडियो को देखते हुए जांच कमिटी बना दी गई है, जो जल्द ही रिपोर्ट देगी।

तीन मेंबर की इस कमिटी की चेयरपर्सन साउथ कैंपस की डायरेक्टर प्रो. रजनी अब्बी हैं। प्रॉक्टर प्रो. मनोज सिंह भी इसमें शामिल हैं। महिला स्टूडेंट ने अपने विडियो में बताया है कि उन्होंने एक प्रफेसर के पक्षपाती रवैए के खिलाफ रील्स बनाई थीं, जिन्हें डिलीट करने का डिपार्टमेंट हेड ने दबाव बनाया और धमकाया। एक विडियो में वह रोती हुई भी नजर आ रही हैं। उन्होंने एग्जामिनेशन के लिए एडमिट कार्ड ना मिलने की बात भी की है, हालांकि प्रशासन की ओर से कहा गया है कि उनके फॉर्म में कुछ गड़बड़ी थी। स्टूडेंट ने शनिवार को भी एक विडियो जारी कर कहा कि उन्हें अब डीयू से मास्टर्स की डिग्री नहीं चाहिए,, "शिक्षा अधिकार है, भीख नहीं"। सोशल मीडिया में वह विडियो काफी वायरल हो रहे हैं, लोग जांच की भी मांग कर रहे हैं।

हजार करोड़ के साइबर फ्रॉड का चीन कनेक्शन

■ भाषा, नई दिल्ली

- CBI चार्जशीट में 4 चीनी नागरिकों का नाम
- लोन आवेदन से लेकर फेक जॉब के ऑफर के जरिये करते थे धोखाधड़ी

सीबीआई ने 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम हड़पने के आरोप में चीन के चार नागरिकों समेत 17 लोगों और 58 कंपनियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अक्टूबर में गिरोह का पर्दाफाश करने के बाद जांचकर्ताओं ने पाया कि यह एक सुनियोजित सिंडिकेट था, जो डिजिटल फ्रॉड कर रहा था। धोखाधड़ी के इन तरीकों में भ्रामक लोन आवेदन, फर्जी निवेश योजनाएं, फर्जी पार्ट-टाइम नौकरी के ऑफर और फर्जी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म शामिल थे।

एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरोह ने 111 मुखौटा कंपनियों के जरिये अवैध धन के लेन-देन को छिपाया और 'म्यूल' अकाउंट के जरिये करीब 1 हजार करोड़ रुपये की हेराफेरी की।

TIMES interact — Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

भर्ती
भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति
अन्य रिक्तियां
एकाधिक रिक्तियां

KONARK ARCHITECTS
C-45, Anand Vihar, Maholi Road, Mathura (U.P.)
WALK - IN - INTERVIEW

Position	Post
Assistant Architect	1
Draughtsman (Civil)	2
Surveyor (Civil)	1
Manager (M.B.A.)	1
Public Relation Officer (P.R.O.)	1
Computer Operator with Good Knowledge of Ms Excel (Preparing for Land & Building Valuation)	2

konarkassociates23@gmail.com
Mob. 9058091299

रिक्त पद

FEMALE cand as food pkg incharge(diploma(food)&fr m NRDLI pf(4)2) EXP GRAPHIC DESIGNER Cont 9811573700(only whtsapp)

व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन

THIS is to certify and declared that I AARRITI JAIN, Age 16yrs, DOB 11-07-2009 is the R/o RZ-14A, Street No-07, Prem Nagar, Uttam Nagar, Near Uttam Nagar West Metro Station, New Delhi-110059 and my Father's Name is NISHANT KUMAR JAIN and my Mother's Name is SHITAL JAIN as per my birth certificate and school record.

I, Sunil Kumar Rattewal, R/o H.No. 909, Sector 46, Gurugram have changed my minor daughter's name from ADVITA to ADVITA RATTEWAL for all future purposes.

टेंडर और नोटिस
निविदाएं (टेंडर्स)

E-AUCTION NOTICE
e-Auction forms are invited for the Disposal of Fire-Affected Shed, P&M & Other Scrap Salvage- Lot 1: Approx. 530 MT Plant Machinery, Lot 2: 27.90 MT Motors, Lot 3: 50 MT MS Heavy Scrap, Lot 4: 19 MT MS Light Scrap, Lot 5: 51.50 MT Gear Boxes, Lot 6: Furniture & Fixtures, Lot 7: 2.8 MT Cable Scrap Salvage to be sold on "As Is Where Is" basis, lying at M/s. MRL Tyres Limited, Add- B-13 & B-14, Site-C, Surajpur Industrial Area, G. Noida, Distt. G.B. Nagar, (U.P.). Contact Person: Mr. Mantosh Parida, Mob: 9861282696. Inspection can be done: 29/12/2025 with prior appointment. Date of e-auction is 30/12/2025 from 01 PM Onwards. E-auction Form with Earnest Money Deposit (EMD) to be submitted latest by 29/12/2025 up to 6 PM at the auctioneer's address. E-Auction Portal is www.thesalvagebids.com, visit and register yourself. For Inquiries please contact:-
Mr. Prem Roy - 9811990540
Mr. Vishal Singh - 9811990213
The Salvage Bids, H2 office no. 303, 3rd Floor, Apra Northex Plaza, Netaji Subhash Place, Delhi-34

BOOK YOUR CLASSIFIED ADS
• FOR TENDER & NOTICE ADS PLEASE CONTACT AMAN : 9312633518
• FOR RECRUITMENT ADS PLEASE CONTACT AMIT : 9811790649
• FOR PROPERTY ADS PLEASE CONTACT SUNIL : 9999499496

THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquiries and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Sponsored and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

न्यायालय सूचना

[illegible]

Display of Proclamation on District Court & Court Room Notice Board 15-12-2025	Proclamation on the spot/site by beat of drums 11.12.2025
Publication in Hindustan Times and 'Navbharat Times' 15.12.2025	Auction Date 22.01.2026 (11 AM)
Report filing Court 05.02.2026	

PROCLAMATION OF SALE (Under Order 21 Rule 66)
IN THE COURT OF SH. CHANDER MOHAN DJ-14, CENTRAL DISTRICT, ROOM NO. 503, 5th FLOOR, EXTN. BLOCK, TIS HAZARI COURTS, DELHI.
IN CIVIL SUIT NO. 54/2015 (Old case No. 259/83) & EX. PET. NO. 1572 OF 2017
VAS DEV (THR. LR) & ORS. ...DECREE HOLDERS
Vs.
BALDEV RAJ ANAND & ORS ...JUDGMENT DEBTORS

[illegible]

CONDITIONS OF SALE

[illegible]

SCHEDULE OF PROPERTY

[illegible]

Details of an encumbrance to which the property is liable.
Not Given
Reserve Price Rs. 76,42,77,052/-
Earnest Money deposit (EMD) Rs. 76,42,771/-

HEALTH & WELLNESS

बचपन की गलतियों से बने गुप्त रोगों के लिए
चेतन आयुर्वेदा
▸बदरपुर ▸दरियागंज ▸भजनपुरा ▸छतरपुर
E-2, Opp Petrol Pump Bhajanpura
9817469817

SEX PROBLEM
बचपन की गलतियों के कारण आयी सभी सेक्स समस्याओं के समाधान के लिए हमारी सलाह द्वारा दवा का सेवन करें और 15 ही दिन में फर्क देखें
सिर्फ ₹955 महीना
घर बैठे दवा मंगवायें
सन्यासी आयुर्वेदा
• मंगोलपुरी • कालकाजी
फ्री सलाह: 8527001155

TO BOOK YOUR SOULMATE ADS PLEASE CALL
AMIT : 9811790649
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com

BOOK YOUR TRAVEL ADS
CALL : 18001205474 (Toll Free)
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE
SCAN QR CODE

PROPERTY FOCUS

WAREHOUSE SPACE AVAILABLE ON LEASE
OM LOGISTICS LTD. Making Business Simple

LOCATIONS	AREA (sq. mtr.)
HODAL (HARYANA) BANK ON NH-2, NEAR JBM PLANT	6,000
KHARKHODA (HARYANA) NEAR MARUTI SUZUKI PLANT	3,400
BAGHOLA (HARYANA)	1,400
BECHARAJI (GUJARAT) NEAR MARUTI PLANT	5,300
VITHALAPUR (GUJARAT) NEAR HONDA PLANT	1,800
SRI CITY (ANDHRA PRADESH)	1,800
ANANTAPUR (ANDHRA PRADESH) NEAR KIA PLANT	1,400
PITHAMPUR (MADHYA PRADESH) NEAR EICHER MOTORS	2,300
SRIPERUMBUDUR (CHENNAI)	1,400

BUILD TO SUIT OPTION IS AVAILABLE AT
AMBALA (HARYANA) ON CHANDIGARH - JAIPUR EXPRESSWAY | SOHNA (HARYANA) NEAR DELHI - MUMBAI EXPRESSWAY
9289129242 | 9268568476

MISSION / ADMISSION

Bharatiya Vidya Bhavan
Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001
Trained More Than 1 Lakh Astrologers Since 1987
ADMISSION OPEN FOR JANUARY 2026 BATCH
BHAVAN'S K.N. RAO INSTITUTE OF ASTROLOGY
One Year Course in Jyotish Alankar
One Year Course in Jyotish Acharya
(Classes twice a week)
Learn Authentic Astrology
Online Classes : 9:30 AM to 12:30 PM (Every Saturday & Sunday) 8:00 PM to 11:00 PM (Every Tuesday & Thursday) 8:00 PM to 11:00 PM (Every Wednesday & Friday)
Offline Classes : 2:45 PM to 05:30 PM (Every Saturday) 2:00 PM to 05:15 PM (Every Sunday)
Mode of Teaching: Classes are available in both English and Hindi Medium
Minimum Qualification: 10 +2 Minimum Age 21 Years and Above
Research Classes on Every Sunday 02:00 PM to 05:00 PM
For Admission : 011-23389942, 7838811279, Email : spccm@bvbdelhi.org
SIX MONTH CERTIFICATE & ONE YEAR DIPLOMA COURSES
YOGA, VASTU, NUMEROLOGY, ACUPRESSURE, DIET & NUTRITION, PALMISTRY, YANTRA, RUNE READING, SWITCHCORD TAROT CARD, HOLISTIC HEALING, NATUROPATHY, PRANIC HEALING
Age No Bar / Minimum 10th Pass
For Admission : 011-23382002, 8384074535, Email : pro@bvbdelhi.org
A Course to Understand Bhagavad Gita In Contemporary Context by Retired IAS Officer Sh. K. Siva Prasad
M - 8920811004 (Online/Offline)
English & Hindi Medium
For more details please visit our website : www.bvbdelhi.org

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL | BUSINESS | PROPERTY
RECRUITMENT, EDUCATION | SHOPPING | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL
TENDER, PUBLIC NOTICE | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | BIRTHDAY/ANNIVERSARY ADS
Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
Central Delhi2 + Ghaziabad + East Delhi	Sunil Srivastava	99994 99496
South Delhi + Faridabad + Noida	Raghav Arora	99999 95460
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518

वेस्ट यूपी में दर्जनों हादसे, 15 से ज्यादा घायल हुए

कोहरे का कहर, रोहतक में NH पर टकराईं 40 गाड़ियां, 2 मौतें

■ NBT न्यूज, रोहतक/मथुरा

रोहतक में NH 152 डी पर रविवार को एक के बाद एक कई गाड़ियां टकराईं।

हरियाणा और वेस्ट यूपी के कई इलाकों में रविवार को कोहरे का कहर देखने को मिला। इसकी वजह से रोहतक में नैशनल हाइवे पर एक के बाद एक करीब 40 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इन हादसों में दो लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस प्रशासन ने क्रेन की मदद से आपस में फंसे वाहनों को अलग किया। वेस्ट यूपी के भी कई जिलों में कोहरे की वजह से कई हादसे हुए और कई हाइवे पर ट्रैफिक बुरी तरह प्रभावित हुआ।

मौसम विभाग ने पहले ही हरियाणा के 11 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी किया था। सुबह से ही घना कोहरा छाया हुआ था। नैशनल हाइवे नंबर 152 डी पर धान से भरा एक ट्रक पलट गया। दृश्यता कम थी। ऐसे में पीछे से आ रहे वाहन एक-दूसरे से टकराते चले गए। करीब 40 वाहन एक-दूसरे से टकराए। इसी दौरान ट्रक और कार की टक्कर में चरखी दादरी निवासी आशीष और एक अन्य शख्स की मौत हो गई। जींद में भी कोहरे के कारण कई हादसे हुए। निडानी गांव के पास एक सहकारी समिति की बस की टक्कर ट्रैक्टर-ट्रॉली से हो गई। घटना के समय बस में 40 लोग सवार थे। इनमें से तीन लोग चोटिल हुए। सिरसा, हिसार और फतेहाबाद जिलों में भी रविवार सुबह घने कोहरे से कई हादसे हुए।

आगरा, मथुरा, मुरादाबाद... में भी कई हादसे

आगरा, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस समेत वेस्ट यूपी के कई जिलों में कोहरे की वजह से सड़क हादसे हुए। विजिबिलिटी कम होने से दिल्ली-आगरा हाइवे पर दर्जनों गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इसके बाद वृंदावन से कामवन जा रही एक प्राइवेट बस भी दुर्घनाग्रस्त गाड़ियों से टकरा गई, जिससे बस में सवार कई साधु घायल हो गए। क्रेन की मदद से गाड़ियों को हाइवे से हटाया गया। मथुरा और आगरा के भी कई प्रमुख हाइवे पर हादसे हुए। इनमें करीब 15 लोग घायल हो गए। उधर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर निर्माण कार्य के चलते डायवर्जन था। कोहरे और डायवर्जन के कारण चार कारें एक-एक कर आपस में टकरा गईं। हादसे में 6 लोग घायल हो गए। कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित रहा। मुरादाबाद हाइवे पर एक लोडर पलट गया। हादसे में ड्राइवर बाल-बाल बच गया। पुलिस और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि कोहरे के दौरान धीमी गति से वाहन चलाएं, फॉग लाइट का प्रयोग करें और सुरक्षित दूरी बनाए रखें, ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके।

बनासकांठा में पुलिस, वन विभाग की टीम पर हमला, 47 घायल

■ भाषा, बनासकांठा: गुजरात में बनासकांठा जिले के पाडलिया गांव में 500 लोगों की भीड़ के हमले में पुलिस, वन विभाग के 47 अधिकारी घायल हो गए। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। हालांकि, उन्होंने हमले के कारणों का खुलासा नहीं किया। पाडलिया में वन विभाग के सर्वे नंबर 9 क्षेत्र को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। गांव वालों को आशंका है कि उन्हें जमीन से बेदखल कर दिया जाएगा। इसी को हमले की मुख्य वजह माना जा रहा है।

> 500 की भीड़ ने चलाए पत्थर, तीर। जमीन विवाद पर हमले की आशंका

बनासकांठा के डीएम मिहिर पटेल ने बताया कि बीते शनिवार को दोपहर अधिकारियों की एक टीम नर्सरी और पौधारोपण का काम कर रही थी। अचानक करीब 500 लोगों की भीड़ ने पत्थरबाजी की और तीर-कमान का इस्तेमाल करते हुए उन पर हमला कर दिया।

मैत्रेयी पुष्पा को 2025 का IFFCO साहित्य सम्मान

युवा साहित्य सम्मान अंकिता जैन के नाम

■ NBT रिपोर्ट

मैत्रेयी पुष्पा

अंकिता जैन

देश की बड़ी सहकारी संस्था इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर को-ऑपरेटिव लिमिटेड (IFFCO) ने साल 2025 के लिए अपने साहित्य के सबसे बड़े पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इस साल का इफको साहित्य सम्मान जानी-मानी कहानीकार मैत्रेयी पुष्पा को दिया जाएगा। वहीं, 'इफको युवा साहित्य सम्मान 2025' लेखिका अंकिता जैन को उनकी किताब 'ओ रे! किसान' के लिए मिलेगा।

मैत्रेयी के लेखन में गांवों की जिंदगी की फील: मैत्रेयी पुष्पा का जन्म 30 नवंबर 1944 को अलीगढ़ के सिकुर्रा गांव में हुआ था। उनके लेखन में गांवों की जिंदगी, महिलाओं के संघर्ष और समाज की सच्चाई को गहराई से दिखाया जाता है। उनके खास उपन्यासों में 'चाक', 'अल्मा कबूतरी' और 'अगनपाखी' शामिल हैं। उन्हें कई बड़े साहित्यिक पुरस्कार मिल चुके हैं।

महिलाओं के जीवन पर आधारित है अंकिता का लेखन: अंकिता जैन की पहली किताब 'ऐसी वैसी औरत' बहुत ज्यादा बिकने वाली किताब रही थी। उनके लेखन का मुख्य विषय खेती, किसान और महिलाओं के जीवन पर आधारित होता है।

सम्मान समारोह 30 दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

पहचान की अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष (फोटो में दर्शाया गया है) जिसका नाम: अज्ञात, पुत्र: अज्ञात, निवासी: अज्ञात, दिनांक 13.12.2025 रात 9.24 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के एजी साइड सर्कुलेटिंग एरिया के गेट नंबर 8 के पास बेहोश पाया गया। उसे एलएचएमसी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में DD No.16A U/S 194 भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता, 2023 दिनांक 13.12.2025 के तहत थाना नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली में पंजीकृत किया गया है। शव को पहचान के लिए 72 घंटे के लिए एलएचएमसी अस्पताल मुर्दाघर, नई दिल्ली में रखा गया है।

शव का विवरण इस प्रकार है:

नाम: अज्ञात, लिंग: पुरुष, उम्र: 45 वर्ष (लगभग), कद: 5'7", चेहरा: गोल, रंग: गेहुंआ, बनावट: पतला, पहचान चिह्न: दाहिने हाथ की कलाई पर MANNU टैटू, पहनावा: स्लेटी रंग का स्वेटर और नीले रंग का लोअर।

स्थानीय पुलिस द्वारा पुरुष का पता लगाने के लिए गंभीर प्रयास किए गए लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। यदि किसी को पुरुष के बारे में कोई जानकारी हो तो कृपया नीचे हस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें।

थानाध्यक्ष
थाना नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली
फोन: 011-237444073, 8750871305, 9868743837

DP/16849/Rly/2025

सिडको

बोली आमंत्रण सूचना

नवी मुंबई के कुंडेवहाल में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत इंटरनेशनल एजुसिटी के लिए 45 मी और 30 मी चौड़ी अप्रोच रोड का निर्माण।

महाराष्ट्र लिमिटेड का सिडको ई-निविदा की प्रक्रिया के माध्यम से उन अनुभवी संभावित बोलीदाताओं से जो अनिवार्य पात्रता मानदंड पूरा करते हो, सिडको लिमिटेड या केंद्र सरकार या महाराष्ट्र राज्य सरकार और उसके उपक्रमों के साथ उपयुक्त वर्ग और श्रेणी में पंजीकृत हो, जिन्होंने निम्नलिखित कार्य हेतु समान प्रकृति का कार्य पूरा किया हो, से "ऑन लाइन" मद दर प्रतिशत बोलियां आमंत्रित करता है :

1. कार्य का नाम: नवी मुंबई के कुंडेवहाल में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत इंटरनेशनल एजुसिटी के लिए 45 मी और 30 मी चौड़ी अप्रोच रोड का निर्माण, 2. सी.ए. क्रमांक: 06/CIDCO/EE(CP)/2025-26, 3. बोली की लागत : ₹ 116,53,29,797.61 (जीएसटी को छोड़कर) (₹ 116,43,85,065.01 बोली योग्य भाग + ₹ 9,44,732.60 गैर-बोली योग्य भाग) 4. ज.ध.रा.: ₹ 1,17,00,000.00 5. पंजीकरण श्रेणी: वर्ग-IA (सीमा रहित)-(सिविल) 6. समापन अवधि : 487 (चार सौ सत्तासी) दिन (मानसून सहित) 7. निविदा प्रसंस्करण शुल्क : ₹ 70,800.00/- (18% जीएसटी सहित (अप्रतिदेय))

समान कार्य की परिभाषा:

बोलीदाता को एमएमआर क्षेत्र में पिछले 7 (सात) वर्षों के दौरान सड़क, एस.डब्ल्यू. ड्रेन कार्य, सीवरेज नेटवर्क, जल आपूर्ति नेटवर्क, इन्फ्रा कार्य सामूहिक रूप से या व्यक्तिगत रूप से पूरे हो चुके कार्यों का अनुभव होना चाहिए।

बोली कार्यक्रम के साथ बोली दस्तावेज 15/12/2025 को 17.01 बजे वेबसाइट https://mahatenders.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

अधीक्षण अभियंता
(पीएंडके)

CIN - U99999 MH 1970 SGC-014574
www.cidco.maharashtra.gov.in
[illegible]

कॉर्बेट में बाघों की गिनती शुरू, आदमखोर पकड़ा

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून: कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में बाघों की गिनती शुरू हुई है। रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर राहुल मिश्रा ने रविवार को इसकी जानकारी दी। बताया कि गिनती तीन चरणों में पूरी की जाएगी। इसके लिए रिजर्व क्षेत्र में 550 से अधिक कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं, ताकि हर क्षेत्र को कवर किया जा सके। बाघ गणना में कैमरा ट्रैप तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। कैमरा ट्रैप से ली गई तस्वीरों में बाघों की धारियों के पैटर्न के आधार पर उनकी पहचान की जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हर बाघ की धारियां इंसान के फिंगरप्रिंट की तरह अनोखी होती हैं।

> 550 से ज्यादा कैमरा ट्रैप लगाए गए, 3 चरणों में होगी गिनती

वहीं, पौड़ी गढ़वाल में वन विभाग की टीम ने एक आदमखोर बाघ को पिंजरे में कैद कर लिया है। बीते दिनों 60 साल की एक महिला पर बाघ ने हमला किया था, जिसमें उसकी मौत हो गई थी। अधिकारी ने बताया कि बाघ को कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के ढेला रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया है।

CJI बोले, तकनीक इंसानी विवेक का विकल्प नहीं

जस्टिस सूर्यकांत

■ पीटीआई, कटक: भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि तकनीक का इस्तेमाल इंसानी सोच और विवेक को मजबूत करने के लिए होना चाहिए, न कि उसकी जगह लेने के लिए। कटक में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान तकनीक बेहद उपयोगी साबित हुई, लेकिन यह भी सच है कि तकनीक के साथ कुछ जोखिम, चुनौतियां भी आती हैं।

उन्होंने कहा, डीपफेक और डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों के दौर में अदालतें अंधा भरोसा नहीं कर सकतीं। कोई भी ऐसा सुधार, जो गरीबों, बुजुर्गों या डिजिटल रूप से कम जानकार लोगों को बाहर कर दे, सुधार नहीं बल्कि पीछे जाने जैसा है। इसलिए तकनीक को न्याय की सेवक बनकर रहना चाहिए, उसका विकल्प नहीं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 15-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH07 User: cci Time: 12-14-2025 22:54 Color:

नए और युवा चेहरों पर बीजेपी ने जताया भरोसा

बिहार के नितिन को कार्यकारी प्रमुख बनाकर पार्टी ने एक बार फिर चौंकाया

■ पीटीआई, नई दिल्ली

बीजेपी ने 45 वर्षीय नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुनकर एक बड़ा सरप्राइज दिया है। 26 साल की उम्र में पिता की विरासत संभालकर राजनीति में आए नबीन 5 बार के विधायक हैं। नितिन नबीन की कहानी दिलचस्प है। 2006 में जब वे सिर्फ 26 साल के थे, तब बीजेपी ने उन्हें पटना पश्चिम सीट से मैदान में उतारा था। यह सीट उनके पिता और पार्टी के सीनियर नेता नवीन किशोर सिन्हा के निधन के बाद खाली हुई थी।

20 साल का सफर, 5 बार के विधायक: बीते करीब दो दशकों (20 साल) में नितिन ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे अपनी सीट (अब 'बांकीपुर' के नाम से जानी जाती है) से लगातार 5 बार चुनाव जीत चुके हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि वे जल्द ही जेपी नड्डा की जगह लेंगे और बीजेपी के फुल-टाइम राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे। वे इस कुर्सी पर बैठने वाले सबसे युवा नेताओं में से एक होंगे।

फिर चला बीजेपी का 'सरप्राइज कार्ड': बीजेपी अक्सर अहम पदों के लिए 'छिपे रुस्तम' को चुनने के लिए जानी जाती है, और इस बार भी ऐसा ही हुआ। जब उनके नाम का ऐलान हुआ तो खुद नितिन अपनी विधानसभा में एक कार्यक्रम में व्यस्त थे और हालिया जीत के लिए कार्यकर्ताओं का शुक्रिया अदा कर रहे थे।

मोदी,शाह बोले- जमीन से जुड़े नेता: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, नितिन एक मेहनती कार्यकर्ता हैं। युवा हैं, काम के प्रति समर्पित हैं और उनके पास संगठन का तजुर्बा है। वे विनम्र स्वभाव और जमीन से जुड़े काम करने के तरीके के लिए जाने जाते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नबीन के पास जनता के बीच काम करने का लंबा अनुभव है।

File Photo

ज़िम्मेदारी

- 45: नितिन नबीन की उम्र।
- 26: राजनीति में एंट्री के वक्त उम्र।
- 5 बार विधायक रह चुके हैं।
- पूर्णकालिक कमान मिली तो वे बिहार से ताल्लुक रखने वाले पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे।
- 2006 में 26 साल की उम्र में पिता के निधन के बाद राजनीति में आए थे।
- फिलहाल वे बिहार सरकार में PWD मंत्री हैं और बांकीपुर से विधायक हैं।

नितिन युवा और कर्मठ नेता हैं, जिनके पास समृद्ध संगठनात्मक अनुभव है। उन्होंने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगन से काम किया है। *-नरेन्द्र मोदी, पीएम*

यह जिम्मेदारी पार्टी के कार्यकर्ताओं को समर्पित है। *-नीतिन नबीन, बीजेपी के नए कार्यकारी अध्यक्ष*

नितिन एक समर्पित और अनुशासित राजनेता हैं। नई भूमिका में वे बीजेपी को और मजबूती देंगे। *-नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार*

छत्तीसगढ़ में कमाल

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि नए कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के पास सरकार चलाने के साथ ही संगठन (भारतीय जनता युवा मोर्चा) के लिए काम करने का अनुभव है। वे छत्तीसगढ़ और सिक्किम के पार्टी प्रभारी रह चुके हैं। छत्तीसगढ़ में पार्टी को दोबारा खड़ा करने में उनकी भूमिका की काफी सराहना हुई थी।

जीत के बड़े रेकॉर्ड

रांची (अब झारखंड) में जन्मे नितिन नबीन कायस्थ समाज से आते हैं और अभी बिहार सरकार में PWD मंत्री हैं। वे हमेशा बड़े अंतर से चुनाव जीतने के लिए जाने जाते हैं। 2006 में अपना पहला उपचुनाव उन्होंने करीब 60,000 वोटों से जीता था। इस साल हुए चुनाव में भी उन्होंने 51,000 से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की।

नेताओं ने दी बधाई

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, ज्ञान और संस्कृति की पावन धरती बिहार से आने वाले ऊर्जावान नेता नितिन नबीन को हार्दिक बधाई। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने भी बधाई देते हुए कहा कि नितिन अपनी प्रशासनिक क्षमता और वैचारिक स्पष्टता के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा कई नेताओं ने भी बधाई दी।

पंकज चौधरी को यूपी की कमान, अगले विधानसभा चुनाव में जीत की चुनौती

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

पंकज चौधरी बीजेपी के 17 वें प्रदेश अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय में केंद्रीय चुनाव अधिकारी पीयूष गोयल ने रविवार को उनके नाम का ऐलान किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित राष्ट्रीय परिषद के 120 सदस्यों का भी चयन कर लिया गया है। अध्यक्ष चुने जाने के बाद चौधरी ने कहा कि मैं रूल करने नहीं, रोल अदा करने आया हूं। आदेश देना ही नेतृत्व नहीं। मेरे लिए नेतृत्व के मायने हैं, बड़प्पन के साथ सबकी सुनना।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पद की चयन प्रक्रिया शनिवार को शुरू हुई। पंकज चौधरी के मुकाबले शनिवार को किसी और ने नामांकन नहीं किया। रविवार को हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में उनको प्रदेश अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। ढोल, नगाड़ों की थाप और शंख ध्वनि के बीच जश्न के माहौल में गोयल ने उनके नाम का ऐलान किया। उसके बाद मंच पर ही निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और नए अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कुर्सी की अदला-बदली की। भूपेंद्र चौधरी ने उनको बीजेपी का झंडा दिया।

गोयल ने राष्ट्रीय परिषद के 120 सदस्यों का भी ऐलान किया। इनमें वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लखनऊ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गोरखपुर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रयागराज से डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, उन्नाव से ब्रजेश पाठक, संभल से निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, सुल्तानपुर से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, वाराणसी से डॉ. महेंद्र नाथ, सलेमपुर से कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, बांदा से जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और गोरखपुर से रमापति राम त्रिपाठी को सदस्य नामित किया गया है।

PTI

कौन हैं पंकज चौधरी

- 17वें अध्यक्ष होंगे पंकज चौधरी यूपी बीजेपी के।
- 7 बार सांसद रह चुके हैं महराजगंज सीट से।
- 1991 में बीजेपी कार्यकारी समिति के सदस्य थे।
- 1989 में गोरखपुर नगर निगम पार्षद और डिप्टी मेयर रहे।
- 1991 में पहली बार सांसद बने और तब से सात बार जीते।
- पंकज कुर्मी समाज (OBC) से आते हैं।
- मोदी-शाह के करीबी, केंद्र में वित्त राज्य मंत्री हैं।
- इससे पहले संगठन में अहम पद पर नहीं रहे हैं।

संगठन के अनुभवी कार्यकर्ता को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य में नई ऊर्जा और गति मिलेगी। *- योगी आदित्यनाथ, सीएम*

पार्टी संगठन और सरकार के बीच तालमेल बनाना मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *-पंकज चौधरी, यूपी बीजेपी के नए अध्यक्ष*

पूरी दुनिया हैरान है कि हम [BJP] कितने अनुशासन और लोकतांत्रिक तरीके से काम करते हैं। *- पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री*

पंकज चौधरी की अगुवाई में बीजेपी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी। *-केशव मौर्य, डिप्टी सीएम*

सीटों की संख्या बढ़ा पाएंगे पंकज?

पंकज चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती 2027 का विधानसभा चुनाव ही होगी। बीजेपी लगातार लोकसभा और विधानसभा चुनाव जीत रही है, लेकिन चुनाव-दर-चुनाव उसकी सीटों की संख्या कम हुई है। बीजेपी 2014 में देश की सत्ता में काबिज हुई। उस समय 80 में से 71 सीटें देकर यूपी ने ही अहम भूमिका निभाई थी। 2017 में 312 सीटें हासिल कर बीजेपी यूपी में सत्ता में आई। उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सीटें घटकर 62 रह गईं। विधान सभा चुनाव 2022 में भी संख्या 2017 के मुकाबले घटकर 255 रह गई। 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी महज 33 सीटों पर सिमट गई। ऐसे में 2027 की चुनौती बीजेपी के लिए आसान नहीं है।

'मंत्री पद से भी बड़ी है ये जिम्मेदारी'

यूपी बीजेपी की कमान संभालने के बाद पंकज चौधरी ने रविवार को अपना अजेंडा साफ कर दिया है। उन्होंने घुसपैठियों पर सख्त रुख अपनाया और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे सारे काम छोड़कर वोटर लिस्ट दुरुस्त (SIR) करने में जुट जाएं। यूपी बीजेपी के नए अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, वह उनके अब तक के राजनीतिक सफर का सबसे गंभीर और चुनौतीपूर्ण काम है।

ममता की सीट से कटेंगे सबसे अधिक वोट!

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में एसआईआर के माध्यम से वोटर लिस्ट शुद्धिकरण के लिए बनाई जा रही नई वोटर लिस्ट का 16 दिसंबर को ड्राफ्ट पब्लिकेशन होगा। इसके बाद लोगों की आपत्तियां और दावे लेने का दौर शुरू होगा। इस बीच चुनाव आयोग के सूत्रों से पता लगा है कि इस लिस्ट में 58 लाख से अधिक वोटरों के नाम कटे हुए होंगे। लिस्ट जारी होने के बाद पश्चिम बंगाल के करीब एक करोड़ वोटरों को नोटिस जारी होने का काम शुरू होगा।

यह एक करोड़ वोटर वह बताए जा रहे हैं जिनका पश्चिम बंगाल में 2002 में हुए एसआईआर के बाद बनी वोटर लिस्ट में नाम मैच नहीं कर रहे हैं। इनके अलावा इतनी बड़ी संख्या में वोटरों में कुछ के बाहरी होने का भी संदेह है। सूत्रों का कहना है कि ऐसा नहीं है कि इतनी बड़ी संख्या में सभी बांग्लादेश, म्यांमार या अन्य किसी देश के नागरिक हों। इन वोटरों की पुरानी एसआईआर वाली लिस्ट से मैपिंग नहीं हो पाई है। इसलिए इन्हें नोटिस देकर इनकी पहचान सुनिश्चित की जाएगी। इस बीच सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल सीईओ ऑफिस से दो दिन पहले नई वोटर लिस्ट के बारे में कुछ जानकारी साझा की गई थी। जिसमें बताया गया था कि बंगाल की बन रही नई वोटर लिस्ट के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में 58 लाख से अधिक वोटरों के नाम कटे हुए होंगे। यह वोटर वो हैं। जो मर चुके हैं, स्थायी रूप से बंगाल छोड़ चुके हैं और डुप्लीकेट वोटर होने समेत अन्य कई तरह की विसंगतियों वाले वोटर पाए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विधानसभा क्षेत्र भवानीपुर में सबसे अधिक वोट कट सकते हैं। यहां 44 हजार से अधिक वोट डिलीट होना बताया जा रहा है। जबकि उत्तर और दक्षिण 24 परगना से 16 लाख से अधिक वोट कटे हैं।

सूत्रों ने यह भी बताया कि 24 लाख से अधिक ऐसे वोटरों का भी पता लगा है। जिनके छह या इससे अधिक बच्चे हैं। इनमें माता-पिता और बच्चों की उम्र में बहुत अधिक अंतर नहीं है। 85 लाख से अधिक वोटरों के पिता के नाम और अन्य कंटेंट में गलतियां मिली हैं।

File Photo

बंगाल में 58 लाख से अधिक वोटरों के नाम काटे जाएंगेः सूत्र।

'तय करें विवेकानंद चाहिए या जैक्सन'

■ **पीटीआई, श्री विजय पुरम (अंडमान):** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि हिंदू समाज को स्वामी विवेकानंद के संदेशों से सीख लेनी चाहिए। शनिवार को यहां एक सभा को संबोधित करते हुए RSS प्रमुख ने कहा कि दुनिया सिर्फ सच नहीं, बल्कि ताकत को मानती है। उन्होंने हिंदू समाज से एकजुट होने की अपील की और कहा कि हमें अपनी संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि हम तय करें कि अपने घरों में विवेकानंद को चाहते हैं या माइकल जैक्सन को?

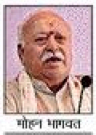

मोहन भागवत

रिश्वत कांडः राजस्थान के 3 विधायकों के खाते फ्रीज़

■ पीटीआई, जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को तीन विधायकों पर लगे रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच का आदेश दिया है। आरोप है कि ये विधायक अपने फंड (MLA LAD) से पैसा जारी करने के बदले कमीशन मांग रहे थे। जांच रिपोर्ट आने तक इन तीनों आरोपी विधायकों के फंड वाले खाते फ्रीज (बंद) कर दिए गए हैं। सीएम ने चीफ सेक्रेटरी और पुलिस महानिदेशक (DGP) को निर्देश दिए हैं कि एक हाई-लेवल कमेटी बनाकर इसकी जांच की जाए। इस कमेटी की अगुवाई राज्य के चीफ विजिलेंस कमिश्नर करेंगे।

आरोप है कि खींवसर से बीजेपी विधायक रेवंतराम डांगा, हिंडौन से कांग्रेस विधायक अनीता जाटव और बयाना से निर्दलीय विधायक रितु बनावत फंड पास करने के बदले पैसे ले रहे थे। इसी खबर के बाद सरकार तुरंत हरकत में आई। सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म X पर लिखा कि विधायक फंड में घपले की खबर बेहद गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने साफ कहा, हमारी सरकार करप्शन पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलती है। अगर कोई दोषी पाया गया तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

फंड से पैसा जारी करने के लिए कमिशन मांगने का आरोप

File Photo

सीएम भजनलाल शर्मा ने चेताया

संघ मुख्यालय नहीं गए अजित पवार

PTI

संघ मुख्यालय में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे

■ **पीटीआई, नागपुरः** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे रविवार को नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के संस्थापक डॉ. के.बी. हेडगेवार के स्मारक पहुंचे। हालांकि, सरकार में तीसरे अहम साथी डिप्टी सीएम अजित पवार और उनकी पार्टी NCP के बाकी नेता इस कार्यक्रम में नहीं दिखे।

अभी नागपुर में महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा है। हर साल इस सत्र के दौरान बीजेपी के मंत्री और विधायक रेशमबाग स्थित 'स्मृति मंदिर' जाते हैं।

62 साल चला केस, 14 हज़ार में मिलेगी 7 करोड़ की ज़मीन

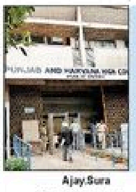

- 1963 में कुछ कानूनों का हवाला देकर बिल्डर ने वादी की मां को जमीन ट्रांसफर नहीं की।
- 1980 के बाद वादी ने कोर्ट का रुख किया। पक्ष में फैसले के बाद भी कब्जा नहीं मिला।
- अब HC ने रेट बढ़ने जैसे तर्कों को खारिज कर 1963 के रेट पर जमीन देने का आदेश दिया है।

Ajay.Sura
@timesofindia.com

■ **चंडीगढ़:** एक कानूनी लड़ाई जो 1962 में शुरू हुई और 62 साल के बाद अब खत्म हुई। पंजाब ऐंड हरियाणा हाई कोर्ट ने मूल खरीदार के अधिकार को बरकरार रखते हुए पूरी तरह से विवाद का निपटारा कर दिया। फैसले के बाद वादी को 5,103 वर्ग फुट जमीन सिर्फ कुछ हजार रुपये में मिलेगी। हालांकि, जमीन की मौजूदा कीमत करीब 7 करोड़ रुपये है। फरीदाबाद में यह जमीन 14 हजार से भी कम में खरीदी गई थी। अब सिर्फ 25 फीसदी अतिरिक्त नॉमिनल लागत पर वादी को दी जाएगी। संपत्ति के इकलौते उत्तराधिकारी सी.के. आनंद की उम्र 80 वर्ष से ज्यादा है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में बिल्डर ने जानबूझ कर जमीन वादी को ट्रांसफर नहीं की। अब इस तर्क को नहीं सुना जा सकता कि जमीन की कीमत बढ़ गई है।

1963 में हुई मामले की शुरुआत: मामले की शुरुआत 1963 में हुई, जब आसी सूद ऐंड कंपनी लिमिटेड ने फरीदाबाद में सूरजकुंड के पास ग्रीन गार्डन रिहायशी कॉलोनी शुरू की और सी.के. आनंद की मां नंका देवी से जमीन की अडवांस पेमेंट ली। कंपनी ने उन्हें 350 वर्ग गज, 217 वर्ग गज के दो प्लॉट बेचने पर सहमति जताई। नंका देवी ने बिक्री राशि की करीब आधी पेमेंट कर दी।

कानूनी पचड़ों में दशकों फंसी रही जमीन: इसके बाद मामला कानूनी अड़चनों, प्रशासनिक देरी और पीढ़ियों तक चली मुकदमेबाजी में फंस गया। बुकिंग के तुरंत बाद पंजाब शेड्यूल्ड रोड्स ऐंड कंट्रोल्ड एरियाज एक्ट, 1963 और फिर हरियाणा डेवलपमेंट ऐंड रेगुलेशन ऑफ अर्बन एरियाज एक्ट, 1975 लागू हो गए। डिवेलपर ने इनका हवाला देकर कब्जा नहीं दिया। भरोसा दिलाता रहा कि मंजूरी मिलते ही प्लॉट ट्रांसफर कर दिए जाएंगे।

कोर्ट का आदेश, फिर भी नहीं मिला कब्जा: 1980 के दशक के मध्य तक, यह आशंका जताते हुए कि प्लॉट किसी तीसरे को न बेच दिए जाएं, आवंटियों ने अदालत का रुख किया।

संसद में कॉफी के बढ़ सकते हैं दाम

5 रुपये की कॉफी अब 10 या 15 रुपये की हो सकती है

Maneesh.Aggarwal@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी समेत मौजूदा अधिकतर केंद्रीय मंत्रियों और पक्ष-विपक्ष के सांसदों की ऑल टाइम फेवरेट संसद की फेमस कॉफी बोर्ड की कॉफी महंगी हो सकती है। कॉफी का ऐसा स्वाद जो बाजार में 50-60 रुपये में भी ना मिले। यह कमाल का टेस्ट समेटे पार्लियामेंट की यह कॉफी मौजूदा समय में महज पांच रुपये की मिलती है। कीमत बढ़ी भी तो यह पांच रुपये से बढ़कर केवल 10 या 15 रुपये हो सकती है। जबकि एक कॉफी की कीमत यहां कम से कम 30 रुपये की पड़ती है। संसद भवन में कॉमर्स मिनिस्ट्री के अधीन आने वाले कॉफी बोर्ड का यह काउंटर पुरानी संसद में सेंट्रल हॉल के नजदीक है। मौजूदा समय में यहां पांच रुपये की हॉट कॉफी, 12 रुपये की कोल्ड कॉफी, 10 रुपये का टोमेटो सैंडविच, 15 रुपये का ऐग सैंडविच, 23 रुपये का चीज सैंडविच और छह रुपये का बटर टोस्ट मिलता है। यह रेट 2016 से चल रहे हैं। जबकि 40 साल पहले पांच रुपये वाली यह कॉफी 35 पैसे और 2016 से पहले यह प्रति कप डेढ़ रुपये की थी। इसके बाद मेंबरों की ही डिमांड पर इसके रेट रिवाइज किए गए। जिसमें डेढ़ रुपये की जगह इसे पांच रुपये कर दिया गया। अब करीब 10 साल बाद फिर से इसकी कीमत बढ़ सकती है।

यहां की कॉफी की यही खूबियां हैं। स्वाद जेनवन और मिलावट का कोई चांस नहीं। सामान्य दिनों में भी संसद भवन का स्टाफ और यहां आने वाले कुछ मेंबर और पूर्व मेंबर कॉफी पीने जरूर आते हैं।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in